आज़ादी का
अमृत महोत्सव

58 वीं
वार्षिक रिपोर्ट
2021-22

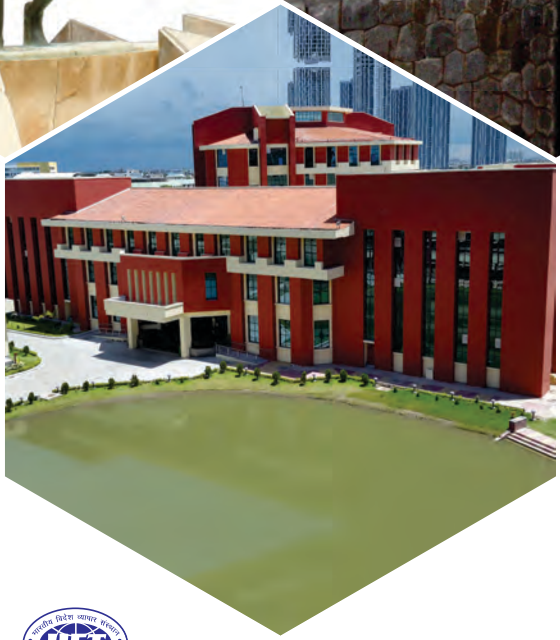

LEADERSHIP IN INTERNATIONAL TRADE AND BUSINESS

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान संस्थान का प्रबंधन मंडल

कुलाधिपति

श्री सुनील बर्थवाल
सचिव
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य भवन
नई दिल्ली–110 001

अध्यक्ष

प्रो. मनोज पंत
कुलपति
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली–110 016

सदस्य

1. **श्री अमित यादव**
   अपर सचिव
   वाणिज्य विभाग
   कमरा नं. 401, वाणिज्य भवन
   नई दिल्ली –110 001
   ई–मेल: astpd.doc@nic.in

2. **प्रो. राज एस धनकड़**
   कुलपति
   एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, सोहना–पलवल रोड, सोहना – 122 103
   गुरुग्राम, हरियाणा
   ई–मेल: rajsdhankar@gmail.com

3. **श्री गौरव चड्ढा**
   निदेशक
   गूगल इंडिया
   ब्लॉक 1, दिव्यश्री ओमेगा सर्वे नं 13
   कोठागुडा, तेलंगाना–500 084
   ई–मेल: gchadha@google.com

4. **श्री राषेश शाह**
   अध्यक्ष और सीईओ,
   एडलवाइस समूह, एडलवाइस हाउस
   ऑफ सी एस टी रोड, कलिना
   मुंबई–400 098
   ई–मेल: rashesh.shah@edelweissfin.com

5. **प्रो. आर. नागराज,**
   सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज
   प्रशांत नगर
   उल्लूर, त्रिवेंद्रम–695 011
   ई–मेल: rayaprolu.nagaraj@gmail.com

आईआईएफटी संकाय

1. **डॉ. राकेश मोहन जोशी,**
   डीन
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान,
   बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
   नई दिल्ली –110 016
   ई–मेल: rakeshmohanjoshi@iift-edu

2. **डॉ. के. रंगराजन,**
   प्रमुख, कोलकाता केंद्र
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान,
   प्लॉट नं. 1583, मदुरदाहा, वार्ड नं.108
   ईएम बाईपास, रूबी अस्पताल के पास
   कोलकाता –700 107
   ई–मेल: head&kol@iift.edu

3. **डॉ. बी.के. साहू**
   एसोसिएट प्रोफ़ेसर
   भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
   बी–21, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया
   नई दिल्ली –110 016
   ई–मेल: bksahu@iift.edu

सचिव

डॉ. पी.के. गुप्ता
कुलसचिव
ई–मेल: registrar@iift.ac.in

विषय सूची

1	समीक्षाधीन वर्ष	...	3
2	वर्ष 2021–22 में आईआईएफटी की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां : एक झलक	...	12
3	आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा	...	18
4	शिक्षण एवं प्रशिक्षण	...	26
5	आईआईएफटी में अनुसंधान	...	33
6	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	...	37
7	कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम	...	41
8	आईआईएफटी के प्रतिष्ठित केन्द्र	...	43
9	निगमित संबंध एवं नियोजन प्रभाग	...	58
10	विद्यार्थियों की गतिविधियां 2021–22	...	60
11	उद्योग, व्यापार और वाणिज्य के साथ संवाद	...	67
12	विदेश व्यापार पुस्तकालय	...	69
13	कंप्यूटर केन्द्र और आईटी सहायता सेवाएं	...	71
14	जर्नल प्रभाग	...	72
15	राजभाषा हिन्दी की गतिविधियां	...	79
16	वार्षिक लेखा	...	81
17	आईआईएफटी संकाय	...	104
18	आईआईएफटी प्रशासन	...	112
19	आईआईएफटी सहायक सेवाएं	...	113
20	अतिथि संकाय	...	114
21	स्थायी सदस्य	...	115

समीक्षाधीन वर्ष

कोविड–19 दो वर्ष से वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को विनष्ट करने में कामयाब रहा है। समस्त विश्व की अर्थव्यवस्थाओं ने अनिश्चितता का सामना किया यह चाहे इस वायरस के बार–बार आने वाले प्रतिरूपों के रूप में रही हो या फिर आपूर्ति–शृंखला में अव्यवस्था के रूप में रही हो। सन 2021 में आर्थिक क्रियाकलापों ने कुछ सकारात्मक संकेत दिखाने शुरू किए ही थे कि विश्व का सामना सभी राष्ट्रों में बढ़ती हुई मुद्रास्फीति की पूर्णतया नई बाधा से हो गया। इसके साथ युक्रेनियन युद्ध ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण को बहुत ही गहराई से नाजुक और अनिश्चित बनाने में योगदान कर दिया। ह्रासमान लोकोपकारी प्रतिकूलता से आगे बढ़ते हुए युक्रेन में हो रहे संघर्ष सारे विश्व को बार–बार प्रभावित कर रहे हैं। विश्व आर्थिक आउटलुक 2021–22 के अनुसार चीन में वायरस के उत्परिवर्तनों और कई देशों के लॉकडाउनों से आपूर्ति शृंखला में पहले ही से विद्यमान व्यवधानों को बढ़ावा मिला। इस प्रकार की प्रतिबंधित आपूर्ति और बढ़ती हुई मांग के कारण कीमतों के स्तर में निरंतर बढ़ोतरी हो सकती है जिसका परिणाम विभिन्न देशों के केन्द्रीय बैंकों द्वारा निषेधक मौद्रिक नीतियों के रूप में हो सकता है। वैश्विक स्तर पर खाद्य कीमतें सार्वकालिक उच्च स्तर पर आ चुकी हैं, 24 फरवरी 2022 को संघर्ष आरंभ होने के बाद से ब्लूमबर्ग कमोडिटी इन्डेक्स 10 प्रतिशत बढ़ चुका है और 8 मार्च 2022 के बाद से कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर यूएस $130 पर आ चुकी हैं। यद्यपि यह प्रत्याशित है कि रूस–यूक्रेन संघर्ष का कोई भी प्रत्यक्ष कुप्रभाव भारत पर नहीं पड़ेगा, क्योंकि रूस को होने वाले व्यापारिक निर्यात कुल निर्यातों का क्रमशः 0.8 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत रहे, जबकि आयात 1.5 प्रतिशत और 0.5 प्रतिशत रहे। हालांकि, अप्रत्यक्ष चौनलों जैसे कि पण्यों की कीमतों में उछाल, वैश्विक मंदी और वित्तीय बाजार में अस्थिरता के प्रभाव पड़े। (मौद्रिक नीति रिपोर्ट 2022, भारतीय रिज़र्व बैंक)

सन 2021 में जब अर्थव्यवस्थाओं ने महामारी से उबरना आरंभ किया तो बढ़ती हुई मांग और उपभोक्ताओं द्वारा व्यय पूरे विश्व में मुद्रास्फीति का उत्प्रेरक बन गए। विकसित देशों में महामारी के इन दो वर्षों में मुद्रास्फीति में लगभग 2.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। ओपेक और इसके सहयोगियों द्वारा आपूर्ति को बाधित रखने के कारण कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई। दिसम्बर 2021 में भारत की तुलना में अमरीका ने 7 प्रतिशत मुद्रास्फीति का अनुभव किया, जो बहुत सीमा तक पुनर्चक्रित ऊर्जा से संचालित रही। यूनाइटेड किंगडम में दिसम्बर 2021 में मुद्रास्फीति ने 5.4 प्रतिशत को छुआ जिसका मुख्य कारण खाद्य संबंधी लागतों में बढ़ोतरी रहा। विकासशील कारोबारी क्षेत्रों में ब्राजील की मुद्रास्फीति दिसम्बर 2021 में 10.1 प्रतिशत पर रही। टर्की की मुद्रास्फीति दिसम्बर 2021 में दो अंकों में बढ़ते हुए 36.1 प्रतिशत पर रही। हाल ही के वर्षों में अर्जेन्टीना की मुद्रास्फीति 50 प्रतिशत से अधिक रही।

किसी भी स्थिति को देखा जाए तो कई उदीयमान अर्थव्यवस्थाओं के विपरीत भारत का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक नरम ही रहा, नवम्बर 2021 में यह घटकर 4.9 प्रतिशत पर आ गया और दिसम्बर 2021 में यह 5.6 प्रतिशत पर रहा, जिसमें बोर्ड की सशक्त मालसूची के लिए भारत सरकार द्वारा किए गए उपायों का योगदान रहा। सन 2019–20 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 4.8 प्रतिशत था जो महामारी के कारण सन 2020–21 में 6.2 प्रतिशत के आसपास बना रहा। जैसा कि उपभोक्ता खाद्य कीमत सूचकांक (सीईपीआई) में आकलन किया गया है सन 2021–2022 (अप्रैल–दिसम्बर) में खाद्य मुद्रास्फीति 2.9 प्रतिशत, इसकी तुलना में एक वर्ष पहले के समय के दौरान 9.1 प्रतिशत थी। जुलाई और सितम्बर 2021 के बीच खाद्य मुद्रास्फीति में गिरावट रही। थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति में महत्त्वपूर्ण बढ़ोतरी हुई और यह 12.5 प्रतिशत पर पहुंच गया। (अप्रैल–नवम्बर 2021)। सन 2021 में वैश्विक आर्थिक परिवेश को कुछ आशा बंधी व्यापारिक वस्तुओं के कारोबार में तेज बढ़ोतरी हुई, जो महामारी से पहले की समयावधि में हुई बढ़ोतरी से भी तेज थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के विश्व आर्थिक आउटलुक (अक्तूबर 2021) के अनुसार व्यापारिक और अदृश्य वस्तुओं के कारोबार में समूचे विश्व–व्यापार में उच्च संवृद्धि रही, अर्थात सन 2021 में 9.7 प्रतिशत, यदि इसके साथ तुलना करते हुए सन 2022 की स्थिति को रखा जाए तो अनुमान है कि यह 6.7 प्रतिशत रहेगी। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार विश्वव्यापी वस्तु विनिमय की मात्रा के लिए पुनः तैयार किया गया गेज बढ़कर सन 2021 में 10.8 प्रतिशत हो गया, इसके बाद सन 2022 में 4.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी रहेगी। भारत की अर्थव्यवस्था को क्रमबद्ध रूप से खोलते जाने और नीतिगत प्रयासों से भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सन 2021–22 में 8.7 प्रतिशत की संवृद्धि संभावित है, जबकि इसकी तुलना में सन 2020–21 में 6.6 प्रतिशत की गिरावट थी। अन्य घटकों के अलावा संक्रमण के लौटने के साथ ही आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, बढ़ती हुई मुद्रास्फीति और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और कोयले की कीमतों को देखते हुए भारत सरकार की रणनीति को श्रेय रहा क्योंकि ऐसी प्रत्याशा रही कि वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद में तीसरी तिमाही (2020–2021) की तुलना में तीसरी तिमाही (2021–22) में 5.4 प्रतिशत बढ़ोतरी की संभावना की गयी थी (राष्ट्रीय सांखियकी कार्यालय सांखियकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मत्रांलय, भारत सरकार) द्वारा प्रकाशित द्वितीय अग्रिम आकलन)। कोविड–19 का कृषि और इससे संबंधित क्षेत्रों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ा, इसमें 3.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। वित्तीय वर्ष 2021–22 में इसमें 3.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रत्याशित है। इस क्षेत्र की सफलता में सरकार की नीतियों का योगदान रहा, जिनमें लॉकडाउन के दौरान भी बीजों और उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की गई। (वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित आर्थिक सर्वेक्षण – 2021–2022)। खनन और उत्खनन; व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और सेवाएं; भवन निर्माण; विनिर्माण और बिजली; गैस; जल आपूर्ति और अन्य उपयोगियता सेवाएं वित्तीय वर्ष 2020–21 के दौरान इस महामारी और लॉकडाउन से अत्यधिक प्रभावित हुईं थीं, प्रत्याशा है कि इनमें 12.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी (वित्तीय वर्ष 2020–21 में –8.6 प्रतिशत), 11.6प्रतिशत (वित्तीय वर्ष 2020–21 में –20.2 प्रतिशत), 10 प्रतिशत (वित्तीय वर्ष 2020–21में –7.3 प्रतिशत), 10.5 प्रतिशत (वित्तीय वर्ष 2020–21 में –0.6 प्रतिशत), और 7.8: (वित्तीय वर्ष 2020–21 में –3.6 प्रतिशत)। औद्योगिक उत्पाद सूचकांक में अप्रैल और नवम्बर 2020–21 के बीच –15.3 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल और नवम्बर 2021–22 के बीच 17.4 प्रतिशत की बढोतरी रही।

विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुमान

विश्व आर्थिक आउटलुक के संकेतक	साल दर साल		
		अनुमान	
	2021	2022	2023
विश्व आउटपुट	6.1	3.6	3.6
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	5.2	3.3	2.4
संयुक्त राज्य अमरीका	5.7	3.7	2.3
यूरो क्षेत्र	5.3	2.8	2.3
जर्मनी	2.8	2.1	2.7
फ्रान्स	7	2.9	1.4
इटली	6.6	2.3	1.7
स्पेन	5.1	4.8	3.3
जापान	1.6	2.4	2.3
यूनाइटेड किंगडम	7.4	3.7	1.2
कनाडा	4.6	3.9	2.8
अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	5	3.1	3
उभरते हुए बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	**6.8**	**3.8**	**4.4**
उभरता हुआ और विकासशील एशिया	7.3	5.4	5.6
चीन	8.1	4.4	5.1
भारत	8.9	8.2	6.9
एशियान	3.4	5.3	5.9
उभरता हुआ और विकासशील यूरोप	6.7	–2.9	1.3
रूस	4.7	–8.5	–2.3
लैटिन अमरीका और कैरेबियन	6.8	2.5	2.5
ब्राजील	4.6	0.8	1.4
मेक्सिको	4.8	2	2.5
मिडिल ईस्ट और मध्य एशिया	5.7	4.6	3.7
साउदी अरेबिया	3.2	7.6	3.6
सहारावर्ती अफ्रीका	4.5	3.8	4
नाइजीरिया	3.6	3.4	3.1
दक्षिण अफ्रीका	4.9	1.9	1.4
ज्ञापन			
बाजार विनिमय दरों के आधार पर विश्व में संवृद्धि	5.8	3.5	3.1
यूरोपियन यूनियन	5.4	2.9	2.5
मिडिल ईस्ट और उत्तरी अफ्रीका	5.8	5	3.6
उभरते हुए बाजार और मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाएं	7	3.8	4.3
न्यून–आय वाले विकासशील देश	4	4.6	5.4
विश्व व्यापार की मात्रा (वस्तु और सेवाएं)	**10.1**	**5**	**4.4**
आयात			
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	9.5	6.1	4.5
उभरते हुए बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	11.8	3.9	4.8
निर्यात			
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	8.6	5	4.7
उभरते हुए बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	12.3	4.1	3.6
पण्य कीमतें (अमरीकी डॉलर)			
तेल	67.3	54.7	–13.3
ईंधन से इतर (विश्व पण्यों के आयात भारांकों के आधार पर औसत)	26.8	11.4	–2.5
उपभोक्ता कीमतें			
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं	3.1	5.7	2.5
उभरते हुए बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं	5.9	8.7	6.5

स्त्रोत: अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष वर्ल्ड इकनोमिक आउटलुक अक्तूबर 2021।

कोविड–19 द्वारा व्यवधानों की बहुतायत होने के बावजूद विगत दो वर्ष की अवधि में भारत का व्यापार संतुलन धनात्मक ही बना रहा। व्यापार संतुलन में अधिशेष से भारतीय रिज़र्व बैंक को फोरेक्स रिज़र्व के संचय की हरी झंडी मिल गई, दिसम्बर 2021 में 634 बिलियन डॉलर के तुल्य फोरेक्स भंडार रहा। तथ्यों के अनुसार चीन, जापान और स्विटजरलैन्ड के बाद वैश्विक स्तर पर भारत को नवम्बर 2021 के अंत तक विदेशी मुद्रा का भंडार रखने वाले देशों में चौथा स्थान मिल गया था। भारत के व्यापार असंतुलन बढ़ते हुए भूराजनैतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमत, पश्चिमी राष्ट्रों द्वारा अपनाई गई विस्तारकारी मौद्रिक नीतियों और कोविड–19 के लौटने की संभावना के कारण वित्तीय वर्ष 2020–2021 के यूएस $102.63 बिलियन से वर्तमान राजकोषीय वर्ष के दौरान यूएस $192.41 बिलियन पर आ गए। निर्यातों ने यूएस $417.81 बिलियन का उच्च स्तर प्राप्त किया जो सरकार द्वारा निर्धारित यूएस $400 बिलियन से अधिक है; इसी दौरान आयात बढ़कर यूएस $610.22 बिलियन हो गए। (वाणिज्य और व्यापार मंत्रालय द्वारा प्रकाशित भारत की वाणिज्य वस्तुओं पर प्रेस प्रकाशनी)। निर्यात की बहाली में सरकार द्वारा अतिरिक्त वित्तपोषण ने सहायता दी है। सन 2020–21 की तुलना में सन 2021–22 में भारत की वाणिज्य वस्तुओं के निर्यात में लगभग 43 प्रतिशत और आयातों में 54 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। अप्रैल से नवम्बर 2021 में भारत को निर्यात करने वाले शीर्ष देशों में संयुक्त राज्य अमरीका, संयुक्त अरब अमीरात और चीन रहे जबकि भारत से आयात करने वाले प्रमुख देशों में चीन, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमरीका रहे। सॉफ्टवेयर और व्यवसाय से मजबूत लाभ के चलते अप्रैल–दिसम्बर 2021 के दौरान सेवाओं से निवल प्राप्तियों से आय में बड़ी तेजी रही। विगत राजकोषीय वर्ष की तुलना में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के आगम में 15 प्रतिशत की गिरावट रही, जो यूएस $87.55 बिलियन से घटकर यूएस $74.01 बिलियन पर आ गए। इक्विटी आगम, पुन: निवेशित पूंजी और अन्य पूंजी इस प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के अवयव हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 में इक्विटी में होने वाले विदेशी पोर्टफोलियो निवेश से यूएस $18.468 बिलियन बाहर गए जबकि इसकी तुलना में विगत राजकोषीय वर्ष में यूएस $37.208 बिलियन का निवल आगम रहा था। दूसरी तरफ ऋण लिखतों, आदि में निवेश में वित्तीय वर्ष 2021–2022 में यूएस $2.451 बिलियन का पूंजीगत आगम रहा, इसकी तुलना में विगत वर्ष में यूएस $0.848 बिलियन का निवल आगम हुआ था। (स्रोत : विदेशी पोर्टफोलियो में निवल निवेश एनडीएसएल द्वारा प्रकाशित)। भारतीय रुपए पर पूंजी के बर्हिगमन के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अमरीकी डॉलरों का विक्रय करके बाजार में हस्तक्षेप किया। 25 मार्च 2022 की यथास्थिति के अनुसार विदेशी मुद्रा का भंडार यूएस $617.65 बिलियन रहा जो 8.9 माह के लिए वस्तुओं के आयात के तुल्य था, जबकि विगत माह में यह 10.2 माह के आयात के तुल्य था।

महामारी के विघ्न के बाद भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी लाने और सर्वाधिक कमजोर व्यक्तियों और क्षेत्रों को मदद करने के लिए सरकार ने मांग को बढ़ावा देने और आपूर्ति को मदद देने दोनों के लिए कई नीतिगत उपाय आरंभ किए। भारत की अर्थव्यवस्था में बहाली आ चुकी है है यह सुधार के संकेत दिखा रही है। अप्रैल से नवम्बर 2021 के दौरान राजस्व प्राप्तियां बढ़कर 67.2 प्रतिशत (साल–दर–साल) पर आ गईं, जबकि बजट अनुमान 2021–22 में 9.6 प्रतिशत बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया था। सरकार ने अवसंरचना का सृजन करने के लिए अपने पूंजीगत व्यय को बढ़ा दिया। रेलगाड़ियों, सड़कों, बिजली, दूरसंचार, वहनीय आवासन और वस्त्रों पर ध्यान केन्द्रित किया गया और वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए बजट अनुमानों को ₹5.54 लाख करोड़ रखा गया जो वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए बजट अनुमान से 35.4 प्रतिशत अधिक है।

समष्टि–आर्थिक फ्रेमवर्क विवरण

क्रमांक		निरपेक्ष मूल्य अप्रैल से दिसम्बर		% परिवर्तन अप्रैल से दिसम्बर	
		2020–2021	2021–2022	2020–2021	2021–2022
	स्थावर सम्पदा				
1	बाजार कीमतों पर जीडीपी ('000 करोड़)				
	क) चालू कीमतों पर	19746	23215	–3	17.6
	ख) 2011–12 की कीमतों पर	13513	14754	–7.3	9.2
2	औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक (2011–12=100)	108.5	127.4	–15.3	17.4
3	थोक मूल्य सूचकांक (2011–12=100)	121.8	137	0.04	12.5
4	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक – मिश्रित (2012=100)	154.9	162.9	6.6	5.2
5	मुद्रा आपूर्ति (M3) (हजार करोड़)	18059.1	19741.9	124	9.3
6	वर्तमान कीमतों पर आयात				
	क) ₹ करोड़ रुपये में	1956257	3298495	–23.7	68.6
	ख) मिलियन $ में	262.8	443.8	–27.9	68.9
7	वर्तमान कीमतों पर निर्यात				
	क) ₹ करोड़ रुपये में	1500020	2238821	–10.6	49.3
	ख) मिलियन $ में	201.4	301.4	–15.5	49.7
8	व्यापार संतुलन (मिलियन यूएस $)	–61.4	–142.4		
9	विदेशी मुद्रा भंडार (मार्च के अंत में)				
	क) ₹ करोड़ रुपये में	4280252	4707812	30.5	43.5

	ख) मिलियन यूएस $ में	5,85,771	6,33,614	27.4	8.2
10	चालू खाता शेष (बिलियन यूएस $)	34.4	–3.0		
सरकारी वित्त (करोड़ में)					
अप्रैल – नवम्बर					
1	राजस्व प्राप्तियां	812710	1358920	–17.3	67.2
	सकल कर–राजस्व	1026055	1541920	–12.6	50.3
	कर (केन्द्र को निवल)	688430	1135264	–8.3	64.9
	गैर–कर	124280	223026	–46.6	79.5
2	पूंजीगत प्राप्तियां, जिनमें से	1093648	716317	30.7	–34.5
	ऋणों की वसूली	11962	11339	9.6	–5.2
	अन्य प्राप्तियां	6179	9364	–65.9	51.5
	उधारियां और अन्य देनदारियां	1075507	695614	33.1	–35.3
3	कुल प्राप्तियां (1+2)	830851	1378993	–17.9	6.6
4	कुल व्यय	1906358	2074607	4.7	8.8
	(क) राजस्व व्यय	1665200	1800977	3.7	8.2
	(ख) पूंजीगत व्यय	241158	273630	12.8	13.5
5	राजस्व घाटा	1075507	695614	33.1	35.3
6	राजकोषीय घाटा	692082	235291	48.5	–66.0
7	प्राथमिक घाटा	812710	1358920	–17.3	67.2

स्त्रोत : समष्टि आर्थिक फ्रेमवर्क विवरण, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

राजकोषीय घाटा बजट अनुमान (नवम्बर 2020 तक) 135.1 प्रतिशत से घटकर बजट अनुमान (नवम्बर 2021 तक) के 46.2 प्रतिशत पर आ गया। बढ़े हुए राजस्व संग्रह और पूंजीगत व्यय की दिशा में उन्मुख व्यय आबंटनों ने सरकार की बजटीय सुदृढ़ता में योगदान दिया। सन 2020–21 की तुलना में सन 2021–22 के बजट अनुमान में निवल कर–राजस्व में 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान किया गया था, लेकिन वास्तव में इसमें 64.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई (सन 2020 में इसी अवधि की तुलना में अप्रैल–नवम्बर 2021 के दौरान)। (आर्थिक सर्वेक्षण 2021–22, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार)। भारत सरकार ने अपने रणनीतिगत विनिवेश और परिसंपत्तियों के नकदीकरण की नीति को बरकरार रखा ताकि सार्वजनिक क्षेत्र में अवरुद्ध पड़ी परिसंपत्तियों का उपयोग और पूंजीगत प्राप्तियों को सुधारा जा सके। 31 मार्च 2022 की यथास्थिति अनुसार कुल पूंजीगत प्राप्तियां ₹13,530.673 करोड़ रहीं जो ₹1.75 लाख करोड़ के आरंभिक लक्ष्य से कम हैं। (निवेश और सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार)।

राजकोषीय संकेतक(जीडीपी की प्रतिशतता के रूप में रोलिंग लक्ष्य)

	आरई* (%)	बीई* (%)
	2021–2022	**2022–203**
राजकोषीय घाटा	6.9	6.42
राजस्व घाटा	4.7	3.8
प्राथमिक घाटा	3.3	2.8
कर–राजस्व (सकल)	10.8	10.7
गैर–टैक्स राजस्व	1.4	1.0
केन्द्र सरकार के ऋण	59.9	60.2

*आरई– संशोधित अनुमान बीई– बजट अनुमान

स्त्रोतः समष्टि आर्थिक फ्रेमवर्क विवरण, 2022, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार।

वर्ष 2021–22 में भारत का विदेशी व्यापार

(मिलियन यूएस डॉलर)

मद	2020–21	2021–22	परिवर्तन (%)
निर्यात	291808.48	417809.21	43.18%
आयात	394435.87	610221.42	54.71%
व्यापार संतुलन	(102,627.39)	(192,412.21)	

स्त्रोत : निर्यात–आयात डाटा बैंक, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकार और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नीतिगत उपाय

अनिश्चितता के परिवेश में भारत सरकार ने आंशिक रूप से 'चपल' संरचना पर आधारित उपायों को विकसित किया जो फीडबैक–लूप पर आधारित थे तथा जिसमें 80 एचएफआई (उच्च बारंबारता संकेतकों) का प्रयोग किया गया, साथ ही साथ इसमें महामारी द्वारा प्रतिकूल रूप से प्रभावित कारोबारी क्षेत्र और समाज के भागों के लिए सुरक्षा उपाय भी रखे गए। वैश्विक अर्थव्यवस्था के बंद पड़े रहने के बाद आर्थिक बहाली लाने के लिए अपनी तरह के अद्वितीय नीतिगत उपायों के रूप में प्रतिसाद अपेक्षित भी थे। दीर्घ अवधि के दौरान संवृद्धि को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा आपूर्ति–पक्ष में सुधारों का कार्यान्वयन किया गया और पूंजी निवेश को बढ़ाया गया। महामारी के आरंभ से ही उपायों को शुरू कर दिया गया था जो लॉकडाउन से प्रभावित समाज के बहुत से भागों को सहायता देने के लिए प्रभावी युक्तियां हैं। सरकार की नीतियों में से कुछ निम्नानुसार हैं :

- फरवरी 2019 के बाद से प्रधान–मंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम–किसान) के तहत दस करोड़ से भी ज्यादा किसान परिवारों को 1.8 लाख करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं; 2.82 करोड़ विधवाओं, निशक्त और वृद्ध नागरिकों को ₹1000 प्रत्येक को दिए गए हैं।
- लगभग चालीस करोड़ रुपए के व्यय के साथ प्रधान–मंत्री गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत छह राज्यों में वापस आए प्रवासी कामगारों के लिए पचास करोड़ से भी अधिक मानव–दिवसों का सृजन किया।
- प्रधान–मंत्री आवास योजना – ग्रामीण के तहत लगभग 26 लाख आवासों का निर्माण पूरा किया गया। दूसरी तरफ लगभग 4.5 लाख आवासों का निर्माण प्रधान–मंत्री आवास योजना – शहरी के तहत पूरा किया गया।
- वापसी करने वाले प्रवासी कामगारों के लिए प्रधान–मंत्री कौशल विकास योजना के तहत 1.24 लाख कामगारों को नए कौशलों अथवा कौशल विकास में प्रशिक्षण दिया गया ताकि रोजगार की संभावनाओं का सृजन हो सके।
- ऋण गारन्टी योजना के तहत सूक्ष्म वित्त संस्थानों को कुल ₹7500 करोड़ की रकम स्वीकृत की गई, जिसका उपयोग योजना के शुरू होने के 75 दिन के भीतर ही कर लिया गया।
- कोविड–19 से प्रभावित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारन्टी योजना के तहत 100 प्रतिशत गारंटीकृत अनुपूरक वित्तीयन दिया गया, जिसे 31 मार्च 2022 तक बढ़ाया गया।
- पीएम स्वनिधि योजना के तहत शहरी स्ट्रीट वेन्डरों को तकरीबन तीन हजार करोड़ रुपये का ऋण दिया गया ताकि कोविड–19 के बाद वे अपने कारोबार को बहाल कर सकें।
- कोविड–19 प्रभावित क्षेत्रों को राहत प्रदान करने के लिए ₹1.1 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना तैयार की गई।
- आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा ₹50,000 करोड़ की सावधि चलनिधि सुविधा घोषित की गई, जो 31 मार्च 2022 तक तीन साल के लिए नीतिगत दरों पर उपलब्ध रही। कोविड–19 के कारण इस विन्डो के माध्यम से वैक्सीन विनिर्माताओं, वैक्सीन आयातकों और आपूर्तिकर्ताओं, पैथोलॉजी लैब और डॉयग्नोस्टिक सुविधाओं और स्वास्थ्य के लिए अवसंरचना के अन्य प्रदाताओं को ऋण देने के लिए बैंकों को अनुमति दी गई।
- देश में 1.5 करोड़ से भी अधिक किसानों को किसान क्रेडिट कार्डों (केसीसी) के माध्यम से ₹1.35 लाख करोड़ की क्रेडिट सुविधा दी गई।
- आत्म निर्भर भारत अभियान के तहत, सरकार ने तेरह उद्योगों को पांच वर्ष के लिए उत्पादन–सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) की घोषणा की गई, जिसकी शुरुआत 2021–2022 से ₹1.97 लाख करोड़ के बजट के साथ हुई।
- पीएम आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना आरंभ की गई ताकि पूरे देश में स्वास्थ्य रक्षा और वेलनेस केन्द्रों की स्थापना और हेल्थकेयर अवसंरचना का विकास किया जा सके।
- पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर योजना आरंभ की गई, जिसमें राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन 2019 भी शामिल है। इस योजना में 11 औद्योगिक और 2 रक्षा कॉरिडोर निर्मित होंगे, जिसमें अन्य के साथ–साथ ही सामान लाने–ले–जाने की क्षमता बढ़ेगी, गैस पाइपलाइन का नेटवर्क बढ़ेगा, राष्ट्रीय महामार्ग निर्मित होंगे और एयरपोर्ट निर्मित होंगे।
- ई–श्रम कार्ड जारी किए जाएंगे जिसमें एक अद्वितीय पहचान संख्या रहेगी और इसे आधार कार्ड के साथ जोड़ा जाएगा, ताकि असंगठित उद्योगों में कामगारों को सरकार के विभिन्न प्रयासों के लाभ दिए जा सकें।
- भूजल के घटते हुए स्तर की दशा देखते हुए शहरों को आत्म निर्भर बनाने और नागरिकों को जल मिलना सुनिश्चित करने के लिए अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) की शुरुआत की गई।
- जीएसटी की कारोबारी अन्डरफिलिंग करने में सहजता और व्यापार को बढ़ाने के लिए उपाय किए गए, छोटे करदाताओं पर विलम्ब शुल्क के भुगतान का बोझ कम करने का प्रयास किया गया, विवरणी भरने के लिए अंतिम तारीख को आगे बढ़ाया गया।
- सन 2020–21 में भारत सरकार ने विशेष ऋणदाय सुविधा के माध्यम से ऋण देते हुए राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों को सहायता प्रदान की ताकि जीएसटी प्रतिपूर्ति में कमी की भरपाई की जा सके। इस स्कीम को ₹1.59 करोड़ की सहायता देते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2021–2022 के लिए भी बढ़ाया गया।
- पेट्रोल और डीजल की कीमतों पर उत्पाद शुल्क को क्रमशः ₹5

प्रति लिटर और ₹10 प्रतिलिटर कम कर दिया गया।

- मेक इन इंडिया और आत्म निर्भर भारत प्रयासों के भाग के तौर पर सीमाशुल्क की दरों की संरचना इस प्रकार रखी गई है कि भारत में विनिर्मित वस्तुओं को समर्थन मिले ताकि देश को आत्म–परिपूर्ण बनाया जा सके। इनमें से एक प्रयास रक्षा क्षेत्र में किया गया जिसमें 209 वस्तुओं का अब आयात नहीं किया जाएगा और अब इनका उत्पादन भारत में होगा। जब रक्षा संबंधी वस्तुओं के उत्पादन की बात होती है तो इन गतिविधियों ने भारत को स्वावलम्बी बना दिया है।
- ऐसे स्टार्ट अप के लिए टैक्स राहत उपलब्ध कराई गई जो 31 मार्च 2022 से पहले निगमित किए गए हैं। इसी प्रकार इन स्टार्ट अप में किए गए निवेश को 31 मार्च 2022 तक पूंजीगत लाभ में शामिल नहीं किया गया।
- रक्षा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के माध्यम से 74 प्रतिशत विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआइ) किया जा सकता है, जबकि सरकारी मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई किया जा सकता है।
- सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के पंजीकरण को सरल बना दिया है और सेवा और विनिर्माता सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के बीच विभेद को हटाते हुए इनकी परिभाषा को संशोधित कर दिया है। लोक अधिक्रय नीति के तहत केन्द्र सरकार के मंत्रालयों और विभागों में तथा सीपीएसई में वार्षिक जरूरत की वस्तुओं और सेवाओं का 25 प्रतिशत एमएसएमपीएस से लिया जाएगा।

समाज के कल्याण और लॉकडाउन और कोविड–19 से प्रभावित क्षेत्रों हेतु सरकार द्वारा अपनाई गई राजकोषीय नीति में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रस्तावित अधिकांश प्रयासों को अनुपूरक रखा गया है। किए गए उपायों में से कुछ निम्नानुसार रहे :

- चलनिधि उपायों को अपनाते हुए विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों का पुन: उत्थान करने के लिए 9 अक्तूबर 2020 को आरंभ की गई लक्षित दीर्घकालीन रेपो परिचालन की ऑन टैप योजना को 31 मार्च 2022 तक बढ़ा दिया गया। फरवरी 2021 में इसमें केवल पांच क्षेत्रों को ही नहीं बल्कि कामथ समिति द्वारा सन 2020 में अभिनिर्धारित दबावग्रस्त सभी क्षेत्रों को और साथ ही साथ गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को बैंकों द्वारा दिए गए उधारों को भी शामिल कर लिया गया। बैंक इस क्षेत्र के अभिनिर्धारित प्रतिष्ठानों को ऋण और अग्रिम प्रदान करने के साथ–साथ साथ इस क्षेत्र के प्रतिष्ठानों द्वारा निगमित वाणिज्य पेपरों, कार्पोरट बॉन्डों और एनसीडी (अपवित्र्तनीय ऋणपत्रों) में निवेश भी कर सकते हैं।
- अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों, जिनमें राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) और भारतीय निर्यात आयाता बैंक (एक्जिम बैंक) शामिल हैं, को अप्रैल से अगस्त 2020 में लगभग 75 हजार करोड़ रुपए की पुनर्वित्त सुविधा प्रदान की गई। यह सुविधा अर्थव्यवस्था में ऋण के प्रवाह को समर्थन देने के लिए प्रदान की गई। वर्ष 2021–22 में नए उधार देने के लिए अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों को ₹50,000 करोड़ का नया समर्थन दिया गया।
- ग्राहकों, जिनमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, छोटे कारोबारी और व्यापारी भी शामिल हैं, की बढ़ती हुई जरूरतों को पूरा करने के लिए; भुगतान बैंकों को बढ़ावा देने के लिए और वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन देने के लिए – दिन के अंत में प्रति ग्राहक राशि–शेष को रु.1 लाख से बढ़ाकर ₹2 लाख कर दिया गया।
- गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां ऐसे क्षेत्रों को ऋण सुविधाएं प्रदान करती हैं जो रोजगार का सृजन करते हैं और निर्यात की दृष्टि से आर्थिक संवृद्धि को समर्थन देते हैं। आवासन/सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों/कृषि के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को 'ऑन–लैन्डिंग' हेतु गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की चलनिधि स्थितियों को सुधारने के लिए बैंकों से पंजीकृत गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को रकम उधार देना 31 मार्च 2022 तक बढ़ाया गया।
- चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत 4 प्रतिशत की नीतिगत रेपो दर, 3.35% की रिवर्स रेपो दर, मार्जिनल स्थायी सुविधा (एमएसएफ) और 4.25% की बैंक लैन्डिंग दर को बरकरार रखा गया।
- महामारी में हेल्थकेयर क्षेत्र को चलनिधि सुविधा देने के लिए 'ऑन टैप' ऋण सुविधा आरंभ की गई। बैंकों को प्रोत्साहित किया जाता है कि प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत उद्योग को त्वरित ऋण प्रदान करें। तीन साल के लिए रेपो दर पर ₹50,000 की लैन्डिंग विन्डो को 31 मार्च 2022 तक के लिए खोला गया।
- समाधान व्यवस्था 1.0 के तहत ऋणों की पुनसंरचना का लाभ लेने वाले व्यक्तियों और छोटी फर्मों के लिए अपनी ऋण स्थगन अवधी को अधिकतम दो वर्ष तक बढ़ाने का विकल्प रहेगा।
- राज्य सरकारों की ओवरड्राफ्ट सुविधाओं को 36 दिन से बढ़ाकर 50 दिन कर दिया गया है, जिसमें निरंतर दिनों की संख्या 14 से बढ़ाकर 21 दिन कर दी गई है ताकि नकदी प्रवाह और उधारियों के बेहतर प्रबंधन में उनकी मदद हो सके।
- होटल, कार मरम्मत, निजी बस ऑपरेटर आदि जैसे संपर्क संवेदी उद्योगों को महामारी में चलनिधि समर्थन प्रदान करने के लिए ऑन टैप ऋण सुविधा आरंभ की गई। प्राथमिकता क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत उद्योग को त्वरित ऋण प्रदान करने के लिए बैंकों को प्रोत्साहित किया जाता है। तीन साल के लिए रेपो दर पर ₹15,000 करोड़ की लैन्डिंग विन्डो 31 मार्च 2022 तक के लिए

खोली गई।

कार्बन फुटप्रिन्ट को कम करने के उद्देश्य से हरित ऊर्जा के स्त्रोतों से हाइड्रोजन पैदा करने के लिए भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन के तहत प्रयास किए जा रहे हैं। हाइड्रोजन पैदा करने का प्रयोजन यह है कि इसे संपीडित प्राकृतिक गैस के साथ मिश्रित किया जाए और इससे प्राप्त पदार्थ को परिवहन में ईंधन के रूप में और उद्योगों में रिफाइनरी में इनपुट के तौर पर उपयोग में लिया जाए। प्रधान–मंत्री द्वारा 5 जून 2021 को की गई घोषणा में पेट्रोल में 20% एथनॉल मिलाने की अनुमति दी गई। सितम्बर 2021 तक भारत ने इस लक्ष्य का 8.5% प्राप्त कर लिया। प्रधान–मंत्री ने 5 जून 2021 को घोषणा की कि सन 2025 तक पेट्रोल में 20% एथनॉल मिलाया जाने लगेगा। एथनॉल मिश्रण से भारत के लिए बहुत अधिक लाभ हो सकते हैं, जैसे कि प्रतिवर्ष आयातों में अनफेमिलियर ट्रेड के 4 बिलियन अमरीकी डॉलर की बचत, ऊर्जा की क्षमताओं में सुधार, उत्पादों में फॉसिल ईंधन के उपयोग में कमी, हवा की गुणवत्ता में बढ़ोतरी होगी, अनिष्ट खाद्यान्नों और अपशिष्ट के उपयोगी प्रयोग को बढ़ावा मिलेगा, रेन्चरों की आय में बढ़ोतरी होगी, कार्य और उद्यमों की स्थापना के नए द्वार खुलेंगे। भारत में रेलवे ने निवल जीरो कार्बन मिशन में लक्ष्य रखा है कि सन 2030 आने तक यह अपने परिचालनों में नवीकरणीय ऊर्जा को अपना स्रोत बना लेगा। इसका लक्ष्य है कार्बन फुटप्रिन्ट को घटाने की अपनी योजना के तहत दिसम्बर 2023 तक 100% विद्युत चालित रेलमार्ग तैयार करना, गति कम करते समय ऊर्जा सृजन हेतु तीन स्तरीय नवोन्मेषी पद्धति का प्रयोग करना, स्वतंत्र रूप से डीजल चालित पॉवर वाहनों को समाप्त करना, धारणीय शक्ति स्रोतों का उपयोग करना रेल मार्ग पर सभी स्थापनाओं में एलईडी लाइटें लगाना, और वनरोपण करना। ऑफ ग्रिड सोलर पीवी अनुप्रयोग कार्यक्रम हेतु तृतीय स्तर पर सोलर लाइटों, सोलर लैम्पों और सोलर पैक 31 मार्च 2021 तक उपलब्ध रहे। राज्य के नोडल कार्यालयों ने रिपोर्ट किया कि लगभग 31 दिसम्बर 2021 तक 1.45 लाख सूर्य–आधारित स्ट्रीटलैम्प लगा दिए गए, लाइटों पर 9.14 लाख सोलर संकेन्द्रक वितरित किए गए और 2.5 मेगावाट सोलर–शक्ति चालित पैक स्थापित किए गए।

भारत सरकार द्वारा 21वीं सदी की प्रथम शिक्षा नीति एनईपी–2020 आरंभ की गई, जिसका लक्ष्य सभी विद्यार्थियों की मांग को पूरा करना है। 'सभी को शिक्षा' के लक्ष्य वाली एनईपी को इस तरह तैयार किया गया है कि इसमें समाज के अनादृत और संकोचित प्रतिनिधित्व को लाभ देने पर विशेष फोकस रहे। सरकार के समग्र शिक्षा योजना जैसे प्रयासों सहित इस योजना को 2020–2021 में उन्नत किया गया और ₹2,94,283.04 करोड़ की सरकारी सहायता से इसे 2021–2022 से 2025–2026 तक के लिए बढ़ाया गया है। सरकार ने 5 जुलाई 2021 को राष्ट्रीय मिशन आरंभ किया। इस राष्ट्रीय मिशन के तहत भारत के संघशासित क्षेत्रों/राज्यों को यह विशिष्ट कार्यसूची दी गई है कि तृतीय ग्रेड तक प्रत्येक बालक–बालिका को तात्विक साक्षरता और अंकगणना में दक्ष बनाने के लक्ष्य को प्राप्त किया जाए। इसे ''सुबोध्यता और अंकगणना सहित पठन में दक्षता हेतु राष्ट्रीय प्रयास' (निपुण भारत) के रूप में यह योजना तैयार की गई है। स्कूलों में दोपहर का निशुल्क भोजन प्रदान करने हेतु पीएम पोषण योजना को 2021–2022 से लेकर 2025–2026 तक निष्पादित किया जाना है, जिसमें ₹54061.73 करोड़ की सहायता संघ सरकार से और ₹31733.17 करोड़ की सहायता राज्य सरकारों और यूटी प्रशासनों से मिलेगी। सन 2020–21 के दौरान लगभग 11 लाख 20 हजार संस्थापनाओं में विद्यमान लगभग 11 लाख 80 हजार अल्पवयस्कों को इस योजना का लाभ मिला।

देश में और सम्पूर्ण जगत में टीकाकरण कार्यक्रमों ने मृत्युदर को कम करने और अर्थव्यवस्था में भरोसे को फिर से बनाने में मदद की, इससे क्रियाकलाप फिर से आरंभ हो सके और दूसरी लहर से उत्पादन पर पड़ सकने प्रभाव में कमी रही। भारत में 16 जनवरी 2022 के टीकाकरण अभियान का प्रथम वर्ष पूरा किया गया, और रोग प्रतिरक्षण की 156 करोड़ से भी ज्यादा खुराकों का प्रबंधन करने की स्मरणीय उपलब्धि को प्राप्त किया। लगभग 88 करोड़ (वयस्क जनसंख्या के 93 प्रतिशत) ने पहला टीका लगवाया जिससे लगभग 66 करोड़ लोग (वयस्क जनसंख्या का 70 प्रतिशत) पूरी तरह से टीकाकृत हो गए। डील क्रियाकलापों की बात करें तो सन 2021 कई उल्लेखनीय उच्चताओं का रहा। सन 2020 को पीछे छोड़ते हुए सन 2021 मूल्य और मात्रा दोनों ही में क्रमशः 40 प्रतिशत और 60 प्रतिशत आगे रहा। प्राइवेट इक्विटी प्रथम स्थान पर बनी रही जिसके बाद समामेलन और अधिग्रहणों का स्थान रहा। निजी इक्विटी (पीई) का योगदान मूल्य की दृष्टि से 57 प्रतिशत और मात्रा की दृष्टि से 61 प्रतिशत रहा, जबकि एम एन्ड ए ने मूल्य की दृष्टि से 43 प्रतिशत और मात्रा की दृष्टि से 39 प्रतिशत योगदान किया। समामेलन और अधिग्रहणों ने वर्ष 2021 में मोलतोल के मूल्यों को बढ़ाया – मात्रा की दृष्टि से दो–गुने से अधिक और 2020 की तुलना में मात्रा की दृष्टि से 28 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। इस बढ़ोतरी में मेगाडील का विशिष्ट योगदान रहा। पर्यावरण हितैषी विद्युत क्षेत्र में विपुल व्यवस्थाओं ने मूल रूप से विदेशी सौदों को प्रभावित किया, उदाहरण के लिए अडानी की हरित ऊर्जा परियोजना ने एसबी एनर्जी इंडिया का अधिक्रय लगभग यूएस $3 बिलियन में और आरईसी सोलर का अधिक्रय रिलायन्स न्यू एनर्जी सोलर ने यूएस $0.771 बिलियन में कर लिया। दूसरा सबसे बड़ा योगदान करने वालों में आईटी क्षेत्र रहा, उदाहरण के लिए विप्रो ने कैपको का अधिग्रहण यूएस $1.5 बिलियन में किया और बायजूस ने ग्रेट लर्निंग और एपिक का अधिग्रहण क्रमशः यूएस $600 मिलियन और यूएस $500 मिलियन में कर लिया। सन 2020 की तुलना में सन 2021 में स्थानीय व्यवस्था की गतिविधियों में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही जिसने यूएस $7 बिलियन का योगदान दिया। वित्तीय आशावादिता और मुक्तहस्त पूंजी तक अभिगम ने स्वदेशी एम एन्ड एप्लिकेशन को 2021 में प्रेरित किया, जिसमें बहुत से कार्पोरेट डिजाइनों को सहज करने के लिए अमहत्वपूर्ण संसाधनों का विनिमय करते हुए संस्थानों ने प्राप्त निधियों का प्रयोग संसाधनों की खरीद के लिए किया। महामारी के बाद के विश्व में तो संगठनों को प्रतिस्पर्धा का तेजी से प्रतिसाद करने लिए

मजबूरन समामेलन का सहारा लेना पड़ रहा है ताकि वे लाभ में अपना हिस्सा ले सकें, खासकर खुदरा और दुकानदारी के नवोन्मेषी क्षेत्रों में। विदेशी अधिग्रहण ऐसी आशा है कि सन 2022 में भी होते रहेंगे, क्योंकि नए कारोबारी क्षेत्रों की शुरुआत करने, अपने पोर्टफोलियो का विस्तार करने और अपनी अनुरूपी कारोबारी दक्षताओं को पाने के लिए कंपनियां विदेशी बाजारों में अवसरों की तलाश करेंगी। कैलेन्डर वर्ष 2021 में शीर्षस्थ पाँच समामेलन और अधिग्रहण इस प्रकार रहे – 4.7 बिलियन डॉलर के बिलडेस्क और पेयू का सौदा हुआ; 2 बिलियन डॉलर के लिए फुलट्रॉन इंडिया और सुमितोमो मित्शुई फाइनान्शियल ग्रुप का सौदा; 2.4 बिलियन डॉलर के लिए एयर इंडिया और टालेस (टाटा समूह) का सौदा; 5 बिलियन डॉलर के लिए दीवान हाउसिंग फाइनान्स कार्पोरेशन (डीएचएफसी) और पीरामल कैपिटल एन्ड हाउसिंग फाइनान्स का सौदा; और 3.5 बिलियन डॉलर के लिए एसबी एनर्जी इंडिया और अडानी ग्रीन का सौदा हुआ।

संघीय बजट 2022 में प्रस्ताव किया गया कि क्रिप्टोकरेन्सी, नॉन फन्जीबल टोकन (एनएफटी) या किसी अन्य भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किसी अन्य डिजिटल आस्ति जैसी आभासी डिजिटल आस्तियों के विक्रय से होने वाले लाभ पर 30 प्रतिशत की समान दर पर टैक्स लगाया जाएगा और सभी सौदों पर 1 प्रतिशत की दर से स्त्रोत पर कर कटौती टीडीएस की जाएगी। इस कदम से अपेक्षित है कि बाजार में सट्टेबाजी में कमी आएगी। डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए संघ के बजट 2022–2023 में डिजिटल रुपए की घोषणा की गई, जो रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किया जाएगा और इसे केन्द्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) कहा जाएगा जो ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी का प्रयोग करेगी। यह भुगतान प्रणाली सुदक्ष और किफायती होगी; और ई–वॉलेट प्रणाली की तरह ही इसमें सभी संव्यवहारों की ट्रैकिंग की जा सकेगी। नकदीरहित अर्थव्यवस्था की तरफ एक कदम के रूप में भारत सरकार ने यूपीआइ (एकीकृत भुगतान इन्टरफेस) अर्थात वास्तविक समय में भुगतान (आरटीपी) की शुरुआत सन 2016 में की थी। 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार 5,405.65 मिलियन डिजिटल संव्यवहार यूपीआई के माध्यम से किए गए जिनका मूल्य ₹9,60,581.66 करोड़ बनता है। सिंगापुर, भूटान, संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल जैसे देशों ने यूपीआई–संबद्ध भुगतानों को स्वीकार किया है। (नैशनल पेमेन्ट्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा प्रकाशित)। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सन 2012 में वैकल्पिक निवेश निधि का सृजन किया। स्थावर संपदा, निजी इक्विटी और एन्जल निवेशों जैसे परिसंतियों की श्रेणियों में अपने निवेश को दिशा देने वाले उच्च निवल मालियत वाले व्यक्तियों और संस्थागत निवेशकों को ये साधन एक्सपोजर प्रदान करते हैं। 31 दिसम्बर 2021 की स्थिति के अनुसार सेबी के अधीन पंजीकृत एआईएफ के संचयी निवल रकम ₹2,97,414.64 करोड़ की रही जबकि इस अवधि के दौरान विगत वर्ष में ₹2,12979.40 की निधियां जुटाई गईं थी, अर्थात 39.64% की संवृद्धि (साल–दर–साल आधार पर)। (सेबी द्वारा प्रकाशित वैकल्पिक निवेश निधियों के क्रियाकलापों से संबंधित आंकड़े)। आरंभिक अथवा आरंभिक स्तर के स्टार्ट अप्स को प्राथमिक तौर पर उद्यम पूंजी निधियों (एआईएफ की प्रथम श्रेणी) द्वारा वित्त प्रदान किया जाता है जो प्रमुखतया गैरसूचीबद्ध प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। 31 दिसम्बर 2021 की यथास्थिति के अनुसार न्यूऐज टेक फर्मों में 85 प्रतिशत से भी अधिक जो फर्में जनता में गईं और आईपीओ के माध्यम से रकम जुटाई उन्हें निजी इक्विटी निवेशकों का समर्थन है जिसमें विकल्प के तौर पर विक्रय का प्रस्ताव भी निहित है। इन कंपनियों ने मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार लगभग ₹43,283 करोड़ जुटा लिए हैं। (सेबी बुलेटिन, मार्च 2022)। सन 2015 से सन 2021 के बीच स्टार्ट–अप इकोसिस्टम तेजी से आगे बढ़ा है।

निवेशकों की संख्या में 9 गुनी बढ़ोतरी हुई है और स्टार्ट–अप्स का वित्तीयन 7 गुना बढ़ा है। स्टार्ट–अप्स द्वारा नवोन्मेषी तकनीकें प्रदान की जा रही हैं और इनके द्वारा नवयुग की समस्याओं के लिए समधान दिए जा रहे हैं, साथ–साथ ये रोजगार अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। फिनटेक, एडूटेक और सेवा के तौर पर सॉफ्टवेयर (एसएएएस) इसके प्राथमिक प्रचालक हैं। भारत के 100 यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन यूएस $332.7 बिलियन था, इनमें से 44 का उदय सन 2021 में हुआ जिनका मूल्यांकन यूएस $93 बिलियन था और यूएस $18.9 बिलियन के मूल्यांकन वाले 14 यूनिकॉर्न तो सन 2022 में ही आए (5 मई 2022 की स्थिति के अनुसार)। यूनिकॉर्न की संवृद्धि में योगदान करने वाले प्रमुख घटकों का उदय डिजिटल भुगतानों, स्मार्टफोन के उपयोग और डिजिटल कारोबारी मॉडलों में हो रहा है। नायका, जोमेटो, पॉलिसी बाजार, पेटीएम जैसे यूनिकॉर्न ने रकम जुटाने और जनता के बीच जाने के लिए आईपीओ प्रस्ताव भी दिए हैं। सीकोया कैपिटल इंडिया, कुणाल शाह, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेन्ट, एस्सेल, अल्फा, वेव ग्लोबल और ट्राइफेक्टा कैपिटल जैसे कुछ सक्रिय निवेशकों में से हैं। (स्टार्ट–अप इकोसिस्टम इन इंडिया – नेशनल इनवेस्टमेन्ट प्रोमोशन एन्ड फेसिलिटेशन एजेन्सी द्वारा प्रकशित)। सन 2021 में पीई फर्मों ने मूल्य की दृष्टि से 57 प्रतिशत का योगदान दिया जो सन 2020 की तुलना में मूल्य की दृष्टि से 50 प्रतिशत अधिक है। मात्रा की दृष्टि से इनका योगदान 61 प्रतिशत रहा जो सन 2020 की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक है। कुल 1258 सौदे दर्ज हुए जिनकी मालियत यूएस $66.1 बिलियन है, इसमें से यूएस $8 बिलियन के सौदे तो प्रौद्योगिकी क्षेत्र में ही हो गए। शीर्ष 5 पीई सौदे इस प्रकार थे – बायजूस (US$1.4 बिलियन), फ्लिपकार्ट (US$3.6 बिलियन), एन्कोरा (US$1.5 बिलियन), हेक्सावेयर(US$3 बिलियन), और एमफेसिस (US$2.8 बिलियन)। सन 2020 से अबतक पीई से निकास में 6 गुनी बढ़ोतरी हुई है जो यह दर्शाता है कि निवेशक भी बाजार की प्रवत्तियों पर चलते हुए उच्च मूल्यांकन की अपेक्षा कर रहे हैं। सन 2021 में द्वितीयक विक्रयों ने निकासन मूल्य में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान किया।

वित्तीय संस्थानों में पीई/वीसी निवेशों में 77 सौदे हुए और सन 2021 में लोक इक्विटी में निजी निवेशों में लगभग US$3 बिलियन का निवेश हुआ जो सन 2020 के दौरान इसी अवधि में हुए 62 सौदों से मामूली सा अधिक है। सहभागिता नोट के माध्यम से सेबी में बिना पंजीकरण कराए हुए ही विदेशी निवेशक भारतीय स्टॉक मार्केट में सहभागिता कर सकते हैं। मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार इन नोटों के माध्यम से बाजार में ₹87,979 करोड़ का निवेश हुआ जिसमें से ₹78,233 करोड़ का निवेश इक्विटी में हुआ, ₹9,593 करोड़ का निवेश ऋण में और ₹153 करोड़ का निवेश हायब्रिड प्रतिभूतियों में किया गया। (विदेशी डेरिवेटिव लिखतों का मूल्य, सेबी)।

मूडी ने 5 अक्तूबर 2021 को भारत सरकार की रेटिंग में संशोधन करते हुए घोषणा की कि यह ऋणात्मक की स्थिति से अब स्थिरता में आ गई है। अंतरराष्ट्रीय और स्वदेशी मुद्राओं में भारत की दीर्घकालिक निगमन रेटिंग Baa3 है। भारत की अल्पकालिक स्वदेशी मुद्रा रेटिंग P–3 पर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार महामारी के पश्चात भारतीय अर्थव्यवस्था के संवृद्धि अनुमानों में सन 2022 में 8.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी रखी गई है। सन 2020 और 2030 के बीच भारत के निर्यातों में प्रति वर्ष 7.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान है। सन 2030 जीडीपी में निर्यातों का हिस्सा 7.3 प्रतिशत अनुमानित है। भारत को फोकस औद्योगिक क्षेत्र पर अधिक है और आर्थिक संवृद्धि के लिए डिजिटाइज करने का प्रयास किया जा रहा है। घरेलू मांग को पूरा करने के लिए एप्पल और सैमसंग ने भारत में अपनी विनिर्माता इकाइयां स्थापित कर दी हैं। फेसबुक, गूगल और अमेजन उन प्रमुख टेक्नोलॉजी फर्मों में हैं जिन्होंने भारत में निवेश किया है। धातु और खनिज, फार्मास्युटिकल्स, मशीनरी और इलेक्ट्रिकल्स ऐसे तीन महत्त्वपूर्ण उद्योग हैं जो सन 2030 में भारत के निर्यात परिवेश में प्रभुत्व कायम करेंगे। भारत के ग्लोबल इनोवेशन इन्डेक्स में 35 रैन्कों का सुधार हुआ और सन 2021 में यह 46वें स्थान पर रहा। वहनीय विकास लक्ष्यों के सूचकांक में भारत के निष्पादन में 2019–2020 से 2020–2021 में 6 स्कोर का सुधार हुआ और यह 66 के स्कोर पर आ गया। भारत अपने वन क्षेत्र को बढ़ाने में सफल रहा है और 2010–2020 के दशक में इसने पूरे विश्व में तीसरा रैंक अर्जित किया। जलवायु संबंधी कार्य भारत की प्राथमिकता सूची में हैं और सन 2070 तक निवल जीरो कार्बन उत्सर्जन के लिए भारत प्रयासरत है।

सन 2021-22 में आईआईएफटी की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां :एक झलक

यद्यपि 2021 के दौरान सामाजिक दूरी बनाए रखने के प्रावधानों में क्रमिक रूप से रियायत दी गई, तथापि कोविड–संबद्ध अनिवार्यताओं की द्वितीय और तृतीय लहरों के बाद सीमा–पार आवागमन पर लगाए गए संगत नियंत्रणों को देखते हुए, शैक्षणिक परिवेश के अटूट हिस्सा रहने वाले कुछ नियमित समारोहों (उदाहरण के लिए अकादमीय रैंकिंग, विदेशी विश्वविद्यालयों और बी–स्कूलों के साथ विद्यार्थी विनिमय) को सीमित रखा गया। इस प्रक्रिया में संस्थान के कतिपय समारोह भी प्रभावित हुए।

संस्थान का वार्षिक दीक्षांत समारोह

संस्थान का 54वां दीक्षांत समारोह 22 अक्तूबर 2021 को आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में विभिन्न प्रबंधन कार्यक्रमों से 973 विद्यार्थियों को डिग्री/डिप्लोमा प्रदान किए गए। श्री पीयूष गोयल, मंत्री, वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले और खाद्य तथा लोक वितरण और वस्त्र, भारत सरकार इस समारोह के मुख्य अतिथि थे और दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता श्री बी. वी. आर. सुब्रहमण्यम, वाणिज्य सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। इन्होंने विद्यार्थियों को पदक/पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए। दीक्षांत समारोह में प्रदत्त डिग्री/डिप्लोमा का कार्यक्रम–वार और परिसर–वार वितरण इस प्रकार रहा :

कार्यक्रम का नाम	विद्यार्थियों की संख्या
पीएच. डी.	13
एमबीए (आईबी) 2018–20 (दिल्ली)	165
एमबीए (आईबी) 2018–20 (कोलकाता)	149
एमबीए (आईबी) 2017–20 (दिल्ली)	51
एमबीए (आईबी) 2017–20 (कोलकाता)	15
एमए (अर्थशास्त्र) 2018–20 (दिल्ली)	20
एमए (अर्थशास्त्र) 2018–20 (कोलकाता)	07
एमबीए (आईबी) 2019–21 (दिल्ली)	171
एमबीए (आईबी) 2019–21 (कोलकाता)	162
एमबीए (आईबी) 2018–21 (दिल्ली)	43
एमए (अर्थशास्त्र) 2019–21 (दिल्ली)	24
एमए (अर्थशास्त्र) 2019–21 (कोलकाता)	28
ईपीजीडीआईबी 2019–20	91
ईपीजीडीआईबी (हायब्रिड) 2019–20	34
कुल	**973**

अंतिम नियुक्तियां – एमबीए (आईबी) 2020–22 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने सर्वप्रमुख एमबीए (आईबी) कार्यक्रम के 2020–22 बैच के लिए अंतिम प्लेसमेन्ट कार्यक्रम को संपन्न किया। प्लेसमेन्ट चक्र में 82 कंपनियों ने हिस्सा लिया, 2020–22 के लिए 100 प्रतिशत प्लेसमेन्ट हुआ। इसमें प्रतिवर्ष औसत सीटीसी ₹25.16 वार्षिक रही और मीडियन सीटीसी ₹24 लाख वार्षिक रही। इसमें प्रदान की गई उच्चतम अंतरराष्ट्रीय सीटीसी ₹80 लाख वार्षिक रही जबकि उच्चतम घरेलू सीटीसी ₹46.5 लाख वार्षिक रही। इस बैच के शीर्ष 25 प्रतिशत विद्यार्थियों को प्राप्त औसत सीटीसी ₹34.3 लाख वार्षिक रही।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को देश में निरंतर ही उच्चकोटि के नियोजकों के प्रमुख गन्तव्य का रैंक दिया जाता है, जिसका कारण है इसका परिश्रमपूर्ण अध्ययन पाठ्यक्रम, प्रतिस्पर्धी बैच और कार्पोरेट प्रतिस्पर्धा में इसका उत्कृष्ट ट्रैक रिकार्ड। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान विख्यात ब्रान्डों के साथ नए संबंध बनाता है जिनमें अन्य के साथ–साथ एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, एशियन पेन्टस, एयू लघु वित्त बैंक, कारदेखो, डेल टेक्नोलॉजीस, डेलॉयट, इमामी, ईवाइ, एचसीसीबी, जियो प्लेटफार्म्स, मार्स, नारायण हेलथ, एनएफआईएल, न्यूक्लीयस सॉफ्टवेयर, आप्टम, आरबीएल बैंक, सीयर्स, स्टेट स्ट्रीट, उड़ान, अनेकाडमी शामिल हैं।

इस प्लेस्मेंन्ट सत्र में अत्यधिक मांग वाले परामर्शी डोमेन में दिए जाने वाले प्रस्तावों में बढ़ोतरी रही – प्रबंधन परामर्शदाता प्रस्तावों में 100% बढ़ोतरी रही। अन्य के साथ–साथ एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, डेलॉयट कन्सलटिंग, ईवाई, इनफोसिस, मैकिन्से एन्ड कंपनी, आप्टम एडवायजरी, शंगरीला कार्पोरेट सर्विसेज, थाउसेन्ट्रिक, विप्रो, जेडएस एसोसिएट्स ने उच्चतम 25% प्रस्ताव दिए।

वित्त का डोमेन प्रमुख नियोजकों में बना रहा जैसे कार्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, वेल्थ मैनेजमेन्ट, इक्विटी रिसर्च और फिनटेक, जिन्होंने इस बैच में 23% प्रस्ताव दिए। इस डोमेन के प्रमुख नियोजकों में आने वाले कुछ नाम सिटीबैंक, क्रिसिल, डीई शॉ, गोल्डमैन साक्स, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मोर्गन चेस एन्ड कम्पनी, स्टेट स्ट्रीट, सायनर्जी कन्सल्टिंग और यस बैंक रहे।

सेल्स और मार्केटिंग डोमेन में 21% प्रस्ताव मिले और इसमें नए नियोजकों यथा एशियन पेन्ट्स, इमामी, एचसीसीबी, मार्स के अलावा बजाज आटो, सिप्ला, डाबर, जीएसके, आईटीसी, ला'ओरियल, पेटीएम, आरपीजी ग्रुप, सिग्नीफाय, टीसीपीएल के नाम प्रमुख रहे, जिन्होंने काफी बड़ी संख्या में नियोजन देना बरकरार रखा।

अत्यधिक मांग वाले सामान्य प्रबंधन और रणनीति डोमेन में भी 10% प्रस्ताव मिले, नियोजकों में एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, जीपीएल, जेएसडब्ल्यू, नारायण हेल्थ, रिलायन्स और स्टेट स्ट्रीट का नाम शामिल है। व्यापार और परिचालनों में 5% की बढ़ोतरी रही जिसमें ग्लोबल मैनेजमेन्ट ट्रेनीज के लिए प्रस्ताव मिले। ईटीजी, ऑफबिजनेस, ओलम एग्रो, टाटा स्टील, ट्राफिगरा, वैरोक जैसे नियोजकों ने अपने प्रस्ताव दिए।

उत्पाद प्रबंधन और आईटी / विश्लेषक डोमेन भी क्रमशः 9% और 7% प्रस्तावों के साथ आकर्षक बने रहे। इसमें बृहद तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप जैसे कि कारदेखो, एपिकिनडायफाय, ईएक्सएल, गेम्स24X7, गूगल, गो–एमएमटी, जियो प्लेटफार्मस, हेक्सावेयर, माइक्रोसॉफ्ट, न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर, सीयर्स, अनएकाडमी, वॉक्सको और कई अन्य की मिश्रित सहभागिता रही।

अर्थव्यवस्था को मजबूती की लहर के प्रवाह में पारंपरिक नियोजकों जैसे कि एक्सिस बैंक, बजाज आटो, सिटीबैंक, ईटीजी, गोदरेज, गोल्डमैन साक्स, गूगल, आईटीसी, जेपी मॉर्गन चेस एंड कम्पनी, ला'ओरियल, माइक्रोसॉफ्ट, ओलेम, आरपीजी ग्रुप, टाटा स्टील, विप्रो और जेडएस एसोसिएट्स ने काफी संख्या में अभ्यर्थियों को लिया, जो भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के साथ उनके सम्पर्क में निहित भरोसे को प्रदर्शित करता है।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेन्टस – एमबीए (आईबी) 2021–22 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने अपने सर्वप्रमुख एमबीए (आईबी) कार्यक्रम के 2021–23 बैच के लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेन्ट को सम्पन्न किया। इस प्लेसमेन्ट चक्र में 121 कंपनियों की सहभागिता रही। इसमें औसत ₹2.04 लाख (2 माह के लिए) के औसत वजीफे और ₹2 लाख (2 माह के लिए) के मीडियन वजीफे के प्रस्ताव दिए गए। प्रस्तावित उच्चतम वजीफा ₹4 लाख (2 माह के लिए) का था। इस बैच के शीर्ष 25% का औसत वजीफा ₹3.13 लाख (2 माह के लिए) रहा।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को देश में उल्लेखनीय नियोजकों का प्रमुख गन्तव्य माना जाता रहा है, जिसका कारण है इसका परिश्रमपूर्ण अध्ययन पाठ्यक्रम और कार्पोरेट प्रतिस्पर्धा में इसका उत्कृष्ट ट्रैक रिकार्ड। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान विख्यात ब्रान्डों के साथ नए संबंध बनाता है जिनमें अन्य के साथ–साथ एवेन्डस कैपिटल, एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, अमेजन, बार्कलेज, कार्स 24, डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, फिनआईक्यू, ल्यूब्रिजॉल, लिसियन, एमटीआर, आप्टम, पिडीलाइट, स्टेट स्ट्रीट, ट्रेसविस्टा, ट्राइडेन्ट ग्रुप शामिल हैं।

अत्यधिक मांग वाले विक्रय और विपणन डोमेन में प्राप्त प्रस्तावों की संख्या सर्वाधिक रही ये कुल प्रस्तावों का 30% रहे। उल्लेखनीय संगठनों में अन्य के साथ–साथ सिप्ला, डाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड, जीएसके, हिन्दुस्तान यूनिलिवर, आईटीसी, ल'ऑरेल, मार्स, आरपीजी, टीसीपीएल, टाइटन शामिल थे। इस डोमेन में नए सम्पर्क भी विकसित किए गए जिनमें पिडीलाइट, लिसियस, लुब्रिजॉल और ट्राइडेन्ट जैसे उल्लेखनीय नियोजक शामिल हैं।

कार्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, वेल्थ प्रबंधन, इक्विटी अनुसंधान और फिनटेक में भूमिकाओं के लिए वित्त का डोमेन प्रमुख नियोजक बरकरार रहा, इसने बैच के 21% को अपने प्रस्ताव दिए। इस डोमेन में प्रमुख नियोजकों में एवेन्डस कैपिटल, बार्कलेज, बोस्टन साइनटिफिक, सिटीबैंक, क्रिसिल, डी. ई. शॉ, गोदरेज हाउसिंग फाइनान्स, गोल्डमैन साक्स, एचएसबीसी, जेपीमोर्गन चेस एन्ड कं., ल'ऑरेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, साइनर्जी कन्सलटिंग और यस बैंक कुछ एक नाम हैं।

इस प्लेसमेन्ट सत्र में अत्यधिक मांग वाले परामर्श डोमेन में आने वाले प्रस्तावों में बढ़ोतरी रही। प्रधान परामर्शदाता फर्मों में एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, कॉगनीजेन्ट, ईवाई, मेकिन्से एन्ड कम्पनी, आप्टम एडवाइजरी, रेडकोर, विप्रो, शामिल रहे इसमें कुल प्रस्तावों में से 15% को आकर्षित किया।

प्रख्यात सामान्य प्रबंधन और रणनीति डोमेन में भी 12% प्रस्ताव प्राप्त हुए जो अन्य के साथ–साथ आदित्य बिरला समूह, एक्सिस बैंक, सिप्ला, कारदेखो, कवर जीनियस, एक्सपेरियन, आईसीआईसीआई बैंक, गोदरेज प्रापर्टीज लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू, महिन्द्रा ग्रुप, सेल्सफोर्स, स्टेट स्ट्रीट, विक्रम सोलर जैसी कंपनियों से मिले।

व्यापार और परिचालनों में 5% की बढ़ोतरी रही, इसमें प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए प्रस्ताव दिए गए। इसमें अमेजन, फ्लिपकार्ट, सीओएफसीओ, ऑफबिजनेस, ओलम एग्रो, टाटा स्टील, वेलस्पन जैसे प्रतिष्ठत नियोजकों ने प्रस्ताव दिए।

आईटी/विश्लेषक और उत्पाद प्रबंधन डोमेन भी क्रमशरू 10% और 7% प्रस्तावों के साथ आकर्षक बने रहे। इसमें पारंपरिक नियोजकों और प्रथम बार सम्पर्क करने वाले सहभागियों का मिश्रण रहा। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को अमेजन, केपगेमिनी, कार देखों, कार्स24, कॉगनीजेन्ट, एपिकनडीफाइ, हेक्सावेयर, माइक्रोसॉफ्ट, ऑफबिजनेस जैसी कंपनियों और कई अन्य की मेजबानी का अवसर मिला।

कार्यस्थलों पर सामान्य हालात की वापसी के साथ ही पारंपरिक नियोजकों जैसे कि एक्सिस बैंक, बजाज ऑटो, डीई शॉ एन्ड कं., फ्लिपकार्ट, गोदरेज, गोल्डमैन साक्स, आईटीसी, जेपी मार्गन चेस एन्ड कम्पनी, ल'ऑरेल, महिन्द्रा ग्रुप, माइक्रोसॉफ्ट, ऑलेम, आरपीजी ग्रुप, टाटा स्टील, उड़ान, विप्रो ने काफी बड़ी ससंख्या में अभ्यर्थियों का चयन किया जो भारतीय विदेश व्यापार संस्थान द्वारा दिए जाने वाले विद्यार्थियों की गुणवत्ता का एक प्रमाण है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षणिक संबंध स्थापित किए हुए हैं ताकि विद्यार्थी/संकाय विनिमय के साथ–साथ संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रामों जैसी गतिविधियों को संचालित किया जा सके। समूचे विश्व के 35 विश्विविद्यालयों/संस्थानों के साथ भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का सहयोग है, इनमें से 16 यूरोप में, 10 एशिया में और 9 विश्व के अन्य हिस्सों में हैं।

नए एमओयू पर हस्ताक्षर

- इस संस्थान ने लीड्स विश्वविद्यालय, यूके के साथ 9 जून 2021 को तीन साल की अवधि के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।
- इस संस्थान ने नेशनल डोग ह्वा विश्वविद्यालय, ताइवान (एनडीएचयू) के साथ 5 जनवरी 2022 को पांच साल की अवधि के लिए एमओयू और विद्यार्थी विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- इस संस्थान ने पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, पर्थ के साथ 28 जनवरी 2022 को पांच साल की अवधि के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।
- इस संस्थान ने ब्रिटिश टीचिंग विश्विविद्यालय जार्जिया (बीटीयू) के साथ 4 मार्च 2022 को पांच साल की अवधि के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

विचाराधीन एमओयू

- फ्लोरिडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एफआईयू), यूएसए
- इन्टरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर एक्सपोर्ट ट्रेड (आईओईटी)
- इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिल्वेनिया (आईयूपी), यूएसए

विद्यार्थी आदान–प्रदान कार्यक्रम

विद्यार्थी आदान प्रदान कार्यक्रम के अधीन अक्तूबर से दिसम्बर 2021 के त्रिमास और जनवरी से मार्च 2022 के त्रिमास के लिए अलग–अलग विश्वविद्यालयों और संस्थानों से दो विद्यार्थी भारतीय

विदेश व्यापार संस्थान में आए।

कार्यपालक विद्यार्थी अध्ययन दौरे और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

ईपीजीडीआईबी (ऑन कैम्पस और हाइब्रिड) के लिए एक सप्ताह का अंतरराष्ट्रीय पोर्ट विजिट क्रियाकलाप को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। ईपीजीडीआईबी (ऑन कैम्पस और हाइब्रिड) 2020–21 हेतु अध्ययन दौरे का आयोजन 20–25 फरवरी 2022 के दौरान दुबई में किया गया।

ईपीजीडीआईबी 2021–22 बैच के कुल ग्यारह आईआईएफटी विद्यार्थियों और एमबीए (आईबी) सप्ताहांत (2021–24) बैच के दो विद्यार्थियों को यूनिवर्सिटी ऑफ ला वेर्न (यूएलवी) के सहयोग से आईबीएस अमेरिकास द्वारा छात्रवृत्ति हेतु अनुमोदन दिया गया।

'एम्पायरिकल इश्यूज इन इन्टरनेशनल ट्रेड एन्ड फाइनान्स (ईआईआईटीएफ)' पर 7वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 16 और 17 दिसम्बर को हाइब्रिड मोड में (अर्थात ऑनलाइन अथवा परिसर में व्यक्तिशः उपस्थिति) भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कोलकाता परिसर में किया गया। इस साल के ईआईआईटीएफ सम्मेलन की विषयवस्तु थी – 'ट्रेड, फाइनान्स एन्ड डेवलपमेन्ट रू कान्टेम्पोरेरी इश्यूस'। इस सम्मेलन में तीन विशेष व्याख्यानों, एक विशेष सत्र (ट्रेड स्पेशियलाइजेशन, स्ट्रक्चरल चेन्ज एन्ड डेवलपमेन्ट) और एक पैनल चर्चा (फ्यूचर ऑफ मल्टीलेटरलिज्म) का आयोजन किया गया। सम्मेलन समिति को कुल 165 आलेख प्राप्त हुए जिसमें से 93 स्वीकृत आलेखों को 23 तकनीकी सत्रों में विभाजित करते हुए हाइब्रिड मॉडल में प्रस्तुत किया गया। भारत और विदेश दोनों ही के विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों का संकेन्द्रण इस थीम के तहत विभिन्न विषयों पर रहा, जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार, वित्त, वैश्विक उत्पादन नेटवर्क और मूल्यवत्ता शृंखलओं, लॉजिस्टिक, एफडीआई, आदि को शामिल किया गया।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के एमडीपी प्रभाग ने वर्ष 2021–22 के दौरान विभिन्न स्तरों के प्रबंधकों और कार्यपालकों के लिए 14 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसमें सरकार के अधिकारियों (आईटीएस परिवीक्षाधीनों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों सहित) और पीएसयू के कार्यपालकों के लिए प्रायोजित 9 कार्यक्रम शामिल हैं। इसके अलावा ऑनलाइन मोड के माध्यम से लम्बी अवधि के तीन पाठ्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया और निर्यात बंधु योजना – एमओओसी के तहत ऑनलाइन एमडीपी शृंखला का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों से कुल 608 सहभागी लाभान्वित हुए।

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम

ईपीजीडीआईबी (ऑन–कैम्पस और हाइब्रिड) 2020–2021 का सफलतापूर्वक समापन

संस्थान के 54वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 22 अक्तूबर 2021 को किया गया। समारोह के दौरान कुल 126 सहभागियों को डिप्लोमा प्रदान किया गया जिनमें से 92 और 34 का संबंध क्रमशरू ऑन कैम्पस और हाइब्रिड बैच से थे। श्री पीयूष गोयल, मंत्री वस्त्र, वाणिज्य और उद्योग और उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण, भारत सरकार के साथ श्री बी.वी.आर. सुब्रहमण्यम, वाणिज्य सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने इस समारोह को गरिमामय बनाया। कुलपति प्रोफेसर मनोज पंत और डीन प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने भी विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया।

ईपीजीडीआईबी (सप्ताहांत) ऑन कैम्पस 2021–2022 की सफल शुरुआत

18 माह के ईपीजीडीआईबी (सप्ताहांत) ऑन कैम्पस कार्यक्रम का नया बैच 23–10–2021 को आरंभ हुआ जिसमें कुल 76 सहभागी हैं। इस कार्यक्रम का आरंभ आभासी उद्घाटन समारोह से हुआ। इस समारोह को कुलपति प्रो. मनोज पंत; डीन डॉ. राकेश मोहन जोशी, प्रमुख (ईएमपीडी); डॉ. पूजा लखनपाल और ईपीजीडीआईबी 2021–22–के कार्यक्रम निदेशक डॉ. प्रतीक माहेश्वरी ने गरिमामय बनाया।

जर्नल प्रभाग

मासिक संगोष्ठी शृंखला

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कुलपति प्रो. मनोज पंत की मेन्टरशिप में प्रकाशन प्रभाग ने मासिक संगोष्ठी शृंखला आरंभ करने की पहल की है। इन संगोष्ठियों में शैक्षणिक शोध–पत्र/विषय पर प्रस्तुति और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के संकाय सदस्यों/शोध विद्वानों के साथ परिचर्चा के लिए बाहरी विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है। इन आयोजनों के प्राथमिक प्रयोजनों में एक यह भी है कि संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों में अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए। हम अगस्त 2018 से मासिक संगोष्ठी/वेबिनार शृंखला के तहत कई व्याख्यानों का आयोजन कर चुके हैं। विशेषज्ञों के सहयोग से वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान निम्नलिखित दो वेबिनारों का आयोजन किया गया :

- "प्रीडेटरी एफडीआई ड्यूरिंग इकोनॉमिक क्राइसेस : इनसाइट फ्रॉम क्रॉस–बॉर्डर एम एन्ड ए फ्रॉम चायना एन्ड होस्ट कन्ट्री रेस्पॉन्सेस", पर 28 जून 2021 का वेबिनार। इसमें अतिथि वक्ता थे – डॉ. अरिन्दम दास, प्रोफेसर, रणनीति और अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय टी.ए., पई मैनेजमेन्ट इन्स्टीट्यूट, मनिपाल, भारत।
- 'सर्पलस फूड–ग्रेन एन्ड परसिसटिंग हंगर: कन्टेक्सचुअलाइजिंग दि फार्म लॉ', पर 28 जुलाई 2021 को वेबिनार। इसमें अतिथि वक्ता थे – डॉ. अरिन्दम बनर्जी, सह प्रोफेसर, इकोनोमिक्स स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली।

***फोकस डब्ल्यूटीओ* जर्नल और आईआईएफटी तिमाही न्यूजलैटर का प्रकाशन**

जर्नल प्रभाग ने वर्ष 2021–22 के दौरान फोकस डब्ल्यूटीओ खंड 23 (4 अंक जनवरी – मार्च; अप्रैल – जून; जुलाई –सितम्बर और अक्तूबर – दिसम्बर 2021) का प्रकाशन किया जो कि भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का आंतरिक तिमाही प्रकाशन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और प्रबंधन अनुसंधान के क्षेत्र में पूर्ण शोध–पत्रों, केस–स्टडीज, मोनोग्राफ्स, पुस्तक समीक्षा और डॉक्टरेट शोध प्रबंध

के सारांश प्रकाशित किए जाते हैं।

फोकस डब्ल्यूटीओ की प्रमुख उपलब्धियां

1. जर्नल प्रभाग ने एक बड़ी सफलता प्राप्त की है कि इसे जर्मनी (मासमैन इन्टरनेशनेल बुखंडलन्ग जीएमबीएच) से फोकस डब्ल्यूटीओ के लिए प्रथम अंतरराष्ट्रीय अभिदान प्राप्त हुआ।
2. एक जर्नल के रूप में फोकस डब्ल्यूटीओ को निम्नलिखित के साथ सूचीबद्ध किया गया है :
   - इंडियन साइटेशन इन्डेक्स (आईसीआई);
   - डायरेक्टरी ऑफ रिसर्च जर्नल्स इन्डेक्सिंग (डीआरजेआई),और
   - जे गेट।
3. जर्नल फोकस डब्ल्यूटीओ को वेब पोर्टल पर भी दिया गया है। (इसके लिए लिंक है https://www.iift.ac.in@iift@publications.php)
4. पीयर रिव्यू प्रक्रिया के अधीन फोकस डब्ल्यूटीओ के लिए ऑनलाइन लेख प्रस्तुति आरंभ की गई (इसका लिंक है – http://publication.iift.ac.in@focus.asp\id=700)

आईआईएफटी तिमाही न्यूजलैटर का प्रकाशन

जर्नल प्रभाग ने आईआईएफटी तिमाही न्यूजलैटर (जन.–मार्च; अप्रैल–जून; जुलाई–सितम्बर और अक्तूबर – दिसम्बर 2021) के चार अंकों का प्रकाशन किया।

विदेश व्यापार समीक्षा का प्रकाशन

जर्नल प्रभाग ने फॉरेन ट्रेड रिव्यू (सेज पबलिकेशन्स प्रा. लि.) के खंड 56 के अंतर्गत तीन अंकों और खंड 57 के अंतर्गत एक अंक का सफलतापूर्वक प्रकाशन वर्ष 2021–22 में किया। सामान्यतया प्रत्येक अंक में सीमा–पार समस्याओं पर सैद्धांतिक और अनुभवजन्य विषयों के डोमेन में अनुसंधान आलेख, व्याख्याएं और पुस्तक समीक्षाएं प्रकाशित की जाती हैं। इस साल के दौरान एक विशेषांक का प्रकाशन हुआ जिसकी थीम थी – ट्रेड इन सर्विसेज – गोइंग डिजिटल (खंड56(3) – अतिथि संपादन – प्रो. हिल्डेगन केविक नोर्डास, काउन्सिल ऑन इकोनोमिक पॉलिसीज (सीईपी) सविटजरलैन्ड एन्ड ऑरेब्रो यूनिवार्सिटी, स्वीडन द्वारा अतिथि संपादन)

इस जर्नल को स्कोपस एन्ड एसोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूल्स (एबीएस) डाटाबेस के तहत सूचीबद्ध होने का गौरव भी प्राप्त हुआ।

वर्किंग पेपर सीरीज को अपलोड करना

आईआईएफटी के वर्किंग पेपर सीरीज का मुख्य लक्ष्य यह है कि संकाय सदस्यों को अपने अनुसंधान परिणामों को प्रकाशन पूर्व की स्थिति में अपने व्यवसायी सहकर्मियों के साथ शेयर करने में सहायता दी जाए। इन आलेखों को ऑनलाइन प्रकाशित करते हुए आईआईएफटी की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। सन 2021–22 के दौरान दो वर्किंग पेपर अपलोड किए गए और अब इनकी कुल संख्या 54 हो गई है।

आईआईएफटी की रैंकिंग

इस संस्थान ने आकलन वर्ष 2020–2021 के दौरान बी–स्कूल की निम्नलिखित रैंकिंग में सहभागिता की, इसका सारांश निम्नानुसार है :

- आईआईएफटी ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग व्यवस्था (एनआईआरएफ) 2021 में सहभागिता की और अखिल भारतीय सर्वोत्तम बी–स्कूल में 25वां रैंक प्राप्त किया।
- आईआईएफटी की बिजनेस टुडेदृ एमडीआरए बी स्कूल सर्वे 2020 में सहभागिता और इसमें 10वां रैंक प्राप्त किया; और क्रॉनिकल्स ऑल इंडिया बी–स्कूल सर्वे हेतु परिणाम प्रतीक्षित हैं।
- 6ठा क्रॉनिकल्स ऑल इंडिया बी–स्कूल सर्वे में
- 7वां बिजनेस वर्ल्ड – बी स्कूल रैंकिंग में
- 15वां आउटलुक – बी–स्कूल सर्वे में
- 11वां एमबीए यूनिवर्स बी स्कूल रैंकिंग में
- 10वां इनसाइडआईआईएम एमबीए रैंकिंग में
- हाल ही में प्रत्यायन और रैंकिंग टीम ने उच्चतर शिक्षा के अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) पोर्टल पर डाटा प्रस्तुत किया है और यह एआईयू पोर्टल पर भी डाटा प्रस्तुत कर रहे हैं। यह कार्य अभी प्रगति पर है।

एएसीएसबी और अन्य प्रत्यायन

संस्थान ने एएसीएसबी बिजनेस प्रत्यायन प्राप्त किया और एमडीआई गुरुग्राम में 21 दिसम्बर 2021 को इसे प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

सन 1916 में स्थापित एएसीएसबी बिजनेस स्कूलों के लिए सर्वाधिक प्राचीन वैश्विक प्रत्यायन निकाय है, और यह सबसे बड़ा बिजनेस शिक्षण नेटवर्क भी है जो विश्व के अध्येताओं, शिक्षकों और व्यवसायों को आपस में जोड़ता है। एएसीएसबी प्रत्यायन में उन संस्थानों को मान्यता दी जाती है जिन्होंने शिक्षण, अनुसंधान, पाठ्यक्रम विकास और विद्यार्थी शिक्षण सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता पर फोकस का प्रदर्शन किया है।

गुणवत्ता के उच्चतम मानकों का दूसरा नाम कहे जाने वाले एएसीएसबी प्रत्यायन वैश्विक रूप से कारोबारी शिक्षण के दायरे में विचारधारा के नए तरीकों को प्रेरित करता है। परिणामस्वरूप बिजनेस डिग्री कार्यक्रम का अध्ययन कराने वाले विश्व के स्कूलों में 6 प्रतिशत से भी कम के पास एएसीएसबी बिजनेस प्रत्यायन है। वर्तमान प्रत्यायनों को देखा जाए तो विश्व के 58 देशों और क्षेत्रों में कुल 890 संस्थानों को बिजनेस में एएसीएसबी प्रत्यायन मिला हुआ है, इनमें से 17 संस्थान भारत से हैं।

एएसीएसबी प्रत्यायन में स्कूलों के लिए सतत परिष्कार सुनिश्चित किया जाता है और उन्हें यह फोकस प्रदान किया जाता है कि वे अपने मिशन को पूरा करें, नवोन्मेष करें और प्रभाव डालें। एएसीएसबी–प्रत्यायित स्कूलों ने विजनेस शिक्षण वर्ग में अपने समकक्षों द्वारा की जाने वाली कठिन समीक्षा प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया जो यह सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थियों को प्रथम–स्तरीय, भविष्य–केन्द्रित व्यवसाय शिक्षण प्रदान करने के लिए आवश्यक संसाधन, प्रमाणन और वचनबद्धता उनके पास है।

डॉ. राजीव कुमार, उपाध्यक्ष, नीति आयोग, भारत सरकार ने एमडीआई गुरुग्राम में एएसीएसबी इन्टरनेशनल का प्रत्ययन प्रमाणपत्र प्रदान किया।

एएसीएसबी पीआरटी आभासी विजिट – 6 से 9 सितम्बर 2021

संस्थान ने 4–दिवसीय पीआरटी आभासी विजिट का सफलतापूर्वक आयोजन किया जिसमें दोनों ही परिसरों ने सहभागिता की। इस विजिट की अध्यक्षता जोल्टान एन्टल–मोकोस (ईएसएमटी बर्लिन, जर्मनी) द्वारा किया गया, जिसमे उनके साथ अन्य सदस्य थे – चेंग सुई चेन (नैशनल यूनलिन यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एण्ड टेक्नॉलजी) और रामीन सी. मेसामी (कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, लॉस एंजिल्स, संयुक्त राज्य अमरीका)।

एएसीएसबी, एश्यूरेन्स ऑफ लर्निंग सेमिनार – 3 से 4 मार्च 2022

संस्थान ने एश्यूरेन्स ऑफ लर्निंग पर 2 दिवसीय आंतरिक संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें संस्थान ने डॉ. एन्जेलिटो काल्मा (दि यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, आस्ट्रेलिया) को आमंत्रित किया। इस संगोष्ठी में 76 सहभागी शामिल हुए जिनमें हमारे दोनों ही परिसरों के संकाय संदस्य और गैर–शिक्षक स्टाफ भी शामिल हुए।

प्रत्ययन हेतु अंतरराष्ट्रीय सदस्यताएं

- दि एसोसिएशन टू एडवान्स कॉलेजिएट स्कूल्स् ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी)।
- दि यूरोपियन फाउन्डेशन फॉर मैनेजमेन्ट डेवलपमेन्ट (ईएफएमडी)।
- एसोसिएशन ऑफ एमबीए (एएमबीए)।

अन्य सदस्यताएं

- अकादमी ऑफ इन्टरनेशनल बिजनेस (एआईबी)।
- दि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू)।
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेन्ट स्कूल्स् (एआईएमएस)।
- दि ग्लोबल कॉम्पेक्ट नेटवर्क इंडिया।

आईआईएफटी का संस्थागत ढांचा

भारत के विदेश व्यापार को बढ़ावा देने के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू की परिकल्पना को मूर्त रूप देने के प्रयोजन से भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की स्थापना 2 मई, 1963 को की गई, जिसका फोकस विदेशी व्यापार संबंधी अनुसंधान और प्रशिक्षण देने पर है। आरंभ से ही यह संस्थान विकसित होता गया और इसमें व्यापक रूपांतरण हुए और इसने विगत वर्षों में अपनी शैक्षिक गतिविधियों के दायरे और आयामों का विस्तार किया है और अब इसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय की सम्पूर्ण श्रेणियां समाहित हैं। आज अपने 59वें वर्ष में यह संस्थान अपने ज्ञान और संसाधनों के आधार, इसकी समृद्ध विरासत और भारत तथा विदेश दोनों ही स्थानों पर सुदृढ़ अल्युमनी नेटवर्क के लिए जाना जाता है।

आईआईएफटी जैसा कोई संस्थान अपने भीतर से ही विकास करता है लेकिन अपने परिवेश से पोषक तत्वों को ग्रहण करते हुए ही ऐसा होता है। आस–पास प्रणाली से जितनी विविध और कठिन चुनौतियां सामने रखी गईं, तो सामने आए हुए उन कार्यों को पूरा करने के लिए प्रयास भी उतने ही बृहद स्तर के हुए। विदेशी व्यापार क्षेत्र की सदा विकासशील व्यवस्था लगातार नए अवसर और चुनौतियां पेश करती रहती है, अपनी गतिविधियों की परिरेखा का पुन: निरूपण करते हुए यह संस्थान उनका सामना करने का प्रयास अपने ही तरीके से करता है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में शिक्षा, अनुसंधान और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में निम्नलिखित प्रभाग हैं :

(I) कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग

(ii) प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रभाग

(iii) अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) प्रभाग

(iv) प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग

(v) अर्थशास्त्र प्रभाग

(vi) अनुसंधान प्रभाग

(vii) पूर्व छात्र कार्य प्रभाग

(viii) प्रकाशन प्रभाग

(ix) दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र (सीडीओई)

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग का गठन इसलिए किया गया था कि सरकार के पदाधिकारियों, उद्यमों, निर्यातकों, कार्पोरेट क्षेत्र और सिविल सोसायटी के सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जा सके ताकि वे अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय से संबंधित मुद्दों और व्यापार नीति के लिए इसके निहितार्थों की व्यापक समझ विकसित कर सकें। ईएमपीडी ने इस प्रकार से डिजाइन किए हुए कार्यक्रम आरंभ किए जो विभिन्न देशों खासकर विकासशील देशों की रुचि के तत्कालीन व्यापार और आर्थिक विषयों के बारे में दृष्टिकोण बना सकें, अभिमत दे सकें, विश्लेषण कर सकें।

इस प्रभाग द्वारा चलाए जाने कार्यपालकों हेतु डिप्लोमा कार्यक्रमों के पाठयक्रम की विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- पाठ्यक्रम की समयावधि 18 माह है, जिसकी कक्षाएं प्रति माह तीन सप्ताहांतों पर चलाई जाती हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर के आरंभ में सम्पर्क सप्ताह।
- कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग जैसे सामने आ रहे क्षेत्रों पर फोकस।
- अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय, अंतरराष्ट्रीय विपणन, अंतरराष्ट्रीय वित्त और व्यापार में से विशेषज्ञता चुनने के अवसर।
- संरचनाबद्ध अनुसंधान परियोजना के माध्यम से अनुसंधान पद्धति का परिचय।
- ऑनलाइन अनुसंधान डाटाबेस और पाठ्य सामग्री की व्यापक उपलब्धता।
- समूचे विश्व में उच्च स्थापित एल्यूमिनी के साथ नेटवर्किंग के अवसर

प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रभाग

संस्थान का प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) प्रभाग सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, कार्पोरेट और निजी क्षेत्र के अधिकारियों/कार्यपालों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार, अंतरराष्ट्रीय विपणन, वित्त, निर्यात–आयात प्रबंधन, वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, मानव संसाधन, आईटी, एसईजेड हेतु क्षमता निर्माण, डाटा विश्लेषक, व्यापार विश्लेषक आदि के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। यह प्रभाग आईएएस और अन्य अखिल भारतीय सेवाओं सहित भारत सरकार के विभिन्न अधिकारियों के लिए भी सेवाकालीन प्रशक्षिण कार्यक्रम प्रस्तुत करता है।

भारतीय व्यापार सेवा प्रशिक्षुओं के लिए नौ माह की अवधि का आवासीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के लिए नोडल संस्थान है। इसके अलावा, यह संस्थान भारतीय राजस्व सेवा, भारतीय विदेश सेवा, भारतीय आर्थिक सेवा, भारतीय सांख्यिकीय सेवा, आदि के अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है।

यह संस्थान भारत सरकार के डीजीएफटी की निर्यात बंधु योजना के तहत सम्पूर्ण भारत में फैले हुए निर्यातकों और उद्यमियों के लिए 'निर्यात आयात व्यवसाय' पर ऑनलाइन प्रमाणपत्र कार्यक्रमों की शृंखला का संचालन करता है। अभी हाल ही में डीजीएफटी के प्रयासों

से आईआईएफटी ने एमओओसी (विशाल ओपन ऑनलाइन कोर्स) के माध्यम से निर्यात बंधु कार्यक्रम आरंभ किया है। इस कार्यक्रम में उपस्थिति किसी के भी द्वारा कहीं से भी ऑनलाइन मोड में की जा सकती है।

इसके अलावा यह प्रभाग दीर्घ अवधि के निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन हाइब्रिड/ऑनलाइन/ऑन–कैम्पस मोड में करता है :

1. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और वित्त में पोस्ट ग्रेजुएट प्रमाणपत्र कार्यक्रम।
2. हाइब्रिड मोड के माध्यम से निर्यात और आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम।
3. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय हेतु रणनीति पर ईडीपी।
4. वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन पर ईडीपी।
5. सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए डीजीआर के माध्यम से वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) प्रभाग

आईआईएफटी का अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास (आईसीसीडी) प्रभाग घरेलू और अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ शैक्षणिक सम्बद्धता स्थापित करने के माध्यम से आईआईएफटी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों को सक्षम करता है। आपस में विद्यार्थियों और संकाय का आदान–प्रदान इस शैक्षणिक सहयोग का अविच्छिन्न भाग है। प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की सदस्यता प्राप्त करके यह संस्थान शैक्षणिक सहयोग, विद्यार्थी विनिमय, अध्ययन दौरों और संकाय विनिमय को और भी प्रबल बनाता है। यह प्रभाग संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सम्मेलनों में सहभागिता को सुविधाजनक बनाता है।

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग

संस्थान में पूर्णकालिक/लम्बी अवधि वाले कार्यक्रमों के संचालन का नोडल प्रभाग प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग है। यह प्रभाग संस्थान के सप्ताहांत एमबीए और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया चलाने के अलावा प्रशासनिक और शैक्षणिक समर्थन भी प्रदान करता है। यह दायित्व इस प्रभाग का है कि सभी सहयोगियों अर्थात संकाय, विद्यार्थी और अन्य सभी संबधितों के साथ समन्वय करते हुए कार्यक्रमों का सहज संचालन सुनिश्चित करे।

इस संस्थान ने अपने सर्वप्रमुख कार्यक्रम एमबीए (आईबी) 2021–23 में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित किए। दिल्ली और कोलकाता के परिसरों में मौजूद 512 सीटों के लिए लगभग 34,400 आवेदन प्राप्त हुए। कॉमन परीक्षा का संचालन 68 शहरों में किया गया। इस संस्थान के अन्य कार्यक्रमों को भी कार्पोरेट और सरकारी क्षेत्र से उत्साहवर्धक प्रतिसाद मिला है।

आर्थिक विभाग

एम. ए. (अर्थशास्त्र – व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता)

एम. ए. (अर्थशास्त्र – व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता) अर्थशास्त्र में यह कार्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2018–19 में आरंभ किया गया था। यह कार्यक्रम दिल्ली और कोलकाता में एक साथ चलाया जाता है। इस कार्यक्रम के लिए विश्व के सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों के अर्थशास्त्र विभागों से पाठ्क्रम और अध्यापन कला को सम्मिलित किया गया है। सैद्धांतिक अर्थशास्त्र के क्षेत्र की नवीनतम गतिविधियों और इनके अनुभवजन्य अनुप्रयोगों पर विशेष बल दिया जाता है। कक्षा में आपसी वार्तालाप के अलावा ट्यूटोरियल के साथ–साथ सामूहिक कक्षाओं में प्रत्येक विद्यार्थी पर सजगतापूर्वक ध्यान दिया जाता है। इस कार्यक्रम में उद्देश्य यही रहता है कि विद्यार्थियों को शैक्षणिक प्रयासों की दिशा में बढ़ाया जाए और जटिल समस्याओं का समधान करने की क्षमता का विकास किया जाए और वे सैद्धांतिक मॉडलों के निरूपण में योगदान के साथ–साथ इन मॉडलों के अर्थमितीय निरूपण भी करें। कार्यक्रम के दौरान नवीनतम अर्थमितीय और सांख्यिकीय सॉफ्टवेयर पर प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि सभी विद्यार्थी उच्चतर अध्ययन हेतु भलीभांति तैयार रहें।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान का अर्थशास्त्र कार्यक्रम अब यूरोपियन संघ के दि एरास्मस मुन्डस प्रोग्राम का एक हिस्सा है। आईआईएफटी अब ईजीईआई का भी सहयोगी साझेदार है जो अन्य सहयोगों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। (https://www.master/egei.eu/egei/associate/partners/)

रीपेक/आइडियास की वैश्विक रैंकिंग में आईआईएफटी के अर्थशास्त्र विभाग को भारत में 6ठें सर्वोत्तम विभाग का रैंक दिया गया है। (https://ideas.repec.org/top/top.india.html).

उद्देश्य

एम. ए. (अर्थशास्त्र – व्यापार और वित्त में विशेषज्ञता) कार्यक्रम के विशिष्ट उद्देश्य निम्नानुसार हैं :

1. विद्यार्थियों को इस प्रकार तैयार करना कि वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय संव्यवहारों में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से निहित व्यापारिक समस्याओं से सम्बद्ध अहम रणनीतियों के बारे में उत्कृष्ट व्यापारिक नीति निर्माता बनें।
2. विद्यार्थियों को इस प्रकार की युक्तियों से सज्ज करना जो उन्हें वास्तविक जगत की समस्याओं का समाधान करने में मदद करती हों।
3. विद्यार्थियों को इस प्रकार तैयार करना कि वे अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और वित्त में विशेषज्ञापूर्ण ज्ञान के साथ पूर्णकालिक शिक्षाविद् बनें।

एम. ए. (अर्थशास्त्र) वर्तमान स्थिति

एम. ए (अर्थशास्त्र) 2020–22 के तीसरे बैच का वर्तमान में चौथा सत्र चल रहा है। दिल्ली में 20 विद्यार्थी और कोलकाता में 19 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में अध्ययनरत हैं।

एम. ए (अर्थशास्त्र) 2021–23 के चौथे बैच का आरंभ दिल्ली और कोलकाता दोनों ही परिसरों में 4 अक्तूबर 2021 को ऑनलाइन मोड में किया गया। वर्तमान में इस कार्यक्रम का द्वितीय सत्र चल रहा है। दिल्ली में 43 विद्यार्थी और कोलकाता में 48 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में अध्ययनरत हैं।

54वां दीक्षांत समारोह

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने 54वें दीक्षांत समारोह का आयोजन 22 अक्तूबर, 2021 को किया। एम. ए (अर्थशास्त्र) के निम्नलिखित बैचों को डिग्री प्रदान की गई :

क्रमांक	बैच	विद्यार्थियों की संख्या
1.	एम. ए (अर्थशास्त्र) 2018–20 दिल्ली	20
2.	एम. ए (अर्थशास्त्र) 2018–20 कोलकाता	7
3.	एम. ए (अर्थशास्त्र) 2019–21 कोलकाता	24
4.	एम. ए (अर्थशास्त्र) 2019–21 कोलकाता	28

प्लेसमेन्ट समिति द्वारा आयोजित व्याख्यान

तारीख	विषय	वक्ता	पदनाम	कम्पनी	उपस्थिति
7 अगस्त 2021	क्रेडिट रिस्क एनालिटिक्स	श्री लक्ष्मण रमेश	वाइस प्रेसिडेन्ट	मोर्गन स्टेनले	दिल्ली और कोलकाता
28 अगस्त 2021	क्रेडिट स्कोरिंग पोस्ट दि एडवेन्ट ऑफ फिनटेक्स	श्री अभिषेक मोहन्ती	वाइस प्रेसिडेन्ट	फर्स्ट आबू धाबी बैंक	दिल्ली और कोलकाता
15 सितम्बर 2021	दि ग्लोबल इकोनॉमी एन्ड इंडिया : इश्यूज एन्ट चौलेन्जेस	श्री आभीक बरुआ	चीफ इकोनॉमिस्ट	एचडीएफसी बैंक	दिल्ली और कोलकाता
25 सितम्बर 2021	दि आल्टरनेटिव एसेट्स इन्डस्ट्री : ए प्रैक्टीशनर्स पर्सपेक्टिव्स	श्री विकास उपाध्याय	सीनियर वाइस प्रेसिडेन्ट	सेरबेरस कैपिटल मैनेजमेन्ट	दिल्ली और कोलकाता
25 सितम्बर 2021	एग्रीकल्चरल सप्लाई चेन एन्ड इम्पेक्ट ऑफ कोविड–19	सुश्री गरिमा जैन	इंडिया बिजनेस हेड	एग्रोकार्प इंडिया	दिल्ली और कोलकाता
1 अक्तूबर 2021	लाइफलॉन्ग लर्निंग – एसेन्स ऑफ इन्डीविजुअल एन्ड आर्गेनाजेशनल एक्सीलेन्स्	श्री डी. वी. शास्त्री	कार्यपालक निदेशक	नेचुरल गैस सोसायटी	दिल्ली और कोलकाता
12 अक्तूबर 2021	एप्लीकेशन ऑफ इकोनॉमिक्स इन इन्टरनेशनल बिजनेस ऑपरेशन्स	श्री आशुतोष चतुर्वेदी	अपर निजी सचिव	नागर विमानन मंत्रालय	दिल्ली और कोलकाता
13 अक्तूबर 2021	मॉडलिंग रिस्क मैनेजमेन्ट इन दि एग्रीकल्चर सेक्टर	श्री सुमीत गुप्ता	बिजनेस पार्टनर	मैकडोनाल्ड पेल्ज ग्लोबल कमोडिटीस	दिल्ली और कोलकाता
18 दिसम्बर 2021	कैरियर्स इन इन्टरनेशनल फाइनान्स एन्ड रिस्क मैनेजमेन्ट	सुश्री रचना माहेश्वरी	एडी रिस्क मैनेजमेन्ट एन्ड मॉडलिंग	क्रिसिल	दिल्ली और कोलकाता
12 जनवरी 2022	ए डिस्कशन ऑन दि इकोनोमिक एनालिसिस	श्री निखिल गुप्ता	चीफ इकोनॉमिस्ट	मोतीलाल ओस्वाल फिनानशियल सर्विसेज	दिल्ली और कोलकाता
16 जनवरी 2022	हाउ एन्ड वॅट ऑफ स्मार्ट सिटीज मिशन	श्री आनंद मेनन	वाइस प्रेसिडेन्ट	दाराशॉ	दिल्ली और कोलकाता
22 जनवरी 2022	इंडियन इकोनोमिक आउटलुक इन 2022	सुश्री कनिका पसरीचा	इकोनॉमिस्ट	स्टैन्डर्ड चार्टर्ड बैंक	दिल्ली और कोलकाता
29 जनवरी 2022	सीवी बिल्डिंग वर्कशॉप	सुश्री ध्वनि काचरू	ग्रोथ मैनेजर	गूगल	दिल्ली और कोलकाता
18 फरवरी 2022	बैंकिंग इन्डस्ट्री : कैरियर पाथ एन्ड रिस्क मैनेजमेन्ट	सुश्री प्रिया जुनेजा	वाइस प्रेसिडेन्ट	ब्लैकरॉक	दिल्ली और कोलकाता
12 मार्च 2022	दि इकोनॉमिक्स ऑफ जियोपॉलिटिक्स: ए केस स्टडी ऑफ इंडिया	सुश्री राधिका पिपलानी	इकोनॉमिस्ट एन्ड वीपी	यस बैंक	दिल्ली और कोलकाता

आईआईएफटी इकोनॉमिक्स सोसायटी (आईईएस) द्वारा संचालित व्याख्यान

तारीख	विषय	वक्ता
1 मई, 2021	कुकिंग फ्यूल च्वाइस, इनडोर एयर क्वालिटी एन्ड चाइल्ड मोर्टेलिटी इन इंडिया	प्रो. अर्नब के. बसु, प्रोफेसर डायसन स्कूल ऑफ एप्लाइड इकोनोमिक्स एन्ड मैनेजमेन्ट, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी
28 अक्टूबर, 2021	इकोनॉमिक कन्क्लेव – प्रथम दिन 'इकोनोमिक डिस्ट्रेस एन्ड फाइनेनशियल सेक्टर पॉलिसी रेस्पान्स'	प्रो. राउल मिनेटी, (मिशीगन स्टेट यूनिवर्सिटी); प्रो. पार्थ चटर्जी (शिव नाडार यूनिवर्सिटी, भारत); प्रो. सुनील पोशकवाल, (क्रेनफील्ड स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट, यूनाइटेड किंगडम)
29 अक्टूबर, 2021	इकोनॉमिक कन्क्लेव – द्वितीय दिन 'टेक्नोलॉजी, इनोवेशन एन्ड दि फ्यूचर ऑफ एम्प्लॉयमेन्ट'	प्रो. जेम्स बेसेन, (बोस्टन यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड स्टेट्स); प्रो. मारियो पियान्टा, (स्काउला नार्मेल सुपिरिओरि, इटली); प्रो. एन्टन कोरिनेक, (ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन, यूनाइटेड स्टेट्स); डॉ. शुक्ति दासगुप्ता (इन्टरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन, जेनेवा, स्विटजरलैन्ड)
1 नवंबर, 2021	केन मशीन लर्निंग मैथड्स आउटपर्फार्म इकनोमेट्रिक मैथडस – एप्लीकेशन्स ऑफ मशीन लर्निंग फॉर फाइनान्स एन्ड इकोनोमिक्स	डॉ. शुभजीत चक्रवर्ती (लुशियाना स्टेट यूनिवर्सिटी – श्रेवपोर्ट एलए)
16 नवंबर, 2021	डाटा एन्ड सर्विस ट्रेड : रेग्युलेटरी आप्शन फॉर न्यू ग्लोबलाइजेशन	डॉ. एरिक वान डेर मारेल, सिनियर इकोनॉमिस्ट यूरोपियन सेन्टर ऑफ इन्टरनेशनल पॉलिटिकल इकोनॉमी
27 जनवरी, 2021	चेन्जेस एन्ड रिफाइनमेन्टस् दैट दि न्यू एफटीपी शुड एन्टेल एन्ड दि चौलेन्जेस फेस्ड दस फार	श्री मिहिर अजित शाह, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में परामर्शदाता, सलाहकार और प्रशिक्षक
26 फरवरी, 2022	पैनल डिस्कशन ऑन यूनियन बजट 2022 "ए रोडमैप टू इकोनोमिक स्टेबिलिटी"	प्रो. अजित्व रायचौधरी, प्रोफेसर और पूर्व प्रमुख, अर्थशास्त्र विभाग, जाधवपुर विश्वविद्यालय प्रो. पिनाकी चक्रवर्ती, निदेशक, राष्ट्रीय लोक वित्त और नीति संस्थान, नई दिल्ली प्रो. सव्यसाची कर, आरबीआई चेयर प्रोफसर, इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ, दिल्ली प्रो. सैबल कर, प्रोफेसर इकोनॉमिक्स, सेन्टर फॉर स्टडीज इन सोशल साइन्सेज, कोलकाता श्री सौगत भट्टाचार्य, सीनियर वाइस प्रेसिडेन्ट और चीफ इकोनॉमिस्ट, एक्सिस बैंक

अनुसंधान प्रभाग

संस्थान के विकास में अनुसंधान का बहुत महत्त्व रहता है क्योंकि यह ज्ञान के सृजन और प्रशिक्षण के बीच एक प्रबल और व्यापक सेतु तैयार करता है। इसने अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के परिदृश्य के विश्लेषण और समुचित कार्पोरेट रणनीति तैयार करने में विशिष्ट परामर्शी क्षमता का विकास किया है। इस संस्थान ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों ही परियोजानाओं के लिए सफल बोलियां लगाई हैं। अनुसंधान प्रभाग समय–समय पर समकालीन विषयों पर महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन करता रहता है, जिसमें बहुपक्षीय निकायों, सरकारी क्षेत्र और प्रख्यात शैक्षणिक संस्थानों के सुप्रसिद्ध ज्ञानवान व्यक्तियों आपस में मिलते हैं। इस प्रभाग द्वारा संचालित पीएच. डी. कार्यक्रम अत्यंत प्रशंसित कार्यक्रम हैं।

पूर्व छात्र प्रभाग

एल्युमिनी मामले प्रभाग और आईआईएफटी की एल्युमिनी संबंध समिति ने एल्युमिनी के साथ सम्पर्क में बने रहने के अपनी ऑनलाइन गतिविधियों को बनाए रखा और इस संथ्ससान तथा एल्युमिनी के बीच सम्पर्क बनाना जारी रखा।

एल्यूमिनी संबंध समिति ने मार्च और अप्रैल 2021 में ग्रीष्मकालीन एल्युमिनी मेन्टरशिप कार्यक्रम 2021 का संचालन किया। एल्युमिनी जिन संगठनों के लिए कार्यरत हैं और जहां विद्यार्थियों को अपनी प्रशिक्षुता आरंभ करनी है, उसके लिए प्रशिक्षुओं को कार्पोरेट कार्य–जीवन के पहलुओं के बारे में तैयार करते हैं।

आईआईएफटी के 58वें स्थापना दिवस का समारोह मनाने के लिए एल्युमिनी संबंध समिति ने 2 मई 2021 को आईआईएफटियन दिवस मनाया।

जुलाई 2021 में आरंभिक कार्यक्रम के एक भाग के रूप में भावी एमबीए (आईबी) बैच के लिए इनविजन वार्ता शृंखला के तहत एलयुमिनी द्वारा वार्ताओं की शृंखला का आयोजन किया गया। इस शृंखला के एक भाग के तौर पर 17 विशिष्ट एल्युमिनी की मेजबानी की गई।

एल्युमिनी संबंध समिति ने तरंग के तहत वीडियो पोडकास्ट का आयोजन अपने आधिकारिक यूट्यूब चौनल पर किया जिसमें एल्युमिनी ने आईआईएफटी के बाद अपने जीवन के बारे में संक्षिप्त परिचय देने के साथ ही अपनी इस शिक्षण संस्थान में बिताए हुए दिनों का उल्लेख किया। तरंग ने उद्यमी कह रहे हैं के बैनर तले सुश्री

उन्मना रिंझा की मेजबानी की जो आरास की संस्थापक हैं, और 2012 बैच की एल्युम्ना हैं। इस समिति ने एमबीए (आईबी) 2002 बैच के श्री बालाजी वैद्यनाथन की भी मेजबानी की जो फ्रैन्कलिन टेम्पलटन के डायरेक्टर और हेड ऑफ मार्केटिंग (सीईईएमए) हैं।

एल्युमिनी राउंडटेबल का प्रथम संस्करण 12 दिसम्बर 2021 को आयोजित किया गया। इसका विषय था – इवोल्विंग कन्ज्यूमर प्रेफरेन्सेस: चौलेन्जेस, अपॉर्च्यूनिटीज एन्ड इनोवेशन्स। श्री विजयानंद सिन्हा, रेकिट मैनेजिंग डायरेक्टर – रेकिट हाइजीन – रशिया एन्ड सीआईएस, 1997 बैच, सुश्री नमिता मेदिरत्ता, ग्लोबल मार्केटिंग इनसाइट डायरेक्टर, यूनिलिवर, 1999 बैच; श्री प्रशांत चाकू, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट, कैटेगरी सीओई हेड हेयर फैशन, 2002 बैच; श्री एस. एन. वेंकट, एडजन्क्ट फैकन्टी मार्केटिंग, सिंगापुर मैनेजमेन्ट यूनिवर्सिटी (एलकेसी स्कूल आफ बिजनेस), 1985 बैच इसके पेनलिस्ट और मॉडरेटर में शामिल थे।

द्वितीय एल्युमिनी राउंडटेबल का फोकस व्यापारिक मुद्दों पर था और इसका आयोजन 13 फरवरी 2022 को किया गया। इसके संचालक थे श्री राजीव गटने, सीईओ और डायरेक्टर सनशाइन हेल्थकेयर लि., 1984 बैच और सुश्री गरिमा जैन, सीईओ एग्रोकार्प इंडिया ट्रेड सर्विसेज प्रा. लि., 2005 बैच; श्री अभिजित भद्रन, लीड कमर्शियल फॉर ग्लोबल लॉजिस्टिक्स विभाग यूपीएल लि. में, 2011 बैच; और श्री पीटर आर. सयाल, जॉर्जिया विश्वविद्यालय में एग्रीकल्वर एन्ड एप्लाइड इकोनॉमिक्स में पीएच.डी के छात्र, 2011 बैच इसमें पैनलिस्ट के तौर पर शामिल हुए।

तिमाही पत्रिका एल्युमिनाटी का विमोचन 15 जनवरी 2022 को किया गया। न्यूजलैटर के इस संस्करण में शामिल लेख रहे – दि लीडिंग एज – श्री प्रसेनजित राय, एमपीआईबी 1994; एन्टरप्रन्योर स्पीक – सुश्री उन्मना रिन्झा, एमबीए(आईबी) 2012; दि एल्युमिनी राउंडटेबल 2021 श्री वेंकट एस. एन. द्वारा मॉडरेट की गई जिसमें सुश्री नमिता मेदिरत्ता (एमपीआईबी 1999), श्री प्रशांत चाकू (एमबीए आईबी 2002) और श्री सुयश मेहरोत्रा (एमबीए आईबी 2009) शामिल थे; श्री राशेष शाह द्वारा लिखित और सुश्री मधूलिका दंत द्वारा संपदित एल्युकिनी ट्रेवेलॉग में 1985 के राजमैरिसर बैच का उल्लेख था और एमबीए(आईबी) 2016–18 बैच से एलुम झलकियां का समावेश किया गया। सुश्री चाँद कपूर (शी/हर), सुश्री आद्रिका गुहा, सुश्री सौम्या सलोनी, श्री अजय ठाकुर।

जीएआर 2021 की आभासी प्रस्तुति के तौर पर कैम्पस में नेतृत्व का आयोजन 6 मार्च 2022 को किया गया। नेतृत्व 21 की ही तरह से इस साल भी प्रात: कालीन कार्यक्रम और सायं कालीन कार्यक्रम शामिल किए गए। प्रात: कालीन कार्यक्रम में उद्घाटन, इस साल के एल्युमिनी का स्वागत समारोह, नेतृत्व विशेष न्यूजलैटर का विमोचन और कैम्पस मॉल का उद्घाटन किया जो कि एल्युमिनी मर्चेन्डाइस की वेबसाइट है। साल का एल्युमिनी के पुरस्कार कार्पोरेट लीडरशिप कैटेगरी में श्री प्रसेनजित राय (1994 बैच) को एन्टरप्रन्योरशिप कैटेगरी में श्री मनीष देसाई (1994 बैच) को दिया गया। इसके बाद पैनल विमर्श – बियान्ड दि कन्वेन्शनल का आयोजन हुआ। इसके पैनलिस्ट में सुश्री वसुघा नरसिंहमन (1995 बैच), सुश्री सुमा राव (1999 बैच), सुश्री अनिका गुप्ता (2004 बैच), सुश्री हर्षिता वर्मा (2007 बैच), और सुश्री सोनल बियानी (2007 बैच) शामिल थे। इस परिचर्चा को सुश्री मधुरा कातागेरी ने संचालित किया जो 2021 बैच से हमारी एल्युमिनी हैं। इस समारोह का सीधा प्रसारण यूट्यूब पर हमारी एल्युमिनी साथियों के लिए किया गया। सायं–कालीन समारोह में स्पॉटलाइट – दि एल्युमिनी ओपन माइक शामिल किया गया जिसमें हमारे सम्माननीय एल्युमिनी ने अपनी प्रस्तुतियों से हमें अभिभूत कर दिया। इसके बाद स्टारनाइट का आयोजन किया गया – यह अतिथी सांस्कृतिक प्रस्तुति थी जिसमें प्रसिद्ध प्लेबैक गायक मधुर शर्मा ने सभी एल्यूमिनी साथियों के लिए प्रस्तुति दी।

न्यूजलैटर के नेतृत्व संस्करण में सुश्री जूनी जार्ज वर्गीस – एमपीआईबी, 2001; सुश्री अपूर्वा दिविगिकर – एमबीए(आईबी), 2010; सुश्री रितिका यादव – एमबीए(आईबी), 2011; सुश्री श्रीजा भोवाल – एमबीए(आईबी), 2015; सुश्री श्रुति पंत – एमबीए(आईबी), 2017; सुश्री अभीप्सा मिश्रा, एमबीए(आईबी), 2017;सुश्री स्निग्धा श्रीवास्तव, एमबीए(आईबी), 2017, सुश्री प्रेरणा हजारिका, एमबीए(आईबी), 2019 और सुश्री अर्चिता गोयल, एमबीए(आईबी) 2020 को शामिल किया गया।

श्री मनीष देसाई (1994 बैच) को एंटरप्रेनशिप श्रेणी में भूतपूर्व छात्र के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

श्री प्रसेनजीत रॉय (1994 बैच) को कॉर्पोरेट नेतृत्व श्रेणी में भूतपूर्व छात्र के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षण केन्द्र (सीडीओई)

इस संस्थान में दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षण केन्द्र (सीडीओई) की स्थापना 2021 में की गई थी, ताकि देश के दूरस्थ स्थानों के लिए गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण का मार्ग प्रशस्त किया जा सके जैसा कि नवीन शिक्षा नीति, 2020 में परिकल्पित है। तदनुसार सीडीओई ने वर्ष 2021–2022 में निम्नलिखित कार्यक्रम आरंभ किए :

1. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में कार्यपालक स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (ईपीजीडीआईबी) – ऑनलाइन (15 माह की अवधि)
2. 'ग्रोथ एन्ड ट्रांस्फार्मेशन थ्रू फिनटेक्स' पर 4 माह की अवधि का प्रमाणपत्र कार्यक्रम
3. आईएनसीओ टर्म्स पर ऑनलाइन एमडीपी

सीडीओई ने निम्नलिखित नए कार्यक्रम आरंभ करने की योजना तैयार की है :

1. राज्यानुसार निर्यात अवसरों पर ऑनलाइन एमडीपी
2. प्रमाणपत्र कार्यक्रम :

क. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में फिनटेक

ख. अंतरराष्ट्रीय बाजारों हेतु उत्पाद प्रबंधन

3. एमबीए(अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय) ऑनलाइन

कोलकाता परिसर

प्रबंधन विकास कार्यक्रम प्रभाग (एमडीपी)

यह प्रभाग अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में अलग–अलग सरकारी एजेन्सियों और निजी एजेन्सियों को प्रशिक्षण सहायता देने में सक्रिय रूप से संलग्न है। अलग–अलग संगठनों को सहायता देने के लिए एमडीपी प्रभाग ने खास तौर पर तैयार किए अल्पावधिक और दीर्घावधिक कार्यक्रम डिजाइन किए हैं। प्रशिक्षण और परामर्श की जो गतिविधियां चलाई गईं उनका संबंध निर्यात–आयात प्रोसेस, बाजार–उत्पाद अभिनिर्धारण, प्रलेखन, लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति शृंखला, विक्रय और विपणन, परिचालन और डाटा सांइस, वित्त, रणनीति, लीडरशिप आदि से रहा या फिर अंतर–विषयपरक रहे जिनमें बहुविध प्रयोजनमूलक क्षेत्रों का समुचित मिश्रण किया गया। निर्यात संभावनाओं से संबंधित कार्यक्रम उत्पादों के और अधिक अंतरराष्ट्रीयकरण में मदद देंगे, नए उद्यमियों को संभावित बाजारों की शिनाख्त करने को प्रोत्साहित करेंगे, उन्हें प्रलेखन और सीमाशुल्क प्रकिया समझने में मदद करेंगे ताकि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और टीपीओ के सदस्यों की देश में समग्र निर्यात गतिविधियों का सुधार किया जा सके। आईआईएफटी कोलकाता में विगत वर्षों के दौरान कई एक दिवसीय कार्यशालाएं, सप्ताह पर्यंत चलने वाले अल्पकालिक कार्यक्रमों के साथ–साथ 4–माह के प्रमाणपत्र कोर्स आयोजित किए गए। आईआईएफटी अपने ईडीपी कार्यक्रमों के माध्यम से युवा उद्यमियों को गहन रूप से मदद प्रदान करने में भी जुटा रहा।

2021–22 के दौरान एमडीपी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सूची

1.	कैपिसिटी बिल्डिंग ट्रेनिंग ऑन "एग्रीकल्वर एक्सपोर्ट पॉलिसी एन्ड एक्सपोर्ट एनहान्समेन्ट" फॉर	नागालैन्ड के एग्रो–होर्टी अधिकारियों को अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय पर प्रशिक्षण	प्रायोजित	एपीईडीए, एनई	एग्रो–होर्टी उत्पादों से संबद्ध नागालैन्ड के पदधारियों को शिक्षण, एनएसएएमबी, दीमापुर	अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नव उद्यमियों को अंतर्ज्ञान देना, एनएसए एमबी में	कृषि निर्यात नीति तैयार करने में नीति निर्माताओं को मदद	06/04/21 – 10/04/21
2.	ग्लोबल लॉजिस्टिक्स और व्यापार प्रलेखन में प्रशिक्षण कार्यक्रम – पहला कार्यक्रम	लॉजिस्टक्स फर्मों के लोगों को प्रशिक्षण	प्रायोजित	बीसीसी एन्ड आई	ग्लोबल लॉजिस्टिक पर सहयोगियों के सदस्यों को शिक्षण	ई–लैक्चर शृंखला@ कोविड–19	प्रलेखन और सीमा शुल्क पद्धति समझने में मदद करना	26.08.21 – 28.08.21
3.	ग्लोबल लॉजिस्टिक्स और व्यापार प्रलेखन में प्रशिक्षण कार्यक्रम – 2रा कार्यक्रम	लॉजिस्टिकि फर्मों के लोगों को प्रशिक्षण	प्रायोजित	बीसीसी एन्ड आई	ग्लोबल लॉजिस्टिक पर सहयोगियों के सदस्यों को शिक्षण	ई–लैक्चर शृंखला@ कोविड–19	प्रलेखन और सीमाशुल्क पद्धति समझने में सहायता	28.09.21 – 30.09.21
4.	असम के लिए 'कृषीय निर्यात नीति और निर्यात संवर्द्धन' विषय पर क्षमता निर्माण प्रशिक्षण	डीआईसी असम के अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए	प्रायोजित	एपीईडीए, एनई	असम के अधिकारियों को कृषि–बागवानी उत्पादों के बारे में शिक्षण	आईआई एफ टी कोलकाता में आयोजित	कृषीय निर्यात नीति तैयार करने में नीति	25.10.21 – 29.10.21

5.	निर्यात–आयात पद्धति और प्रलेखन 1 दिवसीय जागरुकता कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम – जाइरो, अरुणाचल प्रदेश	बाजार अभिनिर्धारण और प्रलेखन प्रक्रिया	प्रायोजित	व्यापार और वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश	निर्यात प्रक्रिया के बारे में अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय उद्यमियों को कुछ अंदाजा देने के लिए कार्यशाला	सहभागियों को निर्यात प्रक्रिया के बारे में दी गई सैद्धांतिक जानकारी उन्हें व्यापार को बेहतर तरीके से समझने में मदद देगी	राज्य में संतरे और कीवी फर्मों के स्वामित्व वाले स्थानीय उद्यमियों को निर्यात और प्रलेखन पद्धति की जानकारी लेने में मदद	18/11/21
6.	प. बंगाल में रत्न और आभूषणों और पोशाक के क्षेत्र में निर्यात परामर्श में मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण – प्रथम फेज	उत्पाद बाजार का अभिनिर्धारण, निर्यात पद्धति और प्रलेखन, अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स – इन को टर्म्स %फाइनान्स	प्रायोजित	एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	अधिकारियों और एसोसिएशन के सदस्यों को रत्न और आभूषण तथा पोशाक संबंधित प्रशिक्षण देना	सह–भागियों को निर्यात प्रक्रिया के बारे में सैद्धांतिक जानकारी दी गई	निर्यात प्रक्रिया को समझने और रत्न और आभूषण में ईएफसी को मॉनिटर करने में अधिकारियों और स्थानीय उद्यमियों को मदद देना	18/11/21
7.	प. बंगाल में रत्न और आभूषणों और पोशाक के क्षेत्र में निर्यात परामर्श में मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण – द्वितीय फेज	उत्पाद बाजार का अभिनिर्धारण, निर्यात पद्धति और प्रलेखन, अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स – इन को टर्म्स %फाइनान्स	प्रायोजित	एमएसएमई विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार	अधिकारियों और एसोसिएशन के सदस्यों को रत्न और आभूषण तथा पोशाक संबंधित प्रशिक्षण देना	सहभागियों को निर्यात प्रक्रिया के बारे में व्यावहारिक और उत्पाद विशिष्ट जानकारी दी गई	उद्यमियों और अधिकारियों को निर्यात प्रक्रिया समझने और रत्न और आभूषण में ईएफसी मॉनिटर करने में मदद देना	29.11.21 – 07.1221

स्थापित किए गए केन्द्र

अधिक यथार्थपूर्ण क्रियाकलापों में निर्यातकों की मदद करने और उनके निर्यातों में सुधार करने के लिए आईआईएफटी ने राज्यों के लिए निर्यात कक्ष की संकल्पना आरंभ की है। ये कक्ष सरकार, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच प्रभावी एकीकरण करते हैं। ये कक्ष संबंधित राज्य के उद्योग विभाग में स्थित हैं, जहां आईआईएफटी आईटी प्लेटफार्म से एकीकृत करते हुए जानकारी के इनपुट प्रदान करते हैं ताकि निर्यातकों की राज्य–संबद्ध अपेक्षाओं का प्रभावी रूप से समाधान किया जा सके। वर्तमान में इन ई–कक्षों का परिचालन पश्चिम बंगाल, असम और नागालैन्ड में किया जा रहा है। निर्यात कक्ष संबंधित राज्यों के जिला उद्योग केन्द्रों के साथ प्रभावी रूप से सम्बद्ध हैं ताकि जिला स्तर पर इन लाभों को प्रसारित कर सकें।

- पूर्वोत्तर राज्यों हेतु फोकस रखने वाले केन्द्र की स्थापना ताकि भारत सरकार की पूर्वोत्तर परिषद की सहायता से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्रों से निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।
- पश्चिम बंगाल में भारतीय औद्योगिक विकास निगम; पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से पश्चिम बंगाल के निर्यातकों को सुविधा देने के लिए निर्यात कक्ष की स्थापना।
- पूर्वोत्तर भारत के निर्यातकों को सुविधा देने के लिए असम सरकार, उद्योग और वाणिज्य विभाग के सहयोग से निर्यात सुविधा केन्द्र की स्थापना।
- नागालैन्ड के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इन्वेस्टमेन्ट एन्ड डेवलपमेन्ट अथॉरिटी ऑफ नागालैन्ड, नागालैन्ड सरकार के सहयोग से निर्यात सुविधा केन्द्र की स्थापना

महत्त्वपूर्ण बैठकें

वर्ष के दौरान प्रबंधन मंडल की दो बैठकों का आयोजन 29 जुलाई 2021 और 29 अक्तूबर 2021 को किया गया; वित्त समिति की दो बैठकों का आयोजन 20 जून 2021 और 14 अक्तूबर 2021 को किया गया और अकाडमिक परिषद की दो बैठकों का आयोजन 3 सितम्बर 2021 और 4 फरवरी 2022 को किया गया।

शिक्षण एवं प्रशिक्षण

प्रबंधन में स्नातक अध्ययन (जीएसएम) प्रभाग द्वारा आईआईएफटी के सर्वप्रमुख कार्यक्रम अर्थात अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में एमबीए के अलावा इस सस्थान के अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय में साप्ताहांत एमबीए और प्रमाणपत्र कार्यक्रमों का भी संचालन किया जाता है। जीएसएम प्रभाग उक्त कार्यक्रमों में अध्यापन का समन्वयन करता है। जीएसएम का उद्देश्य रहता है कि आईआईएफटी के कार्यक्रमों के कार्यचालन की निगरानी करे और साथ ही इन कार्यक्रमों की शैक्षणिक उत्कृष्टता और समकालीनता को भी सुनिश्चित करे। जीएसएस द्वारा कार्यक्रम प्रबंधन, पाठ्यक्रम की अनुसूची बनाने, सत्र–आयोजन और संकाय आबंटन, परीक्षा संचालन, शोध–प्रबंध परियोजनाएं, सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम और विद्यार्थियों के गैर–अकादमीय क्रियाकलापों और मौखिक परीक्षा पर भी कार्य किया जाता है। विद्यार्थी संबंध और अनुशासन सहित विद्यार्थियों के सभी मामले भी जीएसएम के कार्यक्षेत्र के अधीन हैं। पोर्ट विजिट, औद्योगिक विजिट, अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रमों का भी संचालन जीएसएम द्वारा किए जाते हैं।

अप्रैल 2021 – मार्च 2022 की अवधि के दौरान निम्नलिखित क्रियाकलापों का आयोजन किया गया रू

(i) दो वर्षीय एमबीए (आईबी) 2021–23 कार्यक्रम

दिल्ली और कोलकाता परिसरों में पूर्णकालिक दो वर्षीय एमबीए (अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय) 2021–23 के 56वें बैच का आरंभ ऑनलाइन मोड के माध्यम से 26 जुलाई 2021 को किया गया। एडेलवेइस फाइनान्शियल सर्विसेज के चेयरमैन श्री राशेष शाह ने आरंभिक वक्तव्य दिया। स्वागत संबोधन डॉ. सैकत बनर्जी, प्रमुख जीएसएमडी, दिल्ली परिसर ने दिया। प्रो. मनोज पंत, कुलपति, आईआईएफटी ने आरंभिक संबोधन दिया और डॉ. सतिन्दर भाटिया, डीन ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में दिल्ली और कोलकाता परिसरों के आईआईएफटी संकाय और स्टाफ भी शामिल हुए।

(ii) ढाई वर्षीय सप्ताहांत एमबीए (आईबी) 2021–23 कार्यक्रम

कार्यरत कार्यपालकों के लिए ढाई वर्षीय सप्ताहांत एमबीए (आईबी) 2021–24 कार्यक्रम का 22वां बैच दिल्ली परिसर में ऑनलाइन मोड में 3 अक्तूबर 2021 को आरंभ किया गया। इस कार्यक्रम के लिए 70 कार्यरत कार्यपालकों का चयन किया गया। यह चयन निबंध लेखन, आशुभाषण और साक्षात्कार के आधार पर किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन भाषण डॉ. आर. एम. जोशी, डीन ने दिया और इसमें संस्थान के संकाय सदस्य और स्टाफ उपस्थित थे।

नए पाठ्यक्रमों का निर्धारण और विषय समूह अनुसार पाठ्यक्रम समीक्षा

वर्तमान कारोबारी जरूरतों के अनुसरण में समेकित समीक्षा समिति की बैठक मई 2021 में हुई जिसमें आईआईएफटी के संकाय सदस्य और बाहर से आए विशेषज्ञ शामिल थे, जिसमें मई 2018 में तैयार किए कोर्स के पाठ्यक्रम को फिर से तैयार किया गया और समीक्षा की गई। यह प्रयास किया गया कि जीएसएम प्रभाग के सभी कार्यक्रमों के आईबी फोकस को बरकरार रखा जाए और आईबी डोमेन में लीडरशिप की स्थिति को बनाए रखा जाए।

पूर्णकालिक बैच के लिए अलग–अलग क्रेडिट वाले 7 नए पाठ्यक्रमों का सूत्रपात किया गया। इसी प्रकार पार्ट–टाइम बैचों के लिए छह नए कोर्स निर्धारित किए गए।

पाठ्यक्रमों को अधिक प्रभावी बनाने और ओवरलैप को कम करने के लिए पूर्णकालीन एमबीए और सप्ताहांत पाठ्यचर्या में से 1 क्रेडिट/ 2 क्रेडिट / 3 क्रेडिट वाले 13 पाठ्यक्रमों को हटा दिया गया। एमबीए (आईबी) पूर्णकालीन और सप्ताहांत के लिए कोर कोर्स हेतु क्रेडिट को कम करते हुए क्रमश 63 क्रेडिट और 66 क्रेडिट कर दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के उदीयमान क्षेत्रों में विद्यार्थियों को विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर देने के लिए प्रतिभागियों द्वारा चुने जाने वाले चयनात्मक विषयों की संख्या को 15 से बढ़ाकर 18 कर दिया गया। इससे विद्यार्थियों को इन प्रयोजनमूलक क्षेत्रों में किसी भी दो को प्रधानता देने की सुविधा मिली। नए चयनात्मक विषयों से विकल्प चुनने के लिए विद्यार्थियों को व्यापक अवसर दिए गए हैं।

जीएसएम प्रभाग के अध्ययन बोर्ड की बैठक

अपने सदस्यों और बाहरी विशेषज्ञों को शामिल करते हुए दिल्ली और कोलकाता के स्नातक अध्ययन प्रभाग की एकल अध्ययन बोर्ड की बैठक 17 दिसम्बर 2021 को आयोजित की गई, जिसमें दिल्ली परिसर में गैर–आवासीय पूर्णकालिक दो वर्षीय एमबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स शुरू करने पर विचार विमर्श किया गया।

ऑन लाइन कक्षाओं और सत्रकाल समापन परीक्षाओं को भौतिक रूप में शिफ्ट करना

अभूतपूर्व वैश्विक महामारी के कारण जीएसएम प्रभाग द्वारा मार्च 2020 से ऑनलाइन कक्षाओं, क्विज और अन्य घटकों यथा मौखिक परीक्षा, समेकित मौखिक परीक्षा, अनुसंधान प्रोजेक्ट हेतु मौखिक परीक्षा, सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम सहित पोर्ट–विजिट को कैम्पस–360 और माइक्रोसॉफ्ट–टीम के माध्यम से आयोजित किया गया।

इस अवधि के दौरान जीएसएम प्रभाग ने सभी बैचों के विद्यार्थियों के लिए प्रॉक्टरिंग आधारित ऑनलाइन सत्रांत परीक्षाओं का संचालन किया।

फरवरी 2022 से परिसर खुलने के साथ ही सत्रांत परीक्षाओं और मौखिक परीक्षाओं के संचालन की पद्धति को शिफ्ट करके परिसर में ही आयोजित किया जाने लगा। विद्यार्थियों को कहा गया कि वे कोविड और परीक्षा से संबंधित एसओपी का परीक्षा हॉल में सख्ती से पालन करें।

विद्यार्थियों की ऑनबोर्डिंग और हाइब्रिड कक्षाओं का संचालन

एमबीए 2020–22 (पूर्णकालिक) बैच के विद्यार्थियों को, प्राथमिकता अनुसार, आईआईएफटी के होस्टल में रहने की अनुमति 1 अक्तूबर 2021 से दी गई। होस्टल में रखने की पहली प्राथमिकता बाहर से आई हुई छात्राओं को दी गई और दूसरी प्राथमिकता दिल्ली और एनसीआर में रहने वाली छात्राओं को दी गई। बाहर से आए हुए छात्रों को तीसरी प्राथमिकता पर रखा गया जबकि दिल्ली और एनसीआर में

रहने वाले छात्रों को चौथी और पांचवी प्राथमिकता पर रखा गया।

पूर्णकालिक और सप्ताहांत एमबीए बैचों की कक्षाएं 4 दिसम्बर 2021 से कक्षा में बैठने की कुल क्षमता के 50 प्रतिशत का उपयोग करते हुए हाइब्रिड मोड में आरंभ की गईं।

इस वायरस के नए प्रतिरूप के अप्रत्याशित आचरण के कारण पूर्णकालिक बैच के विद्यार्थियों से कहा गया कि 10 जनवरी 2022 से पहले ही इस संस्थान के होस्टल खाली कर दें और कक्षाओं को फिर से ऑनलाइन मोड में शिफ्ट कर दिया गया।

अंतत: गृह मंत्रालय के दिशानिदेशों के अनुसार 13 फरवरी 2022 से एमबीए (आईबी) 2020–22 और 21–23 बैचों के विद्यार्थियों को फिर से आईआईएफटी के होस्टलों में रहने की अनुमति दी गई और कोविड प्रोटोकॉल का अनुसरण करते हुए कक्षाओं को भौतिक रूप में आरंभ कर दिया गया।

सप्ताहांत बैचों की कक्षाओं को ऑन कैम्पस मोड में 26 फरवरी 2022 से आरंभ किया गया।

सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम

सन 2005 में प्रारंभ हुए सामाजिक जागरुकता कार्यक्रम का आशय है कि इस संस्थान के एमबीए (आईबी) पूर्णकालिक कार्यक्रम के विद्यार्थी सामाजिक संबद्धता वाले मुद्दों पर ध्यान दें और उन्हें समाज के सुविधा–वंचित वर्गों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों के बारे में संवेदनशील बनाया जाए। यह देखते हुए कि कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के विनियामक प्रावधानों के अधीन कार्पोरेट क्षेत्र को भी दायित्व निभाने हैं, तो इस कार्यक्रम में हमारे विद्यार्थियों को दिए गए एक्सपोजर की मूल्यवत्ता उनके लिए है।

इस कार्यक्रम के महत्त्व पर जोर देने के प्रयोजन से पाठ्यचर्या में इसे 3 क्रेडिट का भारांक दिया गया है। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि वे एनजीओ/कार्पोरेट घरानों द्वारा दिए गए वास्तविक जीवन के प्रोजेक्ट पर कार्य करें, जिसके लिए बाद में विद्यार्थियों का मूल्यांकन किया जाता है।

इस कार्यक्रम का प्रारंभ होने के बाद से अब तक 3,300 से भी अधिक विद्यार्थियों ने इसका लाभ उठाया है। विद्यार्थियों को अवसर मिलता है कि वे अलग–अलग एनजीओ/संगठनों द्वारा दिए गए वास्तविक परियोजना कार्यों पर काम करें। हमारे विद्यार्थी जिन कार्यों में लगे हैं उनमें से कुछ महत्त्वपूर्ण सामाजिक क्षेत्र हैं पर्यावरण और समुदाय विकास, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण, साक्षरता, स्वच्छता, एचआईवी/एड्स के प्रति जागरुकता, बच्चों के लिए शिक्षा, वंचित वृद्ध लोगों का कल्याण, स्वास्थ्य, गृहविहीनों को आश्रय, समुदाय विकास, निशक्तता, महिला सशक्तिकरण, कन्या भ्रूणहत्या की रोकथाम, बच्चों को गोद लेना, आदि ।

इस वर्ष दिल्ली परिसर से ऑनलाइन मोड में विद्यार्थियों को तकरीबन 15 गैर–सरकारी संगठनों में प्रतिनियुक्त किया गया। आईआईएफटी अपने पाठ्यचर्या के अटूट भाग के रूप में सामाजिक जागरूकता कार्यक्रम के प्रति वचनबद्ध है।

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

वर्ष 2021–22 के दौरान आईआईएफटी दिल्ली में एमडीपी प्रभाग ने विभिन्न स्तरों पर कार्यरत सरकारी अधिकारियों, प्रबंधकों और कार्यपालकों के लिए 14 कार्यक्रमों का संचालन किया। इनमें से 9 प्रायोजित कार्यक्रम केन्द्र/राज्य सरकारों के अधिकारियों (आईटीएस परिवीक्षाधीनों और सशस्त्र बलों के अधिकारियों सहित) और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कार्यपालकों के लिए थे। इसके अलावा लम्बी अवधि के 3 प्रमाणपत्र कार्यक्रम और निर्यात बंधु योजना – एमओओसी के तहत एक कार्यक्रम शृंखला का भी संचालन किया गया। इन कार्यक्रमों से पूरे देश के 608 प्रतिभागी लाभान्वित हुए।

वर्गानुसार कार्यक्रम विवरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
खुले	1	23
प्रायोजित	9	286
प्रमाणपत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन)	3	139
ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु योजना एमओओसी)	1	160
कुल	14	608

(I) खुले कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय विश्लेषिकी और बाजार असूचना पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम – बैच 1 (मई 2021 – अक्तूबर 2021)

6 माह की अवधि वाले अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय विश्लेषिकी और बाजार असूचना पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम – बैच 1 का संचालन मई 2021 – अक्तूबर 2021 की अवधि में किया गया। कार्यक्रम की विषयवस्तु में डेटा विश्लेषिकी और आसूचना, व्यापार विश्लेषिकी, बिग डेटा विश्लेषिकी, वेब और सोशल मीडिया विश्लेषिकी के विभिन्न माड्यूल शामिल किए गए थे।

विभिन्न संगठनों के 23 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

(II). प्रायोजित कार्यक्रम

क. सरकारी अधिकारियों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. आईटीएस परिवीक्षाधीनों के लिए 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय' पर नौ माह का आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (जनवरी – नवम्बर 2021)

केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान होने के कारण आईआईएफटी द्वारा नियमित रूप से भारतीय व्यापार सेवा के परिवीक्षाधीनों हेतु व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। नौ माह की अवधि का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम 12 आईटीएस परिवीक्षाधीनों के लिए जनवरी 2021 – नवम्बर 2021 की अवधि में संचालित किया गया। नौ माह का यह समेकित प्रशिक्षण तीन चरणों में विभाजित था। प्रथम चरण में अधिकारियों को वैश्विक कारोबारी परिवेश और व्यापार नीति, नीतिनिर्माताओं के लिए सांख्यिकी, समष्टिअर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार विश्लेषिकी, विदेशी व्यापार नीति और एचबीपी और विदेशी व्यापार विकास और विनियमन अधिनियम (एफटीडीआर अधिनियम), और विदेशी व्यापार (विकास और विनियमन) नियमावली, सीमाशुल्क प्रक्रियाओं (व्यापार के लिए क्रमानुसार), एसईजेड और ईओयू नीति और पद्धति, आपदा प्रबंधन की सम्यक जानकारी दी गई।

द्वितीय चरण में सम्प्रेषण दक्षता, लोक संगठनों में अंतर्वैयक्तिक संबंध और प्रबंधकीय व्यवहार, पण्य बाजार, डेरिवेटिव और अनुप्रयोग, प्रवर्तन के प्रावधानों, अधिनिर्णयन, अपील, आदेशों की समीक्षा और प्रारूपण (प्रमुख और अनिवार्य तत्वों), व्यापारिक उपचार–रक्षोपायों, प्रतिकारी और डंपिंग–रोधी, व्यापार लॉजिस्टिक्स – संगतता – राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, फील्ड संबंधी कार्य और अनुभव शेयरिंग सत्र, आदि का समावेश किया गया।

तृतीय चरण में इन आईटीएस परिवीक्षाधीनों को डीजीएफटी कार्यालयों के साथ 3 माह के लिए संबद्ध किया गया ताकि इन्हें व्यावहारिक एक्सपोजर मिले। इसके अलावा इन परिवीक्षाधीनों को विभिन्न उद्योगों, पोर्ट, सरकारी विभागों से भी सहबद्ध किया गया।

2. तमिलनाडु राज्य कृषि विपणन बोर्ड के पदाधिकारियों के लिए कृषि–निर्यात प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (24–28 मई 2021)

तमिलनाडु राज्य कृषि विपणन बोर्ड के पदाधिकारियों के लिए कृषि–निर्यात प्रबंधन पर प्रशिक्षण पर पांच दिवसीय एमडीपी 24–28 मई 2021 की अवधि में किया गया।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य हेतु भारत की विदेश व्यापार नीति – एमईआईएस लाभ, एसईजेड/एईजेड, एपीईडीए द्वारा परिवहन और अवसंरचना तथा विपणन सहायता, जीआई फाइलिंग और ब्रान्ड रणनीति के तौर पर संवर्द्धन, निर्यातों में वाणिज्यिक प्रलेख, आयातों में विनियामक और वाणिज्यिक प्रलेख, निर्यात और आयात के लिए सीमाशुल्क क्लीयरेन्स आदि विषयों को शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम में ईसीजीसी, गुणवत्ता जोखिम प्रबंधन के माध्यम से भुगतान जोखिम प्रबंधन जैसे विषयों : एसपीएस मुद्दों, कृषि निर्यात में बायो सुरक्षा मुद्दे : मामला विश्लेषण ऑस्ट्रेलिया; और गुणवत्ता पूर्ण प्रलेखन – फाइटो सेनिटरी प्रमाणपत्र कैसे प्राप्त करें – निर्यात निरीक्षण परिषद की भूमिका – जीएपी प्रमाणपत्र आदि को शामिल किया गया।

तमिलनाडु कृषि विपणन बोर्ड के 26 अधिकारी इस कार्यक्रम से लाभान्वित हुए।

3. व्यावसायिक शिक्षण में लीडरशिप और उत्कृष्टता पर एआईसीटीई – एटीएएल प्रायोजित संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन) (12 –16 जुलाई 2021)

व्यावसायिक शिक्षण में लीडरशिप और उत्कृष्टता पर एआईसीटीई – एटीएएल प्रायोजित पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (ऑनलाइन) 12 – 16 जुलाई 2021 के बीच संचालित किया गया।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में एचईआई में लीडरशिप : प्रत्याशाएं और परिणाम; व्यवधान के इस काल में व्यावसायिक शिक्षण; लीडरशिप की उत्कृष्टता, उत्कृष्टता के लिए अनुसंधान प्रेरित परिवेशतंत्र का निर्माण; व्यावसायिक शिक्षण में परिणाम आधारित अध्ययन; नेतृत्व भूमिकाओं हेतु मानव संसाधनों का दक्ष बनाना; शैक्षणिक लीडरशिप; उत्कृष्टता हेतु स्व की खोज; उद्योगों का एन्गेजमेन्ट, सहयोग और विकास; फिट इंडिया कार्यक्रम ध्यान और सेहत, आदि को शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम वीयूसीए विश्व में शैक्षणिक नेतृत्व रणनीति; उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों प्रतिवर्तित कक्षा और ऑनलाइन अध्यापन प्रौद्योगिकी; उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों में प्रशासनिक और नीतिगत चुनौतियां; शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए कार्रवाई योजना, आदि को भी कवर किया गया।

विभिन्न उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों के 56 अधिकारियों/संकाय सदस्यों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

4. सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में प्रमाणपत्र कोर्स

महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के कथनानुसार यह संस्थान देश के सशस्त्र बलों के अधिकारियों के लिए विभिन्न व्यावसायिक कोर्सों का संचालन करता रहा है, जिसका उद्देश्य इन अधिकारियों को अपने कैरियर की द्वितीय पारी आरंभ करने में सहायता देना है। सन 2021–22 के दौरान वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में प्रमाणपत्र कोर्स के दो बैच संचालित किए गए।

क्रमांक	समयावधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	6 सितम्बर 2021 से 26 नवम्बर 2021	50
2.	6 दिसम्बर 2021 से 25 फरवरी 2022	35

इस कार्यक्रम की विषयवस्तु में आपूर्ति शृंखला हेतु व्यापार पद्धतियां; आपूर्ति शृंखला हेतु अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, ग्लोबाल सोर्सिंग प्रबंधन, आपूर्ति शृंखला आईटी का अनुप्रयोग; अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय रणनीति और व्यापारिक वार्ताएं; वैश्विक व्यवसाय का परिवेश और राजनीतिक अर्थव्यवस्था, आपूर्ति शृंखला हेतु विश्लेषिकी, संगठनात्मक नेतृत्व, बाजार अभिनिर्धारण, अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, आपूर्ति शृंखला हेतु वित्त, व्यवहारपरक सम्प्रेषण और वैश्विक वित्तीय प्रबंधन, आदि मॉड्यूलों को शामिल किया गया।

5. भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और लीडरशिप पर विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम (16–17 फ़रवरी 2022)

भारतीय स्टेट बैंक के महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों के लिए अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और लीडरशिप पर 16 – 17 फरवरी 2022 के दौरान तीन दिवसीय विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया गया।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में वैश्विक व्यवसाय परिवेश – स्वदेशी और विदेशी और आईबी का दृष्टिकोण; मर्चेन्टिंग व्यापार के लिए विदेशी मुद्रा प्रबंधन नियमावली; एनआरआई कारोबार और धन–विप्रेषण, अंतरराष्ट्रीय फैक्टरिंग/रिवर्स फैक्टरिंग/ जब्तगी; वैश्विक आपूर्ति शृंखला वित्त : नई प्रवृत्तियां और फिनटेक्स के साथ साझेदारी; विश्व व्यापार संगठन : निर्यात–आर्थिक सहायता – समस्याएं और समाधान तथा विदेश व्यापार नीति – अनुपालन और प्रोत्साहन; आईबी में उत्पाद और सायबर सुरक्षा आदि को शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम में मुक्त सागर कारोबार में विक्रय तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार का भावी परिदृश्य, विदेशी वित्तीयन विकल्प, निवेश अवसर : ओडीआई/एफडीआई, अपने ग्राहक को जानिए, मुद्रा शोधन रोधक उपाय और टीबीएमएल, प्रतिबंध और वैश्विक अनुपालन, करेन्सी जोखिम प्रबंधन और डेरिवेटिव की भूमिका, प्रकार और प्रयोग, बाह्य वाणिज्यिक उधारियां/सिंडीकेशन – दिशानिदेश आदि के बारे में भी मूल्यवान इनपुट दिए गए।

भारतीय स्टेट बैंक के 26 वरिष्ठ कार्यपालक (महाप्रबंधक और उप महाप्रबंधक) इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

6. एक्जिम बैंक के अधिकारियों के लिए विश्लेषिकी पर एमडीपी (17, 18, 24, 25 फरवरी और 11 मार्च 2022)

संस्थान द्वारा एक्जिम बैंक के अधिकारियों के लिए 17, 18, 24, 25 फरवरी और 11 मार्च 2022 को विश्लेषिकी पर एमडीपी का संचालन किया गया।

इस कार्यक्रम में व्यापार विश्लेषिकी; डबल्यूआईटीएस डेटाबेस का रखरखाव, निर्णय करने के संदर्भ और युक्तियों का परिचय; डेटा संचयन और डेटाबेस संकल्पना, एक्सेल में एड–इन सहित व्यवसायगत आसूचना, अनुरूपण और डेटा विश्लेषिकी हेतु निर्णय प्रदर्श और अनुप्रयोग; डेटा माइनिंग संकल्पनाएं और अनुप्रयोग, सांख्यिकीय संकल्पनाएं, आदि विषयों को भी शामिल किया गया।

एक्जिम बैंक के तेरह अधिकारी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

7. हिन्दुस्तान पेट्रोलियम निगम लि. के लिए व्यवसाय विश्लेषिकी पर व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (19 फरवरी – 27 मार्च 2022)

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम निगम लि. के कार्यपालकों के लिए फरवरी – मार्च 2022 के दौरान विदेश व्यापार पर आधारभूत कोर्स का संचालन किया गया।

इस कार्यक्रम में डेटा का वर्णन और निर्णय लेने के संदर्भ और डेटा; डेटा संप्राप्ति, डेटा विसंगतियों को समझना; डेटा विजुअलाइजेशन के माध्यम से इनसाइट का सृजन, डेटा प्रोफाइल तैयार करना, डेटा के साथ स्टोरीटेलिंग, महत्त्वपूर्ण पैरामीटरों का आकलन; अवधारणाओं का सृजन और परीक्षण; पूर्वानुमान मॉडलों का निर्माण; निर्देशात्मक विश्लेषिकी समाधान का विकास करना – अनिश्चितता और जोखिम में निर्णय लेने की प्रक्रिया; एकल मानदंड और बहुलक–मानदंड का औचित्य निर्धारण और संवेदनशीलता का विश्लेषण, आदि जैसे क्षेत्रों को भी शामिल किया गया।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में वर्गीकरण मॉडलों की निर्मिति और मूल्यांकन; मनोभावों का आभास करना, पूर्वानुमान पद्धतियां – मांग/विक्रय का पूर्वानुमान, जोखिम विश्लेषण हेतु डेटा प्रेरित दृष्टिकोण – परिदृश्य सृजन और अनुरूपण; प्रकरणों पर विचार विमर्श – आदि सत्र भी शामिल किए गए।

एचपीसीएल के कुल 35 कार्यपालक कार्यक्रम में शामिल हुए।

8. वामनीकॉम, पुणे में सहकारिता और एफपीओ हेतु कृषि निर्यात विपणन पर अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (3 – 6 मार्च 2022)

वामनीकॉम परिसर, पुणे में सहकारिता और एफपीओ हेतु कृषि निर्यात विपणन पर अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 – 6 मार्च 2022 के दौरान किया गया।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में कृषि निर्यात को बढ़ावा : सहकारिताओं और एफपीओ की भूमिका; निर्यात हेतु अपने उत्पादों की कीमत कैसे निर्धारित करें, आइएनसीओ शर्तें, लैटर ऑफ क्रेडिट आदि; कृषि निर्यातों के लिए नीतिगत व्यवस्था को समझना; एफपीओ फोकस; शिपमेन्ट से पहले और बाद के वित्त की व्यवस्था करना; निर्यातों में जोखिम प्रबंधन; कीमत अस्थिरता; करेन्सी में उतार–चढ़ाव, मांग में अंतर, कोविड की आपात स्थितियां; भुगतान में चूक, निर्यात संगुटों की दक्षता को बढ़ाना; आम, हरी मिर्च, ओकरा, अन्य एफएफवी आदि का निर्यात कैसे करें, आदि को शामिल किया गया।

इस कार्यक्रम में निर्यात में परिचालन संबंधी समस्याओं को समझने पर फोकस किया गया, विनियामक और वाणिज्यिक प्रलेखन प्रक्रियाओं की यथासमय डीलिंग और सहायता; सीमाशुल्क क्लीयरेन्स पद्धति, कृषि निर्यातों संबंधी अनुपालनाओं का प्रबंधन, कृषि उत्पादों की निर्यात व्यवहार्यता का मूल्यांकन; दक्ष कृषि आपूर्ति शृंखला और ट्रेड लॉजिस्टिक के माध्यम से कीमत प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना; अपने उत्पाद के लिए सर्वोत्तम बाजार का निर्धारण और वैश्विक सम्पर्क स्थापित करना रू विदेशी क्रेताओं तक पहुंचना; गुणवत्ता अनुपालन और प्रबंधन के लिए संस्थागत व्यवस्था रू आयातक देश में एसपीएस / टीबीटी मानक और प्लांट संगरोध की भूमिका, आदि विषयों को भी शामिल किया गया।

विभिन्न सहकारिताओं के 33 अधिकारी / कार्यपालक इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

(III). प्रमाणपत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन)

एमपीडी प्रभाग ने लम्बी अवधि के प्रमाणपत्र कार्यक्रमों का ऑनलाइन मोड में संचालन किया।

1. निर्यात और आयात प्रबंधन में चार माह का प्रमाणपत्र कार्यक्रम

क्रमांक	समयावधि	सहभागी
1.	अप्रैल – अगस्त 2021 (बैच 16)	40
2.	25 सितम्बर 2021 – जनवरी 2022 (बैच 17)	43

निर्यात और आयात प्रबंधन में चार माह के प्रमाणपत्र कार्यक्रम (2 बैच) ऑनलाइन मोड में संचालित किए गए।

इन कार्यक्रमों का संचालन ऑनलाइन मोड में किया गया और कक्षाओं का संचालन सप्ताहांतों में किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपने डेस्कटॉप/लैपटॉप पर ऑनलाइन मोड में कक्षाओं में प्रतिभागिता की।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिचालन और प्रलेखन; भारत का विदेश व्यापार और नीति; अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्त; भारत के सीमाशुल्क विनियमन और आयात पद्धतियां; अंतरराष्ट्रीय व्यापार लॉजिस्टिक्स आदि के माड्यूलों को भी शामिल किया गया।

2. अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और वित्त में स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम (बैच 4)

नवम्बर 2020 – नवम्बर 2021 के दौरान ऑनलाइन मोड पर अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और वित्त में एक वर्षीय स्नातकोत्तर प्रमाणपत्र कार्यक्रम का संचालन किया गया।

कार्यक्रम की विषयवस्तु में अंतरराष्ट्रीय ट्रेड लॉजिस्टिक्स और प्रलेखन, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और व्यवसाय परिवेश; वैश्विक वित्तीय प्रबंधन, परियोजना वित्त, अंतरराष्ट्रीय पण्य डेरिवेटिव बाजार, अंतरराष्ट्रीय व्यापार का वित्तीयन, समामेलन और अधिग्रहण आदि के

मॉड्यूलों को भी शामिल किया गया।

कुल 56 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

(iv). निर्यात बंधु योजना एमओओसी के तहत ऑनलाइन एमडीपी

डीजीएफटी के कहे अनुसार मॉसिव ओपन आनलाइन कोर्स (एमओओसी) के माध्यम से निर्यात जागरुकता कोर्स के लिए ऑनलाइन 'कभी भी – कहीं भी' की एक शृंखला आरंभ की गई ताकि सारे देश के निर्यातकों और उद्यमियों को आवश्यक दक्षता प्रदान की जा सके। इस ऑनलाइन कोर्स का संचालन भारत सरकार की 'निर्यात बंधु' योजना के अधीन किया जा रहा है।

सन 2021–22 के दौरान 160 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को पूरा किया।

एमडीपी प्रभाग द्वारा संचालित कार्यक्रम (2021–22)

क. ओपन कार्यक्रम

क्रमांक	प्रकार / कार्यक्रम का विषय	लोकेशन	तारीखें	कार्यक्रम निदेशक	सहभागी
1.	इन्टरनेशनल बिजनेस एनालिटिक्स एन्ड मार्केट इन्टेलिजेन्स पर छह माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम – बैच 1	ऑनलाइन मोड	मई 2021 – अक्तूबर 2021	डॉ. अंकित केशरवानी	23
				कुल	**23**

ख. प्रायोजित कार्यक्रम

क्रमांक	प्रकार / कार्यक्रम का विषय	लोकेशन	प्रायोजक	तारीखें	कार्यक्रम निदेशक	सहभागी
1.	भारतीय व्यापार सेवा के परिवीक्षाधीनों के लिए नौ माह का व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम (बैच 2019)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीएफटी, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार	जन. 2021– नवंबर 2021	डॉ. विजया कट्टी	12
2.	ट्रेनिंग प्रोग्राम (ऑनलाइन) ऑन एग्री एक्सपोर्ट मैनेजमेन्ट ऑफिशियल्स ऑफ तमिलनाडु स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड	आईआईएफटी, नई दिल्ली	तमिलनाडु स्टेट एग्रीकल्चरल मार्केटिंग बोर्ड	24–28 मई 2021	डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी	26
3.	एआईसीटीई – एटीएएल प्रायोजित फैकल्टी डेवलपमेन्ट प्रोग्राम (ऑनलाइन) ऑन 'लीडरशिप एन्ड एक्सीलेन्स् इन प्रोफेशनल एडूकेशन'	आईआईएफटी, नई दिल्ली	एआईसीटीई – एटीएएल	12–16 जुलाई 2021	डॉ. आशीष गुप्ता	56
4	वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में सशस्त्र बलों हेतु 12 सप्ताह का प्रमाणपत्र कोर्स (4था बैच)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर (रक्षा मंत्रालय)	6 सित. 2021 से 26 नव. 2021	डॉ. प्रियंका जायसवाल	50
5	वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में सशस्त्र बलों हेतु 12 सप्ताह का प्रमाणपत्र कोर्स (5वां बैच)	आईआईएफटी, नई दिल्ली	डीजीआर (रक्षा मंत्रालय)	6 दिस. 2021 से 25 फर. 2022	डॉ. प्रियंका जायसवाल –	35 26
6	एसबीआई के महाप्रबंधकों और उप महाप्रबंधकों हेतु अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग, वैश्विक बाजार और लीडरशिप पर विशेषीकृत प्रशिक्षण कार्यक्रम	आईआईएफटी, कोलकाता	भारतीय स्टेट बैंक	16–17 फरवरी 2022	–	26
7	एक्जिम बैंक के अधिकारियों हेतु एमडीपी (ऑनलाइन) ऑन एनालिटिक्स फॉर मैनेजर्स	ऑनलाइन	एक्जिम बैंक	17, 18, 24, 25 फरवरी और 11 मार्च 2022	डॉ. ओ. पी. वली	13

8	हिन्दुस्तान पेट्रोलियम निगम लि. हेतु प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन बिजनेस एनालिटिक्स	ऑनलाइन	एचपीसीएल	19 फरवरी– 27 मार्च 2022	डॉ. जितेन्द्र वर्मा	35
9	सहकारिताओं और एफपीओ हेतु कृषि निर्यात विपणन पर ओरिएन्टेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम	पुणे	वामनीकॉम	3 – 6, मार्च 2022	डॉ. आशीष पान्डे	33
					कुल	**286**

ग. प्रमाणपत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन)

क्रमांक	**विषय**	**तारीख**	**कार्यक्रम निदेशक**	**सहभागियों की संख्या**
1	निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन) बैच–16	अप्रैल 2021 – अगस्त 2021	डॉ. राम सिंह	40
2	निर्यात–आयात प्रबंधन में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (ऑनलाइन) बैच–17	25 सितम्बर 2021 – जनवरी 2022	डॉ. राम सिंह	43
3	अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और वित्त में पोस्ट ग्रेजुएट प्रमाणपत्र कार्यक्रम – बैच – 4 (ऑनलाइन)	नवम्बर 2020 – नवम्बर 2021	डॉ. रवीन्द्र सारधी	56

घ. ऑनलाइन एमडीपी (निर्यात बंधु योजना एमओओसी के तहत)

क्रमांक	**विषय**	**तारीख**	**कार्यक्रम निदेशक**	**सहभागियों की संख्या**
1.	निर्यात आयात प्रबंधन	अप्रैल 2021 से फरवरी 2022	डॉ. राम सिंह	160

आईआईएफटी में अनुसंधान

अनुसंधान प्रभाग के क्रियाकलापों का लक्ष्य है कि आईआईएफटी की दृश्यता को बढ़ाया जाए और इसे व्यापार नीति के विश्लेषण के लिए सुदृढ़ अनुसंधान आउटपुट देते हुए एक विचार मंच के रूप में उदित किया जाए। इस प्रभाग के अनुसंधान और अन्य क्रियाकलापों का यह भी लक्ष्य रहता है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के क्षेत्र में लम्बी अवधि और छोटी अवधि के शैक्षणिक कार्यक्रमों को समर्थन दिया जाए। इस प्रकार प्रयास यह किया जा रहा है कि अनुसंधान कार्यों को प्रबंधन के विभिन्न प्रयोजनमूलक क्षेत्रों में भी आधार को बढ़ाने के लिए किया जाए। इस संस्थान के विकास में अनुसंधान क्रियाकलाप बहुत अधिक महत्त्व रखते हैं क्योंकि इनसे अनुसंधान और प्रशिक्षण के बीच व्यापक और सुदृढ़ सेतु बनता है। सरकार और अन्य राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संगठानों द्वारा प्रायोजित अध्ययनों के अलावा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए सफलतापूर्वक बोली लगता है।

I. सन 2021–22 के दौरान पूरे किए गए अनुसंधान

- **अध्ययन कोविड – 19 पर अध्ययन – भारतीय हस्तशिल्प निर्यातों के लिए चुनौतियाँ अवसर और खतरे : प्रभाव आकलन**

  प्रायोजक : हस्तशिल्प निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईपीसीएच)

  इस अध्ययन में ईपीसीएच और इसके सदस्यों के लिए उत्पाद बाजार फोकस के रूप में युक्तिपूर्ण नीतिगत संस्तुतियों को प्रस्तुत किया गया जो पारंपरिक (यूएस, ईयू, जापान और ऑस्ट्रेलिया) और उदीयमान (एलएसी, एसियान, सीआईएस और अफ्रीका) निर्यात बाजारों दोनों ही में भारतीय हस्तशिलप क्षेत्र के लिए निर्यात महत्त्व के लिए अभिनिर्धारित 167 एचएस कोडों हेतु सन 2024–24 में पूर्वानुमानित आयात पैटर्न पर निर्भर करते हुए तैयार किए गए; इसमें ईपीसीएच सदस्यों हेतु एनटीएन के बारे में तैयारशुदा गाइड के रूप में कार्य करने के लिए विद्यमान पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पादों में नवोन्मेष की संभावना; विद्यमान और भावी व्यापार समझौतों के अधीन व्यापार संधिक्रमों के लिए टैरिफ व्यवस्था अनुसार कार्यसूची; क्लस्टर विकास, भारत सरकार के संवर्द्धन, डिजाइन नवोन्मेषों की दृष्टि से टैरिफ व्यवस्था के अनुसार नीति के निहितार्थों, आदि की को शामिल किया गया।

II. अनुसंधान अध्ययन जो प्रगति पर हैं

- **वर्ष 2020–21 के लिए सीसआर परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु अध्ययन**

  प्रायोजक : भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल)

  इस अध्ययन का उद्देश्य है सीएसआर (जैसा कि निविदा प्रलेख के सप्तम खंड में तकनीकी विशिष्टताओं में उल्लिखित है) प्रयासों का मूल्यांकन इनके विद्यामान स्थिति में करना और यह सत्यापित करना कि क्या इनका प्रयोजन डीपीई द्वारा तैयार की गई नीति के अनुरूप है और विभिन्न हिस्सेदारों पर इसके परिणामों और प्रभावों की दृष्टि से परियोजना की प्रभावशीलता का आकलन करना।

- **भारत सरकार द्वारा अगरबत्ती के आयात पर प्रतिबंध से अगरबत्ती उद्योग पर प्रभाव**

  प्रायोजक : केवीआईसी

  इस अध्ययन का उद्देश्य है कि भारत सरकार द्वारा लगाए गए आयात प्रतिबंधों के प्रतिसाद में अगरबत्ती उद्योग और बाजार के परिदृश्य पर उसका प्रभाव क्या रहेगा और इसका व्यापक प्रभाव आकलन प्राप्त किया जाए।

- **ट्रैफिकिंग विक्टिमस् प्रोटेक्शन रीऑथोराइजेशन एक्ट (टीवीपीआरए) की सूची में से चावल को हटाया जाना।**

  प्रायोजक : एपीएफडीए

  इस अध्ययन का उद्देश्य यह परीक्षण करना है कि चावल को सूची से हटाने की प्रक्रिया क्या है, चावल की मूल्य शृंखला में बाल–मजदूर और जबरन–मजदूरी निहित होने के बारे में दावों के मूल्यांकन हेतु आरंभिक सर्वे किया जाए, चावल उत्पादक प्रदेशों की स्थानीय सरकारों के साथ हिस्सेदारों की बैठकें कराई जाएं, एनजीओ, मानव अधिकार समूहों, चावल संगठनों, सिविल सोसायटी समूहों, एफपीओ, निर्यातक समूहों आदि के साथ–साथ साथ कृषि और कृषक कल्याण मंत्रालय को साथ में लेते हुए बैठकें की जाएं। इन बैठकों का लक्ष्य यही है कि बाल–मजदूरी और जबरन मजदूरी के प्रचलन के बारे में उद्देश्यपरक डाटा जुटाया जाए, किए गए नीतिगत उपायों/संवेदनशील बनाने के प्रयासों को समझा जाए और प्रत्येक हिस्सेदार के साथ मिल कर कार्रवाई योजना तैयार की जाए और व्यापक परिणामों सहित एक डोजायर तैयार की जाए जिसमें बाल मजदूरी और जबरन मजदूरी का समाधान करने के लिए किए गए उपायों के साक्ष्य दिए गए हों।

- **भारतीय उच्चतर शिक्षण संस्थानों (एचईआईस) का अंतरराष्ट्रीयकरण : रणनीति, संरचनागता और नीतिगत आयामों, चुनौतियों का अभिनिर्धारण और प्रबंधन संस्थानों के लिए समाधान**

  प्रायोजक : आईसीएसएसआर

  इस अध्ययन का उद्देश्य भारतीय एचईआई के प्रभावी अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए रणनीतिक, संरचनागत और नीतिगत आयामों / उपायों का अभिनिर्धारण है, खासकर प्रबंधन संस्थानों के लिए, ताकि एनईपी 2020 में निर्धारित किए अनुसार भारतीय एचईआई के लिए अंतरराष्ट्रीयकरण की व्यवस्था को निर्धारित किया जा सके, ताकि संरचना, रणनीति और नीतियों की दृष्टि से भारतीय एचईआई के चुनिंदा प्रबंधन में 'यथा' प्रचलित अंतरराष्ट्रीयकरण व्यवहारों को प्रलेखबद्ध किया जाए सके, ताकि व्यवस्था को परिभाषित करने, आकारबद्ध करने, विश्लेषण करने, सुधार और नियंत्रण (डीएमएआईसी) फ्रेमवर्क का प्रयोग करते हुए

अंतरराष्ट्रीयकरण करने में भारतीय एचईआइ के प्रबंधन हेतु बाधाओं का अभिनिर्धारण हो सके, ताकि डीएमएआईसी व्यवस्था का प्रयोग करते हुए उक्त अभिनिर्धारित बाधाओं को दूर करने के तरीकों को निर्धारित किया जा सके।

- **बोर्ड कक्ष में प्रौद्योगिकी – कार्पोरेट अभिशासन का बदलता हुआ चेहरा**

  प्रयोजक : एनएफसीजी

  इस अध्ययन का उद्देश्य है कंपनी के बोर्ड कक्ष में एआई और अन्य प्रकार की प्रौद्योगिकी को अंगीकार करने में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों सहित भारतीय कंपनियों की तैयारी की स्थिति, एआई को एक ऐसे वैधानिक प्रतिष्ठान के रूप में स्वीकार करने के लिए भारतीय विधान की तत्परता कि एआई निर्णय ले सकती है और इसे आंशिक रूप से या पूरी तरहे से निर्णय के लिए जिम्मेदार माना जा सकता है; डाटा, लैब और अनुसंधान को शेयर करने में भारतीय और विदेशी संस्थानों के बीच सहयोग की स्थिति, एआई और अन्य प्रौद्योगिकी के बारे में सरकार–से–सरकार के बीच समझौतों की स्थिति का आकलन किया जाए।

- **समकालीन प्रबंधन में भगवद गीता के निहितार्थ पर अध्ययन : अनुभवजन्य अध्ययन**

  प्रायोजक : आईसीएसएसआर

  इस अनुसंधान परियोजना का प्रयोजन गहन क्षेत्रगत शोध के आधार पर ऐसा सम्यक अध्ययन करना है जो यह प्रकट करे कि समकालीन प्रबंधन शैली के संबंध में अभिनिर्धारित सर्वोत्तम परिपाटियों के परिप्रेक्ष्य में भगवत गीता नामक इस प्राचीन भारतीय धर्मग्रंथ की संकल्पनाएं कितनी समर्थक हैं। अनुसंधान कार्य में गुणात्मक तथ्यों के विषय सापेक्ष विश्लेषण और अन्य गणनापरक युक्तियों का प्रयोग किया जाएगा ताकि इस अर्वाचीन पाठ को समकालीन प्रबंधन प्रथाओं के साथ संबद्ध करने की संकल्पनामूलक व्यवस्था हो सके।

- **दिल्ली के सरकारी स्कूल के बच्चों में स्मरणीयता, ज्ञानपूर्ण आशावाद, प्रसन्नता और उपलब्धियों पर अध्ययन**

  प्रायोजक : आईसीएसएसआर

  छोटे विद्यार्थियों का जीवन स्कूलों में बीतता है और उनके जीवन में समाजीकरण की आरंभिक प्रक्रिया भी स्कूलों में ही निखरती है। अध्यापक, सहपाठी और अन्य संबद्ध लोग इन विद्यार्थियों के समाज–मनोवैज्ञानिक विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। इस संदर्भ में स्मरणीयता, ज्ञानपूर्ण आशावाद और प्रसन्नता इनकी स्कूल स्तरीय उपलब्धियों में महती भूमिका निभाते हैं। सिद्धातों में मार्टिन सेलिगमैन जैसे सिद्धांत आशावादी प्रवृत्ति का प्रदर्श यह स्पष्ट करता है कि आशावादी लोग स्वास्थ्य और उपलब्धियों में भी अच्छे परिणामों से सम्बद्ध रहते हैं। इसी प्रकार प्रसन्नता का प्रभाव सिद्धांत यह मानता है कि हम सामान्यतया कैसा महसूस करते हैं प्रसन्नता उसी का प्रतिबिम्ब है। इस प्रकार वित्तीय वर्ष 2020–21 और 2021–2022 के लिए प्रमुख अनुसंधान का वर्तमान अंश भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा समर्थित और प्रायोजित है। यह अध्ययन उपरोक्त सिद्धांतों पर आधारित है जिसमें दिल्ली के स्कूली बच्चों में स्मरणीयता, ज्ञानपूर्ण आशावाद, प्रसन्नता का उनकी उपलब्धियों पर पड़ने वाले प्रभाव के परीक्षण पर आधारित है।

कोलकाता में अनुसंधान

आईआईएफटी विभिन्न सरकारी और अग्रणी कार्पोरेट घरानों और बहुपक्षीय निकायों हेतु अनुसंधान परियोजनाओं और परामर्शदाता कार्यों में सलग्न है। आईआईएफटी की गतिविधियों के स्पेक्ट्रम में अनुसंधान का विशेष स्थान है – अनुसंधान प्रभाग आईएसओ 9000 और 27000 प्रमाणित है।

- यह प्रभाग चाय बोर्ड को परामर्श सेवाएं दे रहा है ताकि बोर्ड के उद्देश्यों और केआरए से सामंजस्य रखते हुए गतिविधयों का धारणीय विकास करने के लिए यथार्थ योजना तैयार की जा सके।

- यह प्रभाग विकास आयुक्त, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय हेतु 'पूर्वोत्तर प्रान्त और सिक्किम में एमएसएमई का संवर्द्धन' योजना के अधीन 'एक्ट ईस्ट' नीति के परिप्रेक्ष्य में एसियान को पूर्वोत्तर भारत से निर्यात संवर्द्धन हेतु रणनीति तैयार करने की परियोजन पर कार्य कर रहा है। इस संबंध में आईआईएफटी ने अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैन्ड, मणिपुर और सिक्किम के निर्यातकों के साथ आकलन वर्ष 2020–21 में पाँच फोकस समूह संचालित किए हैं ताकि उनके निर्यातयोग्य क्षेत्रों, व्यापार मार्ग, बाधाओं, तुलनात्मक रूप से लाभप्रद स्थिति वाले क्षेत्रों, संस्थागत और अवसंरचनागत समर्थन उपायों की जरूरत, आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके।

- प्रभाग ने पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के परामर्श से 'सर्टिफिकेशन मैट्रिक्स रू दि लिस्ट ऑफ नॉन–टैरिफ बैरियर्स् एन्ड देयर एजेन्सीज फॉर दि पोटेन्शियल एक्सपोर्टर्स ऑफ वेस्ट बंगाल' एक मैट्रिक्स तैयार किया है।

- प्रभाग ने पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम के परामर्श से एक वेब पोर्टल और मोबाइल एप्पलीकेशन तैयार किया है 'एक्सपोर्ट फेसिलिटेशन फॉर वेस्ट बंगाल' तैयार किया ताकि राज्य के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके और राज्य के लघु और मध्यम उद्यमों को सुविधा दी जा सके।

iii- पीएच. डी. कार्यक्रम (प्रबंधन)

- पीएच. डी कार्यक्रम (प्रबंधन) 2021 का आरंभ 6 नवम्बर 2021 को किया गया। इस कार्यक्रम में 45 विद्यार्थी (15 पूर्णकालिक और 30 पार्ट टाइम) शामिल हो गए हैं। द्वितीय सत्र कोर्स वर्क इस समय चल रहा है।

- संस्थान द्वारा 22 अक्तूबर 2021 को आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रबंधन विषय में 8 पीएच. डी उपाधियां प्रदान की गईं।

अर्थशास्त्र में अनुसंधान

इस संस्थान के विकास में अनुसंधान का अत्यधिक महत्त्व है क्योंकि यह ज्ञान के सृजन और प्रशिक्षण के बीच एक सुदृढ़ परिव्यापी सेतु प्रदान करता है। अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय के परिदृश्य का विश्लेषण करने और समुचित कार्पोरेट रणनीतियों को तैयार करने में इसने महत्त्वपूर्ण परामर्शी क्षमता का विकास किया है। यह संस्थान राष्ट्रीय

और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं दोनों ही को निमंत्रित करने में सफल रहा। यह प्रभाग समय–समय पर समकालीन विषयों पर महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मलेनों का आयोजन करता रहता है जिससे बहुपक्षीय निकायों, सरकारी क्षेत्र और विख्यात शैक्षणिक संस्थानों के प्रख्यात और ज्ञानसंपन्न व्यक्ति एक साथ आ जाते हैं।

क. पूरे किए अनुसंधान अध्ययन

सन 2021–22 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान अध्ययन पूरे किए गए :

- **बैंकों और ईसीजीसी द्वारा निर्यातकों को निर्यात ऋण गारंटी का तुलनात्मक विश्लेषण : भारत के निर्यात निष्पादन हेतु निहितार्थ**

  इस अध्ययन में भारत में निर्यात निष्पादन पर ईसीजीसी द्वारा बैंकों को निर्यात ऋण गारंटी और निर्यात ऋण बीमे की भूमिका का तुलनात्मक आकलन किया गया है। ईसीजीसी द्वारा बैंकों और निर्यातकों दोनों को ही कवर प्रदान करता है और इनके जोखिमों का बीमा करने के बदले में प्रीमियम लेता है।

  इस अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार थे :

- संगतता, प्रभावशीलता, दक्षता, प्रभाव और परिणामों की संधारणीयता की दृष्टि से बैंकों और निर्यातकों को ईसीजीसीक्रेडिटसे उपलब्धियों का आकलन अर्थात संगठनात्मक कार्यचालन का सम्यकविश्लेषण ताकि यह आकलन किया जा सके कि इसने अपने उद्देश्यों को किसी सीमा तक पूरा किया है।

  - यह आकलन करना कि उद्देश्यों को पूरा करने के लिए नीति के मूल्यांकन और निगरानी हेतु निर्धारित दिशानिदेशों और पद्धतियों की समीक्षा की जाए या नहीं और यह संस्तुतियां करना कि निर्यात को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देते हुए भविष्य में इसकी विपणन–योग्यता में इस अध्ययन से किस प्रकार से सुधार हो सकता है।

  - शिपमेन्ट, टर्नओवर, और निर्यातकों तथा बैंकों को जोखिमों के आधार पर ईसीजीसी बीमा प्रदान करता है ताकि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए शिपमेन्ट से पहले पैकिंग क्रेडिट दिया जा सके, शिपमेन्ट के बाद बिलों हेतु डिस्काउन्ट देकर वित्तव्यवस्था की जा सके और बैंक गारंटियां जारी की जा सकें। यह देखा गया है कि ईसीजीसी के व्यवसाय का प्रमुख हिस्सा बैंकों को दिए गए बीमे से आता है। निर्यातकों को प्रदत्त ईसीजीसीबीमा सुरक्षा उसी प्रकार की होती है जैसे बैंकों को निर्यात बिलों पर डिस्काउंटदेने के लिए बैंकों को शिपमेन्ट के बाद बीमा–सुरक्षा प्रदान की जाती है। निर्यातकों को बैंकों के माध्यम से प्रदत्त बीमे में तुलनात्मक रूप से जोखिम सुरक्षा और प्रीमियमकमतर होते हैं। इस प्रकार इस अध्ययन का लक्ष्य है कि यह खोज की जाए कि निर्यातकों द्वारा ईसीजीसी के स्थान पर बैंकों से बीमा सुरक्षा लेने के क्या कारण हैं।

  - ईसीजीसी की किसी भी बीमा–पॉलिसी में विनिमय दर जोखिम की सुरक्षा नहीं दी जाती है जैसा कि अन्य देशों में अन्यक्रेडिटएजेन्सियों द्वारा किया जाता है। फोरेक्स जोखिम प्रबंधन के लिए बैंकों द्वारा अतिरिक्त सेवा दी जा सकती है और इस प्रकार पॉलिसियां लेने के लिए ईसीजीसी की तुलना में बैंक प्रमुख स्रोत हो सकते हैं। इसलिए इस अध्ययन में निर्यातकों के सामने आ रहे जोखिमों की परीक्षा करने का प्रस्ताव और ईसीजीसी की विभिन्न पॉलिसियों में कवर किए गए जोखिमों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया जाता है।

  - बैंकों की तुलना में ईसीजीसी का दायरा अधिक हो सकता है लेकिन हो सकता है कि बहुत से निर्यातक ईसीजीसी की विभिन्न पॉलिसियों से अनजान हों। इस अध्ययन का आशय है कि निर्यातकों द्वारा ली जाने वाली पॉलिसियों के संबंध में ईसीजीसी के व्यवसाय के हिस्से को बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार की जाए और निर्यातकों द्वारा ईसीजीसी से नहीं बल्कि बैंकों से बीमा सुरक्षा/गारंटी लेने के कारणों की खोज करके निर्यातक हितैषी पॉलिसियां बनाई जाएं।

- **ईसीजीसी बीमा कवर और भारतीय लघु उद्योग क्षेत्र : महिला उन्मुख इकाइयों का अध्ययन**

  परियोजना का लक्ष्य यह विश्लेषण करना है कि उल्लिखित क्षेत्रों (निम्नानुसार) में ईसीजीसी के अधीन कवर की गई महिला उन्मुख लघु स्तरीय फर्मों में संबंधित फर्म और उसके निर्यात निष्पादन का विश्लेषण किया जाए और ईसीजीसी के अधीन कवर की गई महिला लघु उद्योग इकाइयों की तुलना में कवर नहीं की गई इकाइयों के कार्यनिष्पादन में अंतर का आकलन किया जाए। इसका यह प्रयोजन भी है कि इन फर्मों द्वारा समाना की जा रही चुनौतियों को समझा जाए: निर्यात चुनौतियां और जोखिम तथा अन्य चुनौतियां। महिला कार्मिकों और खासकर महिला–संचालित फर्मों के लिए औद्योगिक क्षेत्र की सुरक्षा, आवागमन की सहजता, फर्म का वित्तीय समावेशन जैसी बाधाएं पुरुष कामगारों की तुलना में कहीं अधिक महत्त्व रखती हैं। इन फर्मों से निर्यात इन सभी सक्षमकारी घटकों का प्रकार्य है और इसलिए यह अनिवार्य है कि सर्वेक्षण में इन महिला कामगारों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों को और साथ ही काम में सहजता लाने के लिए उन्हें दी जा रही सुविधाओं को भी साफ तौर पर सामने लाया जाए। अंततरू यह कि महिला प्रधान फर्म क्यों ईसीजीसी कवरेज का विकल्प नहीं लेती हैं, इन पर ध्यान दिया जाएगा और भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम लि. (ईसीजीसी) को तदनुसार संस्तुतियां भेजी जाएंगी, जिनके आधार पर वे कार्रवाई योजना बनाएंगे ताकि ऐसी फर्मों में भी इस नीति को बढ़ावा मिल सके।

- **आर्थिक संवृद्धि के एक चालक के रूप में निर्यात को बढ़ावा: भारत में वॉलमार्ट का प्रयास**

इस अनुसंधान का उद्देश्य है उन प्रवर्धक प्रभावों पर जोर देना जो वॉलमार्ट के वैश्विक आधार पर निवेश जुटाने से राष्ट्रीय और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकते हैं और साथ ही उन प्रभावों को मैप करना जो आगामी छह वर्ष में भारत के लिए वॉलमार्ट के निर्यात लक्ष्य किस प्रकार के हो सकते हैं।

- प्रत्यक्ष और परोक्ष रोजगार के रूप में रोजगार सृजन

- कामगारों की दक्षता बढ़ना और जेन्डर समानता
- भारतीय व्यवसायों के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन की किफायतें और लघु तथा मध्यम उद्यमों (एसएमई) के साथ गहराई से जुड़ाव
- अवसंरचनागत विकास, प्रादेशिक विकास, आपूर्ति शृंखला का आधुनिकीकरण और बढ़ा हुआ डिजिटाइजेशन
- नए उत्पादों का विकास और नवोन्मेष

इन परिप्रेक्ष्यों में भारतीय परिवेशतंत्र को यह लाभ मिलेगा कि निवेशों का अधिकतम उपभोग होगा और नए निवेशों को आकर्षित किया जा सकेगा। वॉलमार्ट के कारोबार का विस्तार भारत के 'मेक इन इंडिया' मिशन को सीधे ही समर्थन प्रदान करेगा और सन 2025 तक निर्यातों को 15 बिलियमन अमरीकी डॉलर तक बढ़ा देगा।

ख. अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर

उक्त के अलावा सन 2021–22 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं चल रही थीं :

i. भारत डिजिटल ट्रेड फेसिलिटेशन फोरम (पेपॉल–आईआईएफटी)

ii. 'परिवर्तनशील वैश्विक परिवेश में यूके–भारत व्यापार और सीमा पर से निवेश का भविष्य' विषयक आईसीएसएसआर– ईएसआरसी –यूकेआरआई का सहयोगपरक अनुसंधान (प्रायोजक : भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद)

iii. ई–कॉमर्स के प्रधान, एसएस आई खुदरा व्यापारी और भारतीय अर्थव्यवस्था – सिद्धांत और अनुभवजन्यता।

iv. भारत के निर्यात निष्पादन को सुधारने की दृष्टि से ईसीजीसी के एमएलटी व्यवसाय का मूल्यांकन

पीएच. डी. कार्यक्रम (अर्थशास्त्र)

आईआईएफटी में दिया जाने वाला पंचवर्षीय पीएच. डी. अर्थशास्त्र (पूर्णकालिक) कार्यक्रम भारत और विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों में उपलब्ध सर्वाधिक प्राथमिकता दिया जाने वाला शोधपरक डिग्री कार्यक्रम है। इस पीएच. डी. कार्यक्रम के प्राथमिक प्रयोजनों में से एक यह भी है कि स्कॉलर अपने चुने हुए क्षेत्र में अनुसंधान और गहराई से विश्लेषण करते हुए ज्ञान को समृद्ध करें। इसमें यह क्षमता भी निहित है कि वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रविधियों को स्वतंत्र रूप से प्रयुक्त करने के साथ ही नए वैज्ञानिक ज्ञान का सृजन करें। इसके अलावा अध्येताओं से यह भी प्रत्याशित है कि वे अनुसंधान के निष्कर्षों का आलोचनात्मक रूप से विश्लेषण करने की क्षमता दिखाएं और व्यापक संदर्भों में इनके महत्त्व को समझें और अनुसंधान के परिणामों को प्रभावी रूप से संप्रेषित और प्रसारित कर सकें। यह भी प्रत्याशित है कि आईआईएफटी के पीएच. डी. अध्येता का अपने–अपने संबद्ध क्षेत्रों में किया गया मूल योगदान ज्ञान के आयामों के विस्तार में मदद करेगा। यह प्रोत्साहक तथ्य है कि आईआईएफटी के बहुत से पीएच. डी. अध्येताओं के लेख नियमित रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के विख्यात जर्नलों और अन्य मंचों पर प्रकाशित हो रहे हैं।

पीएच. डी. अर्थशास्त्र 2021 ऑनलाइन मोड में 4 अक्तूबर 2021 को आरंभ हुआ। इस कार्यक्रम में 4 अभ्यर्थियों (2 दिल्ली और 2 कोलकाता) को प्रवेश दिया गया। पाँच अध्येताओं को 22 अक्तूबर 2021 को आयोजित 54वें दीक्षांत समारोह में पीएच. डी. (अर्थशास्त्र) उपाधि प्रदान की गई।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

अंतरराष्ट्रीय सहयोग और क्षमता विकास प्रभाग (आईसीसीडी) द्वारा निम्नलिखित गतिविधियों का संचालन किया गया :

संकाय विकास कार्यक्रम

अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि में संकाय विकास कार्यक्रम के अधीन राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों / प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनुमोदित आईआईएफटी संकाय की प्रतिभागिता निम्नानुसार रही :

सम्मेलन	प्रशिक्षण	कार्यक्रम
राष्ट्रीय	1	1
अंतरराष्ट्रीय	1	0

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रमांक	संकाय का नाम	सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	आयोजक संस्थान
1.	डॉ. प्रियंका जायसवाल	कॉन्फ्रेन्स् ऑन 81 एनुअल मीटिंग ऑफ अकाडमी ऑफ मैनेजमेन्ट	30 जुलाई से 4 अगस्त 2021	ऑनलाइन	एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी और पिट्सबर्ग यूनिवर्सिटी, अकाडमी ऑफ मैनेजमेन्ट, यूएसए
2.	डॉ. ए. आर. सिंगला	नेशनल ट्रेनिंग ऑन इन्ट्रोडक्शन फॉर एसएपी ईआरपी ग्लोबल इन्क 3.30 ऑन एसएपी एस4 एचएएनए और एसएपी एनालिटिक्स क्लाउड	27 सितम्बर से 1 अक्तूबर 2021	ऑनलाइन	एसएपी यूनिवर्सिटी गुरूग्राम
3.	डॉ. सतिन्दर भाटिया	नेशनल कॉन्फ्रेन्स ऑन राजगिरी कॉन्फ्रेन्स ऑन इकोनॉमिक्स एन्ड फाइनान्स 2021	19 से 20 नवम्बर 2021	ऑनलाइन	राजगिरी बिजनेस स्कूल, कोच्चि, केरल

एफडीपी के तहत संकाय द्वारा लिए गए प्रकाशन प्रभार

क्रमांक	संकाय का नाम	आलेख का शीर्षक	जर्नल	तारीख
1.	डॉ. अंकित केशरवानी	एनालाइजिंग दि बैरियर्स टू इन्टरनेशनल ट्रेड लॉजिस्टिक्स फ्रॉम इंडियन पर्सपेक्टिव : एन आईएसएम मॉडलिंग अप्रोच	अकादमी ऑफ मार्केटिंग स्टडीज	अगस्त 2021

समझौता ज्ञापन

आईआईएफटी ने संयुक्त प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ–साथ विद्यार्थियों/संकाय की अदला–बदली जैसी गतिविधियों में सक्षमता के लिए अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों /संस्थानों के साथ सहबद्धता की है। आईआईएफटी का पूरे विश्व में 35 विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोग है। इन विश्वविद्यालयों / संस्थानों में से 16 यूरोप में, 10 एशिया में और 9 विश्व के अन्य भागों में हैं।

हस्ताक्षरित नए समझौता ज्ञापन

- संस्थान ने लीड्स विश्वविद्यालय, यूके के साथ 9 जून 2021 को तीन साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- संस्थान ने नैशनल डोन्ग हुवा विश्वविद्यालय, ताइवान (एनडीएचयू) के साथ 5 जनवरी 2022 को पाँच साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन और विद्यार्थी विनिमय समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- संस्थान ने वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया विश्वविद्यालय, पर्थ के साथ 28 जनवरी 2022 को पाँच साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- संस्थान ने ब्रिटिश टीचिंग यूनिवर्सिटी जार्जिया (बीटीयू) के साथ 4 मार्च 2022 को पाँच साल की अवधि के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

विचाराधीन समझौता ज्ञापन

- फ्लोरिडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय (एफआईयू), यूएसए
- इन्टरनेशनल आर्गेनाइजेशन फॉर एक्सपोर्ट ट्रेड (आईओईटी)
- इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया (आईयूपी), यूएसए

प्रतिनिधिमंडल के साथ आभासी ऑनलाइन बैठकें

ऑनलाइन बैठक की तारीख	संगठन	बैठक में शामिल व्यक्ति	बैठक का प्रयोजन	आईआईएफटी संकाय
12 नवम्बर 2021	नैशनल डोन्ग हुवा विश्वविद्यालय, ताइवान	प्रो. मा युआन–रॉन, डीन ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स सुश्री लियु टिनग्रू, प्रोजेक्ट मैनेजर	सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा हेतु	डॉ. जैक्विलीन सिम्स, प्रमुख (आईसीसीडी) डॉ. रवि शंकर, प्रोफेसर आईसीसीडी स्टाफ सदस्य
13 दिसम्बर 2021	ब्रिटिश टीचिंग यूनिवर्सिटी इन जार्जिया, जार्जिया	डॉ. लेवान गर्गेनिद्ज हेड ऑफ दि डिपार्टमेन्ड ऑफ इंटरनेशनल कोलेबोरेशन	सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा हेतु	डॉ. जैक्विलीन सिम्स, प्रमुख (आईसीसीडी) आईसीसीडी स्टाफ सदस्य
15 दिसम्बर 2021	इंडियाना यूनिवर्सिटी ऑफ पेनसिलवेनिया यूएसए	प्रो. प्रशांत एन. भारद्वाज, प्रोफेसर एन्ड डीन'स एसोसिएट डायरेक्टर	सहयोग के क्षेत्रों पर चर्चा हेतु	डॉ. जैक्विलीन सिम्स, प्रमुख (आईसीसीडी) आईसीसीडी स्टाफ सदस्य

विद्यार्थी आदान–प्रदान कार्यक्रम

आने वाले विद्यार्थी

अलग–अलग विश्वविद्यालयों और संस्थानों से दो विद्यार्थी आईआईएफटी में विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम के तहत अक्तूबर से दिसम्बर 2021 के त्रिमास और जनवरी से मार्च 2022 के त्रिमास के लिए आए।

क्रमांक	नाम	देश	विश्वविद्यालय / संस्थान	त्रिमास	विद्यार्थियों की संख्या
1	शिशिर साचन	फिनलैन्ड	हेन्कीन–स्वीडिश स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एन्ड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हेन्कीन यूनिवर्सिटी, हेलसिंकी, फिनलैन्ड	अक्तूबर – दिसम्बर 2021	1
2	रेबेका मेरलेट	फ्रान्स	ग्रेनोबल इकोल द मैनेजमेन्ट, ग्रनोबल सीडेक्स, फ्रान्स	जनवरी–मार्च 2022	1
				कुल	**2**

ला वेर्न विश्वविद्यालय (यूएलवी) के सहयोग से आईबीएस अमेरिकास द्वारा छात्रवृत्ति हेतु अनुमोदित विद्यार्थियों की सूची

क्रमांक	विद्यार्थी का नाम	
1	सौम्यदीप सेत	ईपीजीडीआईबी 2021–22
2	संचित रायचौधरी	ईपीजीडीआईबी 2021–22
3	शुभम गर्ग	ईपीजीडीआईबी 2021–22
4	नंदिनी ईश्वरिया	ईपीजीडीआईबी 2021–22
5	सौगत भट्टाचार्य	ईपीजीडीआईबी 2021–22
6	एन्टोनी एरोसकिया एडविन	ईपीजीडीआईबी 2021–22
7	राहुल वशिष्ट	ईपीजीडीआईबी 2021–22
8	विनोद दुबे	ईपीजीडीआईबी 2021–22
9	सागर दत्ता	ईपीजीडीआईबी 2021–22
10	आयुष प्रताप सिंह राठौड़	ईपीजीडीआईबी 2021–22
11	मुकेश कुमार उचावल	ईपीजीडीआईबी 2021–22
12	मानस रंजन मिश्र	एमबीए (आईबी) सप्ताहांत (2021–24)
13	हर्षिता कालरा	एमबीए (आईबी) सप्ताहांत (2020–23)

प्रत्यायन और रैंकिंग प्रकोष्ठ की उपलब्धियां

एएसीएसबी प्रत्यायन

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने एएसीएसबी व्यवसाय प्रत्यायन प्राप्त किया और 21 दिसम्बर 2021 को एमडीआई गुरुग्राम में इसे प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।.

बिजनेस स्कूलों के लिए सन 1916 में स्थापित एएसीएसबी सर्वाधिक प्राचीन वैश्विक प्रत्यायन निकाय और विशालतम व्यवसाय शिक्षण नेटवर्क है जो समस्त विश्व के अध्येताओं, शिक्षादाताओं और व्यवसायों को जोड़ता है। एएसीएसबी का प्रत्यायन ऐसे संस्थानों को मान्यता देता है जो अध्यापन, अनुसंधान, पाठ्यचर्या विकास और विद्यार्थी अध्ययन सहित सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता पर फोकस करते हैं।

उच्चतम मानकों का पर्याय कहा जाने वाला यह एएसीएसबी प्रत्यायन वैश्विक स्तर पर व्यवसाय शिक्षण में चिंतनशीलता के नए मार्गों के लिए प्रेरित करता है। परिणाम यह है कि बिजनेस डिग्री कार्यक्रम चलाने वाले विश्व के 6 प्रतिशत से भी कम स्कूलों के पास एएसीएसबी बिजनेस प्रत्यायन है। आज के इस रेटिफिकेशन के बाद विश्व के 58 देशों और क्षेत्रों के 890 संस्थानों ने बिजनेस के क्षेत्र में एएसीएसबी प्रत्यायन अर्जित किया है और इनमें से 17 भारत से हैं।

एएसीएसबी प्रत्यायन सतत सुधार सुनिश्चित करता है और स्कूलों को ऐसा फोकस देता है कि वे अपने मिशन को पूरा करें, नवोन्मेष करें और अपना प्रभाव स्थापित करें। एएसीएसबी से प्रत्यायित स्कूलों ने बिजनेस स्कूलों के समुदाय में अपने समकक्षों द्वारा संचालित कठिन समीक्षा प्रकिया को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि उनके पास ऐसे संसाधन, प्रमाणन और वचनबद्धता है जो विद्यार्थियों को प्रथम स्तरीय, भविष्य–आधारित व्यवसाय शिक्षण प्रदान करते हैं।

भारत सरकार के नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार ने एमडीआई गुरुग्राम में एएसीएसबी इन्टरनेशनल द्वारा प्रदत्त प्रत्यायन प्रमाणपत्र प्रदान किया।

6 से 9 सितम्बर 2021 के दौरान एएसीएसबी पीआरटी का आभासी दौरा

संस्थान ने 4–दिवसीय पीआरटी आभासी दौरा सफलतापूर्वक पूरा किया जिसमें दोनों ही परिसरों की प्रतिभागिता रही। इस विजिट की अध्यक्षता जोल्टन एन्टाल मोकोस (ईएसएमटी बर्लिन, जर्मनी) द्वारा की गई, जिसमें उनके साथ अन्य सदस्य चेंग–शुई चेर (नैशनल यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एन्ड टेक्नोलॉजी) और रेमिन सी. मेसामी (केलिफोर्निया स्टेट विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य) भी थे।

एएसीएसबी, अध्ययन सुनिश्चतता संगोष्ठी – 3 से 4 मार्च 2022

संस्थान ने दो दिवसीय आंतरिक आभासी संगोष्ठी का अयोजन अध्ययन की सुनिश्चिता विषय पर किया जिसमें इस संस्थान ने डॉ. एन्जेलिटो कामा (मेलबोर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया) को आमंत्रित किया था। संगोष्ठी में 76 प्रतिभागी थे, जिनमें दोनों परिसरों के संकाय सदस्य और अध्यापन से इतर स्टाफ भी शामिल हुए।

रैंकिंग

- आईआईएफटी ने राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग व्यवस्था (एनआईआरएफ) 2021 में सहभागिता की और अखिल भारतीय सर्वोत्तम बी–स्कूल में 25वां रैंक प्राप्त किया।
- बिजनेस टुडे– एमडीआरए बी स्कूल सर्वे 2020 में आईआईएफटी की सहभागिता और इसमें 10वां रैंक प्राप्त किया; और क्रॉनिकल्स ऑल इंडिया बी–स्कूल सर्वे हेतु परिणाम प्रतीक्षित हैं।
- हाल ही में प्रत्यायन और रैंकिंग टीम ने उच्चतर शिक्षा के अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) पोर्टल पर डाटा प्रस्तुत किया है और यह एआईयू पोर्टल पर भी डाटा प्रस्तुत करने का कार्य प्रगति पर है।
- रैंकिंग के अलावा टीम ने सितम्बर 2021 में चार दिवसीय एएसीएसबी पीआरटी विजिट को सफलतापूर्वक संचालित किया।
- आईआईएफटी ने नवम्बर 2021 में एएसीएसबी प्रत्यायन का गौरव प्राप्त किया।
- हाल ही में दोनों परिसरों के सभी संकाय सदस्यों के लिए अध्ययन सुनिश्चितता संगोष्ठी पर दो दिवसीय कार्यशाला का संचालन किया गया।

प्रत्ययन हेतु अंतरराष्ट्रीय सदस्यताएं :

- दि एसोसिएशन टू एडवान्स कॉलेजिएट स्कूल्स् ऑफ बिजनेस (एएसीएसबी)।
- दि यूरोपियन फाउन्डेशन फॉर मैनेजमेन्ट डेवलपमेन्ट (ईएफएमडी)।
- एसोसिएशन ऑफ एमबीए (एएमबीए)

अन्य सदस्यताएं

- अकाडमी ऑफ इन्टरनेशनल बिजनेस (एआईबी)।
- दि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू)
- एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेन्ट स्कूल्स् (एआईएमएस)
- दि ग्लोबल कॉम्पेक्ट नेटवर्क इंडिया।

कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम

आईआईएफटी के कार्यपालक प्रबंधन कार्यक्रम (ईएमपी) प्रभाग की 2021–22 की अवधि में प्रमुख गतिविधियां निम्नानुसार रहीं :

1. ईपीजीडीआईबी का सफलतापूर्वक समापन (ऑन कैम्पस और हाइब्रिड) 2019–2020

संस्थान का 54वां दीक्षांत समारोह 22 अक्तूबर 2021 को आयोजित किया गया। इस समारोह में कुल 126 प्रतिभागियों को डिप्लोमा प्रदान किया गया, इन प्रतिभागियों में 92 और 34 क्रमशः ऑन कैम्पस और हाइब्रिड बैचों से संबद्ध थे। इस अवसर पर श्री पीयूष गोयल, मंत्री वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एंव वस्त्र, भारत सरकार और इनके साथ श्री वी. वी.आर. सुब्रहमण्यम, वाणिज्य सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने इस समारोह को गरिमामय बनाया। कुलपति प्रो. मनोज पंत और डीन प्रो. राकेश मोहन जोशी ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

मुख्य अतिथि श्री पीयूष गोयल, वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एंव वस्त्र मंत्रालय बाएं और प्रो. मनोज पंत कुलपति, आईआईएफटी (दाहिने)

प्रो. राकेश मोहन जोशी, डीन, आईआईएफटी (मध्य में) और प्रो. पूजा लखनपाल, प्रमुख (ईएमपीडी) बाएं

श्री पीयूष गोयल – प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता श्री चंचल कुमार मल्लू को डिप्लोमा प्रदान करते हुए

2. एक सप्ताह के अंतरराष्ट्रीय पोर्ट विजिट का सफलतापूर्वक समापन

ईपीजीडीआईबी (ऑन कैम्पस और हाइब्रिड) 2021–22 के लिए एक सप्ताह का अंतरराष्ट्रीय पोर्ट विजिट गतिविधि का सफलतापूर्वक समापन हुआ। ईपीजीडीआईबी (ऑन कैम्पस और हाइब्रिड) 2021–22 के लिए यह अध्ययन यात्रा 20–25 फरवरी के दौरान दुबई में आयोजित की गई थी।

3. ईपीजीडीआईबी (सप्ताहांत) ऑन कैम्पस 2021–2022 की सफल शुरुआत

ईपीजीडीआईबी (सप्ताहांत) ऑन कैम्पस कार्यक्रम के नए बैच की शुरुआत कुल 76 प्रतिभागियों के साथ 23 अक्तूबर 2021 को हुई। इस कार्यक्रम को आभासी उद्घाटन समारोह के माध्यम से आरंभ किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. मनोज पंत की गरिमामय उपस्थिति में; डीन प्रो. राकेश मोहन जोशी, प्रमुख (ईएमपीडी); प्रो. पूजा लखनपाल और कार्यक्रम निदेशक डॉ. प्रतीक माहेश्वरी समारोह में शामिल हुए।

जेबेल अली पोर्ट और डीपी वर्ल्ड दुबई, संयुक्त अरब अमीरात

अजमान फ्री जोन दुबई, संयुक्त अरब अमीरात

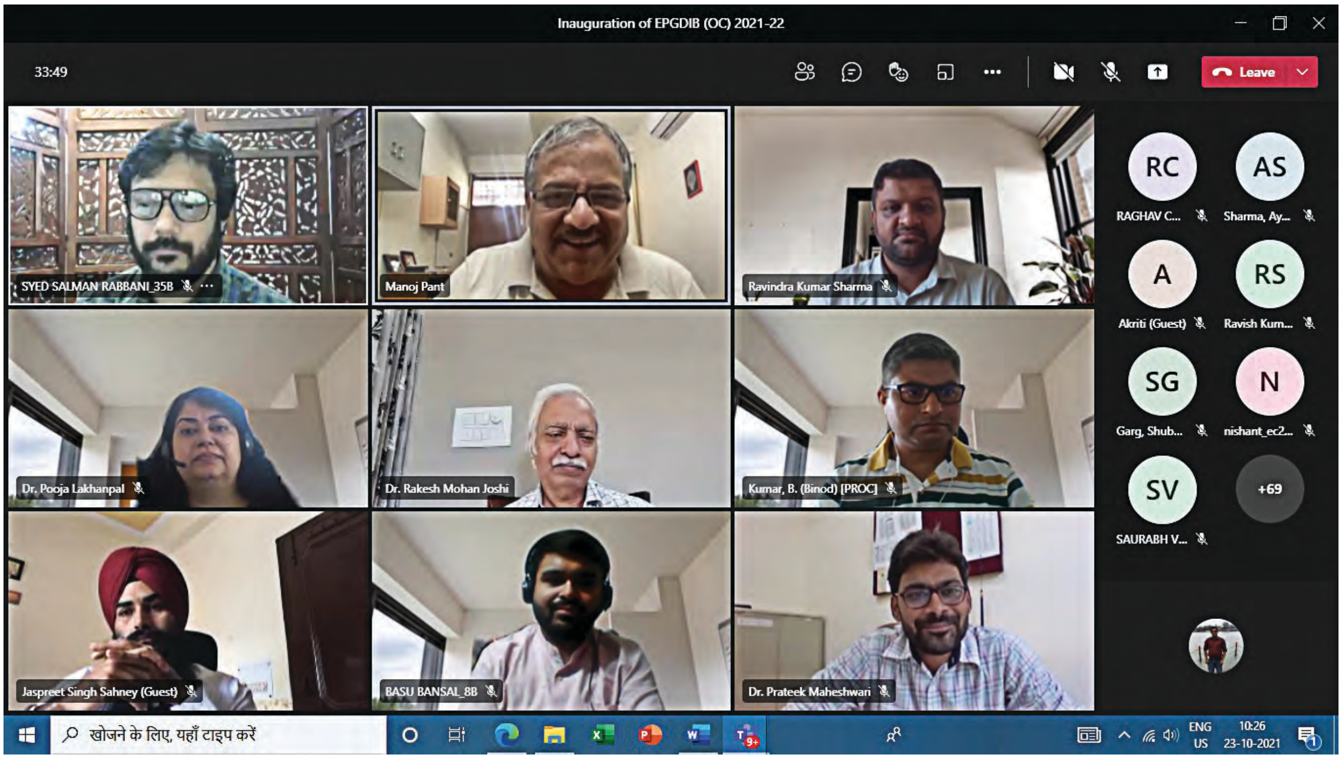

ईपीजीडीआईबी (सप्ताहांत) ऑन कैम्पस 2021–22 का ऑनलाइन उद्घाटन

आईआईएफटी के प्रतिष्ठित केन्द्र

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केन्द्र

संस्थान का डब्ल्यूटीओ अध्ययन केन्द्र शोध की इकाई है जिसकी रुचि सामान्यतया व्यापार और विशेष रूप से डब्ल्यूटीओ में है, इसके अलावा यह डब्ल्यूटीओ वार्ताओं से संबंधित ज्ञान और प्रलेखन के स्थायी भंडार के रूप में भी कार्य करता है। इसे नियमित रूप से भारत सरकार द्वारा शोध कार्य करने और स्वतंत्र विश्लेषणपरक इनपुट देने के लिए भी कहा जाता है जो सरकार को डब्ल्यूटीओ और अन्य मंचों यथा मुक्त और बेहतर व्यापार समझौतों (एफटीए/पीटीए) और समेकित आर्थिक समझौतों (सीईसीए) पर विभिन्न व्यापारिक वार्ताओं में अपनी स्थिति सुधारने में मदद करते हैं। इसके अलावा यह केन्द्र उद्योग और सरकार की यूनिटों और अन्य साझीदारों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करते हुए अपने आउटरीच और क्षमता निर्माण कायक्रमों के माध्यम से सक्रिय रूप से संवाद करता है, इस प्रकार यह साझीदारों और नीतिनिर्माताओं के बीच सर्वसम्मति बनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्यरत है।

डब्ल्यूटीओ अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त किए जाने वाले पाँच मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं – (i) शोध और विभिन्न समर्थक कार्यकलापों के माध्यम से डब्ल्यूटीओ और नियमित डब्ल्यूटीओ कार्य के कार्यक्रम में बहुपक्षीय व्यापार वार्ताओं में प्रभावी रूप से सहभागिता में भारत की व्यापार वार्ताओं और नीति–निर्माताओं में भारत की सहायता करना; (ii) वाणिज्य विभाग के पदाधिकारियों के बीच व्यापार में उभरती हुई समस्याओं की समझ को बढ़ाना; (iii) आउटरीच और प्रसारण क्रियाकलापों के माध्यम से साझीदारों के बीच व्यापार के अहम मुद्दों की समझ को बढ़ाना; (iv) प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से भारत और अन्य विकासशील देशों में क्षमता का विकास करना ताकि डब्ल्यूटीओ और व्यापार–सम्बद्ध अन्य मुद्दों का विश्लेषण किया जा सके; और (v) अंतरराष्ट्रीय व्यापार के कुछ पहलुओं पर विमर्श को वैश्विक प्रभाव के लायक बनाना।

वर्ष 2021–22 के दौरान इस केन्द्र ने सरकार के वाणिज्य विभाग और अन्य विभागों को 511 विश्लेषण और परामर्श दिए। सीडब्ल्यूएस ने नवम्बर 2021 में आयोजित डब्ल्यूटीओ के 12वे मंत्री स्तरीय सम्मेलन के लिए संगत प्रलेखों का विश्लेषण किया। सीडब्ल्यूएस संकाय और स्टाफ ने डब्ल्यूटीओ और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के विभिन्न पहलुओं पर 21 तकनीकी प्रकाशन किए हैं। इस अवधि में सीडब्ल्यूएस ने 5 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों और बैठकों का आयोजन किया; और यह 24 घरेलू प्रशिक्षण कार्यक्रमों, साझीदारों की बैठकों, आदि के आयोजन में प्रत्यक्ष /परोक्ष रूप में सम्मिलित रहा। इनमें निम्नलिखित क्रियाकलापों का उल्लेख किया जाना आवश्यक है :

- विदेश मंत्रालय के आईटीईसी के संरक्षण में 3 अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विकासशील देशों के 66 पदाधिकारी और अन्य प्रतिभागी शामिल हुए।
- व्यापार और जेन्डर के मुद्दे पर भारत के योगदान के रूप में भारत, नेपाल और श्रीलंका के साझेदारों के साथ संयुक्त रूप से इस केन्द्र ने निर्यात–आयात पद्धतियों और व्यापार संबद्ध अन्य मामलों पर दक्षिण एशिया के महिला उद्यमियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम 8–12 नवम्बर 2021 के दौरान आयोजित किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 208 प्रतिभागी शामिल हुए।
- इस केन्द्र ने संधारणीय भविष्य हेतु विकास–हितैषी व्यापार नीति की डिजाइनिंग पर डब्ल्यूटीओ सार्वजनिक मंच पर विदेश व्यापार विश्वविद्यालय, वियतनाम के साथ संयुक्त रूप से एक सत्र का आयोजन किया (1 अक्तूबर 2021)।
- विश्व व्यापार संस्थान (बर्न) की साझेदारी में इस केन्द्र ने डब्ल्यूटीआई–सीडब्ल्यू अंतरराष्ट्रीय व्यापार कानून और नीति पर संयुक्त अकादमी का आयोजन 7 जून से 2 जुलाई 2021 (24 प्रतिभागी) के दौरान किया।
- एमसी12 हेतु तैयारी प्रक्रिया के एक भाग के तौर पर इस केन्द्र ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) के सहयोग से 7 अक्तूबर 2021 को साझीदारों के साथ विचार–विमर्श का आयोजन किया।
- एमसी12 के लिए तैयारी प्रकिया के एक भाग के तौर पर इस केन्द्र ने एक गोलमेल का आयोजन किया जिसका विषय था – डब्ल्यूटीओ सुधार के संस्थागत पहलुओं पर विचार–विमर्श।

  प्रमुख (सीडब्ल्यूएस) को एक सार्वजनिक सुनवाई में जर्मन बुडस्टैग द्वारा आमंत्रित किया जिसका विषय था – 'वैक्सीन और फार्मास्युटिकल्स का विकास, उत्पादन, अनुमोदन और अधिक्रय' इसका आयोजन जर्मन बन्डस्टैग मॉनिटरिंग कमेटी कोविड–19 महामारी द्वारा 3 जून 2021 को किया गया था। यह आमंत्रण महत्त्वपूर्ण था क्योंकि टीआरआईपीएस रियायत का प्रस्ताव भारत के लिए प्राथमिकता का मुद्दा है।

क्षेत्रीय व्यापार केन्द्र (सीआरटी)

क्षेत्रीय व्यापार केन्द्र (सीआरटी) एक स्वायत्त विचार–मंच है, जिसकी स्थापना अभी हाल ही में वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गई। सीआरटी को यह अधिदेश दिया गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ भारत के आर्थिक संयोग को क्षेत्रीय लेन्स के माध्यम से देखने के साथ ही नीति–उन्मुख शोध पर फोकस करे। शोध के व्यापक क्षेत्रों में शोध, क्षमता निर्माण और आउटरीच कार्यक्रमों में वस्तुओं के व्यापार, सेवाओं में व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी और विकास के मुद्दों को शामिल किया जाता है। अन्य देशों और द्विपक्षीय व्यापार क्षेत्रों के साथ भारत के विभिन्न

एफटीए और सीईसीए / सीईपीए के तहत व्यापारवार्ताओं में सीआरटी नियमित रूप से योगदान करता है।

व्यापार और निवेश कानून केन्द्र (सीटीआईएल)

व्यापार और निवेश कानून केन्द्र (सीटीआईएल) की स्थापना भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में सन 2017 में की गई थी। इसका प्राथमिक उद्देश्य यह था कि भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों तथा अन्य सरकारी एजेन्सियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून से संबंधित विधिक मुद्दों का सार्थक और सटीक विश्लेषण प्रदान करे। सीटीआईएल के पास संसाधनों की जो व्यापक शृंखला है, उसकी सहायता से यह व्यापार और निवेश कानून पर सूचना के भंडार के तौर पर कार्य करता है। यह अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानून पर विकसित हो रही मीमांसा को प्रभावित और प्रतिबद्ध करने वाले अग्रणी भारतीय मंच का भी कार्य करता है। यह केन्द्र अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश कानून के मुद्दों पर भारत सरकार को निरंतर तकनीकी इनपुट प्रदान करता रहा है। वस्तुतः इस केन्द्र ने अपनी स्थापना के बाद से भारत की विदेश व्यापार नीति के तहत व्यापार संवर्द्धन स्कीमों की आयोजना और कार्यान्वयन, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की विवेचना और विश्लेषण, सहित वाणिज्य विभाग को 900 से भी अधिक सलाहकारी अभिमत महत्त्वपूर्ण व्यापारिक मुद्दों पर दिए हैं, जिससे भारत को अपनी विद्यामन व्यापारिक वार्ताओं, ई–कॉमर्स नीति, अंतरराष्ट्रीय और घरेलू कराधान के मामलों, रायल्टी का अधिरोपण, और भारत की व्यापार वचनबद्धताओं को प्रभावित करने वाले स्वदेशी कानूनों का विकास करने में सहायता मिली, सीटीआईएल ने उस विधेयक का प्रारूप भी तैयार किया है जिसमें भारत में लॉजिस्टिक हेतु नए एकसमान और सुसंगत विधिक व्यवस्था का प्रस्ताव किया गया है। भारत में 2021–22 के दौरान एसईजेड के परिचालनों, कार्यनिष्पादनों और विकास से संबद्ध मुद्दो पर अध्ययन में सीटीआईएल सक्रिय रूप से शामिल रहा है। फाल्टा एसईजेड, विशाखापटनम एसईजेड, कोचीन एसईजेड और सीप्झ एसईजेड द्वारा चार अध्ययनों के लिए सीटीआईएल को अधिकृत किया गया है कि यह विभिन्न मुद्दों पर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करे। भारत के राष्ट्रीय विधि स्कूलों और अन्य अग्रणी संस्थानों के साथ जुड़कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय आर्थिक कानूनों से जुड़ने के लिए क्षमता को गहन बनाना सीटीआईएल का मिशन है। सीटीआईएल निरंतर ही राष्ट्रीय विधि स्कूलों से सम्पर्क रखता रहा है ताकि संयुक्त आयोजनों यथा सम्मेलनों, संगोष्ठियों, चर्चाओं के संचालन और विद्यार्थियों के अंतरराष्ट्रीय आर्थिक विधि के बारे में मूल विधिक ज्ञान को बढ़ाने में सहयोग करता रहा है। सीटीआईएल पर क्लिनिकल विधिक शिक्षण के महत्त्व को मान्यता दी जाती है और इसके लिए यह केन्द्र विभिन्न राष्ट्रीय विधि स्कूलों और भारत में अन्य विख्यात संस्थानों में ट्रेडलैब (जेनेवा) लॉ क्लिनिक्स का संचालन कर रहा है।

सीटीआईएल द्वारा निष्पादित प्रमुख अध्ययन/रिपोर्ट/परियोजनाएं

1. **फाल्टा एसईजेड पर अध्ययनः** सीटीआईएल ने फाल्टा, दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल (एफसेज) के कार्यचालन का अध्ययन किया ताकि अवसंरचनागत और प्रशासनिक विसंगतियों की शिनाख्त हो सके और विद्यमान अवसंरचना को अपग्रेड करने के तरीकों का सुझाव दिया जा सके और एफसेज के भीतर कारोबार संचालित करने में सहजता को बढ़ाया जा सके ताकि संवृद्धि और निवेश को बढ़ाया जा सके।

2. **विशाखापटनम सेज पर अध्ययनः** इस अध्ययन में विशाखापटनम विशेष आर्थिक जोन (वीसेज) के प्रमुख लक्षणों की जांच की गई, मुद्दों और परिचालनगत चिंताओं को सामने लाया गया, और विभिन्न इकाइयों, साझीदारों, परामर्शों, विद्यमान नीतिगत व्यवस्था और भारत सरकार के साथ–साथ साथ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों द्वारा हाल ही में घोषित स्कीमों, पर विचार करते हुए दिक्परिवर्तन तथा निवेश को आकर्षित करते के लिए संभावित दायरे और प्राथमिकता क्षेत्रों का सुझाव दिया गया।

3. **कोच्चि सेज का अध्ययनः** इस अध्ययन का फोकस कोच्चि विशेष आर्थिक जोन (सीसेज) पर था। इसमें सीसेज के कार्यचालन, फोकस वाले क्षेत्रों और विधिक व्यवस्था तथा केन्द्र और राज्य दोनों ही स्तरों पर यहां की इकाइयों के लिए उपलब्ध प्रोत्साहनों का परीक्षण किया गया। रिपोर्ट में सीटीआईएल की टीम द्वारा बहुत से साझीदारों के साथ किए गए परामर्श के आधार पर सीसेज में यूनिटों द्वारा सामना की जा रही चुनौतियों और उनकी चिंताओं को अभिनिर्धारित किया गया और समाने लाया गया और तदनुसार संस्तुतियां की गईं हैं जिनपर सेज प्राधिकरण के साथ–साथ भारत सरकार द्वारा विचार किया जाना है।

4. **मुम्बई सेज पर अध्ययन (किया जा रहा है)ः** सांताक्रुज इलेक्ट्रॉनिक निर्यात प्रोसेसिंग जोन (सीप्झ) के विकास आयुक्त कार्यालय (डीसी कार्यालय) ने सीटीआईएल द्वारा अध्ययन को अधिकृत किया ताकि सीप्झ के भीतर परिचालन कर रही इकाइयों द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों का अभिनिर्धारण हो सके और सीप्झ के कार्यनिष्पादन को बढ़ाने के लिए उन्हें संस्तुतियां मिल सकें। इस अध्ययन को संस्तुतियों सहित प्रस्तुत करने से पहले विगत कुछ वर्षों के दौरान सीप्झ के कार्यचालन और कार्यनिष्पादन, सुविधाओं और सरकार से उपलब्ध समर्थन के साथ–साथ साथ इसकी आगामी संवृद्धि और विस्तार के लिए बाधाओं की जांच करने पर फोकस किया गया। यह अध्ययन तीन शोध पद्धतियों पर निर्भर है: प्रथम – प्राथमिक और द्वितीयक शोध–साहित्य; द्वितीय – सीप्झ की इकाइयों और डीसी कार्यालय में एक प्रश्नावली दी गई; और तृतीय – डीसी कार्यालय तथा इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ आभासी और स्थानिक परामर्श बैठकें।

5. **अपीलीय निकाय संकट का समाधान करने के लिए अनुच्छेद 25 डीएसयू की व्यवहार्यता पर रिपोर्टः** सीटीआईएल – नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर (एनएनयूजे), जोधपुर के ट्रेडलैब लॉ क्लिनिक ने शैक्षणिक वर्ष 2022–23 के बसंत सत्र के दौरान 'अपीलीय निकाय संकट का समाधान करने

के लिए अनुच्छेद 25 डीएसयू की व्यवहार्यता' पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट का उद्देश्य था अशक्त किए जा चुके एबी से निपटने के लिए अनुच्छेद 5, अनुच्छेद 25 और एमपीआईए की प्रभावशीलता का आकलन करना था। अनुच्छेद 5 के संबंध में इस रिपोर्ट में उत्तम कार्यालयों, मध्यस्थता, मध्यस्थम और समाधान और अन्य विवाद समाधान व्यवस्थाओं में यथा प्रयुक्त पद्धतियों के साथ का तुलनात्मक अध्ययन किया और एबी गतिरोध के लिए समाधान के रूप में इसकी व्यवहार्यता का सारांश दिया गया। इस रिपोर्ट में यह आकलन किया गया है कि क्या वर्तमान में देशों के लिए सर्वोत्तम संभव अंतरिम समाधान एमपीआईए ही है।

6. **कस्टम्स यूनियन से सदस्यों का निकास होने के कृषि व्यापार निहितार्थ पर रिपोर्ट:** सीटीआईएल – गुजरात नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर (जीएनएलयू) के ट्रेडलैब लॉ क्लिनिक ने शैक्षणिक वर्ष 2022–23 के हेमंत सत्र के दौरान 'कस्टम्स यूनियन से सदस्यों का निकास होने के कृषीय व्यापार पर निहितार्थ' पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में एक ऐसे मामले पर विचार किया गया जिसमें देश ने एएमएस को सीयू की अनुसूची से पुनरू निष्काषित करने का निर्णय लिया। इसमें यह भी विचार किया गया कि टीआरक्यू से इस प्रकार के संविभाजन की आवश्यकता क्यों है और इसके दो संभावित परिणाम क्या हैं।

सीटीआईएल द्वारा किए गए अनुसंधान

क्रमांक	विषय
1	सीटीआईएल का सेज अधिनियम, 2005 और सेज नियमावली, 2006 में प्रस्तावित संशोधन के बारे में सीटीआईएल का विधिक अभिमत, जो सेज के आंशिक और पूर्ण रूप से अधिसूचना से हटाने के प्रावधान को शामिल करने के बारे में हैं।
2	डीसीपीसी द्वारा प्रतिसाद के बारे में सीटीआईएल के अभिमत जो एमएमसीएस स्कीम के तहत बीआईएस लाइसेन्स के लिए मना करने के बारे में फार्मोसा प्लास्टिक्स कॉर्पोरेशन की शिकायत का समाधान के विषय में है
3	शिपिंग की उच्च दरों के बारे में सीटीआईएल के विश्लेषण
4	विभिन्न माध्यमों से परिवहन के जरिए लॉजिस्टिक को अपने दायरे में लेने वाले विभिन्न अधिनियमों और विधानों के महत्त्वपूर्ण प्रावधानों का आरेख
5	रियायतों का निलंबन करने के बारे में ईयू रेग्यूलेशन 2021/167 पर सीटीआईएल के अभिमत
6	एसडीओ के लिए क्यूसीआई प्रत्ययन स्कीम और बीआईएस मान्यता स्कीम पर सीटीआईएल के अभिमत
7	इलेक्ट्रॉनिक पारेषण पर सीमाशुल्क के आस्थगन पर सीटीआईएल के इनपुट
8	ब्रेक्सिट पूर्व और ब्रेक्सिट पश्चात यूके की क्षेत्रकीय नियम व्यवस्था के बारे में सीटीआईएल का दृष्टिकोण
9	एमपीईडीए अधिनियम के तहत प्रस्तावित संशोधनों पर विधिक अभिमत
10	उपभोक्ता (ई–वाणिज्य) नियमावली 2020 में प्रस्तावित संशोधनों की विश्व व्यापार संगठन के साथ सीटीआईएल के अभिमत की सहवर्तिता
11	व्यावसायिक सेवाओं में सहयोग के लिए ब्रिक्स व्यवस्था पर सीटीआईएल के इनपुट
12	ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की 3 सितम्बर 2021 को 11वीं बैठक के बारे में सीटीआईएल के इनपुट – संयुक्त विज्ञप्ति
13	डिजिटल एमएसएमईज और वैश्विक आपूर्ति शृंखला में उद्यमिता के माध्यम से बोर्न ग्रीन संवर्द्धन पर सीटीआईएल के इनपुट : जी20 नॉन बाइंडिंग टूलकिट
14	भारत में शिपिंग किराये में बढ़ोतरी पर सीटीआईएल के इनपुट – पीपीटी प्रारूप
15	भाड़े की उच्च दरों और प्रभारों की स्पष्टता के बारे में सीटीआईएल का विश्लेषण
16	भारतीय निर्यातकों के लिए शिपिंग और भाड़ा लागतों में बढ़ोतरी के बारे में सीटीआईएल के इनपुट 11 अगस्त 2021 को श्री विकास चौबे, ओएसडी(जेएस), लॉजिस्टिक प्रभाग की अध्यक्षता में प्रस्तुत कर दिया गया था
17	ईयू में इस्पात के बारे में वैश्विक रक्षोपायों के संबंध में भारत की रिटैलिएशन धनराशि के आकलन के बारे में सीटीआईएल के इनपुट
18	डीपीआईआईटी की परियोजना आयात स्कीम पर सीटीआईएल के इनपुट, इस स्कीम में निर्यात निष्पादन पर प्रोत्साहन अथवा आयातित वस्तुओं पर स्वदेशी के प्रयोग को प्राथमिकता देने की प्रासंगिकता पर शासनादेश के एससीएम करार के अनुच्छेद 3 के अनुपालन का उल्लंघन संभावित है।
19	एसटीआरआई–लॉजिस्टिक कार्गो संभालने के मानदंडों और सुधारों पर सीटीआईएल के इनपुट (एक्सेल फ़ाइल)
20	लाइनर सम्मेलनों हेतु आचार संहिता, 1974 पर हुए सम्मेलन के अनुप्रयोग और दायरे के बारे में प्रश्न
21	विदेश व्यापार नीति 2009–2014 के अनुच्छेद 6.8(a)के संदर्भ में हैलोजन लैम्पों और हैलोजन कैपसूल्स की 'समानता' पर सीटीआईएल के इनपुट
22	पूर्वी एशिया में आपूर्ति शृंखला में प्रबलता और महामारी पश्चात की बहाली हेतु व्यवस्था तैयार करने पर सीटीआईएल के इनपुट
23	एसटीआरआई–लॉजिस्टिक्स स्टोरेज और वेयरहाउस पर सीटीआईएल के इनपुट
24	एसटीआरआई –लॉजिस्टिक्स फ्रेट फार्वर्डिंग पर सीटीआईएल के इनपुट
25	एसटीआरआई –लॉजिस्टिक्स सीमाशुल्क ब्रोकरेज पर सीटीआईएल के इनपुट
26	बायोईंधन पर राष्ट्रीय नीति, 2018 में संशोधनों के बारे में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ड्राफ्ट कैबिनेट नोट के बारे में सीटीआईएल के इनपुट
27	भारत में फार्मा–मेडटेक क्षेत्र में शोध और विकास तथा नवोन्मेष को उत्प्रेरित करने के लिए नीति पर कैबिनेट नोट के प्रारूप पर अभिमत
28	टीआरक्यू एडमिनिस्ट्रेशन 2013 पर बाली–निर्णय के बारे में कोस्टा रीका के प्रस्ताव में चीन द्वारा संशोधन
29	भारत सरकार वित्त–पोषित परियोजनाओं में यू.एस. आधारित विनिर्माताओं को शामिल नहीं करने के बारे में सार्वजनिक अधिक्रय (मेक इन इंडिया को प्राथमिकता), आदेश, 2017 का उपयोग करने के बारे में अभिमत
30	डीएस579–581 की अंतरिम रिपोर्ट : भारत – चीनी और गन्ना के बारे में शिकायतकर्ताओं के अभिमतों पर सीटीआईएल के इनपुट
31	महारत्नों, नवरत्नों और लघुरत्नों पर सीटीआईएल के इनपुट
32	घोषणा प्रारूप पर सीटीआईएल के इनपुट

33	टीआरक्यू एडमिनिस्ट्रेशन 2013 पर बाली के निर्णय के बारे में कोस्टा रीका के प्रस्ताव पर संशोधित अभिमत
34	निरंतर और कुशल लॉजिस्टिक्स हेतु वेयरहाउसिंग और मानकीकरण हेतु संस्तुतिपरक दिशानिदेशों पर सीटीआईएल के इनपुट के अभिमत और सुझाव
35	कॉफी विधेयक, 2021 के बारे में सीटीआईएल के अभिमत
36	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स विधेयक पर अंतर–मंत्रालयीन प्रारूपण समिति का कार्यवृत्त
37	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कानून पर सीटीआईएल के इनपुट
38	भारतीय बिल ऑफ लैंडिंग अधिनियम, 1856 को निरसित करने पर सीटीआईएल का नोट
39	ऑटोमोबील और ऑटो–अवयवों पर ईएफसी नोट पर सीटीआईएल का विश्लेषण
40	दालों के लिए आयात कोटा आबंटित करने हेतु एल्गोरिथ्म–चालित यादृच्छिक लॉटरी प्रणाली के बारे में सीटीआईएल के इनपुट
41	वन और भू उपयोग पर ग्लासगो घोषणा के प्रारूप के बारे में जलवायु परिवर्तन विषयक सीटीआईएल के इनपुट
42	प्रारूप निर्णय टैक्स लैंडिंग जोन
43	मित्र स्कीम के बारे में सीटीआईएल के अभिमत
44	वस्त्र संवर्द्धन हेतु उत्पादन सहबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम हेतु दिशानिदेश
45	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स (कुशलता, उच्चस्तरीयता, अनुमान–शीलता और सुरक्षा) विधेयक (पीपीटी)
46	व्यापार बाधाएं (अन्वेषण और निगरानी) अधिनियम, 2020 – प्रारूप
47	अभिमत (पैरा52)–जी20 लीडरों की घोषणा
48	भारत–यूएई सीईपीए में स्थानीय और प्रादेशिक सरकारों पर आलेख के बारे में अभिमत
49	भारत की प्रथम लिखित प्रस्तुति के पैरा 166 में निहित तालिका के कॉलम 'लगाया गया शुल्क' के तहत क्या भारत यह स्पष्टीकरण दे सकता है (अर्थात 'शून्य', "10%", और "20%") के तहत उल्लिखित प्रत्येक दर किस प्रकार से 'स्थायी परिवर्तक' किस प्रकार से
	लागू होगी, जिसमें अधिसूचनाओं अथवा अन्य लिखतों के अभिनिर्धारण होंगे जो इस संदर्भ में सुसंगत हैं।
50	व्यापार सुविधा करार (टीएफए) के परिचालन और कार्यान्वयन की प्रथम समीक्षा के प्रारूप पर इनपुट
51	अनुच्छेद 7.3 की अनुसूचना – आयात लाइसेंसिंग पद्धति की प्रश्नावली का प्रतिउत्तर
52	चायना टीपीआर प्रश्न
53	संधार्यता (श्रम) के बारे में प्रथम द्विपक्षीय कार्यकारी समूह के विचार–बिन्दु
54	भारत–यूएई सीईपीए में 'करार की समीक्षा' के प्रारूप विधिक पाठ के प्रावधान को समाहित करना
55	विधिक और संस्थागत मामलों, विवादों और संस्थागत मामलों, विवाद निपटान और व्यापार को प्रस्तावित भारत–आस्ट्रेलिया सीईसीए के वस्तु अध्याय में नेगोशिएशन टेक्स्ट का विश्लेषण
56	यूएस–कनाडा एफटीए में गैर–व्यापार मुद्दों पर टीआरक्यू एडमिनिस्ट्रेशन 2013 के बारे में सीटीआईएल–अध्ययन
57	वैश्विक आपूर्ति शृंखला में डिजिटिल एमएसएमई और उद्यमिता के माध्यम से बोर्न ग्रीन का संवर्द्धन
58	जी20 व्यापार और निवेश पर मंत्रालयीन बैठक
59	जी20 बैठक, 2021 हेतु निदेशक सिद्धांतों पर नोट हेतु इनपुट
60	महामारी के प्रति विश्व व्यापार संगठन के प्रतिसाद के लिए महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों पर इनपुट
61	भारत में एफटीए–विशिष्ट घरेलू विनियमन की तालिका
62	व्यापार उपचारों और विवादों पर यूके द्वारा उठाए गए सवालों पर भारत की प्रतिक्रिया
63	यूके एफटीएस में पर्यावरण और क्रॉस–कटिंग के प्रावधान
64	यह स्कीम एससीएम करार के अधीन एक विशिष्ट आर्थिक सहायता की स्कीम है और यह आर्थिक सहायता में कार्रवाई योग्य
	प्रावधानों (एससीएम करार का तृतीय भाग) और प्रतिकारी उपायों (पंचम भाग) को आकर्षित करते हैं। इसके अलावा यह एससीएम करार के अनुच्छेद 3.1(इ) के तहत कुछ चिंता पैदा करता है।
65	मारीशस की व्यापार नीति की समीक्षा पर भारत द्वारा उठाए गए सवाल
66	यूके के एफटीए में श्रम मानक और क्रॉस–कटिंग
67	भारत–चिली व्यापार वार्ताओं के लिए सेवाओं में व्यापार (टीआईएस) अध्याय के प्रारूप में और वास्तविक व्यक्तियों के आवागमन पर संलग्नक के बारे में (एमओएनपी) कुछ चिंताओं का विश्लेषण और इनपुट
68	वस्त्रों के लिए उत्पाद सहबद्ध प्रोत्साहन स्कीम में बदलावों की विश्व व्यापार संगठन के साथ सहयोजिता के बारे में अभिमत
69	भारतीय निर्यातकों के लिए देश के भीतर सामान रुके रहने के अवसरों को कम करने और मॉडल शिफ्ट को प्रभावी बनाने हेतु रेल कन्टेनरों के आवागमन के लिए आर्थिक सहायता की विश्व व्यापार संगठन के साथ सामंजस्यता पर अभिमत
70	भारत–यूके ईटीपी – प्रतिस्पर्धा ट्रैक – सारांश [4]

71	ईयू–वियतनाम मुक्त व्यापार करार के टीबीटी और एसपीएस अध्यायों की विश्लेषण तालिका
72	प्रस्तावित जीपीए और जीसीसी– सिंगापुर एफटीए के मूल पाठ और प्रस्तावित पाठ की तुलना
73	यूके की घरेलू व्यवस्था पर सवाल
74	चर्चा–जीसी चेयर मीटिंग – एमसी12 के लिए परिणाम प्रलेख – 21 सितम्बर 2021 (सीटीआईएल के इनपुट)
75	अंतरिक्ष विभाग की एजेंसियों और निजी कार्पोरेट प्रतिष्ठानों के बीच हस्ताक्षरित कतिपय द्विपक्षीय समझौतों पर विश्व व्यापार संगठन के कानूनों के निहितार्थों का विश्लेषण
76	आयात लाइसेंसिंग पद्धति के बारे में प्रश्नावली के उत्तर 1 अधिसूचना – आयात लाइसेंसिंग पद्धतियों पर करार के अनुच्छेद 7.3 के तहत (2021)
77	यूएई के प्रस्ताव को आगे बढ़ाते हुए भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापार उपचार मामलों पर एक समिति गठित करने पर अभिमत
78	दालों के आयात के लिए एल्गोरिथ्म–आधारित लॉटरी प्रणाली[2] पर आयात लाइसेंसिंग पद्धति पर प्रश्नावली के उत्तरों के बारे में सीटीआईएल के इनपुट
79	'बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली पर ब्रिक्स सहयोग' पर प्रारूप पाठ पर सीटीआईएल के अभिमत
80	भारत–चिली व्यापार समझौते के रूल्स ऑफ ओरिजिन अध्याय के प्रारूप में 'वस्तुओं' के स्थान पर 'उत्पाद' को प्रतिस्थापित करने के लिए चिली के प्रस्ताव पर इनपुट
81	व्यापार और निवेश प्रगति नोट – द्वितीय शेरपा बैठक 12–13 जुलाई 2021
82	व्यापार और संधारणीयता प्रावधानों पर यूके के हाइएस्ट एन्ड लोएस्ट एमबीशन एग्रीमेन्ट
83	सिंगापुर टीपीआर हेतु सीटीआईएल के प्रश्न
84	फार्मास्युटिकल उत्पादों पर विनियामक समन्वय संलग्नक (आरसीए)
85	अर्जेन्टीना टीपीआर : सेवा व्यापार के लिए प्रश्न
86	मैकेनिज्म की स्थापना के बारे में ईयू के लीक हुए प्रारूप विनियम की विश्व व्यापार संगठन के साथ संगतता पर संशोधित अभिमत
87	विश्व व्यापार संगठन में 'कोविड–19 और उसके बाद : व्यापार और स्वास्थ्य' पर सीटीआईएल के अभिमत
88	फार्मास्युटिकल उत्पादों पर पारस्परिक मान्यता समझौता (एमआरए)
89	ऑस्ट्रेलिया–भारत सीईसीए के तहत 'परिवहन और लॉजिस्टिक्स' के क्षेत्र में कार्य का दायरा और आगामी स्थिति पर द्विपक्षीय विचारविमर्श
90	ई–कॉमर्स जेएसआई वार्ता के परिणाम – विधिक निर्मिति' – आलेख पर सीटीआईएल के अभिमत
91	210809 – चिली भारत आरसीए – सीटीआईएल के अभिमत वी.2
92	ट्रैक–लीड्स वी.01 द्वारा अभिमत रिपोर्ट
93	टीबीटी और एसपीएस के दायरे में इंडोनेशिया द्वारा हलाल प्रमाणपत्र की अपेक्षा का विश्लेषण
94	वस्तुओं के व्यापार में एशियान–भारत करार (एआईटीआईजीए) की समीक्षा के लिए एशियान से स्कोपिंग पेपर पर मिले कतिपय अभिमतों पर दिए गए इनपुट
95	एफटीए में वार्ताओं के सभी ट्रैकों (वस्तुओं, सेवाओं तकनीकी विनियमों, आदि सहित) पर पारस्परिक सहमत विधिक पाठ की विवेचना
	से संबद्ध प्रावधानों का अध्याय – विवाद निपटान अध्याय
96	वस्तुओं के व्यापार हेतु परिषद में प्रस्तुत करने के लिए वर्किंग पेपर पर प्रारूप पत्र
97	यूके की विनियामक व्यवस्था का अध्ययन : ब्रेक्सिट–पूर्व और ब्रेक्सिट पश्चात तथा भारतीय कानून
98	भारत के स्कोपिंग पेपर में सेवाओं के लिए कनाडा के फ्रेमवर्क को समाहित करने के बारे में सीटीआईएल के अभिमत
99	ब्रेक्सिट–पूर्व और ब्रेक्सिट पश्चात यूके की क्षेत्रगत व्यवस्था और भारत की नियामक व्यवस्था की समीक्षा
100	भारत में पैनल की अंतरिम रिपोर्ट की समीक्षा के बारे में अभिमत – चीनी और गन्ना विवाद।
101	सीमापार सेवा–व्यापार और यूके–ऑस्ट्रेलिया के मुक्त व्यापार समझौते की अस्थायी प्रवेश अध्यायों की समीक्षा
102	यूके – जापान मुक्त व्यापार समझौते पर आधारित एसपीएस अध्यायों पर टीबीटी हेतु वैकल्पिक प्रावधान
103	17 दिसम्बर 2021 को हस्ताक्षरित यूके–ऑस्ट्रेलिया के मुक्त व्यापार समझौते के खास तत्वों पर इनपुट
104	दूरसंचार सेवाओं के बारे में अपनी वचनबद्धता के बारे में अनुरोध पर थाईलैन्ड के प्रमाणन पर अभिमत
105	वस्तुओं में व्यापार हेतु 30 सितम्बर 2021 को परिषद की बैठक में प्रस्तुति हेतु डब्ल्यूपीईसी प्रस्तुति पर पीएमआई के प्रारूप पत्र के बारे में संक्षिप्त विमर्श बिन्दु
106	यह स्कीम एससीएम समझौते के तहत एक खास तरह की आर्थिक सहायता है और इस पर कार्रवाई योग्य आर्थिक सहायताओं के प्रावधान (एससीएम समझौते का तृतीय भाग) और प्रतिकारक उपाय (पंचम भाग) लागू हो सकते हैं। इसके अलावा इससे एससीएम

	समझौते के अनुच्छेद 3.1(इ) के तहत भी चिंता का विषय हो सकता है।
107	दूरसंचार सेवाओं के बारे में विशिष्ट वचनबद्धता की अनुसूची के प्रमाणन हेतु थाईलैन्ड से प्राप्त संदेश पर अभिमत
108	टीबीटी और यूके – जापान मुक्त व्यापार समझौते के एसपीएस अध्याय का विश्लेषण
109	डीआर विश्लेषण पर जेएसआई
110	टीबीटी और एसपीएस – ईयू–वियतनाम एफटीए
111	ताइपेई आर्थिक और सांस्कृतिक संघ और भारत ताइपेई संघ के बीच ताइपेई में द्विपक्षीय निवेश समझौते के संदर्भ में सेवा–निवेश संबंध वाक्यांश और सेवा प्रावधानों का समावेश करने पर अभिमत
112	उद्‌गम स्थान संबंधी नियमावली पर समिति में एलडीसी संशोधित प्रारूप पाठ पर अभिमत
113	भारत की एसईजेड व्यवस्था में प्रस्तावित सुधारों की विश्व व्यापार संगठन के साथ संगतता और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम परिपाटियां
114	नॉन ऑल्ट्रेशन और एक्जिबिशन प्रावधानों पर अभिमत
115	घरेलू विनियमों पर जेएस संदर्भ पत्र के जीएटीएस माइनस अवयव और जेएसआई सदस्यों द्वारा वचनबद्धता की अनुसूची बनाया जाना
116	जॉर्जिया की व्यापार नीति समीक्षा पर प्रश्न
117	खाद्य सुरक्षा प्रयोजनों के लिए लोक स्टॉकहोल्डिंग के बारे में स्थायी समाधान हेतु जी33 और अफ्रीकी समूह द्वारा संयुक्त प्रस्ताव
118	ताजिकिस्तान व्यापार नीति की समीक्षा रिपोर्ट
119	टीआरक्यू एडमिनिस्ट्रेशन 2013 पर चीन के प्रस्तावित आशोधन पर संशोधित अभिमत
120	किंग्डम ऑफ बहरीन टीपीआर पर सवाल
121	मारीशस की व्यापार नीति समीक्षा पर भारत द्वारा उठाए गए सवाल
122	रशियन फेडरेशन टीपीआर प्रश्न – वस्तुएं और सीमाशुल्क
123	सेमिकन्डक्टरों और अन्य उत्पादों हेतु पीएलआई स्कीम के संबंध में विश्व व्यापार संगठन के साथ संगतता पर सारांश
124	ग्लोबल ई–कॉमर्स पर विश्व व्यापार संगठन की घोषणा के प्रति भारत की समानक लेवी की स्पर्धात्मकता
125	'संतुलित रियायतों' के दायरे के बारे में एशियान की टिप्पणियों के लिए भारत की प्रतिक्रिया जो एशियान स्कूपिंग पेपर में एआईटीआईजीए समीक्षा की चिंता के बारे में है
126	बंगाल की खाड़ी हेतु बहुपक्षीय क्षेत्रकीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) पर विशिष्ट आरओओ प्रावधानों का विश्लेषण
127	सरकारी अधिग्रहण (जीपी) चौप्टर के तहत सेवाओं में व्यापार के लिए रिट के बारे में अभिमत/इनपुट
128	भारत के जैव उत्पादों (एनपीओपी) के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम
129	खाद्यान्नों के निर्यात हेतु क्यूबा सरकार को अल्पअवधि क्रेडिट सुविधा के लिए प्रस्ताव पर अभिमत
130	लॉजिस्टिक्स के संबंध में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में प्रस्तावित संशोधनों पर अभिमत
131	लॉजिस्टिक्स के संबंध में जैव विविधता अधिनियम, 2021 में प्रस्तावित संशोधन
132	ईयू–वियतनाम मुक्त व्यापार समझौते के टीबीटी और एसपीएस अध्यायों के विश्लेषण की संशोधित तालिका
133	प्रथम अंतर मंत्रालयीन प्रारूपण में उठाए गए प्रश्नों पर स्पष्टीकरण
134	भारत–यूएई सीईपीए के आईपीआर अध्याय के तहत कतिपय मुद्दे
135	यूरोपियन यूनियन द्वारा प्रस्तावित कार्बन बार्डर समायोजन मैकेनिज्म (ईयू सीबीएएम) और ईयू सीबीएएम प्रस्ताव पर रूस की प्रश्नावली
136	ट्रिप्स समझौते और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महा–परिषद घोषणा का प्रारूप
137	डीआर संदर्भ पेपर और सदस्यों द्वारा अनुसूची दृष्टिकोण का विश्लेषण
138	इस्पात और एल्यूमिनियम विवादों और संबंधित मुद्दों पर ईयू–यूएस द्विपक्षीय समझौते का विश्लेषण
139	घोषणा प्रारूप पर सीटीआईएल के अभिमत
140	यूके–ऑस्ट्रेलिया मुक्त व्यापार समझौते का विश्लेषण
141	कतिपय प्रोत्साहन योजनाओं की संगतता
142	मैसर्स अन्सल कलर्स इंजीनियरिंग सेज लि. (कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद सेज) द्वारा सोनीपत जिले में अधिसूचित सेज भूमि का विक्रय किए जाने के विरुद्ध प्राप्त शिकायत
143	एफटीए में लॉजिस्टिक्स और परिवहन प्रावधानों पर पृष्ठभूमि संबंधी नोट
144	भारत–यूएई – यूईए द्वारा मान्यता देने के प्रावधान
145	भारत – यूके ईटीपी में व्यापार उपचारों और विवाद निपटान अध्याय के बारे में यूके द्वारा उठाए गए सवालों पर इनपुट

146	भारत–यूके ईटीपी के तहत यदि औपचारिक रूप दिया जाता है तो उचित वस्तु नियामक व्यवस्था और नियामक सहयोग के बारे में टीबीटी समिति के निर्णयों का भारत के लिए निहितार्थ
147	कैलेन्डर ऑफ बायलेटरल वर्किंग ग्रुप इन्टरएक्शन पर यूके के फीडबैक
148	बौद्धिक सम्पत्ति संशोधित यूएई–सीईपीए
149	टीबीटी पर प्रारूप अध्याय – भारत – यूएई–सीईपीए के पाठ पर सीटीआईएल के अभिमत
150	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए में सेवाओं में व्यापार में ऑस्ट्रेलिया द्वारा बाजार अभिगम पर आरंभिक प्रस्ताव पर अभिमत
151	भारत–यूएई में वैकल्पिक वास्तविक व्यक्ति
152	आरंभिक प्रावधान और सामान्य परिभाषाएं
153	211105–17 – समझौते का एडमिनिस्ट्रेशन
154	धारा ए : सामान्य प्रावधान अनुच्छेद [X- x] परिभाषाएं
155	संयुक्त अरब अमीरात द्वारा आरंभिक बाजार अभिगम का विश्लेषण
156	भारत–यूएई सीईपीए के सरकारी अधिग्रहण अध्याय में सेवाओं में व्यापार के संबंध में अपवर्जना वाक्यांश पर अभिमत
157	भारत–यूएई प्रौद्योगिकी अंतरण वाक्यांश पर अभिमत
158	भारत–ऑस्ट्रेलिया वार्ताओं के संदर्भ में व्यावसायिक सेवाओं के संलग्नक का प्रारूप तैयार किया गया
159	फार्मास्युटिकल उत्पादों पर द्विपक्षीय सहयोग
160	भारत गणतंत्र और संयुक्त अरब अमीरात के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत संयुक्त समिति की कार्यचालन पद्धति के नियम
161	जैव उत्पादों पर द्विपक्षीय सहयोग पर संलग्नक
162	आईपीआर–एफटीए–मॉडल पाठ संशोधित 20 नवंबर 2021
163	वर्तमान भारत–यूएई सीईपीए में सेवाओं में व्यापार के बारे में संयुक्त अरब अमीरात द्वारा बाजार अभिगम पर सशर्त प्रस्ताव पर अभिमत
164	व्यावसायिक सेवाओं पर विमर्श एनेक्स(1) हेतु विचारविमर्श के लिए सीटीआईएल का प्रारूप
165	एमएनपी एनेक्स पर भारत – यूएई पाठ
166	संयुक्त अरब अमीरात द्वारा भारत–यूएई सीईपीए में भौगोलिक दायरे की परिभाषा में 'मुक्त जोन' का प्रयोग करने के बारे में अभिमत
167	भारत–यूएई सीईपीए हेतु संस्थागत फ्रेमवर्क ट्रैक के अध्याय पर अभिमत
168	व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते के टीबीटी अध्याय हेतु संभावित तत्व
169	भारत – टैरिफ ऑन आईसीटी गुड्स (यूरोपियन संघ) (डब्ल्यूटी / डीएस582) पैनल द्वारा किए गए प्रश्नों पर भारत की प्रतिक्रिया – तारीख 18 अक्तूबर 2021, 25 नवम्बर 2021, जेनेवा
170	भारत–यूएई सीईपीए वार्ताओं में वार्ताओं के द्वितीय चक्र के दूसरे दिन की वार्ताओं के लिए प्रारूप 10 नवम्बर 2021
171	व्यापार और संधारणीय विकास अध्याय में सीमित उद्देश्य का टेक्स्ट
172	सेवाओं में व्यापार अध्याय के प्रारूप में भारत–यूएई वार्ताओं के प्रथम दौर के अनुसरण में कतिपय चिंताओं का अनंतिम विश्लेषण
173	मित्र योजना में सीटीआईएल के प्रस्तावित संशोधन
174	एएससीएम के अनुच्छेद 25 के तहत अधिसूचित किए जाने हेतु औद्योगिक आर्थिक अनुदानों की अधिसूचना में बताए गए आर्थिक अनुदानों की विश्व व्यापार संगठन के साथ संगतता
175	एमएमएफ और तकनीकी वस्त्र खंड के संवर्द्धन के लिए उत्पादन सहबद्ध प्रोत्साहन योजना
176	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ताएं – विवाद निपटान का प्रारूप पाठ
177	भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार पर सारांश
178	जैव उत्पादों के लिए भारत – संयुक्त अरब अमीरात पारस्परिक मान्यता समझौता
179	पैनल हेतु क्रियापद्धति की नियमावली संलग्नक – 10
180	भारत–यूएई सीईपीए की विधिक विवेचना – प्रमुख परिवर्तन
181	यूएई और भारत के अभिमतों पर समेकित पाठ
182	फॉर्मेटेड समेकित सहमत और स्पष्ट पाठ 21122021
183	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए टीबीटी चौप्टर भारत प्रस्ताव
184	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए एसपीएस चौप्टर एयू प्रस्ताव
185	भारत–यूएई सीईपीए में टीबीटी चौप्टर में समाहित करने और निरसन पर सीटीआईएल के सुझाव
186	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए में सीएपी से संबंधित गैर–विभेदक प्रावधानों को समाहित करने पर इनपुट

187	भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापक आर्थिक सहमति समझौता
188	इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर कस्टम ड्यूटी पर आस्थगन
189	ब्रिक्स आर्थिक साझेदारी 2005 हेतु रणनीति हेतु ब्रिक्स कार्यान्वयन का रोडमैप
190	जी20 ट्विग प्रगति नोट पर अभिमत (द्वितीय शेरपा बैठक)
191	भारत–यूएई सीईपीए का मूलपाठ और संलग्नक में दी गई सेवाओं की पुनरीक्षा
192	व्यावसायिक सेवाओं पर भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईपीए पर संशोधित संलग्नक (दिसम्बर दृ जनवरी)
193	भारत–यूएई सीईपीए के ऊर्जा संसाधनों पर साइड–लैटर पर अभिमत
194	भारत–यूएई व्यापक आर्थिक सहमति समझौता वार्ताओं का तीसरा दौर
195	टीआर भारत–यूएई सीईपीए–संशोधनों में एटीएसएम प्रावधान
196	फार्मास्युटिकल उत्पादों पर द्विपक्षीय सहयोग, भारत–यूएई सीईपीए वार्ताओं की अंतरसत्रीय बैठक पर प्रारूप
197	आईपीआर चौप्टर यूके–भारत एफटीए (सीआईपीएएम एडिट)(1)
198	भारत–यूएई सेवा वार्ता दौर (III) के लिए इनपुट। भारत गणतंत्र और ग्रेट ब्रिटेन के यूनाइटेड किंग्डम के बीच भौगोलिक संकेतार्थों के संरक्षण पर समझौता
199	भारतीय न्यायालय और लोक नीति न्यूयार्क कॉन्वेन्शन का सिद्धांत
200	परिसंपत्तियों की रिकवरी पर गृह मंत्रालय को ईमेल के प्रारूप का पुनरीक्षण
201	खाद्य सुरक्षा प्रयोजनों हेतु लोक स्टॉक होल्डिंग पर स्थायी समाधान हेतु इंडोनेशिया के प्रस्ताव के बारे में अभिमत
202	टीआरक्यू एडमिनिस्ट्रेशन 2013 पर बाली निर्णय की समीक्षा हेतु भारत के प्रस्ताव पर नोट
203	खाद्य सुरक्षा प्रयोजनों हेतु लोक स्टॉक होल्डिंग पर स्थायी समाधान हेतु जी33 अफ्रीकी समूह के संयुक्त प्रस्ताव में
	एन्टी–सरकमवेन्शन हेतु सीटीआईएल का प्रस्ताव
204	संकल्पना पत्र जी20 भारतीय प्रेसिडेन्सी : डिजिटल व्यापार
205	संयुक्त सारांश और कार्रवाई टेम्पलेट [यूके–भारत एफटीए]
206	प्रमुख वार्ताकार के लिए ट्रैक लीड्स् की रिपोर्ट हेतु टेम्पलेट
207	दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2022 (परिशिष्ट) पर कैबिनेट नोट के प्रारूप पर अभिमतों पर स्पष्टीकरण
208	हाल ही में ईयू प्रस्तावित उपायों के संदर्भ में नीतिगत लिखत के रूप में निर्यात प्रतिबंधों पर अभिमत
209	सीईपीए वार्ताओं को फिर से शुरू करने के एक हिस्से के बारे में कनाडा के प्रस्ताव के सर्विस ट्रैक पर इनपुट
210	दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता में संशोधन विधेयक, 2022 – डीसीएन पर अभिमत
211	सेफ हैवन के लिए मनाही पर गृह मंत्रालय (विदेश प्रभाग) को ईमेल के प्रारूप का पुनरीक्षण
212	एफटीए के तहत व्यापारिक विवाद
213	विवादों का निपटान (डीएस) विश्व व्यापार संगठन का प्रधान स्तंभ है, नियम आधारित क्षेत्रीय और बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली द्विपक्षीय संबंधों और अर्थव्यवस्था के स्थायित्व में अद्वितीय योगदान करती है।
214	सार्वजनिक स्टॉक में से खाद्य का विश्व खाद्य कार्यक्रम(डब्ल्यूएफए) में विक्रय और अनुदान करने पर अभिमत
215	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए टीबीटी चैप्टर
216	व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं
217	'अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में विवाद निपटान : भावी पथ' पर सम्मेलन के संबंध में श्री पीयूष गोयल, माननीय मंत्री, वाणिज्य और उद्योग, वस्त्र तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण के लिए महत्त्वपूर्ण प्वाइंट्स'
218	दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2022 पर कैबिनेट नोट के प्रारूप पर अभिमतों पर स्पष्टीकरण
219	भ्रष्टाचार निरोधक टैक्स्ट की तुलनात्मकता के अनुबंध तैयार करना
220	यूनाइटेड किंग्डम के तहत आर्थिक सहायता की व्यवस्था
221	पाकिस्तान की व्यापार नीति की समीक्षा रिपोर्ट पर सीटीआईएल के अभिमत
222	विद्यमान व्यापार नीति समीक्षा प्रकिया में विश्व व्यापार संगठन सचिवालय रिपोर्ट और यूएई सरकारी की रिपोर्ट पर सवाल
223	उज़्बेकिस्तान द्वारा निर्मित 2023–25 हेतु एससीओ के भीतर अंतरक्षेत्रीय व्यापार विकास हेतु संयुक्त कार्रवाई योजना पर अभिमत
224	व्यापार और संधारणीय विकास चौप्टर अनुच्छेद X-1 संदर्भ और उद्देश्य
225	पदबंध पजीवनज चतमरनकपबम का अर्थ
226	'आपूर्ति शृंखलाओं के संबंध में जर्मन और ईयू विधिवत सतर्कता कानून : भारत के लिए प्राथमिकताएं' शीर्षक पर 24 फरवरी 2022 को पैनल विचारविमर्श के लिए प्रमुख मुद्दे

227	सीटीआईएल डीपीआईआईटी एसटीआरआई – वितरण
228	सीटीआईएल–एमईआईटीवाई एसटीआरआई – कूरियर
229	सीटीआईएल–एमईआईटीवाई एसटीआरआई – विधिक
230	सीटीआईएल–एमईआईटीवाई एसटीआरआई – वितरण
231	जी20 भारतीय प्रेसिडेन्सी : बौद्धिक संपत्ति
232	कम्पनी सचिवों, फार्मासिस्टों, पशु–चिकित्सकों और वास्तुकारों के व्यवसायों में एमआरए की वार्ता के लिए व्यावसायिक निकायों को सक्षम बनाने हेतु भारत के संगत कानूनों में विधिक प्रावधानों को दर्शाने वाले इनपुट
233	यूके–जापान ईपीए और यूके–ऑस्ट्रेलिया एफटीए के तहत एसएमई पर चौप्टर का विश्लेषण
234	भारत–यूके ईटीपी सीटीआईएल–सीडब्ल्यूएस मार्क अप और अभिमतों के लिए एसपीएस चौप्टर का प्रारूप
235	यूके दृ भारत एसपीएस चौप्टर हेतु भारत का लक्ष्य दृ प्रथम दौर हेतु सुझाए गए विशिष्ट मुद्दे
236	कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समिति की अनौपचारिक बैठक में तैयार किए गए टीआरक्यू पर बाली–निर्णय के पैरा–4 हेतु वैकल्पिक सुधारों पर अभिमत
237	जीएससीए स्पष्टीकरण नोट संबंधी संलग्नक
238	'आपूर्ति शृंखलाओं के संबंध में जर्मन और ईयू विधिवत सतर्कता कानून : भारत के लिए प्राथमिकताएं'
239	यूके और ईयू के साथ भारत के प्रस्तावित व्यापार समझौते में व्यापार उपचारों और विवाद निपटान अध्यायों पर इनपुट
240	भारत–ऑस्ट्रेलिया व्यापार समझौते और पूर्ण सीईसीए पर अनुच्छेद के तहत साइड लैटर पर सीटीआईएल के अभिमत
241	पीएसआर के तहत मेल्ट एन्ड पोअर नियम पर भारत के साइड लैटर पर अभिमत
242	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए पर विधिक निरस्तीकरणों के बारे में अभिमत
243	टीआरक्यू विषयक साइड लैटर पर सीटीआईएल के अभिमत
244	यूएई के साइड लैटर विषयक साइड लैटर पर सीटीआईएल के अभिमत
245	व्यापार उपचारों विषयक साइड लैटर पर सीटीआईएल के अभिमत
246	भारत ऊर्जा विषयक साइड लैटर पर सीटीआईएल के अभिमत
247	यूके एसपीएस अध्याय प्रस्ताव के निहितार्थों पर तालिका
248	प्रमुख वार्ताकार के लिए ट्रैक लीड्स की एसपीएस रिपोर्ट
249	भारत–यूके ईटीपी – धन शोधन और आर्थिक अपराधों पर सारांश
250	सामान्य रूप से एफटीए और विशेष रूप से भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के संदर्भ में 'साइड लैटर्स' की विधिक वैधता पर अभिमत
251	डीसीएन विषयक अभिमतों पर स्पष्टीकरण
252	एमसीए और एफएटीएफ की लाभकारी स्वामित्व सूचना विषयक ईमेल के प्रारूप का पुनरीक्षण
253	एल एन्ड टी प्रभाग (विदेश मंत्रालय) को ईमेल के प्रारूप का पुनरीक्षण
254	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के बारे में कतिपय व्यापार उपचार मुद्दों पर भारत की विगत एफटीए प्रक्रिया
255	सीबीडीटी को ईमेल
256	ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रस्तावित निवेश साइड लैटर पर संक्षिप्त अभिमत
257	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए एसपीएस अध्याय एयू प्रस्ताव अध्याय – स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी उपाय
258	यूके ईटीपी एसपीएस अध्याय पर संकल्पना नोट और कार्रवाई योजना
259	भारत – यूके ईटीपी वार्ताओं हेतु रखे जाने वाले दृष्टिकोण के बारे में यूके–नॉन–पेपर पर अभिमत
260	'इन्टरनेशनल इकोनॉमिक्स लॉ : टेक्स्ट, केसेस एन्ड मैटिरियल्स' नामक पुस्तक विमोचन पर कुछ तथ्यात्मक बिन्दु
261	एसपीएस डी–ब्रीफिंग आर2 (सत्र 1 और 2)
262	एफटीए के एसपीएस अध्याय के तहत यूके की स्थिति की तुलना में भारत की स्थिति का विश्लेषण
263	यूके के संगत एफटीए हेतु भारत द्वारा तैयार स्पर्धा नीति अध्याय के प्रारूप की तुलना
264	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईपीए हेतु मूलपाठ पर अभिमत
265	भारत – यूके ईटीपी हेतु एसपीएस अध्याय के प्रारूप पाठ पर अभिमत
266	वर्ष 2014–15 से 2020–21 हेतु विश्व व्यापार संगठन की कृषि समिति को भारत की निर्यात सब्सिडी (ईएस:) अधिसूचना के बारे में सीटीआईएल के अभिमत
267	वस्तु और सेवा दोनों ही क्षेत्रों में व्यापार और निवेश को सुविधा देने में और आर्थिक संवृद्धि तथा व्यवसाय में भरोसे बढ़ाने में व्यावसायिक सेवाएं अनिवार्य भूमिका निभाती हैं पर सीटीआईएल के अभिमत

268	पारंपरिक औषधीय उत्पादों को मान्यता विषयक संलग्नक
269	विश्व व्यापार संगठन जीपीए के साथ–साथ यूके एफटीए के तहत प्रावधानों पर सीटीआईएल का नोट
270	बौद्धिक सम्पत्ति कॉपीराइट – यूके पर सीटीआईएल के अभिमत
271	बौद्धिक सम्पत्ति ट्रेडमार्क – यूके पर सीटीआईएल के अभिमत
272	एसएमई मूलपाठ द्वितीय दौर यूके पक्ष पर सीटीआईएल के अभिमत
273	अग्रवर्ती प्रश्नों के लिए प्रस्तावित उत्तर
274	वायबल ओपिनियन एरर (सरवादा अभिमतों सहित)
275	भारत–आईसीटी वस्तुओं पर टैरिफ (यूरोपियन यूनियन), डब्ल्यूटी / डीएस582 भारत–आईसीटी वस्तुओं पर टैरिफ (जापान), डब्ल्यूटी / डीएस584 भारत–आईसीटी वस्तुओं पर टैरिफ (चीनी ताइपेई), डब्ल्यूटी / डीएस588
276	भारत–आईसीटी वस्तुओं पर टैरिफ (यूरोपियन यूनियन), डब्ल्यूटी / डीएस582 पर भारत का द्वितीय लिखित अनुरोध 15 फरवरी 2022
277	आईपीआर अध्याय भारत – यूके एफटीए हेतु संशोधित मॉडल टैक्स्ट
278	20220213–डीएस582–एसडब्ल्यूएस पर अभिमत
279	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ताओं पर प्रारूप पाठ के अंतिम प्रावधान
280	कार्यस्थल पर भेदभाव–शून्यता और जेन्डर समानता विषयक बैठक
281	पर्यावरण बैठक का एसओडी
282	भारत सीईसीए जानकारी सत्र – जनवरी 2022 भारत के लिए ऑस्ट्रेलियन टॉपिक और प्रश्न जो बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के आधार प्रस्तुत किए गए
283	प्रमुख वार्ताकार के लिए ट्रैक लीड्स् की रिपोर्ट – भारत यूके ईटीपी
284	भारत का विचार है कि इस पर पैनल यह निर्धारित करे कि एचएस2007 की अपनी अनुसूची के पारगमन के दौरान क्या इसके टैरिफ रियायतों को त्रुटिवश विस्तारित किया गया, दि पैनल
285	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए एसपीएस अध्याय एयू प्रस्ताव भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए एसपीएस अध्याय एयू प्रस्ताव – स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी उपाय
286	उचित नियामक प्रक्रिया – यूके पर अभिमत
287	सीईसीए की विषयसूची पर अभिमत
288	भारत के स्पष्टता विषयक नॉन–पेपर – अपने एफटीए में स्पष्टता के लिए भारत का दृष्टिकोण
289	सीईसीए पर अभिमत – व्यापार उपचार
290	प्रशासनिक और संस्थागत प्रावधानों पर प्रारूप पाठ
291	विश्व व्यापार संगठन के विवाद निपटान निकाय के समक्ष भारत – चीनी और गन्ना से संबंधित उपाय डीएस579 / डीएस580 / डीएस581
292	आंतरिक अभिमत – विधिक निरसन–10, सरकारी अधिग्रहण संलग्नकों सहित
293	व्यापार और जेन्डर अध्याय पर आभासी मोड में भारत और यूनाइटेड किंग्डम के बीच आयोजित द्विपक्षीय बैठक में चर्चा का रिकार्ड
294	भारत – यूके एफटीए वार्ताएं रू व्यापार और जेन्डर समानता अध्याय हेतु भाषा संबंधी सुझाव
295	आईटीए विवादों के तहत वीसीएलटी के अनुच्छेद 48 से संबंधित विश्वसनीयता पर तर्क–वितर्क के बारे में विशेषज्ञ परामर्श हेतु लॉ फर्मों के अनुरोध पर सीटीआईएल की प्रतिक्रिया
296	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए में विचार हेतु ऑस्ट्रेलिया–यूके एफटीए में ऑस्ट्रेलिया के वीसा कार्यक्रम पर अभिमत
297	भारत–एयू व्यावसायिक सेवाएं संलग्नक पर अभिमत
298	विद्यमान भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ताओं के सेवाओं में व्यापार पर पाठ विषयक अभिमत
299	व्यावसायिक सेवाओं पर प्रारूपी संलग्नक दृ भारत–एयू – 06–01–2022 की यथास्थिति
300	सेवाओं में व्यापार दृ भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के अंतिम परिमार्जित पाठ
301	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के व्यापार उपचार अध्याय का परिमार्जित संस्करण
302	व्यापक आर्थिक सहयोग करार पर वार्ता
303	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए पर अभिमत–सीपीटीएफ अध्याय पर अभिमत–प्रथम परिमार्जित संस्करण
304	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए के शीर्षक पर मंत्री हेतु सीटीआईएल द्वारा तैयार का सारांश का प्रारूप
305	आरओओ पाठ के भाग–ए और पीएसआर अनुसूची के परिमार्जन पर अभिमत
306	अनुलग्नक–4ठ – उत्पाद विशेष हेतु नियमावली पर अभिमत

307	दूरसंचार सेवाओं पर अभिमत
308	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के बारे में 'आगामी वार्ताओं' पर आर्टिकल पर सीटीआईएल के अभिमत
309	अनुलग्नक 8एफ भाग A – ऑस्ट्रेलिया की अनुसूची – 24 फरवरी का प्रस्ताव – एफएलएस और आईएलएस परिमार्जित
310	भारत – ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार करार (प्रमुख प्रावधान और विवाद)
311	भारत–यूके ईटीपी के तहत प्रस्तावित बौद्धिक संपत्ति अध्याय पर सीटीआईएल के अभिमत
312	सेक्शन जी – डिजाइन अनुच्छेद जी.1 पंजीकृत औद्योगिक डिजाइनों का संरक्षण
313	यूके ईटीपी एसपीएस सारांश द्वितीय दौर (सत्र 1 और 2)
314	भारत की वचनबद्धता अनुसूची के लिए सेवाओं में व्यापार पर सीईसीए वार्ताओं के स्पष्टीकरण नोट के तहत ऑस्ट्रेलिया को भारत के प्रस्तावों की अनुसूची
315	भारत के टैरिफ अनुसूची हेतु टैरिफ वचनबद्धताओं के सेक्शन 2ए के नोट
316	भारत ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार करार के पाठ की संरचना पर अभिमत
317	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के बारे में वित्तीय अनुलग्नकों का विधिक परिमार्जन
318	विवाद निपटान (परिमार्जन पूरा किया गया 8 मार्च)
319	पारदर्शिता – (परिमार्जन पूरा किया गया 1 मार्च)
320	वित्तीय सेवाएं अनुलग्नक 8ए (परिमार्जन पूरा किया गया 17 मार्च)
321	सीईसीए – परिणामी प्रलेख – परिमार्जन 17 मार्च
322	एल एन्ड एस अभिमत और भारत –ऑस्ट्रेलिया परिमार्जित संस्करणों की तुलना
323	सेवाओं में व्यापार (अद्यतन परिमार्जन 21 मार्च)
324	उत्पाद विशेष हेतु उद्‌गम नियमावली
325	विधिक परिमार्जन परिणामी प्रलेख – 21 मार्च
326	व्यावसायिक सेवाएं अनुलग्नक – परिमार्जन – 17 मार्च
327	विदेशी निवेश व्यवस्था
328	वास्तविक व्यक्तियों का अस्थायी आवागमन (परिमार्जन पूरा किया गया 9 मार्च)
329	वास्तविक व्यक्तियों का अस्थायी आवागमन पर विशिष्ट अभिमतों हेतु ऑस्ट्रेलिया की अनुसूची
330	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के बारे में 'विशिष्ट–समीक्षा' विषयक आलेख निरूपण पर सीटीआईएल के सुझाव
331	भारत–ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय व्यापार करार
332	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के तहत एसपीएस पर उप समिति और एसपीएस कार्यकारी समूह के बीच कार्यचालन को स्पष्ट करने के लिए निरूपण पर सुझाव
333	ऑस्ट्रेलिया हेतु 'सीमाशुल्क प्राधिकरण' की परिभाषा के अभाव विषय पर सीटीआईएल के अभिमत
334	8बी–अनुलग्नक दृ दूरसंचार सेवाएं (परिशिष्ट) पर सीटीआईएल के अभिमत
335	भारत टीएन पर समेकित प्रलेख जो भारत–ऑ सीईसीए के परिमार्जित पाठ को वापस लेने के लिए है
336	8ए एफएस अनुलग्नक दृ एयू प्रस्ताव दृ परिमार्जन पूर्व (भारत परिमार्जित प्रस्ताव) पर सीटीआईएल के अभिमत
337	उद्‌गम नियमावली पर सीटीआईएल के अभिमत
338	पेन्शन संबंधी अपवादों के बारे में सर्विस ट्रैक की ईमेल
339	विधिक परिमार्जन मुद्दों पर सीपीटीएफ लीड के लिए प्रारूप ईमेल
340	भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच प्रस्तावित अंतरिम करार में उत्पाद विशिष्ट नियमावली पर ऑस्ट्रेलिया के प्रस्ताव पर सीटीआईएल का अभिमत
341	सीमाशुल्क पद्धतियां और व्यापार सुविधा पर सीटीआईएल के अभिमत
342	स्वच्छता और फाइटोसेनिटरी पर सीटीआईएल के अभिमत
343	8बी दूरसंचार पर सीटीआईएल के अभिमत (अनुलग्नक)
344	विधिक और औद्योगिक व्यवस्था हेतु भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए में बकाया मुद्दों पर सीटीआईएल के अभिमत / आगामी स्थिति
345	परिभाषाओं पर टीआईजी की ट्रैक लीड के लिए ईमेल
346	सीईसीए पर अभिमत – व्यापार उपचार – एयू का योगदान – अंतिम – क्लीयर्ड
347	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए वार्ताएँ (प्रारूप पाठ)
348	क्षेत्र के बारे में ऑस्ट्रेलिया की परिभाषा और उसकी एफटीए की तुलना

349	भारत–यूएई सीईपीए पर एल एन्ड टी अभिमतों पर नोट
350	यूएई के लिए सिंगापुर ब्लॉक
351	भारत–यूएई सीईपीए पाठ पर भारत के समेकित अभिमत
352	भारत–ऑस्ट्रेलिया सीईसीए के बारे में व्यापार उपचारों के अध्याय हेतु भारत और ऑस्ट्रेलिया की नीति और दृष्टिकोण की तालिकाबद्ध तुलना
353	आरओओ अनुलग्नक (भारत–यूएई सीईपीए अनुलग्नक 3ए न्यूनतम अपेक्षित जानकारी 220111)
354	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ता प्रारूप पाठ प्रशासनिक और संस्थागत प्रावधान
355	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ता प्रारूप पाठ पारदर्शिता अध्याय
356	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ता प्रारूप पाठ सामान्य अपवाद
357	भारत–ऑस्ट्रेलिया एफटीए वार्ता प्रारूप पाठ आरंभिक प्रावधान
358	चीनी डीएस 491 (संयुक्त राज्य – इंडोनेशिया से कतिपय कोटेड (इंडोनेशिया) पेपर विषयक डंपिंग रोधी और प्रतिकारी उपाय)
359	डीएस579: भारत – चीनी और गन्ने के विषय में उपाय (ब्राजील)
360	डीएस580: भारत – चीनी और गन्ने के विषय में उपाय (ऑस्ट्रेलिया)
361	डीएस581: भारत – चीनी और गन्ने के विषय में उपाय (गुआटेमाला)
362	डीएस585: भारत – संयुक्त राज्य से कतिपय उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क (संयुक्त राज्य)
363	अंतरिम रिपोर्ट की समीक्षा हेतु शिकायतकर्ता के अनुरोध पर सीटीआईएल के अभिमत
364	डीएस582 भारत – सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कतिपय वस्तुओं पर टैरिफ ट्रीटमेन्ट (शिकायतकर्ता – यूरोपियन संघ)
365	डीएस579–581 भारत – चीनी और गन्ना विषय पर अपीलीय दावों की तैयारी में बचाव और सहायता
366	डीएस592 इंडोनेशिया कच्चे माल से संबंधित उपाय विषय पर भारत के तृतीय पक्ष अनुरोध तैयार करने में सहायता
367	डीएस588 भारत – सूचना और संचार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में कतिपय वस्तुओं पर टैरिफ ट्रीटमेन्ट (शिकायतकर्ता – चाइनीज ताइपेइ)
368	डीएस584 भारत – कतिपय वस्तुओं पर टैरिफ ट्रीटमेन्ट (शिकायतकर्ता दृ जापान)
369	डीएस592 इंडोनेशिया कच्चे माल से संबंधित उपाय विषय पर प्रथम प्रमुख बैठक में भारत के तृतीय पक्ष मौखिक वक्तव्य तैयार करने में सहायता
370	यूएस और कनाडा के मुक्त व्यापार करार पर सीटीआईएल का अध्ययन
371	डिजिटल सेवा टैक्सों पर तर्क–वितर्क : धारा–301 की कार्रवाई के आपदाएं और प्रणालीबद्ध लागत
372	नैटको विरुद्ध बेयर : भारतीय पेटेन्ट प्राधिकरण ने अपना सर्वप्रथम अनिवार्य लाइसेन्स फार्मास्युटिकल उत्पादों के लिए दिया
373	फाल्टा विशेष आर्थिक जोन, पश्चिम बंगाल के कार्यचालन पर अध्ययन की आरंभिक आउटलाइन
374	रिपोर्ट – विशाखापटनम विशेष आर्थिक जोन पर अध्ययन
375	रिपोर्ट – कोच्चि विशेष आर्थिक जोन पर अध्ययन
376	भारत में वस्तु वाहकों हेतु कानूनों में संशोधन हेतु संकल्पना नोट और कार्रवाई योजना
377	विश्व व्यापार संगठन में सागर–आधारित अर्थव्यवस्था को बरकरार रखने के लिए मत्स्य सब्सिडी पर विषयों की वार्ता
378	ट्रेडलैब क्लिनिक, एनएलयू जोधपुर – अपीलीय निकाय संकट का समाधान करने के लिए अनुच्छेद 25डीएसयू की व्यवहार्यता पर सीटीआईएल रिपोर्ट
379	विशेष आर्थिक जोनों की पुनर्रचना विषयक अध्ययन
380	विशेष आर्थिक जोनों पर संशोधित अंतिम रिपोर्ट
381	विशाखापटनम विशेष आर्थिक जोन पर संशोधित अंतिम रिपोर्ट
382	एफटीए में निवेश संबंधी अध्यायों पर सीटीआईएल का अध्ययन
383	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स (कुशलता, विकास, पूर्वानुमानयोग्यता और सुरक्षा) विधेयक (पीपीटी)
384	अनवरत और कुशल लॉजिस्टिक्स हासिल करने के लिए वेयरहाउसिंग और संबंधित परिसंपत्तियों के मानकीकरण हेतु संस्तुतिपरक दिशानिर्देशों पर अभिमत और सुझाव

समारोहों /बैठकों और अन्य कार्यक्रमों की सूची

क. डब्ल्यूटीओ और अन्य व्यापार–सम्बद्ध मुद्दों पर आयोजित साझीदार परामर्श

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम
1	माननीय वित्त मंत्री, हेतु सारांश – बेहतर पर्यावरणीय परिणामों के लिए भारत सरकार के टैक्स और आर्थिक सहायता सुधार रू कार्यान्वयन की चुनौतियां
2	रबर अधिनियम, 1947 में संशोधनों के लिए रबर बोर्ड और वाणिज्य विभाग के साथ परामर्श
3	चाय वेयरहाउस एसोसिएशनों, चाय निर्यातक एसोसिएशनों, चाय क्रेता एसोसिएशन और नीलामी आयोजकों के साथ चाय अधिनियम, 1953 की समीक्षा हेतु साझीदारों के साथ परामर्श
4	भारत में फार्मा – मेडटेक क्षेत्र में शोध और विकास तथा नवोन्मेष को कैटालाइज करने के लिए नीति पर कैबिनेट नोट का प्रारूप
5	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक विधेयक पर द्वितीय अंतर–मंत्रालयीन प्रारूपण समिति की बैठक
6	राष्ट्रीय लॉजिस्टिक विधि पर परामर्श पत्र पर अंतरमंत्रालयीन बैठक
7	भारत–यूके ईटीपी के तहत व्यापार उपचारों के बारे में उद्योग से दृष्टिकोण और सुझाव प्राप्त करने के लिए टीपीडी (नियमावली डेस्क), वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित साझीदार परामर्श (आभासी)। उद्योग के लिए चिंताजनक व्यापार उपचार अध्यायों और अन्य संभावित क्षेत्रों के संबंध में यूके एफटीए पर सीटीआईएल ने एक प्रस्तुति की।

ख. घरेलू क्षमता निर्माण, आउटरीच और प्रसरण हेतु आयोजित बैठकें

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	साझेदार संगठन	तारीख / माह
1	सरकारी पदाधिकारियों हेतु डीईए–सीटीआईएल कार्यपालक प्रशिक्षण कार्यक्रम दृ'निवेश संधियां और निवेश – राज्य विवाद निपटान प्रणाली विषय पर'	आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय	28–30 अप्रैल 2021
2	'दि ईयू सीबीएएम प्रस्ताव : आप्शन्स, इम्प्लीकेशन्स एन्ड दि वे फॉरवर्ड' पर चर्चा सत्र	साउथ एशिया इन्टरनेशनल इकोनॉमिक लॉ नेटवर्क, एसएआईईएलएन	26 जुलाई 2021
3	सीटीआईएल पत्रिका की शुरूआत (चौथा वर्षगांठ अंक)	–	30 जुलाई 2021
4	निम्नलिखित पर चार प्रशिक्षण सत्र (श्री आशीष चांदोरकर, काउंसलर, पीएमआई, जेनेवा हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान) : (1) औद्योगिक आर्थिक सहायता और भारत का आर्थिक सहायता कार्यक्रम; (2) निवेश और आइएसडीएस; (3) भारत में मानक इकोसिस्टम; और (4) भारत के व्यापारिक विवाद	–	17 अगस्त 2021
	'सुरक्षा अपवाद और डब्ल्यूटीओ' पर चर्चा सत्र	डीपीआईआईटी चेयर ऑन आईपीआर, सीआईपीआरए, नैशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी	25 सितम्बर 2021
5	'12वां डब्ल्यूटीओ मंत्रालयीन सम्मेलन : विकासशील देशों के लिए इसमें क्या है' पर बेबिनार	–	20 नवम्बर, 2021
6	ऑस्ट्रेलिया–भारत मुक्त व्यापार समझौता सम्मेलन 2021	–	23–24 नवम्बर, 2021
7	भारत से डब्ल्यूटीओ, व्यापार और निवेश विधि केन्द्र और व्यापार और आर्थिक एकीकरण केन्द्र और दि ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट और भारत के स्थायी मिशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह	पर्मानेन्ट मिशन ऑफ इंडिया टू दि डब्ल्यूटीओ एन्ड सेन्टर फॉर ट्रेड एन्ड इकोनॉमिक इन्टीग्रेशन और दि ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट	26 नवम्बर, 2021
8	विधि और नीति पर 10वां वार्षिक सम्मेलन सम्मेलन – 72वां संविधान दिवस	आईएनबीए	26–27 नवम्बर, 2021
9	अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों में विवाद निपटान : भावी मार्ग	(सीएडीआर), आरजीएनयूएल	10–11 फरवरी 2022
10	इन्टरनेशनल इकोनॉमिक लॉ : टेक्स्ट, केसेस एन्ट मैटीरियल नामक पुस्तक का विमोचन	–	25 फरवरी 2021
11	'12वां डब्ल्यूटीओ मंत्रालयीन सम्मेलन : विकासशील देशों के लिए इसमें क्या है' पर बेबिनार	–	20 नवम्बर, 2021
12	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर में सीटीआईएल ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के हेमंत सत्र के दौरान ट्रेडलैब क्लिनिक का संचालन किया	नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर (एनएनयूजे)	दिसम्बर 2021
13	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर में सीटीआईएल ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के बसंत सत्र के दौरान ट्रेडलैब क्लिनिक का संचालन किया	नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर (एनएनयूजे)	दिसम्बर 2021
14	गुजरात मैरिटाइम यूनिवर्सिटी (जीएमयू) में सीटीआईएल ने ट्रेडलैब क्लिनिक का आयोजन शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के बसंत सत्र के दौरान किया	गुजरात मैरिटाइम यूनिवर्सिटी (जीएमयू)	मार्च 2022 (चल रहा है)
15	गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर में सीटीआईएल ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के बसंत सत्र के दौरान ट्रेडलैब क्लिनिक का संचालन किया (चल रहा है)	गुजरात नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, गांधीनगर (जीएनएलयू)	मार्च 2022 (चल रहा है)
16	नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर में सीटीआईएल ने शैक्षणिक वर्ष 2021–22 के बसंत सत्र के दौरान ट्रेडलैब क्लिनिक का संचालन किया (चल रहा है)	नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर (एनएनयूजे)	मार्च 2022 (चल रहा है)

निगमित संबंध एवं नियोजन प्रभाग

अंतिम नियुक्तियां – एमबीए (आईबी) 2020–22 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने अपने सर्वप्रमुख एमबीए (आईबी) कार्यक्रम के 2020–22 बैच के लिए अंतिम प्लेसमेन्ट कार्यक्रम को संपन्न किया। प्लेसमेन्ट चक्र में 82 कंपनियों ने हिस्सा लिया, 2020–22 के लिए 100 प्रतिशत प्लेसमेन्ट हुआ। इसमें प्रतिवर्ष औसत सीटीसी ₹25.16 वार्षिक रही और मीडियन सीटीसी ₹24 लाख वार्षिक रही। इसमें प्रदान की गई उच्चतम अंतरराष्ट्रीय सीटीसी ₹80 लाख वार्षिक रही जबकि उच्चतम घरेलू सीटीसी ₹46.5 लाख वार्षिक रही। इस बैच के शीर्ष 25% विद्यार्थियों को प्राप्त औसत सीटीसी ₹34.3 लाख वार्षिक रही।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को देश में निरंतर ही उच्चकोटि के नियोजकों के प्रमुख गन्तव्य का रैंक दिया जाता है, जिसका कारण है इसका परिश्रमपूर्ण अध्ययन पाठ्यक्रम, प्रतिस्पर्धी बैच और कार्पोरेट प्रतिस्पर्धा में इसका उत्कृष्ट ट्रैक रिकार्ड। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान विख्यात ब्रान्डों के साथ नए संबंध बनाता है जिनमें अन्य के साथ–साथ एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, एशियन पेन्टस एयू लघु वित्त बैंक, कारदेखो, डेल टेक्नोलॉजीस, डेलॉयट, इमामी, ईवाइ, एचसीसीबी, जियो प्लेटफॉर्म्स मार्स, नारायण हेल्थ, एनएफआईएल, न्यूक्लीयस सॉफ्टवेयर, आप्टम, आरबीएल बैंक, सीयर्स, स्टेट स्ट्रीट, उड़ान, अनेकाडमी शामिल हैं।

इस प्लेस्मेन्ट सत्र में अत्यधिक मांग वाले परामर्शी डोमेन में दिए जाने वाले प्रस्तावों में बढ़ोतरी रही – प्रबंधन परामर्शदाता प्रस्तावों में 100: बढ़ोतरी रही। अन्य के साथ–साथ एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, डेलॉयट कंसल्टिंग, ईवाई, इनफोसिस, मैकिन्से एन्ड कंपनी, आप्टम एडवायजरी, शंगरीला कार्पोरेट सर्विसेज, थाउसेन्ट्रिक, विप्रो, जेडएस एसोसिएट्स ने सर्वाधिक उच्चतम 25% प्रस्ताव दिए।

वित्त का डोमेन प्रमुख नियोजकों में बना रहा जैसे कार्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, वेल्थ मैनेजमेन्ट, इक्विटी रिसर्च और फिनटेक, जिन्होंने इस बैच में 23% प्रस्ताव दिए। इस डोमेन के प्रमुख नियोजकों में आने वाले कुछ नाम सिटीबैंक, क्रिसिल, डीई शॉ, गोल्डमैन साक्स, एचडीएफसी बैंक, एचएसबीसी, आईसीआईसीआई बैंक, जेपी मोर्गन चेस एन्ड कम्पनी, स्टेट स्ट्रीट, सायनर्जी कन्सलटिंग और यस बैंक के रहे।

सेल्स और मार्केटिंग डोमेन में 21% प्रस्ताव मिले और इसमें नए नियोजकों यथा एशियन पेन्टस इमामी, एचसीसीबी, मार्स के अलावा बजाज आटो, सिप्ला, डाबर, जीएसके, आईटीसी, ला'ओरियल, पेटीएम, आरपीजी ग्रुप, सिग्नीफाय, टीसीपीएल के नाम प्रमुख रहे, जिन्होंने काफी बड़ी संख्या में नियोजन देना बरकरार रखा।

अत्यधिक मांग वाले सामान्य प्रबंधन और रणनीति डोमेन में भी 10% प्रस्ताव मिले, नियोजकों में एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, जीपीएल, जेएसडब्ल्यू, नारायण हेल्थ, रिलायन्स और स्टेट स्ट्रीट के नाम शामिल हैं। व्यापार और परिचालनों में 5% की बढ़ोतरी रही जिसमें ग्लोबल मैनेजमेन्ट ट्रेनीज के लिए प्रस्ताव मिले। ईटीजी, ऑफबिजनेस, ओलम एग्रो, टाटा स्टील, ट्राफिगरा, वैरोक जैसे विख्यात नियोजकों ने अपने प्रस्ताव दिए।

उत्पाद प्रबंधन और आईटी / विश्लेषक डोमेन भी क्रमश: 9% और 7% प्रस्तावों के साथ आकर्षक बने रहे। इसमें बृहद तकनीकी कंपनियों और स्टार्टअप जैसे कि कारदेखो, एपिकिनडायफाय, ईएक्सएल, गेम्स 24X7, गूगल, गो–एमएमटी, जियो प्लेटफॉर्म्स हेक्सावेयर, माइक्रोसॉफ्ट, न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर, सीयर्स, अनएकाडमी, वॉक्सको और कई अन्य की मिश्रित सहभागिता रही।

अर्थव्यवस्था को मजबूती की लहर के प्रवाह में पारंपरिक नियोजकों जैसे कि एक्सिस बैंक, बजाज आटो, सिटीबैंक, ईटीजी, गोदरेज, गोल्डमैन साक्स, गूगल, आईटीसी, जेपी मॉर्गन चेस एंड कम्पनी, ला'ओरियल, माइक्रोसॉफ्ट, ओलेम, आरपीजी ग्रुप, टाटा स्टील, विप्रो और जेडएस एसोसिएट्स ने काफी संख्या में अभ्यर्थिंयों को लिया, जो भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के साथ उनके सम्पर्क में निहित भरोसे को प्रदर्शित करता है।

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेन्ट्स् – एमबीए (आईबी) 2021–23 बैच

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने अपने सर्वप्रमुख एमबीए (आईबी) कार्यक्रम के 2021–23 बैच के लिए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेन्ट को सम्पन्न किया। इस प्लेसमेन्ट चक्र में 121 कंपनियों से सहभागी आए। इसमें औसत ₹2.04 लाख (2 माह के लिए) के औसत वजीफे और ₹2 लाख (2 माह के लिए) के मीडियन वजीफे के प्रस्ताव दिए गए। प्रस्तावित उच्चतम वजीफा ₹4 लाख (2 माह के लिए) का था। इस बैच के शीर्ष 25% का औसत वजीफा ₹3.13 लाख (2 माह के लिए) रहा।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को देश में उल्लेखनीय नियोजकों का प्रमुख गन्तव्य माना जाता रहा है, जिसका कारण है इसका परिश्रमपूर्ण अध्ययन पाठ्यक्रम और कार्पोरेट प्रतिस्पर्धा में इसका उत्कृष्ट ट्रैक रिकार्ड। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान विख्यात ब्रान्डों के साथ नए संबंध बनाता है जिनमें अन्य के साथ–साथ एवेन्डस कैपिटल, एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, अमेजन, बार्कलेज, कार्स24, डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, फिनआईक्यू, ल्यूब्रिजॉल, लिसियन, एमटीआर, आप्टम, पिडीलाइट, स्टेट स्ट्रीट, ट्रेसविस्टा, ट्राइडेन्ट ग्रुप शामिल हैं।

अत्यधिक मांग वाले विक्रय और विपणन डोमेन में प्राप्त प्रस्तावों की संख्या सर्वाधिक रहे ये कुल प्रस्तावों का 30% रहे। उल्लेखनीय संगठनों में अन्य के साथ–साथ सिप्ला, डाबर, गोदरेज कन्ज्यूमर प्रोडक्ट लिमिटेड, जीएसके, हिन्दुस्तान यूनिलिवर, आईटीसी,

ल'ऑरेल, मार्स, आरपीजी, टीसीपीएल, टाइटन शामिल थे। इस डोमेन में नए सम्पर्क भी विकसित किए गए जिनमें पिडीलाइट, लिसियस, लुब्रिजॉल और ट्राइडेन्ट जैसे उल्लेखनीय नियोजक शामिल हैं।

कार्पोरेट ट्रेजरी, निवेश बैंकिंग, जोखिम प्रबंधन, वेल्थ प्रबंधन, इक्विटी अनुसंधान और फिनटेक में भूमिकाओं के लिए वित्त का डोमेन प्रमुख नियोजक के रूप में बरकरार रहा, इसने बैच के 21% को अपने प्रस्ताव दिए। इस डोमेन में प्रमुख नियोजकों में एवेन्डस कैपिटल, बार्कलेज, बोस्टन साइनटिफिक, सिटीबैंक, क्रिसिल, डी. ई. शॉ, गोदरेज हाउसिंग फाइनान्स, गोल्डमैन साक्स, एचएसबीसी, जेपीमोर्गन चेस एन्ड कं., ल'ऑरेल, डॉ. रेड्डीज लैबोरेट्रीज, साइनर्जी कन्सलटिंग और यस बैंक कुछ एक नाम हैं।

इस प्लेसमेन्ट सत्र में अत्यधिक मांग वाले परामर्श डोमेन में आने वाले प्रस्तावों में बढ़ोतरी रही। प्रधान परामर्शदाता फर्मों में एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी, कॉगनीजेन्ट, ईवाई, मेकिन्से एन्ड कम्पनी, आप्टम एडवाइजरी, रेडकोर, विप्रो, शामिल रहे इसमें कुल प्रस्तावों में से 15% को आकर्षित किया।

प्रख्यात सामान्य प्रबंधन और रणनीति डोमेन में भी 12% प्रस्ताव प्राप्त हुए जो अन्य के साथ–साथ आदित्य बिरला समूह, एक्सिस बैंक, सिप्ला, कारदेखो, कवर जीनियस, एक्सपेरियन, आईसीआईसीआई बैंक, गोदरेज प्रापर्टीज लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू, महिन्द्रा ग्रुप, सेल्सफोर्स, स्टेट स्ट्रीट, विक्रम सोलर जैसी कंपनियों से मिले।

व्यापार और परिचालनों में 5: की बढ़ोतरी रही, इसमें प्रबंधन प्रशिक्षुओं के लिए प्रस्ताव दिए गए। इसमें अमेजन, फ्लिपकार्ट, सीओएफसीओ, ऑफबिजनेस, ओलम एग्रो, टाटा स्टील, वेलस्पन ने प्रस्ताव दिए।

आईटी / विश्लेषक और उत्पाद प्रबंधन डोमेन भी क्रमश: 10% और 7% प्रस्तावों के साथ आकर्षक बने रहे। इसमें पारंपरिक नियोजकों और प्रथम बार सम्पर्क करने वाले सहभागियों का मिश्रण रहा। भारतीय विदेश व्यापार संस्थान को अमेजन, केपगेमिनी, कार देखों, कार्स24, कॉगनीजेन्ट, एपिकनडीफाइ, हेक्सावेयर, माइक्रोसॉफ्ट, ऑफबिजनेस जैसी कंपनियों और कई अन्य की मेजबानी का अवसर मिला।

कार्यस्थलों पर सामान्य हालात की वापसी के साथ ही पारंपरिक नियोजकों जैसे कि एक्सिस बैंक, बजाज ऑटो, डीई शॉ एन्ड कं., फ्लिपकार्ट, गोदरेज, गोल्डमैन साक्स, आईटीसी, जेपी मार्गन चेस एन्ड कम्पनी, ल'ऑरेल, महिन्द्रा ग्रुप, माइक्रोसॉफ्ट, ऑलेम, आरपीजी ग्रुप, टाटा स्टील, उड़ान, विप्रो ने काफी बड़ी ससंख्या में अभ्यर्थियों का चयन किया जो भारतीय विदेश व्यापार संस्थान द्वारा दिए जाने वाले विद्यार्थियों की गुणवत्ता का एक साक्ष्य है।

विद्यार्थियों की गतिविधियां 2021-22

दिल्ली परिसर

सन 2021–22 का शैक्षणिक वर्ष पुनः सर्वाधिक अप्रत्याशित और चुनौतीपूर्ण रहा जिसका सामना आईआईएफटी दिल्ली के विद्यार्थियों ने किया। ऑनलाइन कक्षाओं से यह तो सुनिश्चित हो गया कि विद्यार्थी अपने अध्ययन में कुछ भी गंवा नहीं रहे, लेकिन चुनौती यह रही कि गैर–शैक्षणिक समारोहों को किस प्रकार से आयोजित किया जाए कि वे ऑफलाइन अनुभव के जैसे ही लगें। ड्यूक एलिंग्टन की उक्ति है – 'कठिनाई एक ऐसा अवसर होती है कि आप अपना सर्वोत्तम करें' इसी से प्रेरणा लेते हुए सभी विद्यार्थी निकायों और संबंधित प्राधिकारियों ने समारोहों की एक पूरी शृंखला के ऑनलाइन संचालन का दृढ़संकल्प कर लिया। इन समारोहों के विवरण निम्नानुसार हैं –

1. टेडएक्स
2. फास्टलाइन
3. क्वो वाडिस
4. नेशनल एडवर्टाइजिंग कॉन्क्लेव
5. केआस@कैम्पस
6. होली–मिलन

1. टेडएक्स

टेडएक्स आईआईएफटीदिल्ली का आयोजन मीडिया कमेटी ने 15 जनवरी 2022 को आईआईएफटी दिल्ली में आभासी मोड में किया। यह दिन शानदार वक्ताओं का रहा, इनमें से नौ वक्ताओं ने अपनी प्रेरक कहानियों, विचारों और धारणाओं को साझा किया। हमें सौभाग्य से अवसर मिला कि विविधतापूर्ण पृष्ठभूमि वाले ऐसे प्रभावी विचारकों के साक्षी बने, जो अपने–अपने कार्यक्षेत्र में आश्चर्यजनक काम कर रहे हैं यथा दृ महिलाओं और जेन्डर समानता के पक्षधरों, अपनी समाज–सेवा से प्रभावित करने वालों, राजनैतिक विश्व में प्रभावों का सृजन करने वालों से लेकर लेखकों और ब्लॉगर्स तक के विचार हम जान सके।

2. फास्टलेन

स्पोर्टस समिति द्वारा जनवरी और फरवरी के दौरान सप्ताहांतों में फास्टलाइन का संचालन किया गया। इस शृंखला में क्विज नाइट्स और प्रचलित ऑनलाइन खेलों जैसे कॉल ऑफ ड्यूटी मोबाइल, शतरंज और पोकर शामिल किए गए।

3. क्वो वाडिस

वार्षिक सांस्कृतिक और प्रबंधन का आयोजन दो चरणों यथा – 18–20 फरवरी और 24–25 फरवरी 2022 में किया गया। इसमें 15 इन्टर–कॉलेज प्रबंधन समारोह हुए जिसमें देश भर के 14000+ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें सेक्शन वार्स से लेकर संगीत और कॉमेडी नाइट्स जैसे इन्टर कॉलेज सांस्कृतिक समारोहों का पिटारा मौजूद था।

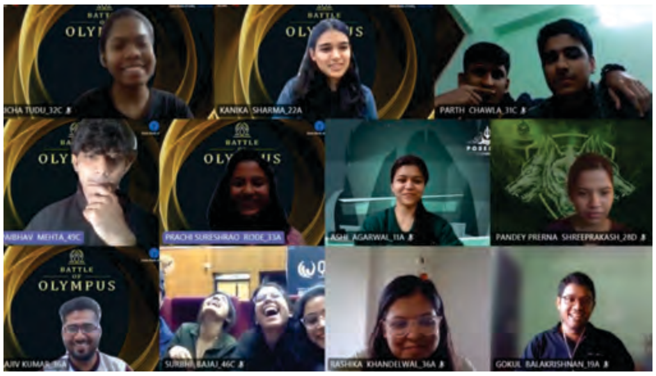

4. राष्ट्रीय विज्ञापन गोष्ठी

आईआईएफटी दिल्ली की मार्केटिंग सोसायटी ने राष्ट्रीय विज्ञापन गोष्ठी अंतरंग 2022 की शानदार प्रस्तुति की। इस दो दिवसीय अनुवृत्त में भावी व्यवसायियों को विज्ञापन जगत का अन्वेषण किया और अपनी सृजनात्मक क्षमता के निर्बाध प्रदर्शन का अवसर मिला।

इस गोष्ठी में ब्रान्ड मैनेजमेन्ट और विज्ञापन पर चित्ताकर्षक कार्यशालाएं शामिल की गईं, जिनका आयोजन इन क्षेत्रों के सिद्धहस्त लोगों द्वारा किया गया। विद्यार्थियों को भी विपणन और विज्ञापन के इर्दगिर्द चलने वाले रोचक प्रतियोगिताओं में एक दूसरे से प्रतिस्पर्धा का मौका मिला।

5. केआस@कैम्पस

स्पोर्टस समिति ने 4 और 5 मार्च 2022 को इस बैच का पहला ऑफलाइन समारोह केआस/कैम्पस आयोजित किया। अपने नाम के मुताबिक ही यह इतना हंगामेदार रहा जितना हो सकता था। ये तीन दिन आनंद से भरे हुए थे; टेबल टेनिस, बैडमिन्टन, कैरम, शतरंज, बास्केटबॉल, क्रिकेट और फुटबाल में 150+ पंजीकरण हुए।

6. होली

लगभग दो साल की नीरवता के बाद होली के दिन रंगों की बौछार और उमंग भरे समारोह ने आईआईएफटी को सजीव कर दिया। बास्केटबॉल का कोर्ट होली के हुड़दंग, संगीत, उल्लास और ठहाकों के रंगमंच में बदल गया। उलझे बालों में गुलाल भर गया और कपड़ों में लगे लाल, नीले, गुलाबी और बैंगनी रंगों ने विद्यार्थियों के अलसाए चेहरों को चमक से भर दिया। विशेष अल्पाहार और जलपान इस दिन की खासियत रहे।

कोलकाता परिसर में विद्यार्थियों की गतिविधियां

तर्क–वाद : भारत के 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर लीडरशिप सेल ने पब्लिक पॉलिसी क्लब के सहयोग से तर्क वाद का आयोजन किया, यह एक संसदीय बहस प्रतियोगिता थी जिसमें प्रस्ताव रखा गया – 'गैर–रणनीतिक क्षेत्रों के निजीकरण से भारत की दीर्घावधिक आर्थिक महत्त्वाकांक्षा को समर्थन मिलेगा'।

सरकार के पक्ष का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री की भूमिका का अभिनय राघव चौधरी और उप प्रधानमंत्री की भूमिका का अभिनय भावांशु सैनी ने निभाते हुए विपक्ष के समक्ष एक प्रस्ताव रखा, विपक्ष के नेता की भूमिका का अभिनय वाई. राहुल राज ने और विपक्ष के उप–नेता की भूमिका का अभिनय राघव झावर ने किया।

इसके बाद विपक्ष के कार्यकारी उप–नेता ने प्रस्ताव के सर्वोत्तम विखंडन के लिए पुरस्कार प्राप्त किया और श्रोताओं की तरफ से सर्वोत्तम प्रश्न का पुरस्कार अंकित कुमार को मिला।

डीप ड्राइव : डीप ड्राइव सत्र 1 आलेख लेखन प्रतियोगिता है जिसमें विद्यार्थियों को विपणन के नए क्षेत्रों में व्यापक शोध करने और अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का मौका मिलता है। विद्यार्थियों से अपेक्षा की जाती है कि वे दिए गए विषय पर 1000–1200 शब्दों में अपना लेख प्रस्तुत करें।

विपणन, थ्रू दि आईस ऑफ दि स्टिग्मेटाइज्ड।

दि राइज ऑफ निश मार्केटिंग – दि मूव टूवार्डस् मास कस्टमाइजेशन

दि डार्क साइड ऑफ मोबाइल एप्प एडॉप्शन : एक्जामिनिंग दि इम्पैक्ट ऑन कस्टमर्स मल्टीचौनल पर्चेज।

अनसर्टेनिटी इवोक्स कन्ज्यूमर्स प्रेफरेन्स फॉर ब्रान्डस इन्कॉग्रुयेन्ट विद देयर ग्लोबल–लोकल सिटीजनशिप आडेन्टिटी।

अर्थशास्त्र 22

पब्लिक पॉलिसी क्लब आईआईएफटी कोलकाता और कैपिटल – भारतीय विदेश व्यापार संस्थान कोलकाता के फानान्स एन्ड इनवेस्टमेन्ट क्लब ने श्री शुभमय भट्टाचार्जी, भूतपूर्व सिविल सर्वेन्ट और बिजनेस स्टैन्डर्ड में परामर्शदाता सम्पादक; डॉ. आविक सरकार, पीएच.डी., पूर्व प्रमुख डाटा विश्लेषिकी कक्ष, नीति आयोग और इन्टरनेशनल स्कूल आफ बिजनेस में संकाय सदस्य; श्री विवेक जालान, अध्यक्ष, राजकोषीय मामले समिति, दि बंगाल चैम्बर ऑफ कॉमर्स को इस अर्थशास्त्र – केन्दीय बजट के विश्लेषण और चर्चा – में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया। यह भी प्रसन्नता का अवसर रहा कि डॉ. दीपांकर सिन्हा, वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स में विख्यात प्रोफेसर, आईआईएफटी, कोलकाता में शोध प्रमुख इस समारोह में फाइनल पैनेलिस्ट थे और इनके साथ भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में प्रख्यात सह प्रोफेसर डॉ. बिबेक रे चौधरी ने केन्द्रीय बजट 2022–23 अपने अपने विचारों को साझा करने के बाद इस सम्पूर्ण पैनल चर्चा का संचालन किया।

प्रौद्योगिकी में अपने अनुभव का सहारा लेते हुए डॉ. आविक सरकार ने कृषि, खासकर नए–नए लॉन्च हुए 'कृषि ड्रोन' योजना और स्वास्थ्य के क्षेत्र में 'आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन हेल्थ आईडी' में उदीयमान डिजिटल टेक्नोलॉजी के प्रयोग पर चर्चा की। उन्होने बजट में उल्लिखित अतिअनिवार्य डिजिटल यूनिवर्सिटीज के प्रयासों का भी वर्णन किया, जिसका महत्त्व हम सभी इस महामारी के दौरान जान ही चुके हैं। इसके बाद श्री विवेक जालान ने विद्यार्थियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों ही करों में कराधान प्रणाली में मूलभूत परिवर्तनों का परिचय दिया। उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि आजकल कारोबार को बढ़ाने में अनुपालन कितनी सुदृढ़ भूमिका निभा रहा है, यह बात प्रौद्योगिकी के माध्यम से राजस्व में बढ़ोतरी करने पर प्रमुख फोकस रखने के साथ–साथ इनपुट टैक्स क्रेडिट के संदर्भ में कही गई। इसके बाद श्री शुभमय भट्टाचार्जी ने केन्द्रीय बजट में व्यय पद्धति पर अलग ही दृष्टिकोण रखते हुए अद्वितीय प्रकार के मूल्यवान विचार प्रस्तुत किए, इसमें यह आलोचनात्मक विश्लेषण भी किया गया कि विगत वर्ष की तुलना में न तो इसमें बदलाव हुए और न ही व्यय में बढ़ोतरी हुई। उन्होंने इस महत्त्व का भी उल्लेख किया कि स्थानीय स्तर पर जिम्मेदारी दी जाए तो आबंटित किया गया एक–एक पैसा भी हिसाब में रहेगा। इसके बाद अंत में डॉ. दीपांकर सिन्हा ने पीएम गति शक्ति योजना का गहराई से विश्लेषण किया और अब तक इस परियोजना की जो सीमाएं रहीं उन पर चर्चा की गई। आईआईएफटी कोलकाता के हम लोग इन सभी वक्ताओं के प्रति आभारी हैं कि उन्हों अपने गहन ज्ञान से हमारे दृष्टिकोण को समृद्ध किया।

प्रगति 1.0

आईआईएफटी कोलकाता ने प्रौद्योगिकीय व्यवधान द्वारा प्रगति और नवोन्मेषों की मूलभावना के बारे में दो दिवसीय आभासी सेमिनार प्रगति 1.0 का आयोजन किया।

विगत 10 वर्ष प्रौद्योगिकी की अविचल पूर्वप्रतिष्ठा के साक्षी रहे हैं। यह चाहे कृत्रिम मेधा हो, हायपर–ऑटोमेशन हो या क्लाउड आधारित

प्लेटफॉर्म, प्रौद्योगिकी प्रत्येक वस्तु पर अधिकार करती जा रही है – भुगतान, शिक्षण, शॉपिंग, हेल्थकेयर, यहां तक कि कार्यस्थलों पर भी।

इस वर्ष आईआईएफटी कोलकाता के चार क्लबों और सेलों : फार्मा सेल, विपणन शोध कक्ष, इन्टरनेशनल ट्रेड क्लब और काउसिलिंग एन्ड स्ट्रेटेजी क्लब मिलकर प्रगति को लेकर आगे आए, यह ऐसी गोष्ठी है जो विद्यार्थियों और उद्योग के महारथियों का सम्मेलन कराती है, जिसमें अब तक हुए डिजिटल व्यवधान की यात्रा में अपने अनुभवों को और भावी प्रत्याशाओं को साझा करते हैं।

इस समारोह में वक्ता :

श्री श्रीकांत श्रीनिवासन – एवीपी एन्ड हेड, रिटेल एन्ट कन्ज्यूमर गुड्स

श्री वासु मित्तल – डिजिटल स्ट्रेटेजिस्ट, अपग्रेड

श्री आशीष मेंदीरत्ता – फाउन्डर, एसआईएमएसए, को–फाउन्डर, एडवान्चेन्ज

श्री मिहिर अजित शाह – एडवाइजर, कन्सलटेन्ट एन्ट ट्रेनर इन्टरनेशनल बिजनेस

श्री अजेय बंद्योपाध्याय – एशिया – क्लाइमेट चेन्ज लीड, आईएफसी (विश्व बैंक समूह)

श्री ऋषव वर्मा – प्रोजेक्ट लीडर, बोस्टन कन्सलटिंग ग्रुप

श्री आशुतोष धर – सप्लाई चेन डायरेक्टर, बीडी

श्री निशांत कुमार – चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर सावी

इनफिनीति

इनफिनीति 2021 – यह भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की वित्तीय सोसायटी – फिनसोक–आईआईएफटी का छमाही क्रोनिकल है। यह संस्करण ऐसे बहुत ही महत्त्वपूर्ण समय पर सामने आया है जब यह विश्व महामारी के व्यवधान के कारण बदल गया है। सरकार के बुद्धिमत्तापूर्ण उपायों, उद्योग अग्रणियों द्वारा असाधारण प्रयासों और वित्तीय परिवेश के प्रति वित्तीय समर्थकों के आशावादी दृष्टिकोण के कारण इस महामारी के बावजूद भारतीय मौद्रिक व्यवस्था ने बेहतर प्रदर्शन किया। क्या इन कार्यों से वित्तीय समर्थकों का अभिमत लम्बे समय तक बना रहेगा? भविष्य में आने वाले इसी प्रकार के अवसरों को संभालने के लिए हमें कहां से ऊर्जा मिलेगी और कहां से यह गारंटी मिलेगी कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र और अधिक संगठित तरीके से कार्य करेंगे?

इस संस्करण के निर्माण का आधारगत विषय साझा किए गए अनुभवों और तेजी से बदलते हुए विश्व के विद्यमान क्षितिज के और आगे प्रकट हो रही प्रमुख प्रत्याशाओं को समेटने का रहा। इस पत्रिका में ईसीजी निवेश का प्रभाव और औचित्य, भारत में वैकल्पिक निवेश का भविष्य, जोखिम प्रबंधन का औचित्य और आवश्यकता, भारतीय पूंजी बाजार का वर्तमान मूल्यांकन जैसे विषयों के व्यापक दायरे को कवर किया गया।

इस पत्रिका के प्रत्येक अंक ने उत्कृष्टता के मानदंड को और ऊंचा उठाया है, विद्यार्थी भ्रातृत्व को बढ़ाया है और विभिन्न प्रकार की संकल्पनाओं को प्रस्तुत करने में सहायता दी है। इनफिनीति के इस अंक में हमने निम्नालिखित में से कुछ विषयों का विश्लेषण और कुछ रोचक परिज्ञान देने का प्रयास किया है :

रेनेसा द्वारा समारोह और गतिविधियां – आईआईएफटी कोलकाता की सांस्कृतिक और खेल समिति

- **टाइटैनोमैची 2021**

रेनासां – आईआईएफटी कोलकाता की सांस्कृतिक और खेल समिति ने टाइटैनोमेची का आयोजन ऑनलाइन मोड में किया। यह सन 2021 में होने वाला पहला समारोह था जिसमें बहुत सी टीमों ने विभिन्न खेलों में जीत हासिल करने के लिए संघर्ष किया – और यह सब ऑनलाइन हुआ। टीम बनाने के लिए बिडिंग के कई चक्र चले। इस समारोह में कुल नकद पुरस्कार रु.27000 के दिए गए। खेलों में शतरंज, 8 बॉल पूल, सीओडी, एनएफएस और ऑनस्पॉट लाइव चुनौतियां भी पेश की गईं।

- **वर्ष 2019–21 बैच के लिए विदाई 2021**

इस विदाई समारोह का आयोजन ऑनलाइन किया गया और इसे प्रदर्शन तथा उत्साहवर्धन से अलंकृत कर दिया गया। सीनियर बैच को अलविदा कहा जा रहा था तो आने वाले बैच का स्वागत 'ब्रेकफ्री' सत्र में किया गया, जहां सीनियरों और ज्यूनियरों ने पहली बार अनौपचारिक रूप से संवाद किए।

- **स्वतंत्रता दिवस 2021**

यह दिवस बड़े ही धूमधाम से मनाया गया भले ही कोविड परिदृश्य के कारण यह ऑनलाइन मनाया गया था। सुन्दर प्रस्तुतियों, नृत्य प्रदर्शनों और सुरीले गीतों से इस समारोह को स्मरणीय बना दिया गया। समारोह के दौरान झंडा रोहण समारोह का लाइव–स्ट्रीम किया गया जिसके बाद डॉ. के. रंगराजन ने भाषण दिया।

सफल औपचारिक समारोह के बाद के घटनाक्रम में बहुत ही दर्शनीय और आनंदप्रद आयोजन रहे, जिन्हें 'मेमे युद्ध' का नाम दिया गया था। दोनों ही बैचों के विद्यार्थियों ने कालेज जीवन, शैक्षणिकता, आम जिंदगी पर मजाकिया मेमे बनाए और इन्स्टाग्राम पर आईआईएफटी के अलग मेमे पेज पर इन्हें पोस्ट किया। ये मेमे बड़े ही हास्यपूर्ण और रोचक थे और एक ही दिन में 10,000 लाइक प्राप्त करने में सफल रहे।

- **फ्रेशर्स 2021**

वर्ष 2022 के बैच ने वर्ष 2023 के बैच के लिए आभासी फेशर्स पार्टी का आयोजन अक्तूबर के आरंभ में किया। इस अवसर पर पूरे ज्यूनियर बैच ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और बहुत से आनंददायक गतिविधियां प्रस्तुत की गईं। मि. और मिस फ्रेशर्स से लेकर रैपिड–फायर राउन्डों के दौरान प्रत्येक घन्टे में दोनों बैच एक दूसरे के करीब आते गए और बहुतों की छिपी हुई प्रतिभा समाने आई।

- **दीवाली 2021**

स्मरणीय अवसर रहा क्योंकि उसी समय बैच–2022 परिसर में पहुंचा ही था और पूरे जोश के साथ यह पर्व मनाया गया । परिसर को रंगबिरंगी मोमबत्तियों, लाइटिंग और कंदीलों से सजा दिया गया था। विद्यार्थियों ने बहुत सुन्दर रंगोली बनाई जिसने आईआईएफटी परिसर को सुशोभित कर दिया। रेनांसा – आईआईएफटी कोलकाता की सांस्कृतिक और खेल समिति ने यह निश्चित कर दिया था कि पूरा परिसर दियों से भरा रहे और आईआईएफटी तथा इस सिटी ऑफ ज्वाय की संस्कृति को आगे बढ़ाते हुए सभी का दिल खुशियों से भरा रहे।

- **रेनांसा – खेल और संस्कृति समिति द्वारा स्क्रीन्स 2.0 पर समर**

स्क्रीन पर होने वाले इस समर का आयोजन रेनांसा द्वारा 1 से 4 दिसम्बर तक 4 दिवस तक चलने वाले घटनाक्रम के रूप में किया गया था, जिसमें 4 खेल शामिल किए गए – शतरंज, तम्बोला, 8 बॉल पूल और बैटल ग्राउन्ड मोबाइल इंडिया। इस समारोह में प्रत्येक बैच ने भारत सहभागिता की तथा इसमें रु.10000 की पुरस्कार राशि भी थी।

प्रतिस्पर्धियों में बैच 2022 और 2023 से थे, जिन्होने विभिन्न खेलों में एक दूसरे का सामना किया – इसमें दिमाग को सन्न कर देने वाले शतरंज से लेकर पूरे शरीर को रोमांचित कर देने वाले बैटलग्राउन्ड – ई–गेमिंग में चौमपियन का सिंहासन जीतने के खेल भी थे।

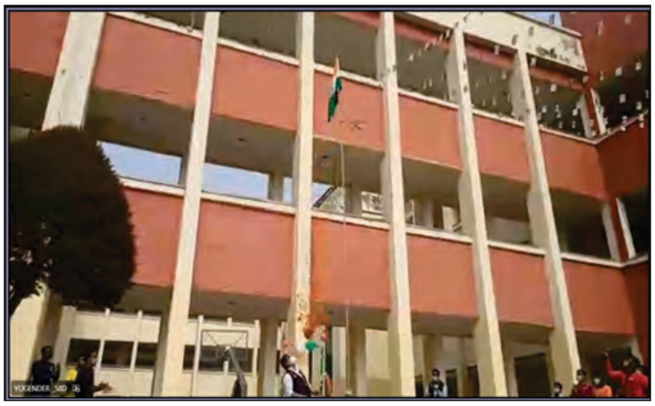

- **गणतंत्र दिवस 2022**

रेनांसा ने जनवरी में पूरे कॉलेज के लिए गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया और इसमें संकाय सदस्यों तथा विद्यार्थियों को आमंत्रित किया गया। इस समारोह में सन 2023 के बैच के विद्यार्थियों ने कला, संगीत, नृत्य और कविता में जोशपूर्ण प्रदर्शन किए, इसके बाद संसद का अभिनय करते हुए संसदीय बहस की रोचक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

- **होली 2022**

आईआईएफटी कोलकाता में यह पहला ऑफलाइन समारोह था, जिसे एमबीए (आईबी) बैच 2021–23 के विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया और इससे तरोताजगी आ गई क्योंकि सभी विद्यार्थी मौखिक परीक्षाओं के साथ–साथ त्रिमास 2 और 3 की परीक्षाओं की भी तैयारी कर रहे थे। ऑडिटोरियम में आयोजित भीड़ भरे सत्र में विद्यार्थियों ने अपनी गायन और वादन कुशलता का प्रदर्शन किया जिसका आनंद उनके बैच के सभी साथियों ने लिया।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में आईआईएफटी विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त पुरस्कार

क्रमांक	नाम	पुरस्कार / प्रतियोगिता	स्थान	संगठन/ बी–स्कूल
1.	आदर्श कुमार सिंह	ऑप्स–कॉजिटेट केस स्टडी	द्वितीय रनर्स अप	आईआईएम रायपुर
2.	अदिति भट	टाटा स्टील–ए–थॉन	नेशनल सेमी फाइनलिस्ट	टाटास्टील
3.	आदित्य बनर्जी	लाओरियल सस्टेनिबिलिटी चौलेन्ज 2021	नेशनल सेमी फाइनलिस्ट (टॉप 100 टीम अखिल भारतीय)	लाओरियल
4.	अजितेश	मूल्यांकन 2022 – दिसम्बर इक्विटी रिसर्च कंप्टीशन	प्रथम	आईआईएम रायपुर
5.	आकांक्षा झंदई	ब्रेकिंग केस 5.0	प्रथम	आईआईएम त्रिची
6.	अनंत शुक्ल	टीसीपीएन एफएनबी चौलेन्ज	नैशनल विजेता	टाटा कन्ज्यूमर्स प्रोडक्टस लि.
7.	अनिकेत सेठी	सिटी लीडरशिप अवार्ड	स्कॉलरशिप धारक	सिटीबैंक
8.	अपूर्व	डबल्यूआईटीडीए	नैशनल फाइनलिस्ट	इन्सेडो
9.	बालमुरली डी.	मार्स इनोवेशन लॉन्चपैड	नैशनल विजेता	मार्स इंडिया
10.	देबजीत बसाक	प्रॉडविजार्ड –प्रोडक्ट मैनेजमेन्ट केस प्रतियोगिता	द्वितीय रनर्स अप	एमडीआई गुरुग्राम एन्ड पीएम स्कूल
11.	इन्दु यादव	मार्स इनोवेशन लॉन्चपैड	नैशनल फाइनलिस्ट	मार्स
12.	मानसी सक्सेना	एफ़एमएस आइकॉन फियेस्टा विनर	प्रथम	एफ़एमएस दिल्ली
13.	मानसी शर्मा	आरपीजी ब्लिजार्ड 2021	द्वितीय रनर्स अप	आरपीजी ग्रुप
14.	मितुल महरोत्रा	रणनीति 1.0	द्वितीय	नीटी, मुम्बई
15.	नकुल सुरेश	मार्स इनोवेशन लॉन्चपैड	नैशनल फाइनलिस्ट	मार्स रिगले
16.	नमिता जार्ज	वीओआईएस वान्टेज केस स्टडी 2020	प्रथम	वीओआईएस
17.	नवीन राज ई	ऑप्सक्वेस्ट 2021	विजेता	के जे सोमैया इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट
18.	निवेदिता के. एस.	आईटीसी इन्टेरोबैन्ग सीजन 11	नैशनल विजेता	आईटीसी
19.	श्रियांशी बदोनी	एक्सेन्च्यूर बी–स्कूल चौलेन्ज 2021	नैशनल रनर्स अप	एक्सेन्च्यूर स्ट्रेटेजी
20.	शुभम कुमार	शटरबग (क्यूवी)	विजेता	भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
21.	सिद्धार्थ पी.	मार्स इनोवेशन लॉन्च पैड	नैशनल द्वितीय रनर्स अप	मार्स रिगले
22.	सौविक राय	ब्रेकिंग केस 5.0	नैशनल विजेता	आईआईएम त्रिची
23.	श्रीमणि सेन	दि डील	नैशनल विजेता	जेपी मार्गन चेस
24.	उमंग दुग्गल स	मार्किट्यूड	प्रथम	एसएमई – आईआईटी जोधपुर
25.	उत्सव डागा	सीएफए रिसर्च चौलेन्ज	नैशनल विजेता	सीएफए इन्स्टीट्यूट
26.	विकास प्रसाद	वान्टेज	नैशनल विजेता	वोइस
27.	विशाल विनायक	जेएसडब्ल्यू चौलेन्ज 2021	फाइनलिस्ट	जेएसडब्ल्यू स्टील

उद्योग, व्यापार और वाणिज्य के साथ संवाद

यह संस्थान उद्योग के अग्रणियों और विशेषज्ञों को एक ऐसा उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है, जहां पर वे अपने अनुभवों और ज्ञान को यहां के विद्यार्थियों के साथ साझा कर सकते हैं, जिससे इन विद्यार्थियों को उद्योग जगत के प्रदीप्त व्यक्तियों के साथ संवाद करने, कार्पोरेट जगत की बेहतर समझ हासिल करने और अपने बोध स्तर को सुधारने में सहायता मिली। वर्ष 2021–22 में निम्नलिखित अतिथि व्याख्यानों का ऑनलाइन आयोजन किया गया :

क्रमांक	वक्ता का नाम	पदनाम	कम्पनी का नाम
1	श्री अंकित सिन्हा	वीपी	सीयर्स
2	श्री हरीश गोयल	सीईओ	जी एस्सेल ग्रुप
3	श्री संकेत टंडन	हेड – इंडिया बिजनेस	सीयर्स
4	सुश्री वीणा राव	वीपी तथा बिजनेस हेड	फिनास्ट्रा
5	श्री सुमीत नियोगी	एचआर डायरेक्टर	लुब्रीजॉल
6	श्री शिशिर सक्सेना	एपीएसी हेड – क्लाइंट स्ट्रेटेजी ट्रांस्फार्मेशन	अन्टीमेट्रिक
7	श्री एलेक्स थॉमस	जनरल मैनेजर, नेशनल सेल्स	मर्सिडीज बेन्ज इंडिया
8	श्री संजय नैथानी	वीपी, प्रोक्योरमेन्ट	एप्टिव
9	श्री विकास सिंह	संस्थापक	फिटपेज
10	सुश्री पूजा राजदेव	निदेशक	यूनाइटेड हेल्थ ग्रुप
11	सुश्री नूरीन गंदोत्रा	एरिया हेड आफ साउथ एशिय एट ट्विल	ए. पी. मोलेर मार्येस्क
12	श्री शंकर गुप्ता	प्रेसिडेन्ट एन्ड सीओओ	एसीजी वर्ल्डवाइड
13	श्री मणिकंदन गणेशन	हेड ऑफ इंजीनियरिंग – कनेक्टेड कार्पोरेट बैंकिंग	फिनास्ट्रा
14	श्री ऋषिकेष हुम्बे	वीपी – एचआर	मर्केल सोकराटी
15	श्री सुष्मितश्री बाबू, श्रीमती तृप्ति बाबू	सह–संस्थापक, प्रमुख	एपिन्किलडायफाइ
16	श्री अभिवनव सहाय	सह–संस्थापक और सीओओ	नाइसवे
17	श्र अजय खन्ना	चीफ मार्केटिंग ऑफिसर	एमवे इंडिया
18	श्री सिद्धार्थ जैन	सीओओ	मेरिलिटिक्स
19	सुरी सुमा ई. पी.	सीईओ	नाइसवे
20	श्री नवीन अथरेश	सीनियर डायरेक्टर, उत्पाद प्रबंधन	पेयू
21	श्री राहुल लखमानी	संस्थापन और सीईओ	स्काईफाइ
22	श्री शिशिर मांकड़ श्री अरुण ठकराल	मैनेजिंग पार्टनर, वित्तीय सेवा व्यवहार	प्रेक्सिस ग्लोबल
23	श्री राजेश शिराली	डाटा साइन्स लीड	नीलसेन
24	श्री हर्षित सिंहल	वीपी	हैशडीन
25	श्री गौरव गुप्ता	चीफ कमर्शियल ऑफिसर	एजी इंडिया
26	श्री कल्पेश एस. दवे	मैनेजिंग पार्टनर एन्ड हेड ऑफ सेल्स (पश्चिम)	इन्क्रेड वेल्थ
27	श्री विनय कुमार बिरादर	प्रिन्सपल बिजनेस कन्सल्टेन्ट / एन्गेजमेन्ट मैनेजर	फ्रॉस्ट एन्ट सुलिवान

28	श्री वरुण गुप्ता	सीईओ	प्रो नेचर ऑर्गेनिक फूड्स
29	श्री रोशन मामीन	हेड – अमेरिकास – क्रॉप प्रोटेक्शन डिविजन	कोरोमंडल इन्टरनेशनल लि.
30	श्री अभिनव आरंद	रीजनल बिजनेस हेड – फूड एन्ड एफएमसीजी	उड़ान
31	श्री अनिर्बन नन्दी	डायरेक्टर एमर्जिंग चौनल्स, स्ट्रेटेजी ग्रोथ एक्सेलेरेटियो	मार्स रिग्ले
32	श्री आशुतोष शर्मा	ग्लोबल वीपी एन्ड जनरल मैनेजर – सीएक्स ऑटोमेशन	येल्लो.अआइ
33	श्री देवराज चक्रवर्ती	डायरेक्टर, मैनेजमेन्ट कन्सल्टिंग	पीडबल्यूसी
34	श्री अभिषेक मित्तल	सीनियर डायरेक्टर – बिग डाटा, एनालिटिक्स एन्ड क्लाउड	केपगेमिनी
35	श्री वरदान शर्मा	डायरेक्टर एन्ड हेड ऑफ पार्टनर सेगमेन्ट, ग्रोथ मार्केट्स	सिग्नीफाइ
36	श्री अंकित चतुर्वेदी	वाइस प्रेसिडेन्ट, कॉर्पोरेट मार्केटिंग	रेटगेन
37	श्री धवल फडके	सह–संस्थापनक	सत्तविको
38	श्री मोहित राजपाल	संस्थापक सदस्य	ईकेए.केयर

विदेश व्यापार पुस्तकालय

विदेश व्यापार अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और आर्थिक परिवेश के बारे में जानकारी के संसाधनों का एक व्यवस्थित संग्रह है, जो मुद्रित या ई–रूप में इसके पाठकों को संदर्भ हेतु या उधार लेने के लिए उपलब्ध हैं। इसने विशेषीकृत प्रकाशनों, रिपोर्टों, डेटाबेस, ई–जर्नलों, मुद्रित जर्नलों, आलेखों आदि के संग्रह को बढ़ाने का अपना प्रयास जारी रखा है और स्वयं को नियमित रूप से अपडेट करता रहता है। वर्तमान में इस पुस्तकालय में सांख्यिकीय सिद्धांत, बैंकिंग, उद्योग, प्रबंधन, विपणन, उपभोक्तावाद, भूराजनैतिक आर्थिक प्रणाली, सेवा, कंम्यूटर, आईटी, व्यापार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, परिवहन और व्यवसाय सम्प्रेषण, आदि विषयों पर 1,05,479 संसाधनों का प्रभावशाली संग्रह है जिसमें 78,312 पुस्तकें/सीडी वॉल्यूम, 17781 जिल्दबंद आवधिक प्रकाशन, और 235 आवधिक प्रकाशन हैं। पुस्तकालय में ई–संसाधनों का विशेष संग्रह इसके दिल्ली और कोलकाता दोनों ही परसिरों में है और इसके पास विशेषीकृत केन्द्र – दि डब्ल्यूटीओ रिसोर्स सेन्टर है जो विशेष रूप से विश्व व्यापार केन्द्र और संबधित विषयों पर उत्कृष्ट जानकारी प्रदान करता है। इसके अलावा यह पुस्तकालय स्वयं को निरंतर ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों यथा संयुक्त राष्ट्र एजेन्सियों, आईटीसी/अंकडाट/विश्व व्यापार संगठन, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, भारत सरकार के मंत्रालयों और विभागों, निर्यात संवर्द्धन परिषदों, कमोडिटी बोर्डों और अन्य व्यापार संवर्द्धन संगठनों के प्रकाशनों से स्वयं को समृद्ध करता रहता है।

सन 2021–2022 के दौरान पुस्तकालय के अधिक्रय का सेक्शन अनुसार वितरण निम्नानुसार रहा :

वर्ष 2021–2022 के दौरान पुस्तकालय द्वारा अधिग्रहण की स्थिति

सेक्शन	वर्ष 2021–2022 में अधिग्रहण	31.3.2022 की यथास्थिति अनुसार कुल
पुस्तकें, रिपोर्टें, वीडियो कैसेट और सीडी–रोम्स	396	78,312
दस्तावेज	शून्य	9,122
सजिल्द आवधिक प्रकाशन (निशुल्क प्राप्त जर्नलों सहित)	शून्य	17,781
अभिदत्त / मानार्थ प्राप्त जर्नल	शून्य	235
डेटाबेस/ऑनलाइन साइट – मानार्थ ई–जर्नल सहित	2	29
कुल	**398**	**1,05,479**

ई–संसाधन

दिल्ली और कोलकाता के अपने दोनों ही परसिरों के पाठकों को चौबीसों घन्टे जानकारी प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन अभिगम सुविधा हेतु इस पुस्तकालय ने 29 ऑनलाइन और ऑफलाइन डेटाबेस के लिए अभिदान किया हुआ है, यथा – ब्लूमबर्ग, सीएमआईई डेटाबेस (प्रोवेस, इंडिया ट्रेड एन्ड इन्टस्ट्री एनालिसेस सर्विसेज), कमोडिटी कीमत बुलेटिन, डीजीसीआईएस सांख्यिकी, ईफरमेल, आईएफएस, इंडिया स्टेट.कॉम, इनसाइड ट्रेड.कॉम, प्रोक्वेस्ट, सन्स मैगजीन, ट्रेड मैप, विश्व बैंक का ऑनलाइन डाटाबेस, विश्व व्यापार एटलस, डब्ल्यूआईटीएस; 4 ई–जर्नल पैकेज यथा – ब्लैकवेल सायनर्जी (21 ई–जर्नल्स), ईबीएससीओ और एमेराल्ड मैनेजमेन्ट ई जर्नल पोर्टफोलियो (213 शीर्षक) और कई व्यक्तिगत जर्नल। इन डेटाबेसों में देशों के अध्ययनों, कृषि, अर्थव्यवस्था, जनांकिकी, श्रम, मीडिया, शिक्षण, बाजार अनुमान, बाजार रिपोर्टों से संबंधित सांख्यिकीय आंकड़ों; कंपनियों के वार्षिक आंकड़े; स्टॉक मार्केट की टैरिफ और नॉन–टैरिफ बाधाओं; डब्ल्यूटीओ संबद्ध विवादों; विश्व व्यापार संगठन में मामले और दैनिक गतिविधियों; विभिन्न देशों के संकेतकों; भारतीय राज्यों के डेटा; विदेशी व्यापार, विभिन्न देशों के साथ भारत का क्षेत्रीय एकीकरण और विदेश व्यापार से संबंधित कई अन्य क्षेत्रों के बारे में मूल्यवान जानकारी प्रदान की जाती है।

डब्ल्यूटीओ संसाधन केन्द्र

पुस्तकालय में स्थापित डब्ल्यूटीओ संसाधन केन्द्र एक सर्वस्वीकृत केन्द्र है जो डब्लयूटीओ और संबंधित मुद्दों के बारे में विशेषीकृत जानकारी रखता है। यह केन्द्र डब्ल्यूटीओ से संबधित मुद्दों और भारत के लिए उनके निहितार्थों पर शोधकर्ता विदवानों, नीति निर्माताओं और शिक्षाविदों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इस केन्द्र के पास डब्ल्यूटीओ और संबंधित मुद्दों पर पुस्तकों, रिपोर्टों, जर्नलों, वीडियो कैसेटों, सीडी–रोम्स और समाचार मदों/आलेखों का अच्छा संग्रह है। वर्तमान में डब्ल्यूटीओ संबंधी संग्रह में आलेख और पुस्तकों के साथ–साथ ई–संसाधनों का समावेश है।

भारतीय और विदेशी दोनों ही विश्वविद्यालयों से शोधकर्ता विदवाना अपने डॉक्टोरल और पोस्ट–डॉक्टोरल शोध कार्य के लिए इस पुस्तकालय का उपयोग करते हैं।

कम्प्यूटर केन्द्र और आईटी सहायता सेवाएं

(1) **आईटी अवसंरचना का पुनर्निर्माण और परियोजना संवर्द्धन :** कोविड–19 का प्रभाव बहुत बड़े दायरे में रहा है और इसने बहुत सी चीजों के काम करने के तौरतरीके को प्रभावित किया है, शिक्षण क्षेत्र को तो विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के लिए यह चुनौती भरा रहा और इसमें भी कुछ सकारात्मक परिवर्तन हुए और भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में तो आईटी अवसंरचना को तो पूरी तरह से बदल दिया गया ताकि निम्नलिखित की उपलब्धि हो सके :

- अपना डाटा सेन्टर जिसमें हाइपर कवरेज की अवसंरचना हो। संस्थान की महत्त्वपूर्ण आईटी सेवाओं को पूरा किया जा सके जैसे कि वेबसर्वर, ईमेल, डाटाबेस, वित्त और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां।
- परिसर के नेटवर्क को अपग्रेड करना ताकि 10 Gbps की बैकबोन और लैन के प्रयोक्ता को 1 Gbps की कनेक्टिविटी मिल सके।
- परिसर में सुरक्षित वाइफाइ मिले।
- दो आभासी क्लासरूम आरंभ किए जाएं दिल्ली और कोलकाता दोनों परसिरों में एक–एक कक्ष ताकि ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जा सकें।
- संस्थान के वरिष्ठ प्रबंधनवर्ग के कार्यालयों में वीडियो सम्मेलन के उपकरणों की संस्थापना।

(2) **ऑनलाइन क्विज और परीक्षाओं का संचालन :** आंतरिक तौर पर विकसित कैम्पस मैनेजमेन्ट सिस्टम – कैम्पस 360 का प्रयोग करते हुए संस्थान ने प्रॉक्टरिंग प्रणाली के माध्यम से 50 से भी अधिक परीक्षाओं का संचालन करने के अलावा कुल 565 ऑनलाइन क्विज और 52 ऑनलाइन परीक्षाओं का संचालन किया।

(3) **संस्थान की आभासी आर्थिक गोष्ठी :** कंप्यूटर केन्द्र ने आईआईएफटी इकोनॉमिक सोसायटी (आईईएस) के सहयोग से 28 और 29 अक्तूबर 2021 को संस्थान की 'आर्थिक गोष्ठी' का आयोजन किया, जिसमें पूरे विश्व से कई प्रख्यात व्यक्ति पैनल चर्चाओं में शामिल हुए जिनके शीर्षक थे – 'इकोनॉमिक डिस्ट्रेस एन्ड फाइनान्शियल सेक्टर पॉलिसी रिस्पॉन्स' और 'टेक्नोलॉजी, इनोवेशन एन्उ द फ्यूचर ऑफ एम्प्लॉयमेन्ट'।

(4) **सीड्स – रिक्रूटमेन्ट पोर्टल :** कंप्यूटर केन्द्र ने संस्थान में प्रशासनिक/सहायक स्टाफ की भर्ती प्रकिया के लिए एक बेब प्रोसेस और पोर्टल को डिजाइन, विकसित और होस्ट किया है।

(5) **समेकित ऑनलाइन एडमिशन प्रोसेस (सीओएपी) :** कंप्यूटर केन्द्र ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए समेकित ऑनलाइन एडमिशन प्रोसेस वेब पोर्टल का डिजाइन करके होस्ट किया है।

(6) **एक्रीडिएशन एन्ड एनालिटिकल डाटा पोर्टल (एएडीपी)** : एक डाटा भंडारण का सृजन किया गया जिसमें विश्लेषिकी फीचर भी है, जिससे विभिन्न प्रत्यायनों की आंतरिक समितियां/टीमें डाटा तलाश सकती हैं।

(7) **डायरेक्ट एक्सेस टनलिंग एनवॉयरमेन्ट (डेट) एन्ड ब्लूमबर्ग एनीव्हेयर के माध्यम से आभासी पुस्तकालय :** कंप्यूटर केन्द्र ने संकाय सदस्यों, शोध स्कॉलरों और विद्यार्थियों के लिए वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) और डायरेक्ट एक्सेस टनलिंग एनवॉयरमेन्ट (डेट) स्थापित किया है, ताकि वे संस्थान द्वारा अभिदान किए हुए विभिन्न शोध जर्नलों और डाटाबेस को तथा ब्लूमबर्ग टर्मिनलों को दूरस्थ रहकर भी प्राप्त कर सकें।

(8) **ऑनलाइन कक्षाएं और ई–एमपीडी :** संस्थान ने विभिन्न कार्यक्रमों हेतु जूम और माइक्रोसॉफ्ट टीम्स जैसी वेब सम्मेलन युक्तियों के माध्यम से 100 से भी अधिक ऑनलाइन कक्षाओं का संचालन किया।

(9) **क्षेत्र आधारित मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेस (मूक) :** संस्थान ने महानिदेशक, विदेश व्यापार (डीजीएफटी) के समन्वय से निर्यातकों और आयातकों के लिए सत्र संचालन हेतु आंतरिक रूप से मूक पोर्टल विकसित करके इसे होस्ट किया है, इस पर वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान काफी बड़ी संख्या में पंजीकरण हुए जिनकी संख्या 22 हजार के करीब रही, और आईआईएफटी से प्रमाणन प्राप्त करने के लिए 200 से भी अधिक अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन परीक्षा भी दी।

(10) **हरित परिसर हेतु पहल :** जलवायु परिवर्तन से हमारे इस ग्रह को असुरक्षित स्तरों तक गर्म होने का खतरा है, यह महत्त्वपूर्ण है कि हम इस परिवेश की मदद के लिए अपनी तरफ से जो कुछ भी थोड़ी सी मदद कर सकें वह करें। कैम्पस360 (http://campus360.iift.ac.in) के माध्यम से क्विज और परीक्षाओं का संचालन करके वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान यह संस्थान 16 वृक्षों के बराबर कागज की बचत कर चुका है।

जर्नल प्रभाग

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के कुलपति प्रो. मनोज पंत के मार्गदर्शन में जर्नल प्रभाग ने मासिक संगोष्ठी शृंखला आरंभ करने की पहल की है। इस संगोष्ठी में शैक्षणिक शोध पत्र/विषय प्रस्तुत करने और आईआईएफटी के संकाय सदस्यों/शोध स्कॉलरों के साथ संवाद करने के लिए हम बाहरी विशेषज्ञों को आमंत्रित करते हैं। इस प्रकार के आयोजनों के प्राथमिक प्रयोजनों में से एक यह भी है कि संकाय सदस्यों और विद्यार्थियों के बीच शोध की संस्कृति को बढ़ावा दिया जा सके। अगस्त 2018 के बाद से हम इस मासिक संगोष्ठी/वेबिनार शृंखला के तहत कई व्याख्यानों का आयोजन कर चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2021–22 के दौरान निम्नलिखित दो वेबिनारों का आयोजन विशेषज्ञ साझेदारों के सहायोग से किया गया।

तारीख	शीर्षक	अतिथि /आमंत्रित
28 जून 2021	आर्थिक संकट के दौरान विनाशक एफडीआई : सीमापर चीन के एमएन्डए और मेजबान देश के प्रतिसाद से मिली समझ	डॉ. अरिन्दम दास (प्रोफेसर, स्ट्रेटेजी एन्ड इन्टरनेशनल बिजनेस, टी. ए. पई प्रबंधन संस्थान, मणिपाल)
28 जुलाई 2021	अतिशेष खाद्यान्न और विद्यमान भूख : फार्म कानूनों को प्रसंगाश्रित करना	डॉ. अरिन्दम बनर्जी (सह प्रोफेसर, इकोनॉमिक स्कूल ऑफ लिबरल स्टडीज, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली)

जर्नल फोकस डब्ल्यूटीओ जर्नल

जर्नल प्रभाग ने वर्ष 2021–22 के दौरान फोकस डब्ल्यूटीओ के खंड 23 (4 अंकों – जनवरी–मार्च, अप्रैल–जून, जुलाई–सितम्बर और अक्तूबर– दिसम्बर 2021) का प्रकाशन किया, यह आईआईएफटी का आंतरिक तिमाही प्रकाशन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय और प्रबंधन में किए जा रहे शोघ संबंधी सम्पूर्ण शोधपत्रों, केस–अध्ययनों, मोनोग्राफ्स, पुस्तक समीक्षाओं और डॉक्टोरल शोध–प्रबंधों के सारांश प्रकाशित किए जाते हैं।

फोकस डब्ल्यूटीओ की प्रमुख उपलब्धियां

1. जर्नल प्रभाग ने एक मुकाम हासिल किया है कि फोकस डब्ल्यूटीओ के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी (मासमान इन्टरनेशनेल बुखान्डलुंग जीएमबीएच) से अभिदान प्राप्त हुआ है।
2. फोकस डब्ल्यूटीओ को निम्नलिखित के साथ सूचीबद्ध किया गया
   - इंडियन साइटेशन इन्डेक्स (आईसीआई);
   - डायरेक्टरी ऑफ रिर्सच जर्नल इन्डेक्सिंग (डीआरजेआई); और
   - जे गेट
3. फोकस डब्ल्यूटीओ जर्नल को वेब पोर्टल पर होस्ट किया गया है। (इसका लिंक है – https://www.iift.ac.in/iift/publications.php)।
4. समकक्षों द्वारा समीक्षा प्रक्रिया के तहत फोकस डब्ल्यूटीओ हेतु आलेखों की ऑनलाइन प्रस्तुति आरंभ की गई है (इसके लिए लिंक है–http://publication.iift.ac.in@focus-asp\id=700)।

आईआईएफटी तिमाही न्यूजलैटर का प्रकाशन

जर्नल प्रभाग ने आईआईएफटी तिमाही न्यूजलैटर के चार अंकों (जनवरी–मार्च, अप्रैल–जून, जुलाई–सितम्बर और अक्तूबर–दिसम्बर 2021) का प्रकाशन किया है।

फॉरेन ट्रेड रिव्यू का प्रकाशन

जर्नल प्रभाग ने वर्ष 2021–22 के दौरान फॉरेन ट्रेड रिव्यू खंड 56 के तीन अंकों और खंड 57 के एक अंक का प्रकाशन किया (सेज पब्लिकेशन्स प्रा. लि.)। सामान्तया प्रत्येक अंक में शोध आलेख, विदेशी व्यापार के डोमेन में समीक्षाभाष्य और पुस्तक समीक्षाओं का प्रकाशन करता है। वर्ष के दौरान एक विशेषांक भी प्रकाशित किया गया जिसकी थीम थी – ट्रेड इन सर्विसेज गोइंग डिजिटल (खंड 56(3) – इसके अतिथि सम्पादक रहे – प्रो. हिल्डेगन केविक नॉर्डस, काउंसिल ऑन इकोनॉमिक पॉलिसीज (सीईपी), स्विटजरलैन्ड और ऑरेब्रो यूनिवर्सिटी, स्वीडन।

स्कोपस एन्ड एसोसिएशन ऑफ बिजनेस स्कूलस् (एबीएस) डेटाबेस में इन्डेक्सबद्ध किए जाने का एक नया मुकाम भी इस जर्नल को प्राप्त हुआ है।

वर्किंग पेपर शृंखला की अपलोडिंग

आईआईएफटी की वर्किंग पेपर शृंखला का प्रमुख लक्ष्य है कि संकाय सदस्य अपने शोध के निष्कर्षों को अपने व्यावसायिक सहकर्मियों के साथ प्रकाशन पूर्व के स्तर पर ही शेयर करने में सहायता की जाए। इन आलेखों को ऑनलाइन प्रकाशित किया जाता है और आईआईएफटी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। वन 2021–22 के दौरान दो वर्किंग पेपर अपलोड किए जाने के बाद कुल

पेपर आईडी	शीर्षक	लेखक
ईसी–21–53	इफेक्ट ऑफ कॉन्ट्रेक्ट फार्मिंग इन ए स्माल ओपन लेस–डेवलप्ड इकोनॉमी : ए जनरल इक्वीलिब्रियम एनालिसिस	रणजोय भट्टाचार्य, गौरांग दास, सौगत मार्जित
ईसी–21–54	विच फैक्टर्स इन्फ्ल्यूऐन्स वर्टिकल इन्ट्रा–इन्डस्ट्री ट्रेड इन इंडिया? एम्पायरिकल रिजल्ट्स फ्रॉम पैनल डाटा एनालिसिस	देबाशीष चक्रवर्ती, साक्षी अग्रवाल

आईआईएफटी संकाय द्वारा प्रकाशन

प्रो. मनोज पंत, कुलपति

- कोविड–19 एन्ड दि आईपीआर वेवरः विल इट वर्क? भारतीय व्यापार संवर्द्धन परिषद (टीपीसीआई) को प्रस्तुत आलेख, 12 मई 2021
- पंत, मनोज, और हुरिया, सुगंधा (2022), क्वान्टिफिकेशन ऑफ सर्विस ट्रेड रिस्ट्रिक्शन्स – सम न्यू रिजल्टस', *इकोनॉमिक एन्ड पोलिटिकल वीकली,* खंड 57, अंक 10; – 5 मार्च।

डॉ. के. रंगराजन, प्रोफेसर और प्रमुख, कोलकाता परिसर

- त्रिपाठी, एस.; तालुकदार, बी.; रंगराजन, के. (मई 2021), डू सप्लाय चेन पर्फार्मेन्स इन्फ्ल्यूऐन्स फर्म प्रॉफिटेबिलिटी? भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के संदर्भ में एक पूर्वानुमानिक दृष्टिकोण, *आईआईएम कोझिकोड सोसायटी एन्ड मैनेजमेन्ट रिव्यू*
- दास, एम., रंगराजन, के. और दत्ता, जी. (2021) 'नेटवर्क एन्ड गवर्नमेन्ट इन्टरवेन्शन इन्फ्ल्यूऐनसिंग ससटेनएबिलिटी एन्ड बिजनेस ग्रोथ ऑफ एसएमईज : ए स्टटी विद इंडियन एमएसएमई' *इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ एन्टरप्राइस नेटवर्क मैनेजमेन्ट (आईजेईएनएम)* https://doi.org/10.1504/IJENM-2021-116436)
- मुंजाल. एस, कुन्डू. एस., सिंह. एन. और रंगराजन, के. (2021), गवर्नमेन्ट पॉलिसी इम्पेक्ट ऑन एमएसएमई इन्टरनेशन लाइजेशन वाया ई–कामर्स प्लेटफार्मस् *मैनेजमेन्ट इन्टरनेशनल रिव्यू*
- त्रिपाठी, एस.; तालुकदार, बी.; रंगराजन, के. (2021), "डू सप्लाय चेन पर्फार्मेन्स इन्फ्ल्यूऐन्स फर्म प्रॉफिटेबिलिटी? भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग के संदर्भ में एक पूर्वानुमानिक दृष्टिकोण"। आईआईएम कोझिकोट सोसायटी एन्ड मैनेजमेन्ट रिव्यू, डीओआइ : https://doi.org@10.1177@22779752211003453

डॉ. रणजॉय भट्टाचार्य, प्रोफेसर

- भट्टाचार्य, आर., गंगोपाध्याय, ए. पांडेय, ए. (2021), "इम्पेक्ट ऑफ दि कोरोनावायरस पेन्डेमिक ऑन डी–ग्लोबलाइजेशन, दि कोविड–19 पेन्डेमिक, इंडिया एन्ड दि वर्ल्ड" https://doi.org/10.4324/9781003220145
- भट्टाचार्य, आर., चौधरी, एस., भट्टाचार्य, एस. (2021), "रुरल अर्बन माइग्रेशन विद हेट्रोजिनस फर्म्स, हेट्रोजिनस लेबरज एन्ड दि इफैक्ट ऑफ वेज सब्सिडी", थ्योरिटिकल एन्ड एप्लाइड इकोनॉमिक्स, खंड XXVIII (2021), सं. 3(628), बसंत, पृ. 143–156. https://doi-org/10.28933/JTAE
- भट्टाचार्य, आर., अग्रवाल, एस., चकवर्ती, डी. (2021), डिटेर्मिनेंट्स ऑफ डोमेस्टिक वैल्यू ककमक इन एक्सपोर्ट : एम्पिरिकल एविडेन्स फ्राम इंडियास मैनुफेक्चरिंग सेकटर्स, ग्लोबल बिज़नस रिव्यू, प्रथम प्रकाशन 14 अक्तूबर 2021, https://doi-org/10.1177/09721509211050138
- भट्टाचार्य, आर., चटर्जी, आर., दास, जी. (2022), डू डेवलपिंग कन्ट्रीज स्टिल सफर फ्रॉम द फ़ॉरेन एक्स्चेंज कॉन्स्ट्रेन्ट? एन एम्पिरिकल स्टडि फॉर 1990––2014, स्टडीस इन इंटरनेशनल इक्नोमिक्स एंड फ़ाइनेंस, https://link-springer-com/book/9789811670626

डॉ. गौतम दत्ता, प्रोफेसर

- यादव, डी०, दत्ता, जी. और साहा, के. (2022), "असेसिंग एण्ड रैंकिंग इंटरनेशनल मार्केटस बेसड ऑन स्ट्रिन्जन्सी ऑफ फूड सैफ्टी मेजर्सरू ऐप्लकैशन ऑफ फज़ी AHP&TOPSIS मेथड", ब्रिटिश फूड जर्नल, खंड– मुद्रण–पूर्व सं. मुद्रण–पूर्व
- दीपाली यादव, गौतम दत्ता, और शुभम कुमार (2021),"फूड सेफ्टी स्टैन्डर्डस् एडॉप्शन एन्ड इट्स इम्पेक्ट ऑन फर्म्स एक्सपोर्ट पर्फार्मेन्स : ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू", जर्नल ऑफ क्लीरन प्रोडक्शन खंड 329, 129708
- अभिषेक दत्ता, और गौतम दत्ता (2021),"एसोसिएशन ऑफ एयर पोल्यूशन एन्ड मेट्योरोलॉलिकल वैरिएबल्स विद दि टू वेव्स ऑफ कोविड–19 पेन्डेमिक इन दिल्ली : ए क्रिटिकल एनालिसेस, हेलियॉन, खंड 7, अंक 11, e08468.
- दास, एम. , रंगराजन, के. और दत्ता, जी. (2021) "नेटवर्क एंड गवर्नमेंट इंटरवनशन इंफ्लुएंसिंग सस्टेनएबिलिटी एंड बिजनेस ग्रोथ ऑफ एसएमईस : ए स्टडि विद इंडियन एमएसएमईस" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एंटरप्राइज़ नेटवर्क मैनेजमेंट (IJENM https://doi-org/10.1504/IJENM.2021.116436
- दत्ता, जी. (2021),"इंडियन जर्नल ऑफ मार्केटिंग। प्रीडिक्शन ऑफ बॉक्स ऑफिस फॉर बॉलीवुड मूवीस युसिंग स्टेट–ऑफ–द–आर्ट सेन्टीड्रॉं लेक्सीकोन फॉर टिवीटर एनालिसिस", असोसिएटेड मैनेजमेंट कंसल्टेंटस प्राइवेट लिमिटेड।

डॉ. पी. के. दास, प्रोफेसर

- दास, पी. के. और पाल, अनिता (2021), "मॉडलिंग ऑफ मोबाइल टेलिफोन सब्सक्राइबर्स यूजिंग पीसवाइस नॉनलीनियन ग्रोथ मॉडल्स", स्टेटिस्टिक्स एन्ड एप्लिकेशन्स, खंड.19, सं. 2 (दिसम्बर), 147–159 https://ssca-org.in/media/12–19–2–2021_SA_SA442020_PK_D_Final–31yEuCx.pdf
- पाल, सी. और दास, पी. के. (2021), "प्रिडिक्टिंग बॉक्स ऑफिस रेवेन्यू ऑफ बॉलीवुड मूवीज इन दि USA ड्यूरिंग दि प्री–प्रोडक्शन स्टेज", ISDSI–ग्लोबल सम्मेलन 2021 –

लीडिंग बिजनेस इन ए फ्ल्यूड वर्ल्ड, भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर, 2021. दिसम्बर 27–30, 2021

डॉ. शीबा कपिल, प्रोफेसर

पुस्तक

- वित्तीय मूल्यांकन और मॉडलिंग, विले 2021 ISBN:9789354246036.https://www.wileyindia.com/financial-valuation-and-modelling.html

आलेख

- कपिल, एस. और ढींगरा, पी. के. (2022), "व्हाट ड्राइव्स दि ग्लोबल आउटवार्ड मर्जर्स एन्ड एक्विजिशन्स? एम्पायरिकल एनालिसिसि ऑन इंडियन आउटबाउंड डील्स", इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एन्ड इकोनॉमिक्स, 7(1),53. http://ijbe.ielas.org/index.php/ijbe/article /view/288/111
- कपिल, एस.; और बैरिक, जी (2022),"डिटरमिनेंट्स इंफ्लयूसिंग एक्यूजिशन ऑफ टारगेट फर्म्स एंड देयर पोस्ट – एक्यूजिशन परफॉर्मेंस इन पोस्ट ग्लोबल क्राइसिस," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, 21, पृ. 27–45
- कपिल, एस., और कुमार, एस, (2021); "कार्पोरेट गवर्नेन्स और फर्म पर्फामेन्स : मेटाडाटा एनालिसिस फॉर एमएंडए पार्टिसिपेटिंग फर्म्स", *कॉरपोरेट गवर्नेन्स एन्ड ससटेनिबिलिटी रिव्यू,* 5(4), पृष्ठ. 45–55
- ढींगरा, के. और कपिल, एस. (2021), 'इम्पेक्ट ऑफ मेक्रोइकोनॉमिक्स वेरिएबल्स ऑन स्टॉक मार्केट – एन एम्पायरिकल स्टडी, लखनपाल, पी., मुखर्जी, जे., नाग, बी., टुटेजा, डी. (सम्पादकगण) – व्यापार, निवेश और आर्थिक संवृद्धि, सप्रिंगर, सिंगापुर में प्रकाशित
- कपिल, एस.; और ढ़ींगरा, पी. के. (2021), "ओएफडीआई फ्रॉम एमर्जिंग इकोनॉमीस : होस्ट कनट्री डिटरमिनेन्टस एम्पिरिकल इक्नोमिक्स लेटर्स, 20 (स्पेशल इशू 4) (जुलाई 2021), पृ. 41–56 http://www.eel.my100megs.com/volume-20-number-july-4-special-issue.htm
- कपिल, एस.; और ढ़ींगरा, पी. के. (2021), "अनवीलिंग इन्फ्ल्यूऐन्स ऑफ होम मेक्रोइकोनॉमिक्स फैक्टर्स ऑन इंडियन आउटबाउन्ड मर्जर्स एन्ड एक्वीजिशन", *अर्थ विकास,* 57(1एवं2), पृ. 37-51.https:// www.spuvvn.edu/ publication/ arthvikas/ Artha%20Vikas% 20Jan-Dec%202021.pdf
- कपिल, एस.; और ढींगरा, पी. के. (2021), "पुश फैक्टर्स ऑफ क्रॉस बॉर्डर एम एन्ड ए परफॉर्मेन्स बाय इंडियन फर्म्स, जेआईएमएस एंड एम", द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेन्ट एन्ड स्ट्रेटेजी, 26(4), 4–10.

डॉ. राम सिंह, प्रोफेसर

- रामसिंह (2021) "की ड्राइवर्स फॉर सेल्स ऑन हाइ सी ट्रांजेक्शन्स : आईएसएम एनेबल्ड एविडेन्स फ्रॉम इंडियन ट्रेडिंग फर्म्स", इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एन्ड इकोनॉमिक्स (आईजेबीई), पृ. 144–162, ISSN: 2545–4137 (ऑनलाइन) (2021)

डॉ. सैकत बनर्जी, प्रोफेसर

- कपूर, एस., बनर्जी, एस., और पाओला, एस., (2021),'दि रोल ऑफ रिटेलर्स ड्यूरिंग ब्रान्ड स्कैन्डलस : इनसाइट फ्रॉम ए केस स्टटी', इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ रिटेल एन्ड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेन्ट ।

डॉ. संजय रस्तोगी, प्रोफेसर

- भारतीय हेल्थ प्रणाली के घटकों की शिनाख्त और समुचित ग्राहक केयर पर इनके प्रभाव

डॉ. आर. पी. शर्मा, प्रोफेसर

- भट्टाचार्य, एस., शर्मा, आर.पी., गुप्ता, ए. (2021), "डिटरमिनेन्टस ऑफ कन्ज्यूमर परसेप्शनस ऑफ दि एथिक्स ऑफ ऑनलाइन रिटेलर्स : एन इन्वेस्टिगेशन यूजिंग कन्फर्मेटरी फैक्टर एनालिसिस", विजन, द जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव, सेज।
- शर्मा, आर. पी. और कौर, आर. (2020), "इंडिया – एलएटीएम रू कल्चर प्राक्सिमिटी एण्ड ट्रेड पोटेनशीयल : ए पोस्ट पैन्डेमिक सिनेरीओ", जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मार्केटिंग एण्ड एक्सपोर्टिंग, खंड. 22, सं.1. पृ.19–32
- भट्टाचार्य, एस., शर्मा, आर. पी., गुप्ता, ए. (2022), 'द इम्पैक्ट ऑफ कन्ट्री ऑफ ओरिजिन, ट्रस्ट एन्ड सैटिसफैक्शन ऑन ऑनलाइन पर्चेस इन्टेन्शन इन एमर्जिंग मार्केट्स : एन इंडियन पर्सपेक्टिव', जिन्दल जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च।
- सूद, एच. और शर्मा, आर. पी. (2021), "कस्टमर डिजिटल एन्गैज्मन्ट एण्ड लाइफटाइम वैल्यू " अन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ टेलीकॉम सर्विसेज़ इन इंडिया", एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू, दिसम्बर
- शर्मा, आर. पी. और कौर, रवनीत (2020) इंडिया–लाटम : कल्वरल प्राक्सिमिटी एण्ड ट्रैड पोटेनशीयल – ए पोस्ट पैन्डेमिक सिनेरीओ, जर्नल ऑफ इंटरनेशनल मार्केटिंग एण्ड एक्सपोर्टिंग, (एबीडीसी सी श्रेणी जर्नल), खंड 22, संख्या 1

आलेख

- शर्मा, आर. पी. (2022),"एग्रीरिटेक एनबलिंग फ़ार्मिंग ऐज ए सर्विस (FaaS) इन इंडिया", दी हिन्दू बिजनस लाइन 10 मार्च
- शर्मा, आर. पी. (2022), "व्हाट एमएसएई एक्स्पोर्टर्स नीड बिऑन्ड ए बिग मार्केट अपॉरच्यूनिटी टू फाइन्ड सक्सेस ओवरसीज", फाइनैन्शल एक्स्प्रेस 3 मार्च
- शर्मा, आर. पी. (2022), "दी फाल ऑफ प्रोडक्टस एण्ड दी राइज़ ऑफ सर्विसेज़", ईटी ब्रांड एक्विटी, 3 फ़रवरी।

डॉ. सस्वती त्रिपाठी, प्रोफेसर

- तालुकदार, बी., और त्रिपाठी, एस. (2021). इप्पेक्ट ऑफ सप्लाय चेन पर्फार्मेन्स ऑन फर्म्स एक्सपोर्ट कैपेबिलिटी : डेवलपमेन्ट ऑफ ए स्टेटिस्टिकल मॉडल। ग्लोबल बिजनेस रिव्यू। DOI: 10.1177/09721509211044303
- त्रिपाठी, एस., तालुकदार, बी. और रंगराजन, के. (2021). "डू स्प्लाई चेन पर्फार्मेन्स इन्फ्ल्यूएन्स फर्म प्रॉफिटेबिलिटी? – भारतीय फार्मास्यूटिकल उद्योग के संदर्भ में अनुमानपरक दृष्टिकोण" आईआईएम कोझिकोड सोसायटी एन्ड मैनेजमेन्ट रिव्यू, DOI: https://doi-org/10.117 7/22779752 211003453

डॉ. एम. वेन्कटेशन, प्रोफेसर

- वर्मा, अंजू और मुरुगेशन वेंकटेशन – एचआर फैक्टर्स फार दि सक्सेफुल इम्प्लीमेन्टेशन ऑफ इन्डस्ट्री 4.0 : ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यू
- इन्डस्ट्री 4.0 वर्कफोर्स इम्प्लीकेशन्स फॉर इफेक्टिवनेस इन इंडियन ऑटोमोटिव इन्डस्ट्री : ए रिव्यू

डॉ. आशीष पान्डे, प्रोफेसर

- पान्डे, आशीष और सहगल, संजय (2021), 'फर्म क्वालिटी एन्ड स्टॉक रिटर्नस् : ऐवडिन्स फ्रॉम इंडिया' इनवेस्टमेन्ट एनालिस्ट जर्नल, टायलर और फ्रान्सिस

डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती, प्रोफेसर

- "इंडियास विदड्रॉअल फ्रॉम द रीजनल काम्प्रीहेन्सिव इकनॉमिक पार्ट्नर्शिप : डीसायफरिंग कमाडिटी लेवल अन्डरकरेन्टस" (सह–लेखक : बी. आर. चौधरी), इकोनॉमिक एन्ड पॉलिटिकल वीकली, 56(48), 2021, पृ. 26–30
- "आईपीआर वेवर इन वेक्सीन एन्ड अपॉर्च्यूनिटीज फॉर इंडिया : व्हाट डज दि डाटा शो?" (सह–लेखक : एन. बानिक और एस. के. दास), आर्टनेट पॉलिसी ब्रीर्प सं. 210, यूएनईएससीएपी : बैंकॉक 2021.
- "फ्यूचर ऑफ इन्टरनेशनल ट्रेड लॉ इन ए प्रोटेक्शनिस्ट वर्ल्ड : थ्योराजिंग डब्ल्यूटीओ नेगोशिएटिंग पर्सपेक्टिव्स", (सह–लेखक : जे. चेइसी), वाशिंग्टन जर्नल ऑफ इन्टरनेशनल लॉ 31(1), पृ. 1–57, 2022.
- "एफिशिसियेन्सी गेन इन इंडियन मैन्यूफैक्चिरिंग सेक्टर\ एविडेन्स फ्रॉम डोमेस्टिक वैल्यू एडिशन इन एक्सपोर्ट्स" (सह–लेखक : एस. अग्रवाल और एस. मंडल), एम्पायरिकल इकोनॉमिक पत्र, 21(2).
- "राइजिंग इम्पोर्ट थ्रेट इन्फ्ल्यूएंसिंग इंडियाज विदड्रावल फ्रॉम रीजनल कॉम्प्रीहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप? एविडेन्स फ्राम स्ट्रक्चरल ब्रेक रिजल्ट्स" (सह लेखक : बी. आर. चौधरी और ए. सेनगुप्ता), एम्पायरिकल इकोनॉमिक पत्र, 21(3). .
- "कोविड–19 एन्ड आईपीआर वेवर : एन इंडियन पर्सपेक्टिव" (सह लेखक: एन. बानिक), इकोनॉमिक एन्ड पॉलिटिकल वीकली , 56(35), 2021, पृ. 19–22.
- "अपॉर्चयूनिटीज इन ट्रेड एन्ड कॉर्स बिटवीन इंडिया एन्ड ताइवान इन दि पोस्ट कोविड–19 एरा" एशिया इनसाइट 16, 2021, पृ. 1–8
- "प्रॉस्पेक्टस फॉर इंडियन एग्रीकल्चरल प्रोडक्टस फ्रॉम प्रोपोस्ड इंडिया–यूके एफटीए", (सह लेखकरू बी. आर. चौधरी), आर. एस. रत्ना और अन्य (सम्पादकगण), 'विश्व व्यापार संगठन और एफटीएके साये में भारतीय कृषि, स्प्रिंगर : सिंगापुर, 2021.
- "यूएनईसीई एग्रीमेन्ट ऑन हार्मोनाइजेशन ऑफ व्हिकल स्टैन्डर्डस एन्ड इंडिया : एम्पायरिकल रिजल्टस एन्ड पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स" (सह लेखक: बी. नाग), पी. लखनपाल, बी. नाम, जे. मुखर्जी, और डी. टुटेजा (सम्पादकगण), "ट्रेड, इन्वेस्टमेन्ट एन्ड इकोनॉमिक्स ग्रोथ : इश्यूस फॉर इंडिया एन्ड एमर्जिंग इकोनॉमिक्स", स्प्रिंगर : नई दिल्ली, पृ. 285–308, 2021 में प्रकाशित
- "व्हिच फैक्टर्स इन्फ्ल्यूएन्स वर्टिकल इन्ट्रा–इन्डस्ट्री ट्रेड इन इंडिया? एम्पायरिकल रिजल्टस फ्रॉम पैनल डाटा एनालिसिस" (एस. अग्रवाल के साथ सहलेखन), आईआईएफटी वर्किंग पेपर शृंखला सं. ईसी–21–54, 2021

डॉ. असीम राज, सिंगला प्रोफेसर

- सिंगला, ए. आर., तथा अन्य, 'डायनामिक्स ऑफ ई–गवर्नन्स इन पोस्ट कोविड एरा: इंडिया", दि इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ इनफार्मेशन सिस्टम्स इन डेवेलपिंग कंट्रीस, ISSN: 1681–4835, विले
- सिंगला, ए. आर., तथा अन्य, "कॉन्सट्रकटिंग डेफ़िनएशन ऑफ स्मार्ट सिटीस फ्रॉम सिस्टम्स थिंकिंग व्यू", कायबेरनेटेस, , ISSN: 0368–492X, https://doi-org/10-1108/K-05-2020-0276] एमेराल्ड इन्साइट
- सिंगला, ए. आर., तथा अन्य, "ए स्ट्रटीजिक एण्ड एडपटिव प्लान फॉर रीसर्जन्स ऑफ फूड टेक डिलिवरी सर्विस सेक्टर ड्यूरिंग एण्ड बिऑन्ड पब्लिक हेल्थ पैन्डेमिक क्राइसिस", जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स, मैनेजमेन्ट एन्ड ट्रेड, ISSN: 2456–9216, 2020, आलेख संख्या: JEMT61435

डॉ. प्रीति टाक, सहायक प्रोफेसर

- अर्पासी, आई., टाक, पी., और शेखावत, एच. (2021). "दि मॉडरेटिंग रोल ऑफ एक्जिबिशनिज्म इन दि रिलेशनशिप बिट्वीन" सायकोलॉजिकल नीड्स एन्ड सेल्फी–पोस्टिंग बिहेवियर। करेन्ट सायकोलॉजी, पृ. 1–7.

डॉ. आशीष गुप्ता, सहायक प्रोफेसर

- तिवारी, टी., गुप्ता, ए., मिश्रा, वी., और कुमार, जे. (2020) यंग् वर्किंग विमेन पर्चेस इन्टेन्शन टूवार्ड ऑर्गेनिक कॉस्मेटिक्स प्रोडक्टस, इन्ट. जे. इकोनॉमिक्स एन्ड बिजनेस रिसर्च खंड 22, सं. 2/3, पृ. 256 – 277

- शिल्पा चौहान, आसिफ अख्तर और आशीष गुप्ता (2021) गेमिफिकेशन् इन बैंकिंग : ए रिव्यू, सिन्थेसिस एन्ड सेटिंग रिसर्च एजेन्डाश, यंग कन्ज्यूमर्स, खंड 22, सं. 3, पृ. 456–479.

- गुप्ता, ए., कुमार, जे., खान, एम. सी. आर., और दीक्षित, एस. (2021). "स्विगी रिफर्विशर्स ट्रस्ट: मैनेजिंग मेल्टडाउन थ्रू पब्लिक रिलेशन्स", विजन – दि बिजनेस पर्सपेक्टिव जर्नल, 25 (3), 373–383. https://doi-org/10.1177/097226 29211024518.

- खंडेलवाल, यू., त्रिपाठी, वी. औरगुप्ता, ए. (2021). "ए बायोमेट्रिक एनालिसिस ऑफ ग्रीन ब्रॉन्डिंग रिसर्च 2000 से 2019", विजन : दि जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव(मुद्रण से पहले) https://doi-org/10.1177/09722629 21103 3916.

- राय, एस., केसरवानी, ए, और गुप्ता, ए. , (2021)"डिमिस्टीफाइंग यूजर्स अटैचमेन्ट ऑफ स्मार्टफोन एप्पसरू ए वैल्यूनिवर्सिटी ओरिएन्टेशन पर्स्पेक्टिव्स", जर्नल ऑफ इन्टरनेट कॉमर्स (स्वीकृत).

- गुप्ता, ए. , कुमार, जे. , तिवारी, टी. , और विर्क, एन, (2021). "इन्फ्ल्यूऐन्स ऑफ कार्टून कैरेक्टरर्स ऑन जेनरेशन अल्फा इन पर्चेजिंग डिसीजन्स", यंग कन्ज्यूमर्स, (स्वीकृत), मुद्रण से पहले।

- चौहान, एस., अख्तर, ए, और गुप्ता, ए. (2022), "कस्टमर एक्सपीरियंन्स इन डिजिटल बैंकिंग : ए रिव्यूनिवर्सिटी एन्ड फ्यूचर रिसर्च डायरेक्शन्स", इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ क्वालिटी एन्ड सर्विस साइन्सेस, 14(2), 311–348. https://doi.org/10.1108/ijqss–02–2021–0027.

- कुमार, जे., सिंह, ए., और गुप्ता, ए. (2022). "रॉबिन हुड इन्श्योरेन्स ब्रोकिंग : ड्राइविंग ग्रोथ विद डिफ्रेन्शिएसन्स", एमेराल्ट एमर्जिंग मार्केट्स – मामला अध्ययन 12(1), 28. https://doi-org/10.1108/eemc–10–2021–0325.

- कुमार, जे., गुप्ता, ए. , और श्रीवास्तव, ए. के. (2021, अप्रैल 23 और 24). "फैक्टर्स इम्पेक्टिंग कस्टमर लॉयल्टी टूवर्डस ऑनलाइन ट्रेवल एन्ड हॉसपिटेलिटी (आलेख प्रस्तुति)", प्रथम आईआईएम बोधगया प्रबंधन सम्मेलन 2021, सम्मेलन की थीम रू पोस्ट कोविड मैनेजमेन्ट स्ट्रेटेजीस : रिकवरी, रेसिलेन्स एन्ड एडॉप्शन, आयोजक भारतीय प्रबंधन सस्थान, बोधगया, बिहार, भारत

डॉ. दिव्या टुटेजा, सहायक प्रोफेसर

- रिजीम स्विचिंग इन इंटरनेशनल करेंसी एंड स्टॉक मार्केट्स : ए मार्कोव स्विचिंग एनालिसिस (पी. दुआ के साथ), जर्नल ऑफ क्वान्टिटेटिव इकोनॉमिक्स खंड 19, 309–336, दिसम्बर 2021, DOI: https://doi-org/10.100740953–021–00273–9 [ABDC–B].

- सप्रिन्गर द्वारा प्रकाशित – ट्रेड इन्वेस्टमेन्ट एन्ड इकोनॉमिक ग्रोथ: इश्यूस फॉर इंडिया एन्ड एमरजिंग इकोनॉमिक्स – पूजा लखनपाल, जयदीप मुखर्जी, विश्वजीत नाग और दिव्या टुटेजा (सम्पदकों के रूप में)

डॉ. कविता वाधवा, सहायक प्रोफेसर

- अहमद, एन. और वाधवा, के. (2021), "डस फर्म पर्फोन्स इम्पेक्ट टॉप एक्जीक्यूटिव टर्नओवर?", फाइनान्स इंडिया, खंड XXXV सं. 2, जून।

डॉ. प्रतीक माहेश्वरी, सहायक प्रोफेसर

- स्नातकोत्तर स्तरीय पाठ्यक्रम के लिए स्वाध्ययन सामग्री के लिए अध्याय लेख, MMPC–006 विपणन प्रबंधन, ब्लॉक III – वितरण और संवर्द्धन निर्णय, यूनिट/अध्याय 9, शीर्षक : एकीकृत विपणन संप्रेषण, प्रबंधन अध्ययन स्कूल, IGNOU, भारत सरकार द्वरा प्रकाशित

- एन इंडियन एडाप्शन ऑफ ग्लोबल मार्केटिंग मैनेजमेन्ट (8वां संस्करण) लेखन मासाकी कोटाबे और क्रिस्टियान हेलसेन अंतरराष्ट्रीय विपणन के रूप में (8वां संस्करण) प्रकाशन विले इंडिया।

डॉ. औन्ड्रिला डे, सहायक प्रोफेसर

- डे., ओ (2021), इन्सेंटिव, स्टेटस एंड देयरआफ्टर : ए क्रिटिकल सर्वे (स्वप्नेन्दु बनर्जी के साथ). साउथ एशियन जनैल आफ पब्लिक फाइनान्स (2021), पृ. 1–21, Ist https://doi-org/10.1177/2277978721990970

- पॉवर डायनामिक्स इन द एशिया पेसिफिक : ए गेम थ्योरिटिक फ्रेमवर्क फॉर एनालाइजिंग इंडिया–चायना इन्टरनेशनल ट्रेड राइवल्री (सह लेखक : ज्यूलियन चेसी और देबशीष चक्रवर्ती), सायराकस जर्नल ऑफ इन्टरनेशनल लॉ एन्ड कॉमर्स (स्वीकृत)

डॉ. नमन शर्मा, सहायक प्रोफेसर

पुस्तक

- शर्मा, एन. (2021), ऑर्गेनाइजिंग एंटरप्रिन्योरशिप एंड एमएसएमईस अक्रॉस इंडिया (बुक), वर्ल्ड साइंटिफिक सिंगापूर.

- शर्मा, एन.(2021), क्रिटिकल इश्यूस ऑन चेंजिंग डाइनामिक्स इन एम्पलॉय रिलेशन एंड वर्कफोर्स डाइवेर्सिटी (पुस्तक), आईजीआई ग्लोबल, हरशे, पेंसिलवेनिया (यूएसए)

सुश्री नेहा जैन, सहायक प्रोफेसर

- जैन, नेहा और श्रीनिवास गोली (2022), "डेमोग्राफिक चेंज अंड डेमोग्राफिक चेंज एंड प्राइवेट सेविंग्स इन इंडिया", जर्नल ऑफ सोशल एंड इकनॉमिक डेव्लपमेंट"

सुश्री सुगंधा हुरिया, सहायक प्रोफेसर

- पंत, मनोज और हुरिया, सुगंधा (2022), "क्वांटिफिकेशन ऑफ सर्विसेस ट्रेड रेस्टरिक्शन्स – सम न्यू रिजल्ट्स" इकोनॉमिक एन्ड पॉलिटिकल वीकली , खंड 57, अंक 10, 5 मार्च.

डॉ. जे. के. वर्मा, सहायक प्रोफेसर

- "वर्मा, जे. के, सक्सेना, दीपक और गॉन्जालेज प्राइडा, विन्सेन्ट (2022), "आईओटी एंड क्लाउड कंप्यूटिंग फॉर सोसाइटल गुड", स्प्रिन्गर इन्टरनेशनल पब्लिशिंग, स्प्रिन्गर नेचर स्विटजरलैन्ड एजी, चौम, स्विटजरलैन्ड.
- जे. के. वर्मा और एस. पॉल (2022), "एडवांसेस इन औग्मेंटेड रिऐलिटि एंड वर्चुअल रियल्टी", स्प्रिन्गर नेचर।
- जे. के. वर्मा, डी. सक्सेना और वी. गॉन्जालेज प्राइडा (2022), "आईओटी एंड क्लाउड कंप्यूटिंग फॉर सोसाइटल गुड", स्प्रिन्गर.
- डी. सक्सेना और जे जे. के. वर्मा (2022), "रेक्रेयटिंग रिऐलिटि: क्लासिफिकेशन ऑफ कम्प्युटर असिस्टेड एनवायरनमेंटस", एडवांसेस इन औग्मेंटेड रिऐलिटि एंड वर्चुअल रियल्टी, , स्प्रिन्गर, पृ. 3–9.
- जे. के. वर्मा और डी. सक्सेना (2022), "टूवड्‌र्स एनेर्जी एफ़िफ़शिएंट क्लाउड कंप्यूटिंग : रिसर्च डाइरेक्शंस एंड मेथडोलोजी अप्रोच", आईओटी एंड क्लाउड कंप्यूटिंग फॉर सोसाइटल गुड, स्प्रिन्गर, पृ. 3–13.

संकाय आउटरीच गतिविधियां

- डॉ. देवाशीष चक्रवर्ती को ईयू–भारत लोक शीर्ष सम्मेलन 'कनवर्जिंग प्वाइंट्स ऑफ बिजनेस, ट्रेड एन्ड ह्यूमन राइट्स' विषय पर वेबिनार सत्र में पेनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया, इसका आयोजन शुक्रवार, 7 मई 2021 को सांय 4:30 – सायं 5:30 पर इस शीर्ष सम्मेलन के एक भाग के रूप में किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को एआईबी, दक्षिण एशिया चैप्टर के वाइस प्रेसिडेन्ट के रूप में नियुक्त किया गया।
- डॉ. रंगराजन को सीआईआई, पश्चिम बंगाल द्वारा वक्ता के रूप में पूर्व से निर्यात के लिए सुविधा में : निर्यात अवसंरचना, वित्त अैर विपणन की भूमिका के आयोजन में 30 जून 2021 को आमंत्रित किया गया ।
- डॉ. रंगराजन को सीआईआई, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला – निर्यात के लिए तत्परता और कोविड–19 उपरांत निर्यात अवसर – में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. दीपांकर सिन्हा को 'पोर्ट लॉजिस्टिक्स के डोमेन में भारत की क्षमताओं को सुदृढ़ बनाने' के संबंध में आयोजित कार्यशाली में सदस्य के रूप में निमित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को रांची, झारखंड में 22 सितम्बर 2021 को 11:00 बजे आयोजित 'वाणिज्य उत्सव' के समारोह में निर्यातक समुदाय को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को सीआईआई द्वारा थोथूकुडी में 'सीआईआई एक्सप्लोर एक्सपोर्ट 2021' के चतुर्थ संस्करण में आमंत्रित किया गया – यह निर्यात के बारे में सम्मेलन शुक्रवार 24 सितम्बर 2021 को आभासी प्लेटफार्म पर आयोजित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को इंडियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा 21 जनवरी 2022 को आयोजित शॉर्ड प्रोडक्टिविटी कोर्स में रणनीतिगत प्रबंधन पर व्याख्यान हेतु आमंत्रित किया गया।
- डॉ. भरत चिलाकुरी को इंडियन ऑयल कार्पोरेशन द्वारा शॉर्ड प्रोडक्टिविटी कोर्स 2021–22 में कार्पोरेट एथिक्स, इमोशनल इंटैलिजेन्स एन्ड इनोवेशन एन्ड हाई पफोर्मेन्स पर व्याख्यान के लिए 18–19 जनवरी 2022 के दौरान आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को एआईबी दक्षिण एशिया चौप्टर के लिए 23 जनवरी 2022 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2022 में एक सत्र की अध्यक्षता के लिए आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को एसजीटी विश्वविद्यालय द्वारा 12 फरवरी 2022 को 'प्लानिंग, डिसीजन मेकिंग एन्ड लीडरशिप' विषय पर एक दिवसीय आभासी कार्यशाला में प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन और डॉ. जयंत कुमार सियाल को स्टेट बैंक नेतृत्व संस्थान के कार्यपालकों हेतु अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय पर आयोजित विशेषीकृत कार्यक्रम में सत्र के वक्ताओं के रूप में 16 – 17 फरवरी 2022 के दौरान आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को जीआईटीएएम प्रबंधन संस्थान द्वारा 9 मार्च 2022 को आयोजित 'पोस्ट पेन्डेमिक इन्टरनेशनल बिजनेस लैन्डस्केप – चौलेन्जेस एन्ड अपॉर्चयूनिटिस' विषय पर आयोजित वेबिनार में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. के. रंगराजन को भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान द्वारा आयोजित 'एमएसएमई की प्रतिस्पर्धा और संवृद्धि' विषय पर 29–30 मार्च 2022 को आयोजित अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. आर. पी. शर्मा को इगनोऊ के विक्रय प्रबंधन पाठ्यक्रम की समीक्षा और पुन: डिजाइनिंग के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डॉ. आर. पी. शर्मा को काठमान्डू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट, नेपाल में 'डीकोडिंग कन्ज्यूमर बिहेवियर फॉर सेल्स सक्सेस पर व्याख्याता के रूप में 22 दिसम्बर 2021 को आमंत्रित किया गया।
- डॉ. आर. पी. शर्मा को ऐमिटी यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान द्वारा 3 – 5 मार्च 2022 को आयोजित 'द्वितीय इंटरनेशनल कन्वेन्शन ऑन ग्रीन एनवायरनमेंट, टेक्नॉलजी एण्ड इंटरप्रेन्योरशिप थ्रू इनोवेशन आईसीजीईटीईआई 2022 में एक सत्र की अध्यक्षता हेतु आमंत्रित किया गया।

- डॉ. पी. के. दास को विषय के विशेषज्ञ के रूप में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एन्ड इंजीनियर्स लिमिटेड (भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय का उपक्रम), कोलकाता (8 नवम्बर 2021) द्वारा आमंत्रित किया गया।
- डॉ. पी. के. दास को एमडीआईएम द्वारा आईसीसीबीपी–2022 सम्मेलन सत्र में अध्यक्ष के रूप में 21 – 23 जनवरी 2022 को आमंत्रित किय गया।
- डॉ. पी. के. दास को प्रबोधक (विश्लेषिकी), उच्च स्तरीय अध्ययन बोर्ड, द इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंटस के रूप में आमंत्रित किया गया।

व्यापार और निवेश कानून केन्द्र (सीटीआईएल) संकाय द्वारा प्रकाशन

जेम्स जे. नेदुम्पारा, प्रोसेसर और प्रमुख (सीटीआईएल)

पुस्तक

- जेम्स जे. नेदुम्पारा और लीला चौक्राउन (2021), "इन्टरनेशनल इकोनॉमिक लॉ: टेक्स्ट, केसेस एन्ड मैटीरियल्स", जुलाई।

शोध पत्र

- जेम्स जे. नेदुम्पारा और आदित्यलङ्घा (2021), "इंडिया ज्वाइनिंग दि आईसीएसआईडी? ए न्यू लुक एट एन ओल्ड डिबेट, जुलाई।

आलेख

- जेम्स जे. नेदुम्पारा और सत्यांबा, एस. (2021), "क्रॉसिंग दि कार्बन बॉर्डर टू ट्रेड विद द ईयू क्लूवेर रेग्यूलेटिंग फॉर ग्लोबलाइजिंग ब्लाग", जून।
- जेम्स जे. नेदुम्पारा और सत्यांबा, एस. (2021) "ईयू फिट फॉर 55 पैकेजेस एन्ड प्राइसिंग ऑफ कार्बन: व्हाय शुड दि डेवलपिंग कन्ट्रीज बी वेयरी ऑफ इट?" फिनानशियल एक्सप्रेस, अगस्त।

अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन / आलेख

- जेम्स जे. नेदुम्पारा स्पेशल (2021), "इकोनॉमिक जोन्स एन्ड फ्री ट्रेड एन्क्लेव्स : ए ट्रबल्ड एक्सिसटेन्स आफ्टर इंडिया : एक्सपोर्ट रिलेटेड मेय्जर्स (पैनल) रूलिंग?", जून।
- जेम्स जे. नेदुम्पारा और असीम सिन्हा (2021), "इंडिया : एन एमर्जिंग जाइन्टस ट्रान्सफॉर्मेशन एन्ड इटस इम्प्लीकेशन्स", जुलाई।
- जेम्स जे. नेदुम्पारा, स्पर्श जनार्दन और अपर्णा भट्टाचार्य (2021), "एग्रीकल्चर सबसिडीज : अनरिवीलिंग दि लिन्केजेस बिटवीन द एम्बर बॉक्स एन्ड दि ब्ल्यू बॉक्स सपोर्ट", अगस्त।
- जेम्स जे. नेदुम्पारा (2021), "स्कर्मिशेस ओवर डिजिटल सर्विस टैक्सेस : दि पेरिल्स एंड सिस्टेमिक कॉस्ट्स ऑफ सेक्शन 301 एक्शन्स, अक्तूबर।

श्री सात्विक शेखर, सहायक प्रोफेसर

- "मेक मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ दि वैक्सीन इन इंडिया अट्रेक्टिव", मई 2021।

अपूर्वा सिंह विश्नोई

- अपूर्वा सिंह विश्नोई और ऋषभ मीणा (2021), "टेक्नोलॉजी ट्रान्सफर एट दि डब्ल्यूटीओ : ओल्ड प्रीमाइसेस एन्ड न्यू होप्स ऑफ दि डेवलपिंग वर्ल्ड", जुलाई।

राजभाषा हिंदी की गतिविधियां

वर्ष 2021 – 22 के दौरान राजभाषा हिंदी की गतिविधियां :

संस्थान संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के अंतर्गत श्रृंखला निर्धारित लक्ष्यों को शत–प्रतिशत पूरा करने के लिए पूर्ण रूप से जागरूक व वचनबद्ध है। संस्थान में राजभाषा हिंदी का प्रचार–प्रसार दिन–प्रतिदिन उन्नयनता की ओर अग्रसर है। राजभाषा हिंदी के श्रेष्ठ कार्यान्वयन के लिए संस्थान को समय–समय पर माननीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा "राजभाषा कीर्ति पुरस्कार" तथा वाणिज्य मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा "शील्ड ट्रॉफी" प्रदान की गई हैं, जो इसकी प्रमाणिकता को दर्शाता है। संस्थान में कार्यालयीन कामकाज के साथ–साथ शिक्षण एवं प्रशिक्षण में भी हिंदी की उपयोगिता को बढ़ावा दिया गया है। वर्ष 2021 – 22 के दौरान हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित किए गए कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है :

- **धारा 3(3) का अनुपालन** – संस्थान में सभी कार्यालय आदेश, परिपत्र, कार्यालय ज्ञापन, अधिसूचनाएं, संविदाएं, करार, टेंडर के फार्म और नोटिस, नियम, दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने वाले सभी सरकारी कागज व प्रशासनिक रिपोर्ट, आदि द्विभाषी रूप में जारी की गई।
- **राजभाषा नियम, 1976 के नियम 11 का अनुपालन** – संस्थान के कोड, भर्ती नियम, संविधान, पुस्तकालय नियम व विनियम, अंशदायी भविष्य निधि नियम, सेवाओं की हस्तपुस्तिका, नागरिक प्राधिकार, परामर्श नियम, पुस्तकालय नियम व विनियम, आदि को द्विभाषी रूप में अद्यतन किया गया।
  - (क) सभी साइनेज,रबड़ की मोहरें, नामपट्ट, लोगो, सीलें, पत्र शीर्ष, विजिटिंग कार्ड आदि द्विभाषी रूप में उपयोग किए गए।
  - (ख) संस्थान में कर्मचारियों द्वारा सभी प्रपत्र जैसे अवकाश आवेदन, चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल, यात्रा रियायत बिल, वाहन व्यय, ट्यूशन फीस इत्यादि पूरी तरह द्विभाषी रूप से उपयोग में लाए गए।
  - (ग) संस्थान में आयोजित होने वाले सभी शिक्षण व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रवेश – पत्र बैनर आदि को द्विभाषी रूप में तैयार किया गया।
- **राजभाषा नियम, 1976 के नियम 5 का अनुपालन** – संस्थान के सभी अनुभागों/विभागों में प्राप्त हिंदी पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया गया।
- **पत्राचार की स्थिति** – संस्थान "क" क्षेत्र में स्थित है इस प्रकार "क" और "ख" क्षेत्र में अधिक से अधिक पत्राचार हिंदी/द्विभाषी रूप में किया गया जो वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित हिंदी पत्राचार के लक्ष्य के लगभग अनुरूप है। इस प्रकार संस्थान में हिंदी पत्राचार की स्थिति संतुष्टिपूर्ण रही है।
- **संस्थान की द्विभाषी वेबसाइट** – संस्थान की वेबसाइट हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में है तथा अंग्रेजी वेबसाइट के साथ–साथ हिंदी वेबसाइट को समय–समय पर अद्यतन किया गया।
- **प्रोत्साहन योजना** – राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए छमाही प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत संस्थान सदस्यों को नकद राशि प्रदान करते हुए पुरस्कृत किया गया।
- **वार्षिक/छमाही प्रोत्साहन योजना** – राजकीय कार्यों के लिए हिंदी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चालू वर्ष के दौरान वार्षिक/छमाही प्रोत्साहन योजना चलाई गई, जिसके अंतर्गत पूर्ण रूप से हिंदी में कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को नकद राशि प्रदान करते हुए पुरस्कृत किया गया।
- **नराकास की बैठक** – नराकास संस्थान 'क' क्षेत्र में स्थित होने के कारण माननीय संसदीय राजभाषा समिति द्वारा गठित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास दक्षिण दिल्ली 3) का सदस्य कार्यालय है। संस्थान ने वर्ष के दौरान नराकास द्वारा समय–समय पर आयोजित सभी बैठकों में अपनी सहभागिता दर्ज की है।
- **तिमाही बैठक** – वर्ष 2021–22 के दौरान राजभाषा नियमों के अनुपालनार्थ प्रत्येक तिमाही में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों का आयोजन किया गया।
- वर्ष 2021–22 के दौरान संस्थान में आयोजित लगभग 10 प्रबंधन विकास कार्यक्रमों के अंतर्गत केरल सरकार (कृषि विभाग), विदेश व्यापार महानिदेशालय, सशस्त्र बलों के अधिकारियों तथा टीवीएस मोटर्स, टाटा मेटालिक, एचपीसीएल के कार्यपालकों को हिंदी–अंग्रेजी की मिली–जुली भाषा के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय व संबंधित विषयों पर शिक्षण/प्रशिक्षण दिया गया। भारत सरकार की निर्यात बंधु योजना के अंतर्गत आईआईएफटी द्वारा चलाए जा रहे मैसिव–ओपन–ऑनलाइन–कोर्स (एमओओसी – मूक) कार्यक्रम को वर्ष 2020–21 के दौरान जारी रखा गया तथा इसके अंतर्गत लगभग 340 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। इन सभी ऑनलाइन शनिर्यात–आयात व्यापार में 'प्रमाण–पत्र' कार्यक्रमों में अंग्रेजी–हिंदी की मिली–जुली भाषा का उपयोग किया गया।
- **हिंदी कार्यशाला** – संस्थान में हिंदी कार्यशालाओं का नियमित आयोजन किया गया।
- **विश्व हिंदी दिवस** – 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया।

हिंदी में प्रकाशन

- गृह–पत्रिका "यज्ञ" – हर वर्ष की भांति, संस्थान द्वारा गृह–पत्रिका "यज्ञ" अंक–13, वर्ष 2021 का प्रकाशन किया गया।
- संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2020–21 का हिंदी में प्रकाशन किया गया।

संस्थान में हिंदी सप्ताह – संस्थान के दिल्ली परिसर में राजभाषा विभाग द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों के अनुरूप 07–14 सितम्बर, 2021 के दौरान हिंदी सप्ताह का आयोजन किया गया। संस्थान में राजभाषा के इस वार्षिक पर्व के दौरान निबंध लेखन, टिप्पण एवं प्रारूपण, कथा–कहानी–कहो अपनी जुबानी तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान के अधिकांश अधिकारियों व कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी सहभागिता दर्ज की।

14 - 21 सितम्बर 2021 के दौरान हिंदी सप्ताह के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं का परिणाम-पत्रक

दिल्ली परिसर में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता

1.	हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	दीपा पी.जी. (अहिंदी)	प्रथम
2.	रंजन कुमार	प्रथम
3.	मनोज मरोठिया	द्वितीय
4.	मोनिका सैनी	द्वितीय
5.	करिश्मा खान	तृतीय
6.	सते सिंह	तृतीय
7.	रौनक बिष्ट	सांत्वना
8.	ऋचा दुआ	सांत्वना
2.	**प्रश्नोत्तरी लिखित प्रतियोगिता**	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	रौनक बिष्ट	प्रथम
2.	सतपाल सिंह	द्वितीय
3.	राकेश कुमार ओझा	तृतीय
3.	**वाद–विवाद प्रतियोगिता**	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	रितिका	प्रथम
2.	संजीव कुमार	प्रथम
3.	राकेश कुमार ओझा	द्वितीय
4.	नीतीश दवे	द्वितीय
5.	सतपाल सिंह	तृतीय
6.	करिश्मा खान	तृतीय
7.	अनिता महतो	सांत्वना
8.	सविता अरोड़ा	सांत्वना
4.	**कथा–कहानी–कहो अपनी जुबानी प्रतियोगिता**	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	पीताम्बर बेहेरा (अहिंदी)	प्रथम
2.	तनुश्री अरोड़ा	प्रथम
3.	रितिका	द्वितीय
4.	एस. बालासुब्रमणियन (अहिंदी)	द्वितीय
5.	मोनिका वर्मा	तृतीय
6.	सविता अरोड़ा	तृतीय
7.	संजीव कुमार	सांत्वना
8.	मोहनी मदान	सांत्वना

कोलकाता परिसर में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेता

1.	हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	अतुल कुमार (हिंदी भाषी)	प्रथम
2.	अनुष्का श्रीमानी	प्रथम
3.	उपासना आचार्य	द्वितीय
4.	दिब्येंदु पात्रा	द्वितीय
5.	श्राबनी मंडल	तृतीय
6.	तन्मय रॉय	तृतीय
2.	**प्रश्नोत्तरी लिखित प्रतियोगिता**	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	अतुल कुमार	प्रथम
2.	धीरेन्द्र	द्वितीय
3.	पिनाकी भट्टाचार्य	तृतीय
3.	**वाद–विवाद प्रतियोगिता**	
क्र. स.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	रामकृष्ण दास	प्रथम
2.	जैनब इमाम	प्रथम
3.	तन्मय रॉय	द्वितीय
4.	सोमा घोष	द्वितीय
5.	श्राबनी मंडल	तृतीय
4.	**कथा–कहानी–कहो अपनी जुबानी प्रतियोगिता**	
क्र. सं.	विजेता प्रतिभागी का नाम	स्थान
1.	जैनब इमाम	प्रथम
2.	रामकृष्ण दास	प्रथम
3.	सोमा घोष	द्वितीय
4.	पिनाकी भट्टाचार्य	द्वितीय

प्रतियोगिताओं के विजेता सहभागियों को प्रोत्साहन के रूप में नकद पुरस्कार राशि व प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

वार्षिक लेखा

2021-22

स्वतंत्र लेखापरीक्षक की रिपोर्ट

प्रबंधन मंडल के सदस्यगण
भारतीय विदेश व्यापार संस्थान
(सोसायटी पजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी)
मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

विषय : वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की सांविधिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (इसके बाद 'सोसायटी' के रूप में उल्लिखित) के संलग्न वित्तीय विवरणों, 31 मार्च 2022 की यथास्थिति अनुसार; 31 मार्च 2022 की यथास्थिति अनुसार तुलनपत्र, इसी अवधि में समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे और प्राप्तियों और भुगतान लेखों, महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीति सहित वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पणी की लेखा परीक्षा की है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन का दायित्व

इन निधियों के लिए प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में जिम्मेदार है जो भारत में लेखांकन मानकों सहित सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार सोसायटी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन को सत्य और उचित रूप में दर्शाते हैं।

इस दायित्व में इस निधि की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और किसी प्रकार की धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं से बचाव करने; समुचित लेखाकंन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; समुचित और विवेकपूर्ण निर्णय लेने और आकलन करने; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के कार्यान्वयन और अनुरक्षण हेतु अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकार्डों का रखरखाव भी शामिल है, जो सत्य और उचित परिणाम देने के लिए वित्तीय विवरणों को तैयार और प्रस्तुत करने लिए सुसंगत हैं और ये किसी धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाले किसी तात्विक गलतबयानी से मुक्त हैं।

लेखा परीक्षक का दायित्व

हमारा दायित्व है कि इन वित्तीय विवरणों के आधार पर हम अपने अभिमत को प्रकट करें। हमने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के नियमों और प्रावधानों, लेखांकन और लेखापरीक्षा मानकों और मामलों, जिनको भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के प्रावधानों और दिशानिदेशों के तहत लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल किया जाना अपेक्षित है, को ध्यान में रखा है।

हमने लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का संचालन किया। इन मानकों में अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करें और इस बारे में पर्याप्त भरोसा प्राप्त करें कि लेखापरीक्षा करने के लिए दिए गए वित्तीय विवरण किसी भी प्रकार की तातविक गलतबयानी से मुक्त हैं।

लेखा परीक्षा में वित्तीय विवरणों में धनराशियों और प्रकटीकरणों के बारे में लेखा परीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करना और कार्यपद्धति का निष्पादन करना निहित होता है। चयन की गई पद्धतियां लेखापरीक्षक के निर्णय पर निर्भर करती हैं, इसमें वित्तीय विवरणों में किसी धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण किसी भी तात्विक गलतबयानी के जोखिम का आकलन भी शामिल होता है। उन जोखिमों का आकलन करने में लेखा परीक्षण वित्तीय विवरणों की तैयारी व निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए संस्थान से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को ध्यान में रखते हुए ऐसी लेखा परीक्षा प्रक्रिया को डिजाइन करता है जो परिस्थितियों के अनुसार उचित हों। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन नीतियों के औचित्य का मूल्यांकन और निधि के प्रबंधनवर्ग द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों की पर्याप्तता के साथ–साथ वित्तीय विवरणों के सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमारा विश्वास है कि हमने जो साक्ष्य हासिल किए वे समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारे लेखापरीक्षा अभिमत के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और समुचित हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हमारी रिपोर्ट के मामलों पर जोर दिए जाने वाले खंड में उल्लिखित मामले/लों के संभावित प्रभावों के अलावा, वाणिज्य विभाग, वाणिज्य मंत्रालय के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रावधानों के अनुसार 31 मार्च 2022 की यथास्थिति अनुसार संलग्न वित्तीय विवरण, 31 मार्च 2022 को समाप्त अवधि के लिए सोसायटी की प्राप्तियों और भुगतानों के लिए और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए सोसायटी के व्यय के बारे में इस सोसायटी की वित्तीय स्थिति पर सत्य और उचित सम्मति देते हैं।

मामले पर कथन

हमारी लेखा परीक्षा के दौरान ऐसे कोई मामले हमारे ज्ञान में नहीं आए जो प्रबंधन को सूचित नहीं किए गए हों और इसलिए किसी विशेष उल्लेख की अपेक्षा करता हो और इसलिए इस पर हमने अपनी राय को संशोधित नहीं किया है।

वित्तीय विवरणों के अभिशासन हेतु प्रभार रखने वालों और प्रबंधन के दायित्व

इस सोसायटी का प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों पर लेखा टिप्पणी में उल्लिखित वित्तीय रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने और उचित रूप में प्रस्तुत करने और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो सकने वाली किसी भी तात्विक गलतबयानी से रहित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंधन द्वारा अनिवार्य समझे जाने वाले नियंत्रणों के लिए जिम्मेदार है।

प्रबंधन और जिन्हें अभिशासन का प्रभार दिया गया है इस सोसायटी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रकिया की निगरानी के लिए जिम्मेदार हैं।

वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य है कि इस बारे में समुचित सुनिश्चितता कर ली जाए कि क्या वित्तीय विवरण समग्र रूप से किसी धोखाधड़ी के कारण या त्रुटि के कारण हो सकने वाले तात्विक गलतबयानी से रहित हैं, और फिर लेखापरीक्षक की रिपोर्ट जारी करें जिसमें हमारी राय शामिल है। समुचित सुनिश्चिता एक उच्च स्तरीय सुनिश्तिता होती है लेकिन यह ऐसी गारंटी नहीं है कि लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की गई लेखा परीक्षा में हमेशा ही तात्विक गलतबयानी यदि है तो पकड़ में भी आ जाएगी। धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण गलतबयानी हो सकती है और इन्हें तात्विक कहा जाता है यदि अलग–अलग या सम्यक रूप से इनसे यह संभावित हो कि इन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं के आर्थिक निर्णय प्रभावित होने की पर्याप्त संभावना हो सकती है।

लेखा परीक्षा के मानक के अनुसार लेखा परीक्षा के एक भाग के तौर पर हम व्यावसायिक निर्णय लेते हैं और पूरी लेखा परीक्षा के दौरान व्यावसायिक संशय को बरकरार रखा है। हमने –

- वित्तीय विवरणों की तात्विक गलतबयानी, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, के जोखिमों की शिनाख्त और आकलन किया है और इन जोखिमों के लिए प्रतिकारक लेखापरीक्षा प्रक्रिया का डिजाइन और निष्पादन भी किया है और ऐसे लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए जो हमारे अभिमत के लिए पर्याप्त और समुचित आधार प्रदान करते हैं। किसी धोखधड़ी से होने वाले महत्त्वपूर्ण मिथ्या कथन से होने वाले जोखिम किसी त्रुटि के कारण होने वाले जोखिमों से बड़े होते हैं, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर चूक, मिथ्या–कथन अथवा आंतरिक नियंत्रणों की अवहेलना शामिल होते हैं।

- उन आंतरिक नियंत्रणों को समझा जो लेखापरीक्षा के लिए सुसंगत हैं, ताकि परिस्थितियों के लिए समुचित लेखा परीक्षा प्रकिया डिजाइन की जा सके, लेकिन यह सोसायटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर कोई राय प्रकट करने के प्रयोजन से नहीं है।

- प्रयुक्त लेखांकन नीतियों के औचित्य का और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन आकलनों और संबंधित प्रकटीकरणों का भी मूल्यांकन किया

- प्रकटीरकणों सहित वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और विषयवस्तु का भी मूल्यांकन किया और यह भी कि क्या ये वित्तीय विवरण सोसायटी के परिचालनों और अंतर्निहित संव्यवाहरों और वृतांतों का इस तरीके से प्रकटीकरण करते हैं जो इन वित्तीय विवरणों के लेखा विषयक नोट में उल्लिखित वित्तीय रिपोर्टिंग प्रावधानों के अनुसार उचित प्रस्तुति करते हैं।

- अभिशासन का प्रभार रखने वालों से भी बात की जिससे अन्य मामलों के साथ–साथ लेखा परीक्षा के नियोजित दायरे और सामयिकता और आंतरिक नियंत्रण में खास विसंगतियों पर चर्चा की जिन्हें हमने अपनी लेखापरीक्षा में अभिनिर्धारित किया।

- जिनके पास अभिशासन का प्रभार है उन्हें अपना यह वक्तव्य भी दिया कि हमने स्वतंत्रता के बारे में सुसंगत नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और हमारी स्वतंत्रता को प्रभावित करने के पर्याप्त समझे जाने वाले सभी संबंधों और अन्य मामलों को भी बताया है और जहां भी अनुमेय रहा है संबंधित रक्षोपाय भी बताए।

अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट

वित्तीय विवरणों के बारे में हमारी राय के अलावा हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि –

क) हमने इस वित्तीय विवरण के साथ दिए गए लेखा विषयक नोट में यथा उल्लिखित के अलावा ऐसी सभी जानकरी और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार इस लेखापरीक्षा के प्रयोजन से अनिवार्य थे।

ख) हमारे अभिमत में विधि द्वारा यथाअपेक्षित समुचित लेखा–बहियों का रखरखाव इस संस्थान ने किया है जैसा कि इन बहियों की हमारे द्वारा की गई जांच से प्रतीत होता है।

ग) इस रिपोर्ट में हमने जिस तुलनपत्र, आय और व्यय विवरणी और प्राप्तियों और भुगतान लेखा का उल्लेख किया है वे सभी लेखाबहियों के अनुसार है।

कृते **राय घोष एन्ड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
फर्म पंजीकरण सं. 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत राय
भागीदार
सदस्यता सं. – 053959
यूडीआईएन: 22053959AWMHJA2294

स्थान : कोलकाता
दिनांक : गुरुवार, 29 सितम्बर 2022

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष का तुलन – पत्र

(राशि : ₹)

विवरण	सूची	31–03–2022	31–03–2021
कॉर्पस / पूंजी कोष व देनदारियां			
कॉर्पस / पूंजी कोष व अन्य कोष	1	661,33,90,668	612,30,40,557
चिन्हित / धर्मादा कोष	2	3,83,36,264	3,88,11,955
चालू देनदारियां व प्रावधान	3	48,64,56,996	44,73,26,793
कुल योग		**713,81,83,929**	**660,91,79,305**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	4	188,53,42,185	189,83,41,959
चिन्हित कोषों में निवेश	5	3,83,36,264	3,76,82,540
अन्य में निवेश	6	389,54,21,916	346,46,97,603
चालू संपदा, ऋण,अग्रिम आदि	7क	41,27,98,102	35,26,03,290
निवेश से प्राप्त ब्याज	7	90,62,85,461	85,58,53,913
कुल योग		**713,81,83,929**	**660,91,79,305**
उल्लेखनीय लेखा नीतियां	16		
आकस्मिक देयता व लेखा पर टिप्पणी	17		

इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **राय घोष एन्ड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
फर्म पंजीकरण संख्या: 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत राय
भागीदार
सदस्यता सं. – 053959
यूडीआईएन: 22053959AWMHJA2294

स्थान : कोलकाता
दिनांक : गुरुवार, 29 सितम्बर 2022

कृते और **भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की तरफ से**

हस्ता/–
डॉ. पी. के. गुप्ता
कुलसचिव

हस्ता/–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष की आय व व्यय लेखा

(राशि : ₹)

विवरण	अनुसूची	31–03–2022	31–03–2021
क. आय			
सेवाओं से आय	8	92,26,14,845	79,17,06,678
अनुदान (वर्ष के दौरान प्रयुक्त किया गया राजस्व अनुदान)	9	–	–
अनुदान – सीआरआईटी से प्राप्त	9क	21,00,00,000	15,66,00,000
सीआरआईटी से आय	9ख	15,80,602	5,94,016
फीस / सदस्यता	10	–	–
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	11	3,94,856	–
अर्जित ब्याज	12	29,90,32,301	22,76,25,928
निवेश से अर्जित ब्याज		12क	––
अन्य आय	13	3,45,37,986	4,79,31,395
पूर्व अवधि आय	13क	–	26,61,573
योग (क)		**146,81,60,589**	**122,71,19,590**
ख. व्यय			
स्थापना व्यय	14	38,70,88,722	42,86,70,279
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि।	15	31,65,46,721	28,89,86,290
मूल्याहास – (अनुसूची 4 के अनुसार)	4	4,30,16,384	4,69,88,869
पूर्व – अवधि मद (नेट)	15क	1,11,52,658	65,01,970
सीआरआईटी का व्यय	15 ख	18,53,35,333	16,12,20,683
योग (ख)		**94,31,39,818**	**93,23,68,092**
व्यय से अधिक आय से अधिक शेष (क – ख)		**52,50,20,772**	**29,47,51,498**

इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **राय घोष एन्ड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
फर्म पंजीकरण संख्या: 320094E

कृते और **भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की तरफ से**

हस्ता/–
डॉ. पी. के. गुप्ता
कुलसचिव

हस्ता/–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

हस्ता/–
सीए सुब्रत राय
भागीदार
सदस्यता सं. – 053959
यूडीआईएन: 22053959AWMHJA2294

स्थान : कोलकाता
दिनांक : गुरुवार, 29 सितम्बर 2022

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को समाप्त वर्ष की प्राप्तियाँ एवं भुगतान

प्राप्तियाँ	31–03–2022	31–03–2021	भुगतान 31–03–2022	31–03–2021	
I. प्रारम्भिक शेष			**I. व्यय**		
(क) नकद व डाक टिकट	70,640.00	22,784	(क) स्थापना व्यय	36,90,94,036	38,30,32,675
(ख) बैंक में जमा			(ख) प्रशासनिक व्यय	23,87,81,826	16,60,48,044
(i) चालू खाता	45,82,30,386	4,413,025	**(ii) जमा खाता (एसटीडी)**	4,75,61,994	170,317,458
II. निवेश एवं जमा					
(iii) बचत खाता	9,36,67,907	59,583,887			
			अपने फंड से (निवेश अन्य)	160,21,55,149	104,82,18,290
II. प्राप्त अनुदान					
(क) आईआईएफटी	8,20,000	173,468,000	**III. अचल संपत्ति एवं पूंजी पर व्यय**		
(ख) भारत सरकार से (सीआरआईटी)	21,00,00,000	300,000,000	**प्रगति पर कार्य**		
III. निवेश से आय					
अचल संपत्ति की खरीद	1,67,28,183	1,14,83,433			
(क) चिहिनित/ धर्मादा कोष					
			IV. अन्य भुगतान	112,73,73,546	82,81,73,189
IV. ब्याज प्राप्ति			आईआईएफटी एलुमनाई फ़ंड/आईएमएफ अग्रिम/...........		
			V. अंतिम शेष		
(क) बैंक जमा से	26,35,84,404	125,092,100			
(ख) ऋण अग्रिम आदि			(क) नकद एवं स्टैम्प	88,161.00	70,640.00
(ख) बैंक शेष					
V. अन्य आय			(i) चालू खाता	9,42,10,014	45,82,30,386
			(ii) जमा खाता (एसटीडी)	9,56,23,636	4,75,61,994
(क) बाज़ार सर्वेक्षण / सेमिनार फीस, प्रशिक्षण फीस/ संपत्ति आय	72,65,57,567	634,617,169	(iii) बचत खाता	9,24,39,795	9,36,67,907
VI. अन्य आय					
(क) एफड़ी की मेच्योरिटी	127,25,13,197	1,505,901,089			
(ख) विविध	77,34,88,250	63,071,045			
स्थायी संपत्ति की बिक्री					
कुल योग	**363,64,94,345**	**303,64,86,557**	**कुल योग**	**363,64,94,345**	**303,64,86,557**

इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **राय घोष एन्ड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
फर्म पंजीकरण संख्या: 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत राय
भागीदार
सदस्यता सं. – 053959
यूडीआईएन: 22053959AWMHJA2294

स्थान : कोलकाता
दिनांक : गुरुवार, 29 सितम्बर 2022

कृते और **भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की तरफ से**

हस्ता/–
डॉ. पी. के. गुप्ता
कुलसचिव

हस्ता/–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 1 पूंजी, कॉर्पस निधि व अन्य कोष (राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022		31–03–2021	
क. पूंजी कोष				
वर्ष के आरंभ के शेष				
भूमि एवं भवन हेतु पूंजीगत अनुदान		16,81,99,000		16,81,99,000
नए भवन के लिए पूंजीगत अनुदान		10,72,89,068		10,72,89,068
छात्रावास सी –9 के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान		2,86,00,000		2,86,00,000
मैदान गढ़ी में भूमि के लिए पूंजीगत अनुदान		26,28,00,000		26,28,00,000
कोलकाता में जमीन पट्टा				1
कोलकाता परिसर के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान	130,28,43,777		133,57,00,000	
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	–		–	
जमा : समायोजन	(30,698,451)	127,21,45,326	(32,856,223.00)	130,28,43,777
एमएसएमई शिमला केंद्र की स्थापना के लिए पूंजीगत अनुदान	1,88,00,000		1,88,00,000	
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त		1,88,00,000		18,800,000
मैदान गढ़ी के निर्माण हेतु पूंजीगत अनुदान	30,00,00,000		30,00,00,000	
जमारू वर्ष के दौरान प्राप्त	–	30,00,00,000	–	300,000,000
आईआईएफटी (युगांडा) की स्थापना के लिए अनुदान		–		–
वर्ष के आरंभ में अन्य अनुदानों का शेष	15,34,02,257		15,34,02,257	
घटारू उपदान छुट्टी नकदीकरण आरक्षित निधि हेतु अंतरण			0.00	
वर्ष के अंत में अन्य अनुदानों का शेष		15,34,02,257	–	15,34,02,257
दान परिसंपत्ति फंड				
दान परिसंपत्ति चालू शेष	10,998		10,998	
जमा : दान परिसंपत्ति निधि में अंतरण	–		–	
घटा : मूल्याहास	–	10,998	–	10,998
स्थायी सदस्यता				
स्थायी सदस्यता चालू शेष	1,22,70,394		1,22,70,394	
जमा : ब्याज (समायोजन घटाते हुए)	–	1,22,70,394	–	1,22,70,394
ख. सामान्य कोष				
वर्ष के आरंभ में शेष	357,42,76,759		325,15,57,910	
जमा : निवल आय का शेष आय और व्यय लेखा से आंतरित	52,50,20,772		29,47,51,498	
जमा : आर्थिक अनुदान से अंतरण (सीटीएफएल आय)	–		1,51,10,000	
जमा : कोलकाता बिल्डिंग से समायोजन	–		1,28,57,351	
घटा/जमा : पेंशन कॉर्पस से अंतरित		409,92,97,531		357,42,76,759
ग. उपादान आरक्षित निधि	77,230,025		77,230,025	
घ. छुट्टी नकदीकरण आरक्षित निधि		53,725,051		53,725,051
ड़. पेंशन कॉर्पस	59,621,017		63,593,226	
कुल योग		**661,33,90,667**		**612,30,40,557**

अनुसूची :– 1क इंटरयूनिट शेष (राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022	31–03–2021
इंटरयूनिट देय राशि	3,741,504,263	240,276,334.00
इंटरयूनिट प्राप्य राशि	–3,741,504,263	–240,276,334.00
कुल	–	–

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 2 चिहिनत पूंजी / धर्मादा कोष

(राशि : ₹)

कोष	(क) 01.04.2021 को कोष ओपनिंग बैलेन्स	(ख) 2021–22 के दौरान जमा		'कुल योग (क+ख)'	(ग) फंड के उद्देश्य के अनुसार उपयोग खर्च	कुल (ग)	वर्ष के अंत में शेष (क+ख–ग)	गत वर्ष
		(I) फंड के निवेश से प्राप्त आय	(ii) अन्य निवेश		(I) राजस्व व्यय / अंतरण			
अवार्ड के लिए अक्षय निधि								
एके सेन गुप्ता अवार्ड	11,693	585	–	12,277	–	–	12,277	11,693
बीएम घई अवार्ड	41,918	2,096	–	44,014	–	–	44,014	41,918
दून व ब्रैड स्ट्रीट अवार्ड	3,870	193	–	4,063	–	–	4,063	3,870
रंगास्वामी अवार्ड	13,855	693	–	14,548	–	–	14,548	13,855
श्रीनिवास अयंगर अवार्ड	17,859	893	–	18,752	–	–	18,752	17,859
कुर्सियों के लिए अक्षय निधि						–		
एपीईडीए चेयर	6,529,863	326,493	–	6,856,356	–	–	6,856,356	6,529,863
ईडीआई चेयर वीएसएनएल	11,079,387	553,969	–	11,633,356	–	–	11,633,356	11,079,387
ईडीआई चेयर बामर – लारी	2,449,338	122,467	–	2,571,805	–	–	2,571,805	2,449,338
एसटीसी चेयर	7,393,051	369,653	–	7,762,703	–	–	7,762,703	7,393,051
छात्रवृत्ति कोष								
छात्रवृत्ति प्राप्ति खता	1,241,993	62,100	–	1,304,093	–	–	1,304,093	1,241,993
सुमित्रा चिस्टी अवार्ड	71,026	3,551	–	74,578	–	–	74,578	71,026.37
ओरनेट सोलर	554,893	491,764	–	1,046,657	–	–	1,046,657	554,893
अन्य कोष								
एमएमटीसी कॉर्पस	5,587,960	279,398	–	5,867,359	–	–	5,867,359	5,587,960
ईसीजीसी चेयर	2,743,150	–	–	2,743,150	2,743,150	2,743,150	–	2,743,150
पीईसी कॉर्पस	1,072,100	53,605	–	1,125,705	–	–	1,125,705	1,072,100
कुल वित्त वर्ष 2020–21	**38,811,955**	**2,267,459**	–	**41,079,414**	**2,743,150**	**2,743,150**	**38,336,264**	**38,811,955**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को तुलन पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 3 चालू देयताएं व प्रावधान (राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022		31–03–2021	
क. चालू देयताएं				
1. विविध लेनदार (9.28 करोड़ आकस्मिक देयता सहित)		9,75,66,693		9,83,44,044
2. कर्मचारियों को देय	2,46,54,431		2,23,94,732	
3. अग्रिम प्राप्ति	97,466.50		52,275.00	
3क. छात्रो से प्राप्त अग्रिम राशि		15,74,500		15,74,500
4. प्रतिभूति जमा/प्रतिधारण राशि		1,76,45,914		1,80,60,310
5. पुराने चेक				
क) 12 माह से अधिक अवधि के लिए बकाया	11,18,667		8,49,383	
ख) 12 माह से कम अवधि के लिए बकाया	3,28,431	14,47,098	3,10,976	11,60,359
6. निधि				
क) आईआईएफटी अल्यूमनाई निधि	4,85,000		83,92,102	
ख) आईएमएफ निधि (प्राप्य)	–2,723,822.44	–2,238,822.44	–5,981,401.44	24,10,700
7. अन्य चालू देयताएं				
क) अन्य चालू देयताएं	6,59,79,608		6,32,49,758	
ख) अनुदान आगे लाया गया	33,18,565		33,18,565	
ग) छात्रवृत्ति	36,33,830		50,58,830	
घ) ईसीजीसी	2,02,88,042			
ड़) संवैधानिक देयता	1,04,26,342	10,36,46,387	1,22,74,805	8,39,01,957
कुल (क)	**24,43,93,666**		**22,78,98,878**	
ख. प्रावधान				
1. उपादान	8,64,76,383		8,31,19,070	
2. संचित अवकाश से नकदीकरण		7,70,20,098		6,45,74,523
3. बोनस		4,46,717		4,46,717
4. अन्य प्रावधान		7,81,20,132		7,12,87,605
कुल (ख)		**24,20,63,330**		**21,94,27,915**
कुल(क+ख)		**48,64,56,996**		**44,73,26,793**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को तुलन – पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची : 4 अचल संपत्तियां

विवरण	मूल्यहास की दर	सकल ब्लॉक 01.04.2021 को	जमा	समायोजन	31.03.2022 को
1 भूमि					
(क) पट्टाधृति – दिल्ली परिसर		27,738,561			27,738,561
(ख) पट्टाधृति – मैदान गढ़ी, दिल्ली		283,333,725			283,333,725
(ग) पट्टाधृति – कोलकाता परिसर		1			1
2 भवन					
(क) पट्टाधृति	1.58%	153,130,729	1,667,488		154,798,217
(ख) पूंजी कार्य प्रगति पर ;सी9द्ध,		43,707,114			43,707,114
(ग) पट्टाधृति (एनएएफईडी)		74,319,479			74,319,479
(घ) कोलकाता भवन		1,191,505,761	15,307,538		1,206,813,299
(ड़) कुलपति का आवास		5,231,158			5,231,158
3 फर्नीचर और फिक्स्चर, विद्युत उपकरण, टेप रिकॉर्डर और सहायक उपकरण, दृश्य–श्रव्य उपकरण	9.50%	169,209,390	7,080,229		176,289,619
4 गाडियाँ	9.50%	2,261,687	697,482		2,959,169
5 कार्यालय उपकरण, टाइपराइटर, डुप्लीकेटर, एयर कंडीशनर, ट्रांसफार्मर और वाटर कूलर	9.50%	38,237,637	110,447		38,348,084
6 कम्प्यूटर हार्डवेयर	25%	165,200,050	3,957,629		169,157,679
7 पुस्तकें	33.33%	36,426,629	1,195,796		37,622,425
8 सोलर पैनल	1.58%	19,945,072			19,945,072
9 रसोई उपकरण (कोलकाता)		–			–
10 जिम उपकरण	9.50%	738,360			738,360
11 पौधे एवं मशीनरी	6.33%	91,955,835			91,955,835
12 विंग्स ऑफ विज़डम		1,499,850			1,499,850
योग (क)		**2,304,441,038**	**30,016,609**	–	**2,334,457,647**
अन्य अचल संपत्ति					
(क) सीडा आस्तियां					
(i) फोटो कॉपियर, किताबें/व्यापार निर्देशिका, प्रिंटिंग मशीन/लेटरिंग मशीन और टाइपराइटर	9.50%	568,982	–	–	568,982
(ii) श्रव्य–दृश्य उपकरण व माइक्रोफिश रीडर	9.50%	897,520	–	–	897,520
(ख) दान में प्राप्त संपत्ति निधि					
(I) कम्प्यूटर	25%	2,136,528	–	–	2,136,528
(ii) सरस्वती मूर्ति एवं फुव्वारा	9.50%	77,000	–	–	77,000
योग (ख)		**3,680,030**	–	–	**3,680,030**
कुल योग (क+ख)		**2,308,121,068**	**30,016,609**	–	**2,338,137,677**

	मूल्यहास				निवल ब्लॉक	
31.03.2021 तक	**कटौतियां**	**वर्ष के लिए**	**समायोजन**	**31.03.2022 तक**	**31.03.2022 को**	**31.03.2021 को**
–				–	27,738,561	27,738,561
–				–	283,333,725	283,333,725
–				–	1	1
94,249,352		21,178		94,270,530	60,527,687	58,881,377
–				–	43,707,114	43,707,114
–				–	74,319,479	74,319,479
18,723,310		18,650,892		37,374,202	1,169,439,097	1,172,782,451
–				–	5,231,158	5,231,158
87,858,691		8,197,827		96,056,518	80,233,101	81,350,699
1,134,153		140,246		1,274,399	1,684,770	1,127,534
26,005,624		978,000		26,983,624	11,364,460	12,232,013
136,958,091		7,753,508		144,711,599	24,446,080	28,241,959
33,570,065		1,184,040		34,754,105	2,868,320	2,856,564
875,784		301,295		1,177,079	18,767,993	19,069,288
–				–	–	–
190,162		52,079		242,241	496,119	548,198
5,820,804		5,452,347		11,273,151	80,682,684	86,135,031
713,042		284,972		998,014	501,836	786,808
406,099,077		**43,016,384**		**449,115,461**	**1,885,342,186**	**1,898,341,961**
568,982	–		568,982		–	–
897,520	–		897,520		–	–
2,136,528	–		2,136,528		–	–
77,000	–		77,000		–	–
3,680,030	–	–	–	3,680,030	–	–
409,779,107	–	**43,016,384**	–	**452,795,491**	**1,885,342,186**	**1,898,341,961**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को तुलन – पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची : 5 चालू संपत्ति, ऋण व अग्रिम आदि (राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022	31–03–2021
क चिहिनत/ पीठासीन कोष	3,83,36,264	3,76,82,540
योग	**3,83,36,264**	**3,76,82,540**

अनुसूची : 6 निवेश अन्य (राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022	31–03–2021
क कॉर्पस		
अ) सावधि जमा –कॉर्पस	338,71,68,272	308,67,34,162
ख उपादान आरक्षित कोष	7,72,30,025	7,72,30,025
ग छुट्टी नकदीकरण आरक्षित कोष	5,37,25,051	5,37,25,051
घ पेंशन/बोनस कॉर्पस	5,96,21,017	6,35,93,226
ड़ आयकर प्रयोजन	31,76,77,551	18,34,15,139
योग	**389,54,21,916**	**346,46,97,603**

अनुसूची : 7 क निवेश पर उपार्जित ब्याज (लेकिन देय नहीं) (राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1 सावधि जमा पर	41,27,83,779	35,26,03,290
2 स्वीप खाता पर	–	–
3 बचत बैंक खाते पर	14,323	–
योग	**41,27,98,102**	**35,26,03,290**

नोट : उपार्जित ब्याज लेकिन देय नहीं, अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं दर्शाया गया है। कॉर्पस/ आय में लेन – देन प्रभाव दर्शाया गया है।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को तुलन – पत्र के हिस्से के रूप में अनुसूचियां

अनुसूची : 7 चालू संपत्ति, ऋण व अग्रिम आदि

(राशि : ₹)

विवरण	31–03–2022		31–03–2021	
क. चालू संपत्तियाँ:				
1 **इन्वेन्टरी :**				
(क) स्टेशनरी/कंप्यूटर उपभोग्य सामग्रियों, स्टॉक आदि । (प्रबंधन द्वारा प्रमाणित लागत पर)		18,03,195		18,03,195
2 विविध देनदार:				
(क) छह माह से अधिक अवधि वाले	4,32,89,392		6,65,93,349	
बकाया कर्ज			24,00,046	
घटाः संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	4,32,89,392		6,41,93,303	
(ख) छह माह से कम अवधि वाले बकाया कर्ज	18,00,23,898		6,06,93,640	
(ग) छात्रों से प्राप्य	22,99,500	22,56,12,790	7,25,000	12,56,11,943
3 नकदी व डाक टिकट (नकद अग्रदाय सहित)	1,85,631		2,18,674	
4 बैंक शेष :				
(क) अनुसूचित बैंकों के पास :				
चालू खाता (इंडियन बैंक)		7,07,44,859		–310,147,039.79
अल्पावधि जमा खाते (स्वीप खाता)	18,69,96,734		54,25,51,319	
अन्य बैंक खाते	20,62,006	25,98,03,600	5,02,04,378	28,26,08,657
5 छठा वेतन आयोग बकाया	–		–	
योग (क)	**48,74,05,216**		**41,02,42,469**	
ख. ऋण, अग्रिम व अन्य संपत्तियां :				
1 ऋण :				
(क) कर्मचारी (स्टाफ अग्रिम सहित)		42,14,071		97,09,209
2 अग्रिम एवं अन्य राशि नकद या वस्तु या उसके मूल्यानुसार प्राप्त की जानी है :				
(क) पूर्व भुगतान	2,67,55,839		2,66,29,144	
(ख) अन्य (बयाना राशि/प्रतिभूति जमा सहित)	32,32,81,894		33,40,77,859	
(ग) पुराने चेक		35,00,37,733	–	36,07,07,003
3 स्रोत पर कर कटौती		6,46,28,441		7,51,95,231
योग (ख)		**41,88,80,245**		**44,56,11,444**
योग (क+ख)		**90,62,85,461**		**85,58,53,913**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 8 सेवाओं से आय

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	**सेवाओं से आय**		
	(क) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण / संपत्ति)	1,10,500	1,60,750
	(ख) प्रशिक्षण / अनुसंधान कार्यक्रम	92,25,04,345	79,15,45,928
	योग	**92,26,14,845**	**79,17,06,678**

अनुसूची: 9 अनुदान

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	**अफ्रीकन नागरिकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम अग्रानीत**	–	–
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	–	–
	घटा : कार्यक्रमों पर व्यय (ख)		
	अगले वर्ष के लिए ले जाया गया (ग)		
2	एमएसएमई शिमला परिसर की स्थापना	–	–
	पिछले वर्ष से लाया गया	–	–
	जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त	–	–
	घटा : समायोजन	–	–
	घटा : कार्यक्रमों पर व्यय (घ)	–	–
	पिछले वर्ष से लाया गया (ड़)	–	–
		–	–
	अनुदान से आय (घ)	–	–
	पिछले वर्ष से लाया गया कुल अनुदान (ग)	–	–

अनुसूची : 9क डब्ल्यूटीओ अध्ययन केंद्र के लिए अनुदान

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	केन्द्र की गतिविधियों के लिए प्राप्त अनुदान	21,00,00,000	15,66,00,000
	योग	**21,00,00,000**	**15,66,00,000**

अनुसूची : 9 ख डब्ल्यूटीओ केंद्र आय

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	वर्ष के दौरान आय	1,580,602	594,016
2	डब्ल्यूटीओ कर्मचारी सेवाएं	–	–
	योग	**1,580,602**	**594,016**

अनुसूची : 10 सदस्यता शुल्क

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	वार्षिक सदस्यता शुल्क	–	–
	योग	–	–

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 11 प्रकाशन से आय

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	प्रकाशनों से आय	394,856	–
	कुल	**394,856**	–

अनुसूची : 12 अर्जित आय

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	सावधि जमा पर :		
	(क) अनुसूचित बैंक	27,76,11,738	207,567,999
2	बचत बैंक खाते में	1,83,03,031	20,040,724
3	लोन पर :		
	(क) कर्मचारी/स्टॉफ	3,55,229	17,205
4	आयकर वापसी पर	27,62,302	–
	कुल	**29,90,32,301**	**227,625,928**

अनुसूची : 13 अन्य आय

(राशि : ₹)

	विवरण		31–03–2022	31–03–2021
1	विविध आय	3,839,531	15,075,171	
2	प्रायोजकता		–	
3	स्थगित अनुदान आय	30,698,455	32,856,224	
	कुल		**34,537,986**	**47,931,395**

नोट: परामर्श से आय, स्क्रैप बिक्री, विश्व व्यापार संगठन केंद्र से जनशक्ति लागत की प्रतिपूर्ति, फ्रैंकिंग मशीन पर प्राप्त छूट आदि विविध आय में सम्मिलित है।

अनुसूची : 13क पूर्व अवधि मदें

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	कार्यक्रम शुल्क	–	–
2	प्रकाशन व्यय	–	–
3	आरआईपी पर ब्याज	–	–
4	डब्ल्यूटीओ से विविध आय	–	–
5	विविध पूर्व अवधि डेबिट	–	26,61,573
	कुल	**0.00**	**26,61,573**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 14 स्थापना व्यय

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	वेतन, भत्ता और वेतन	31,18,31,809	38,39,44,684
2	अंशदायी निधि में योगदान	27,71,451	17,92,628
3	एनपीएस में योगदान	57,53,446	49,10,833
4	कर्मचारी कल्याण खर्च	1,57,87,241	91,97,244
5	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और अंतिम लाभों पर खर्च	1,94,92,613	58,67,912
6	अन्य (संविदा कर्मचारियों और अन्य को वेतन)	3,14,52,162	2,29,56,978
	कुल	**38,70,88,722**	**42,86,70,279**

अनुसूची : 15 अन्य प्रशासनिक खर्च आदि

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	विज्ञापन एवं प्रचार	7,93,877	2,222,338
2	ऑडिटर फ़ीस	5,62,076	205,671
3	बैंक व बीमा शुल्क	6,42,324	349,706
4	कंप्यूटर एवं नेटवर्किंग खर्च	2,03,95,125	9,757,361
5	बिजली और पावर	1,88,74,294	14,653,160
6	सुरक्षा एवं सफाई पर खर्च	2,84,46,590	28,007,402
7	संगोष्ठी/कार्यशाला/कार्यक्रमों पर खर्च	8,21,65,883	53,282,049
8	जीएसटी खर्च	2,285	18,940,510
9	विदेशी मुद्रा से घाटा/(लाभ)	–	–11,455
10	अतिथि–गृह सामान्य एवं अनुरक्षण खर्च	32,280	–
11	विधिक/परामर्श फीस	28,89,843	1,891,502
12	पुस्तकालय व्यय	3,05,04,363	27,871,255
13	डाकतार, टेलीफोन और दूरसंचार व्यय	9,85,858	478,954
14	प्रिंटिंग व स्टेशनरी	14,58,089	726,457
15	किराया, शुल्क व कर	5,34,74,838	19,264,314
16	मरम्मत एवं अनुरक्षण	4,46,98,040	96,504,664
17	सदस्यता शुल्क (प्रकाशन व्यय)	–	
18	यात्रा एवं परिवहन व्यय	6,02,704	3,548,869
19	वाहन पेट्रोल व मरम्मत	2,86,929	169,010
20	विविध व्यय/शुल्क	40,074	
21	अन्य प्रशासनिक खर्च एवं प्रकाशन प्रोत्साहन/कार्य मानक	2,97,31,323	11,084,449
	कुल	**316,546,721**	**288,986,290**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

31 मार्च, 2022 को आय व्यय खाते के हिस्से के रूप में अनुसूचियाँ

अनुसूची : 15क पूर्ववर्ती खर्च (निवल)

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	वेतन व कर्मचारी कल्याण	–	
2	कार्यक्रम संबंधी खर्च	–	
3	मरम्मत व अनुरक्षण	–	
4	भवन किराया एवं कर	–	
5	प्रिंटिंग व स्टेशनरी व्यय	–	
6	डाकतार टेलीग्राम व्यय	–	
7	कानूनी सलाहकार सेवाएं	–	
8	विविध पूर्व अवधि डेबिट	11,152,658	43,21,711
9	विविध पूर्व अवधि क्रेडिट	–	
10	प्रकाशन /सदस्यता शुल्क	–	
11	उपार्जित ब्याज	–	
12	विविध व्यय	–	2,180,259
	कुल	**1,11,52,658**	**65,01,970**

अनुसूची : 15ख अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अनुसंधान केंद्र के लिए व्यय (सीआरआईटी)

(राशि : ₹)

	विवरण	31–03–2022	31–03–2021
1	वेतन व भत्ते	81,122,624	77,430,827
2	सामान्य खर्चे	–	1,355,470
3	सदस्यता शुल्क	6,485,521	2,653,409
4	संगोष्ठी/ कार्यशाला/सम्मेलन आदि	5,520,089	7,293,771
5	पट्टा किराया	39,901,752	37,769,854
6	संविदा कर्मचारियों को वेतन	23,496,228	16,985,412
7	भारत व्यापार पोर्टल का रखरखाव (डब्ल्यूटीओ)	–	–
8	पूर्व अवधि व्यय (डब्ल्यूटीओ)	6,945,846	–
9	अन्य डब्ल्यूटीओ व्यय	21,863,273	17,731,940
	कुल	**18,53,35,333**	**16,12,20,683**

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (दिल्ली)

31 मार्च 2022 की यथास्थिति अनुसार तुलनपत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 16 : महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

I. लेखांकन परिपाटी

यदि अन्यथा उल्लेख नहीं किया गया हो तो वित्तीय विवरणों को मूल लागत परिपाटी और लेखांकन की वृद्धि पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

(क) आवर्ती और अनावर्ती व्ययों के लिए प्राप्त अनुदान (अचल परिसंपत्तियों के अलावा) जब कभी प्राप्त होता है तो इसे आय माना जाता है। अचल परिसंपत्तियों पर व्यय के लिए प्राप्त अनुदान को पूंजी निधि में अंतरित कर दिया जाता है।

(ख) विभिन्न क्रियाकलापों से प्राप्त आय को वृद्धि आधार पर लेखाबद्ध किया गया है, सदस्यता शुल्क इसमें शामिल नहीं, यह जब भी प्राप्त होता है तब लेखाबद्ध किया जाता है।

(ग) प्राप्त हुए स्थायी सदस्यता शुल्क को आय नहीं माना जाता है, बल्कि इसे एक विशिष्ट निधि में अंतरित कर दिया जाता है।

(घ) जब भी प्राप्त होता है तो आवेदन शुल्क को आय माना जाता है।

(ङ) बैंकों में दीर्घावधि जमाराशियों/अल्पावधि जमाराशियों और कर्मचारियों को दी गई अग्रिम राशियों पर ब्याज को वृद्धि आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है।

(च) विशिष्ट निधि में से किए गए निवेश पर ब्याज और स्थायी सदस्यता शुल्क को संबंधित निधियों में अंतरित किया जाता है और इन्हें आय नहीं माना जाता।

(छ) छुट्टी यात्रा रियायत पर व्यय को नकदी आधार पर लेखाबद्ध किया गया है।

(ज) सॉफ्टवेयर पर होने वाले व्यय को अधिक्रय के वर्ष के दौरान ही बट्टे खाते डाल दिया जाता है।

II. स्थायी परिसंपत्तियां

स्थायी परिसंपत्तियों को अधिग्रहण की लागत (आगम हेतु भाड़े, शुल्कों, करों और अधिग्रहण से संबंधित प्रासंगिक और प्रत्यक्ष व्ययों सहित) में से संचित मूल्यह्रास को घटाते हुए दर्शाया जाता है।

III. मूल्यह्रास

क. भवन पर मूल्यह्रास को सीधी रेखा पद्धति पर / 1.58% की दर से लगाया जाता है।

ख. अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास को संस्थान द्वारा परिसंपत्ति के लिए निर्धारित आयु के आधार पर सीधी–रेखा पद्धति पर प्रभारित किया जाता है। मूल्यह्रास की प्रभावी दर निम्नानुसार है :

(i)	फर्नीचर, फिक्सचर, विद्युत उपकरण, टेप रिकार्डर और ऑडियो विजुअल उपस्कर	9.50%
(ii)	टाइपराइटर, डुपलिकेटर, एयर–कंडीशनर्स	9.50%
(iii)	मोटर कारें, स्कूटर और साइकिलें	9.50%
(iv)	पुस्तकालय की पुस्तकें	33.33%
(v)	कम्पूयटर	25.00%

ग. 30 सितम्बर के बाद अधिग्रहण की गई परिसंपत्तियों के मामले में अनुमेय दर के/50% पर मूल्यह्रास प्रभारित किया जाता है।

घ. किसी विशिष्ट निधि में से सृजित परिसंपत्ति के मूल्यह्रास को संबंधित निधि के खाते में नामे लिखा जाता है।

ङ. अल्पावधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम/ बाजार के प्रयोजनमूलक अनुसंधान क्रियाकलापों से आय और इन पर व्यय को क्रमशः वर्तमान देयताओं और वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत दर्शाया जाता है और कार्यक्रम/परियोजना का समापन होने वाले वर्ष में इन्हें लेखाबद्ध किया जाता है।

IV. सरकार से अनुदान/आर्थिक सहायता

सरकार से अनुदान/आर्थिक सहायता को प्राप्त होने के आधार पर लेखाबद्ध किया जाता है।

V. सेवानिवृत्ति लाभ

इस प्रयोजन के लिए किए गए जीवनांकिक मूल्यांकन के आधार पर ग्रेच्युटी और संचित छुट्टी के प्रावधान किए जाते हैं।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (दिल्ली)

31 मार्च 2022 की यथास्थिति अनुसार तुलनपत्र के एक भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 17 : लेखा विषयक नोट

I. कोलकाता परिसर का निर्माण करने के लिए मुख्य कार्य हेतु ₹133.57/– करोड़ का ठेका दिया गया। ठेकेदार के साथ सहमत 'भुगतान अनुसूची' के अनुसार प्रत्येक चरण का कार्य पूरा होने और रनिंग खाता बिलों की प्रस्तुति पर परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) की संस्तुतियों के आधार पर चरणबद्ध तरीके से भुगतान किए गए। यह मामला मध्यस्थम के अधीन है और चालू देयता के तहत ₹9.28/– करोड़ की देयता का सृजन किया गया है। अचल परिसंपत्ति के तहत कोलकाता परिसर के सीडब्ल्यूआईपी व्यय को पूंजीकृत करते हुए वित्तीय वर्ष 2019–20 में 'भवन' के तहत ₹131.93/– करोड़ का अंतरण कोलकाता की लेखा–बहियों में 1 अप्रैल 2020 की स्थिति के अनुसार किया गया।

II. भावी देयताओं को पूरा करने के लिए छुट्टी नकदीकरण और ग्रेच्युटी के लिए संस्थान ने निधियों का सृजन किया है। तदनुसार कोर्पस निधि के निवेश में से कुछ भाग इन निधियों के लिए निर्धारित किया गया है।

III. वर्ष के दौरान ₹59,39,381/– की धनराशि का प्रावधान ग्रेच्युटी देयता के लिए किया गया (कुल धनराशि ₹8,64,76,383/–, हो गई, विगत वर्ष यह धनराशि ₹8,31,19,070/– थी)। वर्ष के दौरान ₹25,82,068/– के ग्रेच्युटी भुगतान को ओपनिंग प्रावधान के साथ समायोजित किया गया।

IV. कर्मचारियों को संचित छुट्टी नकदीकरण के लिए ₹1,24,45,575/– की धनराशि (कुल धनराशि ₹7,70,20,098/–, विगत वर्ष ₹6,45,74,523/–) का प्रावधान वर्ष के दौरान किया गया। वर्ष के दौरान ₹12,65,217/– का छुट्टी नकदीकरण लाभ लिया गया इसे ओपनिंग प्रावधान के साथ समायोजित किया गया।

V. वर्ष 2021–22 के लिए ₹3,52,308/– के बोनस का प्रावधान किया गया है। आईआईएफटी दिल्ली और कोलकाता परिसरों के लिए वर्ष 2021–22 से संबंधित बोनस के लिए ₹2,88,356/– की धनराशि का भुगतान किया गया।

VI. प्रबंधन ने 31 मार्च 2022 की स्थिति के अनुसार स्थायी परिसंपत्तियों से संबंधित शेषराशियों को निम्नानुसार बताया है:

अचल परिसंपत्तियों की धनराशि का सकल ब्लॉक ₹233.81 करोड़; संचित मूल्यह्रास ₹45.27 करोड़, परिसंपत्तियों का निवल ब्लॉक ₹188.53 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए मूल्यह्रास की कुल धनराशि ₹4.30 करोड़ रही। इसमें कोलकाता भवन का मूल्यह्रास शामिल है। प्रबंधन मंडल ने वर्ष 2017–18 में अचल परिसंपत्तियों के लिए नई नीति का अनुमोदन कर दिया था। तदनुसार परिसंपत्तियों के लिए मूल्यह्रास लगाया गया है।

VII. सीआरआईटी के केन्द्रों को स्थान उपलब्ध कराने के लिए नाफेड भवन के नवीकरण के लिए वाणिज्य विभाग ने अनुदान (पूंजीगत परिसंपत्तियों के सृजन हेतु) ₹11.47 की स्वीकृति प्रदान की है, और वाणिज्य विभाग को अंतिम यूसी प्रस्तुत किया जा चुका है।

VIII. मैदानगढ़ी परिसर का निर्माण कराने के लिए वाणिज्य विभाग ने ₹302.64 करोड़ (संवितरित ₹30 करोड़) स्वीकृत किए हैं और यह कार्य एनबीसीसी लिमिटेड को दिया गया है, आईआईएफटी और एनबीसी लि. के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के परिच्छेद 4.5 के अनुसार अग्रिम के तौर पर परियोजना की कुल लागत का 10% दिया जा चुका है। डीडीए ने 8 हेक्टेयर अतिरिक्त भूमि का आबंटन भी कर दिया है। भूमि की लागत के ₹14.36 करोड़ की धनराशि डीडीए में 01–06–2022 को जमा कराई जा चुकी है।

IX. दिल्ली संस्थान द्वारा ट्यूशन फीस को नकद आधार पर माना गया जबकि कोलकाता संस्थान ने इसे संचयी आधार पर माना है।

X. तुलन पत्र की अनुसूची–4 (दिल्ली) में अपनी परिसंपत्तियों के लिए वर्ष के दौरान 0.74 करोड़ का मूल्यह्रास दिया गया, जिसमें सीआरआईटी की परिसंपत्तियों के लिए प्रभारित 0.16 करोड़ का मूल्यह्रास भी शामिल है, जिसे आय और व्यय लेखे में हिसाब में लिया गया है।

XI. चालू परिसंपत्तियों, ऋण और अग्रिम और चालू देयताओं के तहत कतिपय शेष राशियां हैं जिनकी पुष्टि और इसके बाद अशुद्धियों का समाधान, यदि कोई हों तो, किया जाना है। मुख्य शेष राशियां निम्नानुसार हैं :

क) प्राप्य धनराशियों के लिए ₹32.28 करोड़ के कतिपय नामे राशि–शेष हैं (जिसमें एनबीसी को मैदानगढ़ी परसिर के निर्माण हेतु ₹30.00/– करोड़ का अग्रिम भी शामिल है) दिल्ली और कोलकाता के लिए ₹74,17,812/– की धनराशि (इनमें से कुछ धनराशि विगत वर्षों यहां तक कि 2010–11 से भी पहले से संबंधित है), दिल्ली के लिए ₹34,62,291/– और कोलकाता के लिए ₹3,91,787/– की धनराशियां स्टाफ को अग्रिमों के रूप में हैं।

XII. संस्थान द्वारा अंशदायी भविष्य निधि खाते का रखरखाव किया जा रहा है, जो संलग्न वित्तीय विवरणी के दायरे से अलग रखा जाता है। तदनुसार इस अंशदायी भविष्य निधि खाते से जो बैंक लेदनदेन और निवेश किए जाते हैं उनका उल्लेख संलग्न वित्तीय विवरणी में नहीं किया गया है।

XIII. फीस क्लीयरिंग खातें में वित्तीय वर्ष 2021–22 के लिए ₹23,70,450/– के राशि–शेष और वित्तीय वर्ष 2020–21 के लिए ₹1,34,73,824.43 का राशि शेष क्रमश: कोलकाता और दिल्ली संस्थानों से सम्बद्ध है, इस समय समाधान के अधीन हैं। इसका प्रभाव वित्तीय वर्ष 2022–23 में दिया जाएगा।

XIV. सन 2007–08 से आरंभ होकर 2021–22 तक के अलग–अलग वित्तीय वर्षों के संबंध में ₹52,04,790/– के टीडीएस की मांग बकाया है, जिस पर संस्थान द्वारा विचार किया जा रहा है।

XV. तुलनपत्र की तारीख को आयकर के निम्नलिखित मामले लंबित थे :

मामले का प्रकार	आकलन वर्ष	जारी आदेश	आदेश की तारीख	मांग की धनराशि
अपील	2013–14	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 143(3) के अधीन आदेश	28.03.2016	5,67,040/–
अपील	2014–15	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 143(3) के अधीन आदेश	30.11.2016	8,77,960/–
अपील	2016–17	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 143(3) के अधीन आदेश	27.12.2018	2,39,313/–
अपील	2017–18	आयकर अधिनियम 1961 की धारा 143(3) के अधीन आदेश	25.12.2019	14,72,680/–

XVI. वर्ष 2018–19 के लिए इस संस्थान की जीएसटी लेखापरीक्षा अभी की जानी है।

XVII. वेन्डरों और अन्य लाभभोगी पार्टियों को भुगतान करते समय ₹2,90,70,129/– पर सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 51 के तहत जीएसटी टीडीएस की कटौती नहीं की गई जिसे वित्तीय वर्ष 2022–23 में नियमित किया जाएगा।

XVIII. ईसीजीसी चेयर के लिए ₹27,43,150/– की निर्धारित निधि को वर्तमान वित्तीय वर्ष में चालू देयता में अंतरित कर दिया गया है।

XIX. सोसायटी ने वर्ष 2022–2023 के दौरान पहली बार अपने सभी देनदारों/लेनदारों/प्राप्य धनराशियों/भुगतान योग्य धनराशियों के खातों के संबंध में 'धनराशि शेष की पुष्टि का प्रमाणपत्र' लेने की प्रक्रिया स्थापित कर दी है।

XX. संस्थान के अभिमत से सभी मूल्यह्रास सहित ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान किया गया है और यह पर्याप्त है।

XXI. तुलनपत्र, प्राप्ति और भुगतान लेखे और आय तथा व्यय लेखे को भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा 21 फरवरी 2002 को जारी का.ज्ञा. सं.जी020008/2/2002–बी एन्ड ए के माध्यम से निर्धारित लेखों के सामान्य फॉर्मेट के अनुसार तैयार किया गया है।

XXII. वित्तीय परिणाम में संस्थान के कोलकाता केन्द्र का वर्ष 2021–22 का आय और व्यय निम्नानुसार शामिल किया गया है :

(₹ करोड़)

क्रमांक	विवरण	2021–22	2020–21
1.	आय	44.00	39.43
2.	आय (मूल्यह्रास से पहले)	20.99	14.70
3.	मूल्यह्रास (समानुपातिक)	3.56	3.82
4.	कुल व्यय	24.55	18.53
5.	अधिशेष	19.45	20.90

XXIII. पेन्शन दायित्व को पूरा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2021 में 10 वर्ष के लिए वार्षिकीकृत मूल्यांकन किया गया है, जिसकी कुल धनराशि ₹6,35,93,226/– होती है। इसके अलावा इस पेन्शन प्रयोजन के लिए 2009–10 के दौरान निधि का सृजन किया गया। तदनुसार इस निधि के लिए कायिक निधि का निवेश निर्धारित किया गया है। वर्ष 2021–22 के दौरान ₹ 51,24,750/– के पेन्शन भुगतान किए गए।

XXIV. अनुमेय कानूनों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2018–19 से 'कोर्पस निधि' का नाम बदल कर 'सामान्य निधि' कर दिया गया है।

XXV. 'कोलकाता परिसर पूंजीगत कार्य प्रगति पर है' इस ग्रुपिंग को वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए अचल परिसंपत्तियों के रजिस्टर में 'भवन' शीर्षक में अंतरित कर दिया गया है।

XXVI. जहां भी अनिवार्य रहा है वहां विगत वर्ष के आंकडों का पुन: समूहन या फिर से व्यवस्थित कर दिया गया है।

XXVII. प्राप्ति और भुगतान लेखे, आय और व्यय लेखे और तुलनपत्र के आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित कर दिया गया है।

XXVIII. खंड I से XXVII तक लेखों का महत्त्वपूर्ण अंश हैं और इन्हें विधिवत अधिप्रमाणित कर दिया गया है।

इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते **राय घोष एन्ड एसोसिएट्स**
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
फर्म पंजीकरण संख्या: 320094E

हस्ता/–
सीए सुब्रत राय
भागीदार
सदस्यता सं. – 053959
यूडीआईएन: 22053959AWMHJA2294

कृते और **भारतीय विदेश व्यापार संस्थान की तरफ से**

हस्ता/–
डॉ. पी. के. गुप्ता
कुलसचिव

हस्ता/–
प्रो. मनोज पंत
कुलपति

स्थान : कोलकाता
दिनांक : गुरुवार, 29 सितम्बर 2022

आईआईएफटी संकाय

(प्रकाशन की तारीख को यथास्थिति)

नाम	शिक्षा	विशेषज्ञता
कुलपति		
पंत, प्रो. मनोज	एम.ए. (अर्थशास्त्र), पीएच. डी. (सदर्न मैथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, यूएसए)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय निवेश और वित्त, विकास अर्थशास्त्र
विशिष्ट प्रोफेसर		
मारजीत, डॉ. सुगाता	एम.ए. (अर्थशास्त्र), यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर पीएच. डी. (इको.), यूनिवर्सिटी ऑफ रोचेस्टर	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र
ईसीजीसी चेयर प्रोफेसर		
प्रो. विजय पी. ओझा	पीएच. डी., एम.ए. (ऑपरेशनल रिसर्च) बी. ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र	अनुप्रयुक्त समष्टि अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र (इंटरमीडिएट और उच्चस्तरीय) सीजीई मॉडलिंग, अनुप्रयुक्त अर्थमिति, भारतीय आर्थिक विकास (स्वतंत्रता के बाद से), और जलवायु परिवर्तन का अर्थशास्त्र
डीन		
भाटिया, डॉ. (श्रीमती) सतिन्दर	पीएच. डी. (वित्तीय प्रबंधन), एम. कॉम., एम. फिल. (संगठन व्यवहार), पीएमपी (परियोजना प्रबंधन व्यावसायिक)	प्रबंधकीय लेखांकन, वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय बाजार, व्यापार वित्त
प्रभाग / केन्द्र प्रमुख		
बनर्जी, डॉ. सैकत	पीएच. डी., "ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेन्ट प्रोग्राम" (थंडरबर्ड स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेन्ट एरिजोना यूएस), एम.बी.ए. (स्वर्णपदक विजेता), पी.जी.डी.पी.आर, पी.जी.डी.एम. व एस.एम.	ब्रॉन्ड प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार विपणन सम्प्रेषण
भट्टाचार्य, डॉ. रनजॉय	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र), एम. फिल. (अर्थशास्त्र), एम. एससी.(अर्थशास्त्र)	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, पर्यावरण अर्थशास्त्र
चटनानी, डॉ. नीति नंदिनी	पीएच. डी., एम.बी.ए., बी. एससी.	वित्तः वित्तीय प्रबंधन, प्रतिभूति विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, पण्य व्यापार और कीमत जोखिम प्रबंधन, आपूर्ति शृंखला वित्त
दास, डॉ. प्रबीर कुमार	पीएच. डी., एम. एससी. (कृषि सांख्यिकी)	व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान पद्धति, उच्चस्तरीय अनुसंधान पद्धतियां और परियोजना, विपणन अनुसंधान, परिचालन अनुसंधान, उच्चस्तरीय विश्लेषिकी, वित्तीय जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय विपणन और रणनीति पर उच्चस्तरीय कोर्स, अनुप्रयुक्त विपणन अनुसंधान, व्यवसाय अनुप्रयोगों हेतु उच्चस्तरीय पूर्वानुमान तकनीक, मल्टीवेरिएट डाटा विश्लेषण और पूर्वानुमान तकनीकें, सांख्यिकी और अनुसंधान प्रविधि, बिग डाटा विश्लेषिकी

दत्ता, डॉ. गौतम कुमार	पीएच. डी. (आईआईटी), एम.बी.ए. जीसीपीसीएल (हार्वार्ड), बी.ई. (मैकेनिकल)	विपणन उद्यमिता
कपिल, डॉ. शीबा	पीएच. डी., एम.बी.ए. (वित्त), यूजीसी – नेट	वत्तीय प्रबंधन, समामेलन और अधिग्रहण, व्यवसाय मूल्यांकन, निवेश विश्लेषण और मूल्यांकन
लखनपाल, डॉ. पूजा	पीएच. डी. (संगठन व्यवहार) (आईआईटी, मुम्बई), पोस्ट डॉक्टोरल (जर्मनी), एम.ए. (मनोविज्ञान)	प्रबंधकों हेतु मनोविज्ञान, संगठनात्मक व्यवहार, मानव संसाधन प्रबंधन, क्रॉस कल्चरल मैनेजमेन्ट, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व
मेहतानी, डॉ. रोहित	पीएच. डी. अंतरराष्ट्रीय अध्ययन (एटीडब्ल्यूएस), एम.बी.ए. औद्योगिक प्रबंधन (एनपीसी), एम.एस. (बिट्स पिलानी) एम.बी.ए. औद्योगिक प्रबंधन (डीकिन यूनिवर्सिटी/ऑस्ट्रेलिया), पीजीपी अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय (आईआईएम कोलकाता), पीजीपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार (आईआईएफटी दिल्ली), एम.ए. लोक प्रशासन तथा एम.ए. ग्लोबल पॉलिटिकल इकोनॉमी (यूनिवर्सिटी ऑफ हल, इंग्लैन्ड/ब्रिटिश शेवेनिंग स्कॉलर), बी.एससी.	अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक अर्थशास्त्र और आर्थिक कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय रणनीति और कार्पोरेट कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार संचालन
मुखर्जी, डॉ. जयदीप	पीएच. डी., एम.ए. (इको., स्वर्ण पदकविजेता), बी. ए. (इको., स्वर्ण पदकविजेता)	समष्टि आर्थिक सिद्धांत और नीति, अर्थमिति अनुप्रयोग – समय–शृंखला अर्थमिति पर विशेष फोकस, गेम सिद्धांत और इसके अनुप्रयोग, अंतरराष्ट्रीय वित्त
पान्डे डॉ. आशीष	पीएच. डी. (वित्त) प्रबंधन में पी. जी. डिप्लोमा एम. कॉम., बी. कॉम	प्रतिभूति विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, निगम वित्तीय मूल्यांकन
रंगराजन, डॉ. के.	पीएच. डी., एम. कॉम., ए.एम.टी. ए.ए.एम.ए. (ऑस)	रणनीतिगत प्रबंधन और कारोबारी आयोजना, संगठनात्मक पुनर्रचना, क्लस्टर विकास और रणनीतियां, टीपीओ और राज्य उद्यमों तथा संबंधित क्षेत्रों का प्रबंधन
रस्तोगी, डॉ. संजय	पीएच. डी. पोस्ट डॉक्टोरल (जर्मनी), एम.एससी़ (सांख्यिकी)	व्यवसाय सांख्यिकी, मात्रात्मक तकनीक, व्यवसाय शोध, विपणन शोध, अर्थमितीय मॉडलिंग और पूर्वानुमान
सील, डॉ. जयंत कुमार	पीएच. डी., सीएमए, एम. फिल.	कार्पोरेट वित्त, डेरिवेटिव और जोखिम प्रबंधन, अंतरराष्ट्रीय वित्त, प्रतिभूति विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन, वित्तीय और प्रबंधन लेखांकन
शर्मा, डॉ. आर. पी.	पीएच. डी., एम.बी.ए., एम.ए. (भूगोल)	विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन, विक्रय प्रबंधन
सिंगला, डॉ. असीम राज	एम.सी.ए, पीएच. डी.	सूचना प्रणाली, डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली, ई–कॉमर्स, ईआरपी प्रणाली, प्रणाली विश्लेषण व डिजाइन, डाटा मॉडलिंग, व्यवसाय इंटेलिजेन्स

सिन्हा, डॉ. दीपांकर	पीएच. डी. (औद्योगिक व प्रणाली इंजीनियरिंग) आईआईटी, खड़गपुर एम.बी.ए. (वित्त), इग्नोउ एम. एससी. (भौतिकी–इलेक्ट्रानिक्स), एनआईटी, राउरकेला डिप्लोमा इन कंप्यूटर साइंस, एसीएल डिप्लोमा इन ऑपरेशन रिसर्च	अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स और परिचालन प्रबंधन, एमआईएस, बीपीआर व बंदरगाहों व शिपिंग में लीन कार्यान्वयन, अंतरराष्ट्रीय संविदा प्रबंधन, सड़क लॉजिस्टिक्स नियामक मामले, रेलवे लॉजिस्टिक्स
वदलामुदि, डॉ. रवीन्द्र सारधी	पीएच. डी. (आईआईएम – अहमदाबाद), एम. कॉम.	अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, प्रबंधन लेखांकन, स्प्रेडशीट मॉडलिंग, प्रतिभूति विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन
वली, डॉ. ओ.पी.	पीएच. डी. (जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय), मास्टर इन रूरल मैंनेजमेंट (आईआरएमए), सर्टिफाइड सॉफ्टवेर क्वालिटी प्रोफेशनल, चीनी भाषा में प्रमाणपत्र, सर्टिफाइड इन आईटीआईएल फाउंडेशन – सीएसईबी (यूके), एमएसजी (जर्मनी) से	विपणन, सूचना प्रणाली व परियोजना प्रबंधन, अनुसंधान विधियां, निर्णय मॉडलिंग

प्रोफेसर

चक्रवर्ती, डॉ. देबाशीष	पीएच. डी., एम. फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विश्व व्यापार संगठन और भारतीय कृषि, पर्यावरणीय संधारणीयता
चौधरी, डॉ. बिबेक रे	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र), एम. फिल. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), एनईटी–जेआरएफ	समष्टिअर्थशास्त्र, उत्पादकता विश्लेषण, अनुप्रयुक्त सेवा व्यापार, सूक्ष्मवित्त अर्थमिति, सर्वे (निर्यात संभावना, स्पर्धात्मकता, आदि), सेवा व्यापार, सूक्ष्मवित्त
दत्ता, डॉ. राधिका प्रसाद	पीएच. डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय ऑरलिंग्टन), एम.एस. (कोलरेडो स्टेट विश्वविद्यालय), एम. एससी. (आईआईटी), बी. स्टैट. (आईएसआई)	प्रबंधन सूचना प्रणाली, डाटा माइनिंग (निजता संरक्षण डाटा माइनिंग सहित), फ्रैक्टाल और स्केलिंग इन कॉम्प्लेक्स सिस्टमस्
जोशी, डॉ. राकेश मोहन (प्रतिनियुक्ति पर)	पीएच. डी., एम.बी.ए. ई.एम.आई.टी. (स्वर्ण पदक विजेता) आईआईएफटी	अंतरराष्ट्रीय विपणन, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय रणनीति, अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता
कट्टी, डॉ. (श्रीमती) विजया (पुनर्नियोजित)	पीएच. डी., एम.ए. (अर्थशास्त्र), पोस्ट डॉक्टोरल शोध	सार्क के साथ भारत का व्यापार, भारत–नेपाल आर्थिक संबंध, विश्व व्यापार संगठन, आरटीए और संबंधित मुद्दे, वैश्विक व्यापारिक परिवेश,विश्व अर्थव्यवस्था में भारत और व्यापार नीति संबद्ध मुद्दे
मल्ला, डॉ. श्वेता श्रीवास्तव	पीएच. डी., एम.ए.	संगठनात्मक व्यवहार, व्यवहार विज्ञान, व्यवसायगत नैतिकता, संगठनात्मक न्याय, सकारात्मक मनोविज्ञान, सीएसआर, कार्पोरेट अभिशासन, संधारणीय व्यवसाय
नाग, डॉ. विश्वजीत	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र), एम.ए. (अर्थशास्त्र), वित्तीय प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा	औद्योगिक अर्थशास्त्र, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्त

राजू, डॉ. (श्रीमती) डी. सुनीता	पीएच. डी., एम.ए.	कृषि व्यापार मुद्दे, आर्थिक पर्यावरण व नीति, उद्योग क्षेत्र विश्लेषण, क्षेत्रीय व्यापार करार
साहू, डॉ. बसंत के.	पीएच. डी., अर्थशास्त्र, एम. फिल., अर्थशास्त्र, एम.ए., अर्थशास्त्र, बी. एस (आनर्स.), अर्थशास्त्र	विकास अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था और एएमपी; लोक नीति, समष्टिअर्थशास्त्र, कृषि व ऐम्प; हाउसहोल्ड अर्थशास्त्र, सूक्ष्मवित्त
सेठ, डॉ. नितिन (प्रतिनियुक्ति पर)	पीएच. डी. (आईआईटी दिल्ली), पोस्ट डॉक्टोरल (जर्मनी), एम. टेक. (उत्पादन आईआईटी दिल्ली), एम.ई. (औद्योगिक इंजी. व प्रबंधन), बी.ई. (मैकेनिकल)	परिचालन प्रबंधन, सेवा परिचालन, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, सम्यक गुणवत्ता प्रबंधन, परियोजना प्रबंधन
शंकर, डॉ. रवि (पुनर्नियोजित)	एम. एससी., एम.बी.ए., पीएच. डी.	सेवाओं का विपणन, विपणन प्रबंधन और रणनीति, वितरण प्रबंधन, प्रबंधकीय संप्रेषण
सिंह, डॉ. राम	पीएच. डी., एम.बी.ए. यूजीसी – नेट एमजीजी (जर्मनी) एससीएम व लॉजिस्टिक्स में मास्टर प्रमाणपत्र (एमएसयू–यूएसए)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार परिचालन और लॉजिस्टिक्स
त्रिपाठी, डॉ. सास्वती	पीएच. डी. (गणित), एनईटी उत्तीर्ण सीएसआईआर फैलो, प्रमाणित एसीसओआर–पी व्यवसायी – एपीआईएसएस, यूएसए द्वारा प्रदत्त (आपूर्ति शृंखला व्यवसायिकों हेतु अंतरराष्ट्रीय प्रमाणपत्र एपीआईसीएस से) एम. फिल. (अनुप्रयुक्त गणित) एम. एससी. (अनुप्रयुक्त गणित)	आपूर्ति शृंखला प्रबंधन, परिचालन प्रबंधन, परिचालन अनुसंधान, व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान पद्धतियां (बीआरएम), ग्राफ सिद्धांत, अंकगणितीय पद्धतियां, लीनियर और नॉन–लीनियर डिफ्रेन्शियल इक्वेशन्स
वेंकटेशन, डॉ. एम.	पीएच. डी. (सामाजिक मनोविज्ञान), एम. फिल. (सामाजिक मनोविज्ञान), एम.ए. (मनोविज्ञान)	संगठनात्मक व्यवहार, व्यवहारगत विज्ञान, साइकोमेट्रिक परीक्षण, मानव संसाधन प्रबंधन, क्षमता मैपिंग, मात्रात्मक अनुसंधान पद्धतियां, परिवर्तन प्रबंधन, ग्लोबल लीडरशिप, उद्यमिता, कर्मचारी परामर्श, कर्मचारी नियोजन
सह प्रोफेसर		
घोष, डॉ. तृप्तेन्दु प्रकाश	पीएच. डी., एम. फिल., एम.ए. (अर्थशास्त्र.)	वित्तीय प्रबंधन, अवसंरचनागत वित्त, वित्त के लिए स्प्रेडशीट की मॉडलिंग, पारिवारिक फर्मों का कार्यनिष्पादन और कार्पोरेट अभिशासन, वित्तीय बाजार और संस्थाएं, निश्चित आय वाली प्रतिभूतियां, प्रतिभूति विश्लेषण और पोर्टफोलियो प्रबंधन.
गुप्ता, डॉ. हिमानी	पीएच. डी. (आईआईटी, रुड़की), एम. फिल. (सांख्यिकी), एम. एससी. (सांख्यिकी), एफडीपी (आईआईएम–ए)	सांख्यिकी, एस्टीमेशन थ्योरी, परिचालन अनुसंधान, व्यवसाय अनुसंधान पद्धतियां, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संधार्यता के मुद्दे
कर, डॉ. सुजाता	बीएससी (ऑनर्स) एमए (अर्थशास्त्र) पीएच.डी.	समष्टि अर्थशास्त्र, मौद्रिक अर्थशास्त्र, वित्तीय अर्थशास्त्र, व्यवहारिक अर्थशास्त्र
सिम्स, डॉ. जैक्लीन	पीएच. डी., एम. कॉम., यूजीसी–जेआरएफ	वित्तीय और प्रबंधकीय लेखांकन, निवेश बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं का प्रबंधन

सहायक प्रोफेसर

अरोड़ा, डॉ. आंचल	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र) एनईटी (यूजीसी), एम. फिल. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) बी. ए. ((अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
एजाज, डॉ. तौफ़ीक	पीएच. डी. एनईटी (यूजीसी), एम. फिल. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) बी. ए. ((अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
भट्ट, डॉ. जावेद अहमद	बी.ए., एमए (अर्थशास्त्र) पीएच.डी.	समष्टि अर्थशास्त्र; अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र; धन और बैंकिंग
विश्वास, डॉ. अनिर्बन	पीएच. डी. एनईटी (यूजीसी), एम. फिल. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) बी. ए. ((अर्थशास्त्र)	अर्थशास्त्र
चंद, डॉ. आर्य के. सृष्टिधर	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र.), एम.ए. (अर्थशास्त्र.), बी. एससी. (भौतिकी)	आर्थिक सिद्धांत, वित्तीय अर्थशास्त्र, औद्योगिक संगठन, अर्थमिति और समष्टिअर्थशास्त्र
चावला, डॉ. गिन्नी	पीएच. डी., एम.बी.ए. (मानव संसाधन प्रबंधन), यूजीसी – नेट और जेआरएफ	मानव संसाधन प्रबंधन व अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन
दास, डॉ. सौरव	पीएच.डी. (प्रबंधन) एम.टेक (संचालन अनुसंधान), एमसीए, बीएससी (ऑनर्स) में सांख्यिकी, यूजीसी नेट–प्रबंधन	प्रबंधक के लिए डेटा विश्लेषण, अनुप्रयुक्त संचालन अनुसंधान, बिजनेस एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस, सांख्यिकीय अनुप्रयोग,और संचालन विश्लेषिकी बुनियादी अर्थमिति, प्रबंधकों के लिए सांख्यिकी, व्यापार विश्लेषिकी और संचालन अनुसंधान
डे, डॉ. ओन्द्रिला	पीएच. डी., एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी. एससी. (अर्थशास्त्र), एनईटी (यूजीसी)	अनुप्रयुक्त समष्टिआर्थिक सिद्धांत, गेम थ्योरी, औद्योगिक संगठन, श्रम का अर्थशास्त्र, प्रायोगिक अर्थशास्त्र, परिवहन अर्थशास्त्र
घोष, डॉ. पापिया	पीएच. डी., एनईटी एम.ए. (अर्थशास्त्र.)	नेटवर्क का अर्थशास्त्र, कानून और अर्थशास्त्र, सामाजिक चयन सिद्धांत, अनुप्रयुक्त समष्टिअर्थशास्त्र
गोस्वामी, डॉ. अन्जु	पीएच. डी. (वित्त अर्थशास्त्र), यूजीसी एनईटी (प्रबंधन) एमबीए (वित्त) बीबीए	मूलभूत और उच्च अर्थमिति, अनुसंधान पद्धति, दक्षता–उत्पादकता विश्लेषण
ग्रोवर, डॉ. चारु	पीएच. डी. एनईटी (यूजीसी), एम. फिल. (अर्थशास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) बी. ए. ((अर्थशास्त्र)	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, व्यापार, अर्थमिति, व्यष्टि अर्थशास्त्र
गुप्ता, डॉ. आशीष	पीएच. डी., एम.बी.ए. (विपणन), यूजीसी – नेट	विपणन प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार और ब्रान्ड प्रबंधन, डिजिटल व सामाजिक मीडिया विपणन
हुरिया, सुश्री सुगंधा (संविदा पर)	एम. फिल. (अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र) एम. ए. (अर्थशास्त्र) बी. ए. (आनर्स.) अर्थशास्त्र	अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश

जैन, सुश्री नेहा (संविदा पर)	पीएच. डी., एम. फिल. (अर्थशास्त्र), एम. ए. (अर्थशास्त्र)	अर्थमिति, विकास अध्ययन
जायसवाल, डॉ. प्रियंका	पीएच. डी., एमबीए (मानव संसाधन प्रबंधन व संगठनात्मक व्यवहार), बी.एससी	मानव संसाधन प्रबंधन तथा संगठनात्मक व्यवहार
माहेश्वरी, डॉ. प्रतीक	पीएच. डी., एम.बी.ए. (विपणन) यूजीसी – नेट ग्रेज्युएट इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग संकाय विकास में प्रमाणपत्र कार्यक्रम (सीपीएफडी), एस्टन विश्वविद्यालय बर्मिंघम, यूके	अंतरराष्ट्रीय विपणन प्रबंधन, विज्ञापन और संवर्द्धन प्रबंधन, ग्रामीण विपणन, आधारभूत तथ्य और प्रबंधन
मिश्रा, डॉ. ओलि	बीबीएम, एमबीए (आईबी), पीएच.डी.	विपणन प्रबंधन, डिजिटल विपणन, सामाजिक उद्यमिता, मितव्ययी नवाचार, उपभोक्ता व्यवहार, उपभोक्ता व्यवहार, उद्यमिता
मिश्रा, डॉ. सोवनजीत	बी.फार्मा पीजीडीएम, पीएच.डी.	नियोक्ता की ब्रांडिंग, नियोक्ता ब्रांड प्रबंधन, मानव संसाधन (एचआर), सतत मानव संसाधन, कार्य का भविष्य, मानवतावादी प्रबंधन, प्रतिभा प्रबंधन, संगठनात्मक अध्ययन, सांख्यिकीय सीखना, मानव संसाधन विश्लेषिकी, बहुविविध विश्लेषण, गुणक विश्लेषक,एसपीएसएस/आर/एएमओएस
मुखर्जी, डॉ. तुहिना	पीएच. डी., एनईटी (यूजीसी), मनोविज्ञान एम.ए. (मनोविज्ञान)	संगठनात्मक व्यवहार/मानव संसाधन प्रबंधन
राय, डॉ. सिद्धार्थ शंकर	पीएच.डी. एमबीए, बीबीए,	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, रसद एवं वितरण प्रबंधन संचालन प्रबंधन, स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला उत्तरदायित्व, मानवीय लॉजिस्टिक्स
राना, डॉ. अरुणिमा	पीएच. डी. (बिट्स पिलानी), एम.बी.ए. (विपणन), यूजीसी – नेट	विपणन प्रबंधन, ब्रॉन्ड प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार की मॉडलिंग, डिजिटल विपणन
शर्मा, डॉ. नमन	पीएच. डी. (प्रबंधन), एम.बी.ए., यूजीसी – नेट	सामान्य प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार मानव संसाधन प्रबंधन
सिद्दीकी, डॉ. आरिज आफ़ताब	पीएच. डी., एमआईबी, एनईटी/जेआरएफ टू यूजीसी – नेट – रणनीतिगत सोर्सिंग में प्रमाणपत्र	ट्रेड ऑपरेशन एन्ड ग्लोबल सोर्सिंग
सिंह, डॉ. पारुल	पीएच. डी., एम.बी.ए. (एचआर, विपणन), एनईटी व जेआरएफ (यूजीसी), बी. टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान)	सूचना प्रौद्योगिकी व विपणन प्रबंधन
टाक, डॉ. प्रीति	पीएच. डी., एम.बी.ए. (विपणन) यूजीसी – नेट	विपणन प्रबंधन, सेवाओं का विपणन, उपभोक्ता व्यवहार, विक्रय और वितरण प्रबंधन
टुटेजा, डॉ. दिव्या	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र), यूजीसी एनईटी, एम.ए. (अर्थशास्त्र), बी. ए. (आनर्स) अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र, वित्तीय बाजार, मौद्रिक सिद्धांत, अर्थमिति और पूर्वानुमान, विकास अर्थशास्त्र
वर्मा, डॉ. जे. के.	पीएच. डी., एम. टेक., बी. टेक	इन्फॉर्मेशन सिस्टम/ क्लाउड कम्प्यूटिंग

वर्मा, डॉ. सोनू	पीएच. डी., एम.बी.ए. (विपणन, स्वर्णपदक विजेता), प्रबंधन में एनईटी (यूजीसी), बी.ई. (इलेक्ट्रॉनिक्स)	व्यवसाय सांख्यिकी, व्यवसाय अनुसंधान पद्धतियां, विपणन अनुसंधान, परिचालन प्रबंधन, अनुसंधान पद्धति, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन
वाधवा, डॉ. कविता	पीएच. डी. (वित्त), पीएच. डी. (लेखांकन), विजिटिंग स्कॉलर प्रोग्राम (वीएसपी), व्हाइटमैन स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट, सायराकस विश्वविद्यालय, न्यूयार्क एम. फिल. (वित्त और लेखांकन), एम. कॉम. (वित्त और लेखांकन)	वित्तीय लेखांकन, प्रबंधन लेखांकन, वित्तीय विवरण विश्लेषण, वित्तीय प्रबंधन, पोर्टफोलियो प्रबंधन और म्यूचुअल फन्ड, एमएस–एक्सेल का प्रयोग करते हुए वित्तीय मॉडलिंग
यादव, डॉ. मिखलेश प्रसाद	पीएच.डी. (वित्त), यूजीसी–नेट–प्रबंधन एमबीए (वित्त)	अनुसंधान रुचि : अस्थिरता भविष्यवाणी, स्पिलओवर वोलैटिलिटी, कॉर्पोरेट वित्त, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व शिक्षण रुचि: कॉर्पोरेट वित्त, सुरक्षा विश्लेषण और मूल्यांकन, पोर्टफोलियो प्रबंधन, वित्तीय व्युत्पन्न, वित्तीय अर्थमिति

विश्व व्यापार संगठन

प्रोफेसर और प्रमुख

नेदुम्पारा, डॉ. जेम्स जे. (अतिरिक्त प्रभार)	पीएच. डी. (एनएलएस, बेंगलूरु), एलएल.एम. (कैंब्रिज), एलएल.एम. (एनवाईयू), एलएल.एम. (एनयूएस), एलएल. बी (एमजीयू)	लोक अंतरराष्ट्रीय विधि, व्यापार उपचार, एसपीएस/टीबीटी, विश्व व्यापार संगठन विवाद

प्रोफेसर

भटनागर, मुकेश	एम.बी.ए., बी. कॉम. (आनर्स.)	डपिंग रोधी, आर्थिक सहायता, रक्षाउपाय, विश्व व्यापार संगठन विवाद, बहुपक्षीय वार्ताएं
कल्लूमल, डॉ. मुरली	एम.ए. (औद्योगिक अर्थशास्त्र), एम. फिल. (औद्योगिक अर्थशास्त्र), पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)	व्यापार और पर्यावरण, निवेश और व्यापार, गैर–कृषि बाजार अभिगम मुद्दों पर विश्व व्यापार संगठन वार्ताएं (एनएएमए), एसपीएस और टीबीटी उपाय (गैर टैरिफ उपाय), अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मानकों की भूमिका, वेब पोर्टल ऑन एसपीएस और टीबीटी, मुक्त व्यापार करार (एफटीए)

सह प्रोफेसर

गुप्ता, डॉ. प्रलोक	पीएच. डी., एम.बी.ई., यूजीसी – एनईटी	सेवा व्यापार का अर्थशास्त्र, विश्व व्यापार संगठन और संबद्ध मुद्दे, अंतरराष्ट्रीय आप्रवास, व्यापार और निवेश लिंकेज, ई–कॉमर्स
शर्मा, डॉ. सचिन कुमार	पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)	व्यापार और विकास, कृषि और विश्व व्यापार संगठन
सिंह, सुश्री शैलजा	एलएल. एम., एलएल. बी. बी. ए. (आनर्स.)	विश्व व्यापार संगठन विवाद, विश्व व्यापार संगठन से संबंधित अन्य विधिक पहलू और ई–कॉमर्स

क्षेत्रीय व्यापार केन्द्र

प्रोफेसर और प्रमुख

पंत, प्रो. मनोज (अतिरिक्त प्रभार)	एम.ए. (अर्थशास्त्र), पीएच. डी. (सदर्न मैथोडिस्ट यूनिवर्सिटी, यूएसए)	अंतरराष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत, अंतरराष्ट्रीय निवेश और वित्त, विकास अर्थशास्त्र

व्यापार और निवेश कानून केन्द्र

प्रोफेसर और प्रमुख

नेदुम्पारा, डॉ. जेम्स जे.	पीएच. डी. (एनएलएस, बंगलूरु, एलएल.एम. (कैंब्रिज), एलएल.एम. (एनवाईयू), एलएल.एम. (एनयूएस), एलएल. बी (एमजीयू)	लोक अंतरराष्ट्रीय विधि, व्यापार उपचार, एसपीएस/टीबीटी, विश्व व्यापार संगठन विवाद

सहायक प्रोफेसर/परामर्शदाता सहायक प्रोफेसर के स्तर पर

भट्टाचार्य, सुश्री अपर्णा	बी.ए. एलएल.बी (ऑनर्स) - गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, एलएल.एम. अंतरराष्ट्री व्यापार और निवेश विधि - ओ.पी. जिन्दल ग्लोबल विश्वविद्यालय	इन्टरनेशनल ट्रेड एन्ड इन्वेस्टमेन्ट लॉ
प्रदीप, सुश्री शाइनी	एलएल.एम. बी. ए.. एलएल. बी (आनर्स)	अंतरराष्ट्रीय विधि और पर्यावरणीय विधि और व्यापार संवाद
रे, सुश्री रंजिनी	बीबीए, एलएल.बी - सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे, एलएल.एम - अंतरराष्ट्रीय विधि में ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ इन्टरनेशनल एन्ड डेवलपमेन्ट स्टडीज (आईएचईआईडी), जेनेवा से	इन्टरनेशनल इकोनॉमिक लॉ
शेखर, श्री सात्विक	एलएल.एम एलएल. बी.	विश्व व्यापार संगठन विधि, व्यापार विनिमय और अंतरराष्ट्रीय निवेश विधि
तिवारी, सुश्री सुनंदा	बी.ए. एलएल.बी (ऑनर्स)- एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश से एलएल.एम - एडिनबरो विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंग्डम	इन्टरनेशनल इकोनॉमिक लॉ

आईआईएफटी प्रशासन

(प्रकाशन की तारीख को यथास्थिति)

पदनाम	नाम	संपर्क नम्बर
कुलसचिव	डॉ. पी. के. गुप्ता	011–39147210 / 26531565
उप कुलसचिव	श्री गौरव गुलाटी	011–39147306 / 39147216
उप वित्त अधिकारी	श्री पीताम्बर बेहरा	011–39147317
सहायक वित्त अधिकारी	सुश्री दीपा पी.जी.	011–39147247
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	श्री पी. शक्तिवेल (संविदा पर)	011–39147318
सहायक कुलसचिव	श्री भुवन चन्द्रा	011–39147385
	सुश्री मीनाक्षी सक्सेना	011–39147319
	सुश्री नलिनी मेश्राम	011–39147249
अनुभाग अधिकारी	श्री अनिल कुमार मीणा	011–39147213
	श्री द्वैपायन ऐश	033–24195700
	श्री गौरव गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर)	
	सुश्री होइजाहत बैते	011–39147322
	श्री जितेन्द्र सक्सेना	011–39147221
	श्री करुण दुग्गल	011–39147322
	सुश्री कविता शर्मा	011–39147321
	सुश्री ललिता गुप्ता	011–39147226
	सुश्री लीना नागवानी (तदर्थ आधार पर)	011–39147225
	सुश्री मोहिनी मदान	011–39147223
	श्री राहुल कपूर	011–39147315
	श्री राकेश कुमार ओझा (प्रतिनियुक्ति पर)	
	सुश्री सुमिता मारवाह	011–39147221
	सुश्री तनुश्री अरोड़ा (तदर्थ आधार पर)	011–39147200
हिन्दी अधिकारी	सुश्री चन्दा रानी (संविदा पर)	011–39147248
लेखा अधिकारी	श्री शाहिद अनवर	033–24195700

आईआईएफटी सहायक सेवाएं

(प्रकाशन की तारीख को यथास्थिति)

पदनाम	नाम	संपर्क नम्बर
प्रमुख कार्पोरेट संबंध और नियुक्ति	प्रो. रोहित मेहतानी	011–39147308
सिस्टम्स प्रबंधक	श्री बिमल कुमार पांडा	011–39147222
सहायक सिस्टम्स प्रबंधक	श्री एस. बालासुब्रहमण्यम	011–39147222
कम्प्यूटर प्रोग्रामर	सुश्री नेहा विनायक	011–39147222
सहायक पुस्तकालयाध्यक्षा	सुश्री निर्मला	011–39147383

अतिथि संकाय

नाम	पदनाम	संगठन
डॉ. आशीष अवस्थी	सहायक प्रोफेसर	पब्लिक हैल्थ फाउन्डेशन ऑफ इंडिया
डॉ. विपुल जैन	प्रधानाचार्य	आकस्ट्रिया
डॉ. अर्घ्य रे	सहायक प्रोफेसर	एफओआरई स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट
डॉ. अमृता कौर		अतिथि संकाय
डॉ. एम. पी. सिंह	निदेशक	एसएमआई, दुबई
डॉ. धीरज के. राय	संकाय	स्पैनिश
डॉ. अशोक कपूर	परामर्शदाता	विधिक और प्रबंधन
डॉ. शीतल जैन	सीईओ व फाउन्डर	ल्यूक्स एनालिटिक्स
डॉ. मोहन कृष्णन	परामर्शदाता	कांतार
डॉ. सुधीर के. जैन	एडीजे. प्रोफेसर	आईआईटी
डॉ. शिलादित्य दासगुप्ता	सेवानिवृत्त	
डॉ. मधुमिता कोठारी	एडवोकेट	सर्वोच्च न्यायालय
डॉ. राजीव श्रीवास्तव	प्रोफेसर	आईएमआई
डॉ. शालिनी सिंह	सहायक प्रोफेसर	स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट
डॉ. हर्ष वर्धन	प्रोफेसर	ओ. पी. जिन्दल विश्वविद्यालय
श्री अमरदीप सिंह	फाइनान्स लीड	लेक्स बोल्स्टर ग्लोबल एलएलपी
श्री अरविन्द तिवारी	सीईओ	इम्पीरियल ऑटो इंडस्ट्रीज लि.
डॉ. ए. पी. दाश	डीन	एनटीपी स्कूल ऑफ बिजनेस
कैप्टन सरबजीत बुटालिया	प्रशिक्षण परामर्शदाता	वीशिप्स (यूके)
डॉ. गौरव कुमार	सहायक प्रोफेसर	आईआईटी
श्री संजीव नंदवानी	महा सचिव	पोशाक निर्यात संवर्द्धन परिषद
डॉ. सोमा अरोड़ा	सह प्रोफेसर	
श्री सतीश दुबे	स्वतंत्र परामर्शदाता	
डॉ. तमन्ना चतुर्वेदी		अतिथि संकाय
डॉ. आयुषी शर्मा	सहायक प्रोफेसर	एफओआरई स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट
डॉ. डी. सी. सिंघल	सेवानिवृत्त	
डॉ. नीता त्रिपाठी	संकाय	फ्रेन्च
डॉ. मीनाक्षी सुन्द्रियाली	संकाय	स्पेनिश
डॉ. एस. के. गर्ग	प्रोफेसर	दिल्ली टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय
डॉ. अखिलेश बरवे	सह प्रोफेसर	आईआईटी, भुवनेश्वर
डॉ. ध्रुव बजाज	सह संस्थापक	टासेट्स (फिनटेक)
डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायक प्रोफेसर	वीजीएसओएम, आईआईटी खड़गपुर
डॉ. सतीश कुमार	सह प्रोफेसर	वित्त और लेखांकन विभाग
श्री अर्जुन आहूजा	सीनियर मैनेजर	ऑनलाइन प्रोडक्टस टीम, मेक माय ट्रिप
श्री जितेन्द्र कुमार		सीएफए अल्टाक्यूर
श्री प्रसेनजित घोष राय	अतिथि संकाय निकाय (डिजिटल स्ट्रेटेजी एन्ड ट्रान्सफॉर्मेशन)	–

स्थायी सदस्यों की सूची

(31.3.2022 की यथास्थिति)

1 ए सरकार एन्ड कं. (ज्वेलरी) प्रा. लि. कोलकाता

2 एग्री एन्ड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स डेवलपमेन्ट ॲथारिटी नई दिल्ली

3 ऑल इंडिया हैन्डीक्रॉफ्टस बोर्ड नई दिल्ली

4 इलाहाबाद बैंक कोलकाता

5 अलाना कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि. मुम्बई

6 अमरावती टेक्सटाइल्स, करूर

7 अमुतांजन लिमिटेड चेन्नई

8 एन्लो फ्रेन्च ड्रग कं.(ईस्टर्न) लि. बेंगलूरू

9 अरविन्द डिसटिलरी एन्ड कैमिकल्स लि. चेन्नई

10 आन्ध्रा बैंक हैदराबाद

11 एमिल लि. नई दिल्ली

12 अलेप्पी कम्पनी लि. अलेप्पी

13 अकाडमी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज देहरादून

14 अमीरा फूडस् (इंडिया) लि. नई दिल्ली

15 एविस इन्टरनेशनल लि. नई दिल्ली

16 अलंकार ग्लोबल प्रा. लि. नई दिल्ली

17 अपारेल एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउन्सिल नई दिल्ली

18 अडानी एक्सपोर्ट लि. अहमदाबाद

19 अशोक लैन्ड लि. चेन्नई

20 बी. टी. एक्स. कैमिकल्स (प्रा.) लि. मुम्बई

21 बैंक ऑफ इंडिया मुम्बई

22 बैंक ऑफ मदुरा लि. चेन्नई

23 भारत इलेक्ट्रानिक्स लि. बेंगलूरू

24 भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि. नई दिल्ली

25 भारत हैवी प्लेट एन्ड वेसेल्स लि. विशाखापटनम

26 भारत मोटर्स चेन्नई

27 ब्रिटेनिया इन्डस्ट्रीज लि. बेंगलूरू

28 ब्रुक बॉन्ड इंडिया लि. बेंगलूरू

29 बालाजी डिसटिलरीज लि. चेन्नई

30 बर्ड एन्ड कम्पनी प्रा.लि. कोलकाता

31 बैंक ऑफ बड़ौदा नई दिल्ली

32 बाम्बे डाइंग एन्ड मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी लि. मुम्बई

33 भारत एल्यूमिनियम कं. लि. नई दिल्ली

34 कॉटन वस्त्र निर्यात संवर्द्धन परिषद मुम्बई

35 भारतीय काजू निर्यात संवर्द्धन परिषद कोचीन

36 सीएट टायर्स ऑफ इंडिया लि. मुम्बई

37 चेस ब्राइट स्टील कं. लि. मुम्बई

38 चार्टर्ड इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांस्पोर्ट इन इंडिया नई दिल्ली

39 चिलीज एक्सपोर्ट हाउस लि. विरुदुनगर

40 सिमको इन्टरनेशनल नई दिल्ली

41 सीएमसी लिमिटेड नई दिल्ली

42 सीएस इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड हैदराबाद

43 केपेक्सिल कोलकाता

44 कॉफी बोर्ड बेंगलूरू

45 क्वायर बोर्ड कोच्चि

46 कॉमर्स एन्ड एक्सपोर्ट प्रोमोशन विंग, आन्ध्र प्रदेश सरकार, हैदराबाद

47 काउंसिल फॉर लैदर एक्सपोर्ट चेन्नई

48 कैम्फर एन्ड एलाइड प्रोडक्ट लि. नई दिल्ली

49 कारपेट निर्यात संवर्द्धन परिषद नई दिल्ली

50 क्रीसेन्ट इंजीनियरिंग कॉलेज चेन्नई

51 उद्योग निदेशालय हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला

52 उद्योग निदेशालय मध्य प्रदेश भोपाल

53 उद्योग निदेशालय महाराष्ट्र सरकार मुम्बई

54 डॉ. रेड्डीज लेबोरेट्रीज लि. हैदराबाद

55 डायरेक्टोरेट ऑफ एक्सपोर्ट प्रोमोशन एन्ड मार्केटिंग उड़ीसा सरकार, भुवनेश्वर

56 डायरेक्टोरेट ऑफ इन्डस्ट्रीज एन्ड कॉमर्स कर्नाटक सरकार, बेंगलूरू

57 धनलक्ष्मी वीविंग वर्क्स, केनानोर (केरल)

58 डी. सी. एम. लिमिटेड नई दिल्ली

59 डून एन्ड ब्रेडस्ट्रीट इन्फार्मेशन सर्विसेज इंडिया लि. मुम्बई

60 ईस्टर्न सिल्क इन्डस्ट्रीज लि. कोलकाता

61 ईसीजीसी ऑफ इंडिया लिमिटेड मुम्बई

62 इलेक्ट्रॉनिक्स कार्प.ऑफ इंडिया लि. हैदराबाद

63 इलेक्ट्रानिक्स ट्रेड एन्ड टेक्नोलॉजी डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन लि., नई दिल्ली

64 इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली

65 एक्सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड मुम्बई

66 भारतीय निर्यात आयात बैंक नई दिल्ली

67 इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद, नई दिल्ली

68 एस जी इन्टरनेशनल इन्टरनेशनल नई दिल्ली

69 ईगल फलास्क इंडस्ट्रीज प्रा. लि. मुम्बई

70 एस्कॉर्टस् लिमिटेड फरीदाबाद

71 फेडरल बैंक लिमिटेड अलवाये

72 फर्न्स एक्सपोर्ट एक्सपोर्टस मुम्बई

73 भारतीय खाद्य निगम नई दिल्ली

74 फेडरेशन ऑफ इंडियन चौम्बर्स ऑफ कॉमर्स एन्ड इन्डस्ट्री, नई दिल्ली

75 फर्टिलाइजर्स एन्ड कैमिकल्स (त्रावणकोर) लिमिटेड, कोचीन

76 फाइकॉए आर्गेनिक्स लिमिटेड मुम्बई

77 फोम मैटिंग्स (इंडिया) लि. अलेप्पी

78 जी.एस.टी. कार्पोरेशन नई दिल्ली

79 जीप इंडस्ट्रियल सिंडिकेट लि. नई दिल्ली

80 ग्रीव्स कॉटन एन्ड कं. लि. मुम्बई

81 ग्राइंडवेल नॉर्टन लिमिटेड मुम्बई

82 ग्राउन्डनट एक्स्ट्रेक्शन्स एक्सपर्ट डेवलपमेन्ट एशोसिएशन मुम्बई

83 गुजरात एल्कलीज एन्ड कैमिकल्स लि. बड़ौदा

84 गुरु नानक मर्केन्टाइल कं. जलंधर

85 गुजरात इन्टरनेशनल ट्रेड प्रोमोशन काउन्सिल गांधी नगर

86 गीकी एक्जिम (आई) लि. मुम्बई

87 गांधी इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेन्ट (गीतम) विशाखापटनम

88 जी. प्रेमजी लिमिटेड बैंकाक

89 गीतांजलि एक्सपोर्टस् कार्प. लि. मुम्बई

90 जेम्स एन्ड ज्वेलरी ईपीसी मुम्बई

91 गीतांजलि जेम्स लि. मुम्बई

92 हरियाणा राज्य लघु उद्योग और निर्यात निगम लिमिटेड चंडीगढ़

93 एच.एम.टी. (इन्टरनेशनल) लि. बेंगलूरू

94 हीरो साइकल्स प्रा. लि. लुधियाना

95 हि. प्र. राज्य उद्योग और निर्यात निगम लि. शिमला

96 हिल टिलर एन्ड कम्पनी बेंगलूरू

97 हैवी इंजीनियरिंग कार्प. लि. रांची

98 हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लि., मुम्बई

99 हिन्दुस्तान लिवर लिमिटेड मुम्बई

100 हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड उदयपुर

101 हैदराबाद लैम्प्स लिमिटेड सिकन्दराबाद

102 इरकॉन इन्टरनेशनल लि. नई दिल्ली

103 इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेन्ट एजेन्सी लि., नई दिल्ली

104 आई.टी.सी. लिमिटेड कोलकाता

105 भारतीय व्यापार संवर्द्धन संगठन, नई दिल्ली

106 इंडिया–सीआईएस चौम्बर ऑफ कॉमर्स एन्ड इंडस्ट्री नई दिल्ली

107 इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ एक्सपोर्ट एन्ड इम्पोर्ट मैनेजमेन्ट मुम्बई

108 इंडियन बैंक चेन्नई

109 इंडियन कॉटन मिल्स फेडरेशन, नई दिल्ली

110 इंडियन ओवरसीज बैंक चेन्नई

111 इंडियन रेलवे कन्स्ट्रक्शन कं. लि., नई दिल्ली

112 इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड मुम्बई

113 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक मुम्बई

114 इंडिया शुगर एन्ड जनरल इन्डस्ट्री एक्सपोर्ट–इम्पोर्ट कार्पोरेशन लि., नई दिल्ली

115 इंडियन इन्स्टीट्यूट ऑफ एक्सपोर्ट मैनेजमेन्ट बेंगलूरू

116 इम्केमेक्स इंडिया लिमिटेड मुम्बई
117 जिन्दल स्ट्रिप्स लि. नई दिल्ली
118 जम्मू एन्ड कश्मीर बैंक लि. श्रीनगर
119 जूट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. कोलकाता
120 किर्लोस्कर ऑयल इन्जिन्स लि. पुणे
121 केरल स्टेट एक्सपोर्ट ट्रेड केरल स्टेट एक्सपोर्ट ट्रेड डेवलपमेन्ट काउन्सिल त्रिवेन्द्रम
122 किसान प्रोडक्ट लिमिटेड बेंगलूरू
123 किर्लोस्कर न्यूमेटिक कं. लि. पुणे
124 केरल स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेन्ट कार्प. त्रिवेन्द्रम
125 केरल स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लि., कोच्चि
126 कर्नाटक स्टेट इंडस्ट्रियल इनवेस्टमेन्ट एन्ड डेवलपमेन्ट कार्प. लि. बेंगलूरू
127 खुशी राम बिहारी लाल लि. दिल्ली
128 कुद्रेमुख ओर कं. लि. बेंगलूरू
129 लक्ष्मी मशीन वर्क्स लि. कोयम्बतूर
130 लोटस इन्टरनेशनल मुम्बई
131 एल. जी. बालाकृष्णन एन्ड ब्रदर्स लि. कोयम्बतूर
132 लिबर्टी फुटवीयर कम्पनी करनाल
133 मारुति उद्योग लिमिटेड नई दिल्ली
134 महिन्द्रा एन्ड महिन्द्रा लिमिटेड मुम्बई
135 मझगांव डॉक लि. मुम्बई
136 मैग्नम इन्टरनेशन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड नई दिल्ली
137 मैसूर कॉफी क्यूरिंग वर्क्स लि. चिकमगलूर
138 मैरीन प्रोडक्ट एक्सपोर्ट डेव. अथॉरिटी कोच्चि
139 एमएसटीसी लि. कोलकाता
140 मैटल बॉक्स कंपनी ऑफ इंडिया लि. चेन्नई
141 महाराष्ट्र राज्य वस्त्र निगम लि. मुम्बई
142 मेकॉन लि. नई दिल्ली
143 माइका मैन्युफैक्चरिंग कं. प्रा. लि. कोलकाता
144 एमएमटीसी लिमिटेड नई दिल्ली
145 एमएसएसआईडीसी लिमिटेड मुम्बई
146 मोहन एक्सपोर्टस् (इंडिया) लि. नई दिल्ली
147 महाराष्ट्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड पुणे
148 मैक्सवेल एक्जिम लि. पांडिचेरी
149 एमवीआर इंडस्ट्रीज लि. पांडिचेरी
150 मेट्रोकेम इंडस्ट्रीज लि. अहमदाबाद
151 राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान नई दिल्ली
152 नागार्जुन सिग्नॉड्स लि. हैदराबाद
153 नरूला उद्योग (इं) प्रा. लि. नई दिल्ली
154 नैशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल एक्सटेन्शन मैनेजमेन्ट हैदराबाद
155 नैशनल मिनरल डेवलपमेन्ट कार्प. लि. हैदराबाद
156 नैशनल बिलडिंग कन्स्ट्रक्शन कार्पोरेशन लि. नई दिल्ली
157 नैशनल टेक्सटाइल कार्पोरेशन लि. मुम्बई
158 राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम लि. नई दिल्ली
159 भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लि. नई दिल्ली
160 न्यू सेन्ट्रल जूट मिल्स कं. लि. कोलकाता
161 नव भारत कार्पोरेशन मुम्बई
162 राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक मुम्बई
163 आयुध फैक्ट्री बोर्ड कोलकाता
164 ओवरसीज कन्स्ट्रकशन काउन्सिल ऑफ इंडिया नई दिल्ली
165 पैन फूड्स लिमिटेड पानीपत
166 पॉवरलूम डेवलपमेन्ट एन्ड ईपीसी मुम्बई
167 पाम फार्मास्युटिकल्स (दिल्ली) लि. दिल्ली
168 पीएसजी इन्स्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट कोयम्बतूर
169 पीसीआई लि. नई दिल्ली
170 पॉलिएफिन्स इंडस्ट्रीज लि. मुम्बई
171 पारीख ब्रदर्स मुम्बई
172 पंजाब एन्ड सिंध बैंक नई दिल्ली
173 प्रोजेक्ट एन्ड इक्विपमेन्ट कार्प. ऑफ इंडिया लि. नई दिल्ली
174 पंजाब नैशनल बैंक नई दिल्ली
175 रानी एजेन्सी सालेम
176 रबर बोर्ड कोट्टयम
177 राष्ट्रीय इस्पात निगम लि. विशाखापटनम
178 रैकेट एन्ड कोलमैन ऑफ इंडिया लि. कोलकाता

179 राजस्थान लघु उद्योग निगम लि. जयपुर

180 सुराज डायमन्ड्स (आई) लि. मुम्बई

181 सतनाम ओवरसीज लिमिटेड नई दिल्ली

182 शाह न्यूमेटिक्स मुम्बई

183 सांगली बैंक लिमिटेड सांगली

184 श्रीजी कैमिकल्स अहमदाबाद

185 शॉपोरजी पालनजी एन्ड कंपनी प्रा. लि. मुम्बई

186 एसटीसी ऑफ इंडिया लि. नई दिल्ली

187 श्रीराम जूट मिल्स लि. कोलकाता

188 भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि. कोलकाता

189 सेल इन्टरनेशनल लि. नई दिल्ली

190 संघवी एक्सपोर्टस मुम्बई

191 सिन्थेटिक एन्ड रेयॉन टेक्सटाइल्स एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउन्सिल मुम्बई

192 स्पाइसेस बोर्ड कोचीन

193 स्पोर्टस गुड्स एक्सपोर्ट प्रोमेशन काउन्सिल नई दिल्ली

194 सेठ घासीराम गोपीकिशन बद्रुका एडुकेशनल सोसायटी (पंजी) हैदराबाद

195 टी. अबदुल वाहिद एन्ड कम्पनी चेन्नई

196 टाटा एक्सपोर्टस् लिमिटेड मुम्बई

197 टाटा इन्डस्ट्रीज प्रा. लि. मुम्बई

198 टेक्नोफैब इंजीनियरिंग लि. नई दिल्ली

199 टेक्समेको लिमिटेड कोलकाता

200 टी बोर्ड कोलकाता

201 थर्मेक्स लिमिटेड पुणे

202 त्रिवेणी स्ट्रक्चरल्स लि. इलाहाबाद

203 टीएनटी इंडिया लि. नई दिल्ली

204 यू. बी. एक्सपोर्टस बेंगलूरू

205 उत्तर प्रदेश सहकारी संघ लि. लखनऊ

206 उत्तर प्रदेश निर्यात निगम लि. नई दिल्ली

207 ऊषा इन्टरकॉन्टिनेन्टल (इंडिया) नई दिल्ली

208 वी. डी. स्वामी एन्ड कम्पनी लि. चेन्नई

209 वी. एस. डेम्पो एन्ड कं. लि. पणजी

210 वर्धमान सपिनिंग एन्ड जनरल मिल्स लिमिटेड लुधियाना

211 वासु अगरबत्ती मैसूर

212 विक्टर टूल्स प्रा. लि. जलंधर

213 वीबीसी एडूकेशनल सोसायटी विशाखापटनम

214 वोल्टास लिमिटेड हैदराबाद यूनिट हैदराबाद

Note :

Note :

वेबसाइट : www.iift.ac.in

आईआईएफटी के नए परिसर का कलात्मक दृश्य, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्थापित)

दिल्ली परिसर

आईआईएफटी भवन, बी–21 कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली–110 016

फोन : 011–39147200 – 205 (पीबीएक्स)

कोलकाता परिसर

1583, मदुरदाहा, चौबाघा मार्ग, वार्ड नं. 108, बोरो XII,

कोलकाता–700 107

फोन : 033-35014500, 35014600 (पीबीएक्स)

काकिनाड़ा परिसर

आईआईएफटी भवन, जेएनटीयूके परिसर

काकिनाड़ा-533 003

मुद्रण एवं प्रिंटिंग ईशा एडवरटाइजिंग प्रा० लि०